वार्षिक रिपोर्ट

2012-2013

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय

17-बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली-110016

© राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (200 प्रतियाँ), 2013

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय के लिए कुलसचिव, न्यूपा द्वारा प्रकाशित तथा विबा प्रेस प्रा. लि. सी-66/3, ओखला इंडस्ट्रीयल एरिया, फेज-2, नई दिल्ली-110020 में न्यूपा के प्रकाशन एकक द्वारा मुद्रित।

विषय सूची

अध्याय

1.	विहंगावलोकन	1
2.	अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम	19
3.	अनुसंधान और मूल्यांकन	37
4.	साहचर्या और सहभागिता	59
5.	न्यूपा में नई पहल	65
6.	पुस्तकालय और सूचना सेवाएं	71
7.	कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं	77
8.	प्रकाशन कार्यक्रम	81
9.	न्यूपा में सहायता अनुदान योजना	87
10.	प्रशासन, वित्त तथा समर्थन सेवाएं	95

अनुलग्नक

I.	संकाय का अकादमिक योगदान	101

परिशिष्ट

I.	न्यूपा परिषद् के सदस्य	159
II.	प्रबंधन बोर्ड के सदस्य	163
III.	वित्त समिति के सदस्य	164
IV.	अकादमिक परिषद के सदस्य	165
V.	अध्ययन बोर्ड के सदस्य	167
VI.	संकाय तथा प्रशासनिक स्टाफ	169
VII.	वार्षिक लेखा	173
	लेखापरीक्षा रिपोर्ट	225

विहंगावलोकन 1

विहंगावलोकन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) देश के शिक्षा संस्थानों के बीच सतत् महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। इसके कार्यकलापों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्य सम्मिलित हैं ।

इसकी स्थापना आरंभिक रूप से फरवरी 1962 में यूनेस्को तथा भारत सरकार के बीच हस्ताक्षरित समझौते के अंतर्गत शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिये एशिया क्षेत्रीय केंद्र के रूप में हुई थी। एशिया क्षेत्रीय केंद्र का मुख्य कार्य एशिया के शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिये शैक्षिक योजना, प्रशासन तथा विद्यालय पर्यवेक्षण से संबंधित समस्याओं पर अनुसंधान तथा अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन तथा सदस्य राज्यों को तकनीकी सहायता प्रदान करना था।

1 अप्रैल 1965 से शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिये एशिया क्षेत्रीय केंद्र का नाम बदलकर एशिया शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान कर दिया गया । यूनेस्को तथा भारत सरकार के बीच दस वर्ष के समझौते के समाप्त होने के बाद, एशिया संस्थान को भारत सरकार द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया और तत्पश्चात दिसंबर 1970 में शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के लिये राष्ट्रीय स्टाफ कालेज की स्थापना की गई। शैक्षिक योजना और प्रशासकों के लिये राष्ट्रीय स्टाफ कालेज का पुनर्गठन किया गया और 31 मई 1979 को इसका विस्तार करते हुये इसको राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) के रूप में पुन: पंजीकृत किया गया।

शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन के क्षेत्र में नीपा द्वारा किये गये महत्वपूर्ण कार्यों को देखते हुये संस्थान को वर्ष 2006 में यू.जी.सी. एक्ट, 1956 की धारा 3 के अंतर्गत इसे 'मानद विश्वविद्यालय' का दर्जा प्राप्त हुआ जिसके अंतर्गत इसे डिग्री प्रदान करने की शक्ति प्रदान की गई और पुन: नाम परिवर्तन के बाद इसे राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) कहा जाने लगा। इसे आगे 'राष्ट्रीय विश्वविद्यालय' के नाम से संबोधित किया जायेगा। अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तरह यह पूर्णत: भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है।

न्यूपा का मिशन और विज़न

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय का उद्देश्य 'ज्ञान के विकास के माध्यम से एक मानवीय अधिगम समाज का निर्माण करना है'। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु राष्ट्रीय विश्वविद्यालय शैक्षिक नीति, उच्च स्तरीय शिक्षण के साथ योजना तथा प्रबंधन, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय का उद्देश्य 'ज्ञान के विकास के माध्यम से एक मानवीय अधिगम समाज का निर्माण करना है'। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु राष्ट्रीय विश्वविद्यालय शैक्षिक नीति, उच्च स्तरीय शिक्षण के साथ योजना तथा प्रबंधन, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में सेवायें प्रदान करने हेतु मिशन के रूप में कार्य कर रहा है।

4

अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में सेवायें प्रदान करने हेतु मिशन के रूप में कार्य कर रहा है। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के मुख्य कार्यनीतिक उद्देश्य निम्नांकित हैं :

- शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी नीतियों, योजना तथा कार्यक्रमों के निर्माण और क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय तथा संघ क्षेत्रों के स्तर पर सांस्थानिक क्षमता का सुदृढ़ीकरण तथा स्कूल, समुदाय, जिला, राज्य/संघ प्रदेशों तथा राष्ट्रीय स्तर पर एक त्वरित, सहभागिता और जवाबदेह शैक्षिक अभिशासन तथा प्रबंधन प्रणाली का सांस्थनीकरण
- शैक्षिक सुधारों का अनुसमर्थन करने और शिक्षा क्षेत्र के विकास कार्यक्रमों की प्रभावी योजना, डिजाइन, कार्यान्वयन और अनुश्रवण को बढ़ावा देने के प्रयोजन से अपेक्षित ज्ञान और कौशलों से सुसज्जित शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के क्षेत्र में युवा पेशेवरों सहित और शिक्षाविदों सहित विशेषीकृत मानव संसाधनों के समूह का विस्तार करना;
- शैक्षिक क्षेत्र में उभरती तथा वर्तमान चुनौतियों का सामना करने हेतु तथ्य आधारित जवाबदेही एवं प्रभावी कार्यक्रम क्रियान्वयन को बढ़ावा देने हेतु शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन एवं संबंधित विषयों के ज्ञान आधार में वृद्धि;
- शैक्षिक क्षेत्र विकास लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु प्रभावी शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार तथा बेहतर शैक्षिक नीतियों के क्रियान्वयन हेतु शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार, अनुसंधान परिणामों, नवाचारों तथा सर्वोत्तम व्यवहार समेत सूचना तथा ज्ञान की साझेदारी एवं पहुंच में सुधार।
- अंतरशास्त्रीय जिज्ञासाओं को प्रोत्साहन देते हुये शैक्षिक नीति निर्माण, शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार/तकनीक शिक्षा के सभी चरणों तथा व्यवस्था में, तथा रणनीतिक उपागम शैक्षिक योजना प्रक्रियाओं, अभिशासन तथा प्रबंधन में सुधार हेतु तथा अंतरशास्त्रीय जिज्ञासाओं में नेतृत्वकारी भूमिका जो शैक्षिक नीति-निर्माण तथा देश में शैक्षिक योजना तथा प्रशासन व्यवहार का निर्माण करती है।

मुख्य कार्य

अपने मिशन की प्रतिबद्धता में राष्ट्रीय विश्वविद्यालय निम्नांकित कार्यो में संलग्न है:

- शिक्षा के सभी चरणों में शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन में नेतृत्वकारी भूमिका प्रदान करना;
- सर्वोत्तम प्रशिक्षित शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के कैडर के गठन हेतु प्री-डाक्टरल,डॉक्टरल तथा पोस्ट डॉक्टरल कार्यक्रमों और व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों सहित अध्यापन के विकसित अंतरशास्त्रीय कार्यक्रमों का विकास तथा आयोजन और साथ में शैक्षिक नीतियों योजना तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा, क्रियान्वयन, अनुश्रवण हेतु सतत् सांस्थानिक क्षमता का निर्माण करना;

- शैक्षिक लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अनुसंधान एजेंडा तथा वचनबद्धता को स्वरूप देना, क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिये आवश्यक समर्थन हेतु नये ज्ञान का सृजन तथा तथ्य आधारित नीति निर्माण और बेहतर शैक्षिक योजना और प्रबंधन व्यवहार;
- केंद्रीय तथा राज्य सरकारों को तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संस्थानों को उनकी शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन से संबंधित क्षमता निर्माण तथा अनुसंधान आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु तकनीकी समर्थन प्रदान करना और उन्हें शैक्षिक नीतियों, योजनाओं तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा, अनुश्रवण तथा मूल्यांकन में सुधार हेतु मदद करना;
- शैक्षिक क्षेत्र के विकास कार्यक्रमों के मूल्यांकन तथा निर्माण हेतु राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों को परामर्श सेवायें प्रदान करना;
- शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान तथा नवीन ज्ञान के सृजन हेतु सूचना तथा विचारों के समाशोधन गृह के रूप में कार्य, शैक्षिक नीतियों, योजना तथा प्रशासन में विशेष रूप से, विचारों/अनुभवों के आदान-प्रदान तथा नीति-निर्माताओं, शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के बीच नीतिगत चर्चा हेतु विचार मंच प्रदान करना, प्रभावी नीतियों तथा शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन तकनीक/व्यवहार को शिक्षा क्षेत्र संबंधी चुनौतियों को सामना करने हेतु चिन्हित करना तथा शिक्षा क्षेत्र संबंधी विकास लक्ष्यों/उद्देश्यों को प्राप्त करना;
- शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में सुधार हेतु संयुक्त प्रयासों/कार्यक्रमों तथा अनुसंधान अध्ययनों को प्रोत्साहन देने के लिए संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था के अंतर्गत कार्यक्रमों, निधि एवं एजेंसियों समेत राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों एवं संगठनों के साथ नेटवर्किंग तथा सहयोग;
- शैक्षिक क्षेत्र के विकास में उभरती हुई प्रवृत्तियों का मूल्यांकन तथा विश्लेषण, शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में उभरती हुई चुनौतियों की पहचान तथा शैक्षिक क्षेत्र विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु उपयुक्त नीति निर्माण तथा कार्यक्रम हस्तक्षेप के निर्माण हेतु सरलीकरण के लिए शैक्षिक क्षेत्र विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्रगति का मूल्यांकन।

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के उपरोक्त कार्य राज्य तथा संघशासित प्रदेश एवं केंद्रीय स्तर पर सरकारों तथा संस्थानों के साथ निकटतम संपर्क तथा सहयोग द्वारा आयोजित किये जाते हैं। उच्च स्तरीय शिक्षा के साथ राष्ट्रीय विश्वविद्यालय कार्यक्रम क्रियान्वयन तथा मूल्यांकन एवं शिक्षा व्यवस्था की योजना तथा प्रबंधन से संबंधित मुद्दों को संबोधित करता है। विश्वविद्यालय का एक मुख्य पहलु क्षेत्र के साथ जुड़ाव है। क्षेत्र के साथ राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का संबंध द्वि-रूप में है। विश्वविद्यालय अपने ज्ञान आधार में वृद्धि वास्तविकता क्षेत्र में अनुसंधान तथा क्षेत्र कार्यकर्ताओं के साथ स्कूल, कालेज, राज्य तथा केंद्रीय सरकार के विभिन्न स्तरों पर विभागों के साथ संपर्क द्वारा करता है। राष्ट्रीय संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय राज्यों/संघशासित प्रदेशों की शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन संबंधी क्षमता

निर्माण को पूर्ण करने हेतु संसाधन व्यवक्तियों को प्रशिक्षण, राज्य सरकारों तथा राज्य संस्थानों के साथ निकटवर्ती संपर्क, उनकी शैक्षिक व्यवस्था का समालोचनात्मक अध्ययन, नीतियां तथा कार्यक्रम एवं उन्हें व्यावसायिक परामर्श तथा तकनीकी समर्थन हेतु प्रयासरत है। विश्वविद्यालय अपने बहुसंख्यक क्षमता निर्माण के कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी विशेषज्ञता, अनुभव और अन्तर्दृष्टि क्षेत्र आधारित शैक्षिक कार्यकर्त्ताओं को हस्तान्तरित कर रहा है। इस प्रकार की विश्वविद्यालय की यह दोहरी भूमिका विश्वविद्यालय को उसके अध्यापन तथा अनुसंधान के अकादमिक कार्य में वृहद प्रामाणिकता प्रदान करती है।

अकादमिक ढांचा तथा समर्थन सेवाएं

संस्थान के अकादमिक ढांचे में विभाग, केंद्र, विशेष पीठ हैं जो शिक्षा के विशिष्ट पक्षों को संबोधित करते हैं तथा तकनीकी समर्थन एकक/समूह तथा अकादमिक समर्थन प्रणाली अपने संबंधित विषयगत क्षेत्रों से जुड़ी विकास तथा क्रियान्वयनकारी गविधियों के प्रति उत्तरदायी हैं। विश्वविद्यालय के संकाय में प्रोफेसर, सह-प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर तथा राष्ट्रीय अध्येता सम्मिलित हैं जो शिक्षा नीति, योजना तथा प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ हैं। प्रत्येक विभाग अंतरशास्त्रीय विषयों के आधार पर संयोजित है और ज्ञान, विद्वता तथा अन्य अध्ययन कार्यक्रमों और अनुसंधान क्षेत्रों, सामान्यत: शिक्षा, और विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन में विशेष तौर पर संसाधन प्रदान करते हैं। प्रत्येक विभाग के पास अनुसंधान/परियोजना सहायकों तथा अनुसचिवीय स्टाफ के अतिरिक्त विषय विशेषज्ञ के रूप में संकाय सदस्य हैं। अकादमिक विभाग का अध्यक्ष प्रोफेसर होता है। विभाग विभिन्न प्रशिक्षण तथा अनुसंधन कार्यक्रमों के निष्पादन और विकास तथा उनको प्रदान किये गये क्षेत्रों में परामर्श तथा सलाहकारी सेवाएं प्रदान करते हैं।

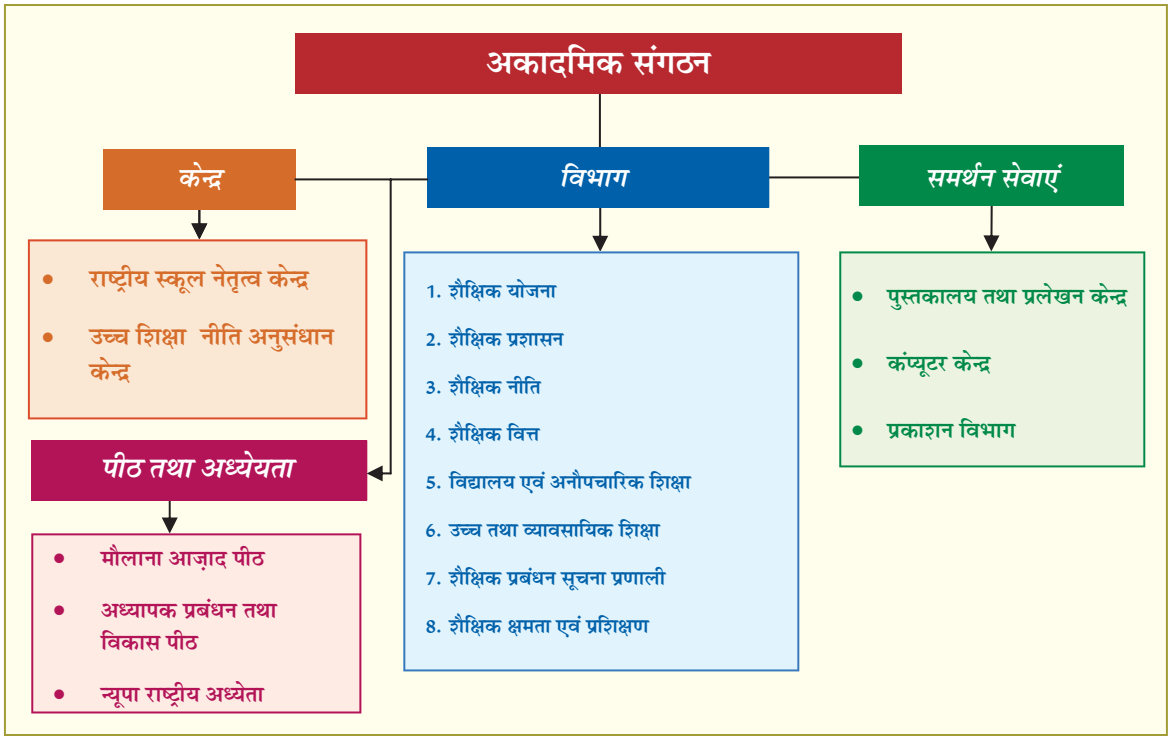

समीक्षाधीन वर्ष के अंतर्गत, विश्वविद्यालय के अकादमिक कार्यक्रमों का आयोजन आठ अकादमिक विभागों तथा विशेष पीठ द्वारा तथा स्कूल नेतृत्व के लिए राष्ट्रीय केंद्र द्वारा किया गया जिन्हें अकादमिक तथा प्रशासनिक सेवा एककों द्वारा समर्थन प्रदान किया गया।

अकादमिक विभाग

शैक्षिक योजना विभाग : केंद्रीकृत नियोजन से हटकर विकेंद्रीकृत योजनाओं पर बल के साथ, न्यूपा के प्रमुख विभागों में से एक के रूप में यह विभाग, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर संस्थागत योजना के आगतों, प्रक्रियाओं, और उत्पादों के एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करता है। पारंपरिक अर्थों में व्यापक योजना से हटकर आज, आर्थिक उदारीकरण की पृष्ठभूमि में, ध्यान रणनीतिक योजना पर स्थानांतरित हो गया है। हाल के दिनों में, गरीबी कम करने और स्थायी विकास को बढ़ावा देने के लिए एक साधन के रूप में शिक्षा पर दबाव के साथ न केवल शैक्षिक योजना का दायरा समष्टि स्तर पर रणनीतिक योजना के संस्थानीकरण को कवर करना है बल्कि विकेन्द्रीकरण को बढ़ावा देने और शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए स्कूल मैपिंग, सूक्ष्म नियोजन और स्कूल सुधार योजना के रूप में स्थानीय स्तर की योजना तकनीकों का प्रयोग करना भी है। यह विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निकायों को परामर्श उलब्ध कराने के साथ-साथ शिक्षण और प्रशिक्षण, शैक्षिक योजनाकारों के पेशेवर विकास, अनुसंधान और क्षमता विकास कार्यक्रमों के माध्यम से किया जाता है। विभाग शैक्षिक विकास में पहल का निदान और मूल्यांकन के लिए महत्वपूर्ण डेटा विश्लेषण और संकेतकों के प्रयोग हेतु शिक्षा पदाधिकारियों की क्षमताओं में सुधार करने में लगा हुआ है। विभाग एम.फिल. और पी-एच.डी. के विभिन्न कोर और वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के संचालन, शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में डिप्लोमा सहित राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षण कार्यक्रमों के संचालन में योगदान देता है।

शैक्षिक प्रशासन विभाग : राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के मुख्य विषयगत विभाग के रूप में शैक्षिक प्रशासन विभाग शिक्षा प्रशासन और प्रबंधन के विविध आयामों अनुसंधान,अध्ययन, प्रशिक्षण तथा परामर्शकारी सेवाओं में सक्रिय रूप से संलग्न है। विभाग का एक मुख्य कार्यक्रम शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों को प्राप्त करते हेतु नागरिक केंद्रित तथा शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन के त्वरित व्यवस्था के माध्यम से अनुकूल वातावरण बनाने पर बल देना है। यह विभाग शोध तथा गहन अध्ययनों और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के द्वारा शैक्षिक प्रशासन की बढ़ती आवश्यकयताओं और चुनौतियों के समाधान हेतु प्रयासरत है। विभाग द्वारा अध्ययन के कुछ क्षेत्रों में राष्ट्रीय से संस्थागत स्तर, संघीय तथा बहु-स्तरीय अभिशासन, शिक्षा में समता का प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार तथा मानव संसाधन प्रबंधन, गुणवत्ता प्रबंधन से जुड़े मुद्दे, सार्वजनिक परीक्षा व्यवस्था का शिक्षा प्रशासन तथा सांस्थानिक स्तर पर योजना तथा प्रबंधन, क्षमता निर्माण कार्यक्रम में स्कूल प्रमुखों के लिए नेतृत्वकारी विकास कार्यक्रम, शिक्षा में समता तथा विविधता प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार तथा विकास, अल्पसंख्यक शिक्षा संस्थानों का प्रबंधन तथा व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास शामिल है। विभाग राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के सभी शिक्षण कार्यक्रमों में योगदान देता है जिसके अंतर्गत एम.फिल., पी.एच.डी., डेपा तथा आईडेपा कार्यक्रमों के वैकल्पिक पाठ्यक्रमों सहित विभिन्न पाठ्यमक्रमों का संचालन सम्मिलित हैं।

शैक्षिक वित्त विभाग : इस विभाग का दोहरा उद्देश्य शिक्षा के सभी स्तरों –राष्ट्रीय, प्रादेशिक तथा विश्वस्तर पर आर्थिक तथा वित्तीय पक्ष पर अनुसंधान करना तथा उसे प्रोत्साहित करना है तथा विकासशील देशों और भारत में शिक्षा क्षेत्र की वित्तीय योजना तथा प्रबंधन से जुड़े कर्मियों के क्षमता निर्माण का सृजन करना है। विभाग के कार्यक्रम/गतिविधियां– अनुसंधान, अध्यापन, प्रशिक्षण तथा परामर्श हैं जो नीति, योजना तथा विकास, शिक्षा के सार्वजनिक तथा निजी वित्त पोषण, सरकारी तथा निजी संसाधनों की लामबंदी, शिक्षा के सभी स्तरों पर संसाधनों का आवंटन तथा उपयोग, प्राथमिक से उच्च, तथा संसाधन आवश्यकताओं के आकलन से जुड़े मुद्दों के इर्द-गिर्द केंद्रित हैं। अध्यापन कार्यक्रम से जुड़े सैंद्धान्तिक तथा व्यावहारिक मुद्दों के संबंध में शिक्षा के आर्थिक तथा वित्तीय मुद्दे, हाल ही में विभाग द्वारा किये गये नवीनतम अध्ययन तथा प्रकाशन, शिक्षा का निजी वित्त पोषण, बाह्य वित्तपोषण, निजीकरण, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण, वित्त में केंद्र-राज्य संबंध, संसाधन आवश्यकताओं का आकलन, डी.पी.ई.पी. में निवेश पद्धति, सर्व शिक्षा अभियान इत्यादि हैं। विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के कुछ विषय है :- विद्यालयी शिक्षा में योजना तथा वित्त प्रबंधन, उच्च शिक्षा में योजना तथा वित्त प्रबंधन, विश्वविद्यालय वित्त की योजना तथा प्रबंधन। इन कार्यक्रमों के लक्ष्य समूह हैं– शिक्षा सचिव/संयुक्त सचिव, निदेशक/संयुक्त शिक्षा निदेशक तथा राज्यों तथा केंद्र में शिक्षा विभागों में शिक्षा के वित्तीय पक्ष से संबंधित योजना एवं वित्त अधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी। विभाग अर्थशास्त्र तथा शिक्षा के वित्तपोषण पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम आयोजित करता है तथा विभाग का संकाय एम.फिल. तथा पी.एच.डी. कार्यक्रमों के निर्देशन में भी संलग्न रहा है। भारत सरकार, योजना आयोग, दिल्ली विश्वविद्यालय, इग्नोऊ, यू.जी.सी., राज्य सरकारों तथा अन्य निकायों को भी सलाहकारी सेवाएं यह विभाग प्रदान करता है।

शैक्षिक नीति विभाग : यह विभाग नीतियों से संबंधित विभिन्न मसलों पर जिन दिशाओं की ओर शिक्षा व्यवस्था आगे बढ़ चुकी है, उन्हें ध्यान में रखते हुए शैक्षिक नीति संबंधी अध्ययन करता है। यह शिक्षा के सभी स्तरों पर शिक्षा की पहुंच, समता, गुणवत्ता और प्रासंगिकता के सम्मुख आने वाली मुख्य बाधाओं के बारे में जानकारी बढ़ाने हेतु प्रतिबद्ध है। इस विभाग के अनुसंधान के प्रमुख शोध केंद्र बिंदु केंद्र प्रायोजित योजनाओं का मूल्यांकन और नीति तथा व्यवहार की समझ संबंधी शोध हैं। यह भारतीय परिप्रेक्ष्य में नीति-निर्माताओं के बीच नीति निर्माण के प्रति मूलभूत समझ विकसित करने का प्रयास भी करता है। यह विभाग नीति निर्माताओं, कार्यकर्त्ताओं और शैक्षिक नीति तथा सार्वजनिक नीति से जुड़े अन्य लाभार्थियों/व्यक्तियों के लिए नीति संबंधी विभिन्न मुद्दों पर परिसंवाद और प्रशिक्षण कार्य आयोजित करने में सहयोग करता है। यह नीति के बहुस्तरीय अभिशासन को बल देता है जिसमें आधारभूत स्तर पर सहभागिता पूर्ण ढांचे पर फोकस किया जाता है। मिसाल के तौर पर शिक्षा की विकेंद्रीकृत योजना और स्कूली शिक्षा में समुदाय की भूमिका इसके शोध अध्ययनों में प्रकट होता है। यह विभाग राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के एम.फिल., पी-एच.डी., डेपा और आईडेपा कार्यक्रमों के कुछ पाठ्यक्रमों सहित अध्यापन संबंधी सभी कार्यक्रमों में योगदान करता है। यह सांस्थानिक निर्माण और क्षमता संवर्द्धन संबंधी कार्यक्रमों में राज्य सरकारों को परामर्शकारी सेवा भी प्रदान करता है।

विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा विभाग : विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा विभाग व्यापक रूप से समेकित ढांचे के अंतर्गत समग्र स्कूल शिक्षा, अनौपचारिक और प्रौढ़ साक्षरता से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेष बल देता है। यह विभाग भारत में स्कूली शिक्षा सुधार के लिए नीतियों तथा व्यावहारिक हस्तक्षेपों हेतु अनुभवजन्य आधार प्रदान करने के उद्देश्य से शोध अध्ययन करता है। यह सबके लिए शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शिक्षा प्राधिकारियों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने हेतु केंद्र, राज्य तथा जिला स्तर के अधिकारियों के क्षमता विकास संबंधी कार्यों में संलग्न है। स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में अनुभव और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान और मजबूत और सौहार्दपूर्ण सह संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से यह विभाग राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग करता है। इसके अलावा यह योजनाओं तथा नीतियों के प्रतिपादन और कार्यान्वयन, राज्य तथा केंद्र सरकारों को परामर्श और अनुसमर्थन प्रदान करता है। यह विभाग शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम एवं एम.फिल, पी-एच.डी. के कुछ पाठ्यक्रमों के अध्यापन सहित अन्य अध्यापन कार्यक्रमों में योगदान करता है। सबके लिए शिक्षा की गुणवत्ता की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समुचित नीतियों तथा व्यावहारिक हस्तक्षेपों के विकास के उद्देश्य से यह विभाग सरकारी, गैर सरकारी तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से निकट सह-संबंध स्थापित करता है। इस विभाग के अन्य प्रमुख कार्यों में शामिल हैं- पूर्व प्राथमिक और माध्यमिक स्तर तक शिक्षा का अधिकार का विस्तार, शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा की योजना/प्रबंधन एवं गुणवत्ता संबंधी मुद्दे, पोषण और शिक्षा, स्कूली शिक्षा का सार्वभौमीकरण, प्रौढ़ शिक्षा, साक्षरता, नागरिक संघर्ष वाले क्षेत्रों में शिक्षा की व्यवस्था और सुरक्षित स्कूल।

उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग : विभाग का मुख्य बल उच्च तथा व्यावसायिक शिक्षा की नीति, योजना तथा प्रबंधन पर है। यह उच्च तथा व्यावसायिक शिक्षा की गुणवत्ता, अभिशासन तथा अंतर्राष्ट्रीयकरण और वित्त पोषण जैसे मुद्दों पर अनुसंधान करता है। विभाग के संकाय सदस्य उच्च शिक्षा के विभिन्न पक्षों जैसे, उच्च शिक्षा में मुसलमानों की भागीदारी, उच्च शिक्षा का वित्तपोषण, कालेजों में स्वयं वित्त पोषित कार्यक्रम, भारत में विदेशी शिक्षा प्रदात्ता, वंचित युवाओं के लिये वैकल्पिक और नवाचारी शिक्षा, कालेजों तथा विश्वविद्यालयों में अध्यापकों की गतिशीलता, भारत के विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्र संबंधी विषयों पर अनुसंधान करता है। दो अनुसंधान अध्ययन-उच्च शिक्षा में वहनता तथा वित्तपोषण और भारत में निजी विश्वविद्यालय जारी हैं। विभाग मा.सं.वि. मंत्राालय, भारत सरकार को अनुसंधान समर्थन तथा सलाहकारी समर्थन प्रदान करता है। विभाग उच्च शिक्षा के लिये पंचवर्षीय योजना की तैयारी में सहयोग करता है तथा कॉलेज प्रचार्यों, अकादमिक स्टाफ़ कालेजों के निदेशकों, विश्वविद्यालयों के डीन और कुलसचिवों, कुलपतियों, विशेषज्ञों के लिये संगोष्ठी तथा सम्मेलनों का आयोजन यू.जी.सी. के सहयोग से करता रहा है। वार्षिक कार्यक्रमों के अंतर्गत यह विभाग विभिन्न श्रेणियों के कॉलेज प्राचार्यों के लिये नियमित प्रशि क्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। विभाग विश्वविद्यालयों तथा कालेजों को उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच के विभिन्न आयामों तथा अकादमिक सुधार पर संगोष्ठियां आयोजित करने में अकादमिक समर्थन प्रदान करता है। विभाग राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रम- एम.फिल तथा पी.एच.डी. कार्यक्रमों के केंद्रिक तथा वैकल्पिक पाठ्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है और इसके शोधार्थियों का अतिरिक्त शोधनिर्देशन कर रहा है।

शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग : प्रशिक्षण और क्षमता विकास संबंधी गतिविधियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए न्यूपा ने विशेष रूप से शिक्षा में प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग की स्थापना की। इस विभाग की स्थापना से न्यूपा की गतिविधियों से विशेषकर भारत और अन्य विकासशील देशों के शैक्षिक योजनाकारों और प्रशासकों के लाभार्थ प्रशिक्षण और क्षमता विकास संबंधी कार्यक्रमों को प्रोत्साहन मिला। विश्वविद्यालय में अन्य क्षमता विकास कार्यक्रमों के आयोजन के अलावा यह विभाग विश्वविद्यालय द्वारा संचालित दो दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों – शैक्षिक योजना और प्रशासन में राष्ट्रीय डिप्लोमा (डेपा) और शैक्षणिक योजना और प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) का संयोजन भी करता है।

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग : शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग शोध और क्षमता विकास संबंधित कार्य करता है और भारत सहित विश्व के विभिन्न देशों की शिक्षा का आंकड़ा आधार और प्रबंधन सूचना प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए तकनीकी परामर्श देता है। यह विभाग भारत में प्रारंभिक शिक्षा की प्रबंधन सूचना प्रणाली (एम आई एस) और आंकड़ा आधार को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय और यूनीसेफ के सहयोग से जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (डाइस) का प्रबंधन करता है। इसके अलावा यह विभाग शैक्षिक सांख्यिकी के मुद्दों और शिक्षा के समकालीन मुद्दों पर सम्मेलन/संगोष्ठियां और शैक्षिक योजना में मात्रात्मक विधियों पर कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है और सांख्यिकी तथा प्रबंधन सूचना प्रणाली पर परामर्श प्रदान करता है। विभाग के संकाय सदस्य मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली के निर्माण हेतु गठित विशेषज्ञ समिति में सक्रिय रूप से शामिल हैं। तद्नुसार स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली की दिशा में वर्ष 2012–13 से देशभर में समान आंकड़ा प्रपत्र में पहले कदम के रूप में डाइस और सेमीस का समेकन आंकड़ा गया है। इस विभाग द्वारा आयोजित कुछ कार्यक्रमों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं के विषय निम्नलिखित हैं : शैक्षिक योजना में मात्रात्मक तकनीकों का प्रयोग, एजुसेट द्वारा डाइस पर संवेदनशीलता कार्यक्रम, शैक्षिक शोध में डाइस आंकड़ों का उपयोग और स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली आदि। यह विभाग तीसरी दुनिया के देशों के लिए ईएमआईएस पर सुनियोजित पाठ्यक्रम के साथ–साथ डेपा और आईडेपा में शैक्षिक योजना में मात्रात्मक विधि पर पाठ्यक्रम का अध्यापन करता है। विभाग का संकाय ईएमआईएस और स्कूली शिक्षा से संबंधित पक्षों पर भारत सरकार के साथ–साथ राज्य सरकारों को परामर्शकारी सेवाएं प्रदान करता है।

केंद्र

राष्ट्रीय स्कूल नेतृत्व केंद्र (एनसीएसएल): यह केंद्र भरत में स्कूलों में सुधार के लिए नेतृत्व क्षमता निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। यह स्कूल में कार्यात्मक प्रबंधकों का परिवर्तन कर उनमें स्कूल नेतृत्व विकसित करने हेतु सतत कार्यक्रमों का प्रस्ताव करता है। नेतृत्व विकास के लिए महत्वपूर्ण चिंताओं को संबोधित करते हुए केंद्र नेताओं को मदद करने हेतु और स्कूलों में सुधार के लिए सैद्धान्तिक

दृष्टिकोण और स्कूल वास्तविकताओं के बीच अंतर को पूरा करने के लिए आवश्यकता आधारित कार्यक्रमों की पेशकश करता है। यह कार्यक्रम भारत में स्कूलों में विभिन्न संदर्भों और विविधताओं को संबोधित करने के लिए गतिविधि के रूप में अनुभवजन्य अनुसंधान को समर्थन देता है। यह एक निर्दिष्ट भौगोलिक क्षेत्र के भीतर स्कूल व्यावसायकर्त्ताओं तक पहुँचने के लिए जिला और ब्लॉक स्तर पर संस्थाओं के नेटवर्क के माध्यम से दीर्घकालिक जुड़ाव का प्रयास कर रहा है।

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सहायता से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए एक विशेष शैक्षणिक संस्था के रूप में सी.पी.आर.एच.ई. का गठन सदियों से देश में उच्च शिक्षा प्रणाली के विकास के विभिन्न पहलुओं पर मजबूत अनुसंधान ज्ञान को विकसित करने के लिए राष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा किया गया है। यह कैसे विकास में योगदान देता है और उनकी ताकत और कमजोरियों के साथ कैसे प्रभावित हो जाता है, इसके निहितार्थों के तहत सुधार के लिए केंद्र प्रयासरत है। इस तरह के अनुसंधान ठोस और प्रभावी नीति बनाने की दिशा में बाधाओं को हटाने के लिये मार्ग प्रशस्त करने की अपेक्षा रखते हैं।

विशेष पीठ

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठ : राष्ट्रीय विश्वविद्यालय की रूपरेखा और दृष्टिकोण शिक्षा के क्षेत्र में महान व्यक्तियों के योगदान की स्मृति में शिक्षा और पीठों के विशिष्ट विषयगत क्षेत्रों के लिए केंद्रों, विभिन्न क्षेत्रों और शिक्षा के क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान विभागों को बनाने का है।

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठ स्वतंत्र भारत के शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति के पहले मंत्री थे जो मौलाना आज़ाद के योगदान को स्मरण करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्थापित किया गया है।। पीठ का मुख्य अनुसंधान क्षेत्र 1950 के दशक के अंतिम वर्षों के दौरान मौलाना आजाद के योगदान की खोज करते हुए एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति के विकास पर अध्ययन है। अध्यक्ष के तत्वाधान में, एक वार्षिक व्याख्यान, मौलाना

आजाद मेमोरियल लेक्चर वर्ष 2010 से प्रारंभ किया गया है। उद्घाटन भाषण ''शिक्षा, आधुनिकीकरण और विकास'' विषय पर प्रख्यात इतिहासकार प्रोफेसर के.एन. पणिक्कर द्वारा 9 नवंबर, 2010 को दिया गया था। दूसरा मौलाना अबुल कलाम आज़ाद व्याख्यान ' महात्मा गांधी और मौलाना अबुल कलाम आज़ाद' विषय पर प्रो. मुशीरुल हसन, पूर्व कुलपति, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया था। तीसरा व्याख्यान ''विकेंद्रीय यूरोपीय उदारवाद और भारत के लोकतांत्रिक संघर्ष' प्रख्यात आर्थिक इतिहासकार प्रोफेसर अमिया बागची द्वारा दिया गया था। पीठ मौलाना आज़ाद के दर्शन और वैश्विक विचारों व अन्य संबंधित मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करता है।

तकनीकी अनुसमर्थन एकक

भारत अफ्रीका शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (आई.ए.आई.ई.पी.ए) तकनीकी अनुसमर्थन एकक : आई.ए.आई.ई.पी.ए. तकनीकी अनुसमर्थन एकक भारत-अफ्रीका शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान की स्थापना और संचालन संबंधी गतिविधियों का समन्वय करता है। अप्रैल 2008 में आयोजित भारत-अफ्रीका मंच सम्मेलन के संकल्पों के कार्यान्वयन हेतु बनाई गई कार्यवाई योजना के ढांचे के अंतर्गत आई ए आई ई पी ए की स्थापना की जा रही है। सहयोग और कार्रवाई योजना के ढांचे के विषयगत क्षेत्रों में एक कार्य सामाजिक विकास और क्षमता निर्माण था। इसके अंतर्गत अफ्रीका में शैक्षिक योजना और प्रशासन से संबंद्ध एजेंसियों तथा संस्थानों को शैक्षणिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु 'भारत-अफ्रीका शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान की स्थापना परिकल्पित है। अफ्रीका यूनियन कमीशन ने इस संस्थान की स्थापना के लिए मेजबान देश के रूप में बुरूण्डी गणराज्य को नामित किया है। यह संस्थान बुरूण्डी गणराज्य की राजधानी बुजुम्बुरा में स्थित है।

भारत-अफ्रीका शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान एक अखिल अफ्रीकी संस्थान होगा जो अफ्रीकी संघ के सदस्य देशों में शैक्षिक विकास की चुनौतियों से निपटने के लिए इन देशों के शिक्षाकर्मियों को आवश्यक व्यावसायिक दक्षता में निपुण बनाने के उद्देश्य से शैक्षिक योजना एवं प्रबंधन में उन्नत प्रशिक्षण और शोध के क्षेत्र में कार्य करेगा। आई ए आई ई पी ए की स्थापना और आरंभिक तीन वर्षों में उसके संचालन और प्रबंधन का कार्य भारत सरकार की ओर से राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) करेगा।

अकादमिक अनुसमर्थन सेवा एकक

पुस्तकालय और प्रलेखन केन्द्र : राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में एक अतिआधुनिक पुस्तकालय है जिसमें शैक्षिक नीति, शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन और अन्य सहायक विषयों से संबंधित पुस्तकों और अन्य सामग्री का समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र अपने पाठकों को विभिन्न सेवाएं जैसे-सीएएस, एसडीआई, संदर्भ सेवाएं वेब ओपैक, प्रसारण और फोटोकापी की सुविधाएं प्रदान

करता है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर संसाधनों की साझेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डेलनेट का सदस्य भी है। वर्तमान में पुस्तकालय में अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों, जैसे-यूएनओ, यूएनडीपी, यूनेस्को, आईएलओ, यूनीसेफ, विश्व बैंक, ओईसीडी आदि द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों की रिपोर्टों के अलावा 55000 से अधिक पुस्तकों/दस्तावेज़ों तथा 6,435 जर्नलों का समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय में शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन तथा अन्य सहायक क्षेत्रों से संबंधित 240 जर्नल मंगाए जाते हैं। इसके अलावा पुस्तकालय पाठकों के लिए ऑन लाइन जर्नल डाटाबेस, जैसे-जेएसटीओआर, एलसेवियर और सेज भी मंगाता है। न्यूपा के प्रलेखन केंद्र में अधिकारिक रिपोर्टें, केंद्र तथा राज्य सरकारों के प्रकाशनों, शैक्षिक सर्वेक्षणों, पंचवर्षीय योजनाओं और जनगणना रिपोर्टें आदि सहित लगभग 20,000 दस्तावेज हैं। प्रलेखन केंद्र के पास महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टें और शैक्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट हैं जो शैक्षिक शोध और नीति निर्माण के लिए जरूरी हैं।

डिज़ीटल मोड में

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में एक डिजीटल अभिलेखागार बनाया जा रहा है ताकि भारत में शिक्षा के सभी क्षेत्रों, स्तरों और पक्षों पर शोध और संदर्भ के स्रोत के रूप में एक स्थान पर सभी दस्तावेजों की साफ्ट कापी सुलभ कारवाई जा सके। इसका मुख्य उद्देश्य प्रयोक्ता समुदाय का निर्माण करना है जो कि विश्वविद्यालय के कार्यों का एक विस्तार है। नवीनतम सूचना संप्रेषण प्रौद्योगिकी के रूप में उच्च स्तरीय स्वचालित डिजीटल स्कैन का उपयोग डिजाइन, संग्रह और डिजीटल दस्तावेजों की पुन: प्राप्ति के लिए किया जा रहा है। इस डिजीटल अभिलेखागार में प्रयोक्ता सुलभ बहुखोजी विकल्पों के साथ अंतर्निहित उपयोगों सहित साफ्टवेयर उपलब्ध है।

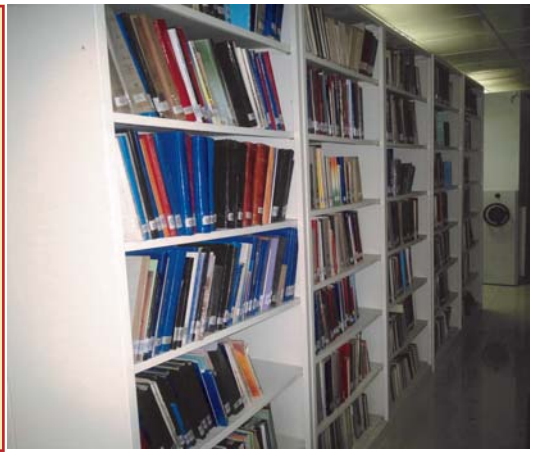

कंप्यूटर केंद्र : कंप्यूटर केंद्र विश्वविद्यालय की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी जरूरतें पूरा करता है। यह केंद्र विश्वविद्यालय के सभी प्रशिक्षणार्थियों और स्टाफ सदस्यों को कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधाएं प्रदान करता है। नेटवर्क संसाधन को पहुंचाने के लिए सभी संकाय और स्टाक को नेटवर्क प्वांइट सुलभ किए गए हैं। न्यूपा डोमेन से सभी संकाय और स्टाफ सदस्यों के व्यक्तिगत ई-मेल खाता खोले गए हैं। सभी संकाय सदस्यों को 1 जीबीपीएस की इंटरनेट कनेक्टिविटी दी गई है। सभी स्टाफ सदस्यों को डेस्कटॉप और संकाय सदस्यों को लैपटाप आवंटित किए गए हैं। विश्वविद्यालय में समुचित नेटवर्क सुरक्षा का रखरखाव किया जा रहा है। क्रेंद्र में आधुनिकतम सुविधाएं हैं, जैसे-आईबीएम-ई सिरीज सर्वर जो तीव्र अर्थनेट से जुड़ा है। वर्तमान में निम्नलिखित आधारभूत सुविधाएं हैं-उन्नत कैट-6 केबल, केंद्रीकृत कंप्यूटिंग सुविधा, जिसमें उच्च कार्यनिष्पादन वाले सर्वर्स, क्लाइंट पी सी, इंटरनेट से अपलिंक और अन्य सेवाएं और अति सक्षम बहुकल्पिक यू पी एस के जरिए पर्याप्त रूप में अनवरत पावर आपूर्ति उपलब्ध है।

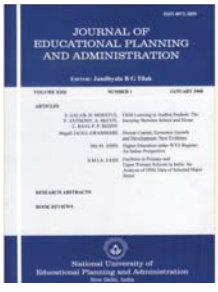

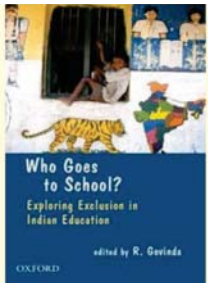

प्रकाशन एकक : न्यूपा में शिक्षा के शोध और विकास के प्रसार-प्रचार हेतु प्रकाशन कार्यक्रम है। न्यूपा प्रकाशन एकक विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अन्य संबंधित सामग्री का रिपोर्टों, पुस्तकों, जर्नलों न्यूज़लेटर, अनुसंधान आलेखों, तथा अन्य प्रकाशनों के माध्यम से शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन से संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान तथा विकास की सूचनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन हैं: जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, 'परिप्रेक्ष्य' हिन्दी जर्नल तथा एंट्रीप न्यूज़लेटर इत्यादि। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का प्रकाशन एकक मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की विशिष्ट आवश्यकताओं को भी पूर्ण करता है।

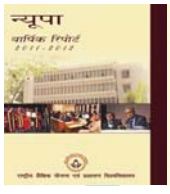

हिंदी कक्ष : यह कक्ष शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में व्यावसायिक प्रकाशनों के अनुवाद के माध्यम से अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा प्रसार में अकादमिक सहायता प्रदान करता है। यह कक्ष राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में भी प्रशासन और संकाय को सहयोग देता है।

मानचित्रण कक्ष : यह कक्ष राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के प्रकाशनों/दस्तावेज़ों के लिये कम्प्यूटरीकृत मानचित्रण तथा अन्य मानचित्रण सेवाएं उपलब्ध कराता है।

अभिशासन और प्रबंधन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 के अंतर्गत घोषित एक मानद विश्वविद्यालय है जो सोसायटी अधिनियम पंजीकरण अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत है। इस राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों में शामिल हैं : अध्यक्ष, कुलाधिपति, कुलपति, परिषद, प्रबंधन बोर्ड, अकादमिक परिषद, वित्त समिति और अध्ययन बोर्ड तथा विश्वविद्यालय के प्रबंधन बोर्ड द्वारा घोषित ऐसे अन्य प्राधिकरण। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रधान शैक्षणिक और कार्यकारी अधिकारी हैं।

न्यूपा परिषद : न्यूपा परिषद विश्वविद्यालय का सर्वोच्च निकाय है जिसका प्रमुख अध्यक्ष होता है। परिषद का मुख्य कार्य कार्यालय ज्ञापन में निर्धारित राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के लक्ष्यों को कार्यान्वित करना है। न्यूपा परिषद राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के सभी मामलों के सामान्य पर्यवेक्षण का उत्तरदायी है। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार न्यूपा परिषद के अध्यक्ष हैं। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति इसके उपाध्यक्ष हैं। परिषद के पदेन सदस्य हैं : सचिव, भारत सरकार, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सचिव, भारत सरकार, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, निदेशक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, और वित्त सलाहकार, मा.सं.वि . मंत्रालय, भारत सरकार। परिषद के अन्य सदस्य हैं- अध्यक्ष द्वारा नामित तीन विख्यात शि क्षाविद्, अध्यक्ष द्वारा नामित राज्य/संघ क्षेत्र प्रतिनिधि (5 प्रभागों में से प्रत्येक प्रभाग से एक-एक प्रतिनिधि) और अध्यक्ष द्वारा नामित न्यूपा संकाय का एक सदस्य। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव परिषद के सचिव हैं। दिनांक 31 मार्च 2013 के अनुसार न्यूपा परिषद के सदस्यों की सूची परिशिष्ट I में प्रस्तुत है।

प्रबंधन बोर्ड : प्रबंधन बोर्ड राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का प्रमुख कार्यकारी निकाय है। राष्ट्रीय विश्वद्यिालय के कुलपति प्रबंध बोर्ड के पदेन अध्यक्ष होते हैं। अन्य सदस्य हैं : राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के अध्यक्ष द्वारा नामित तीन सदस्य मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार का एक नामिती, वि.अ.आ. के अध्यक्ष का एक नामिती, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के संकाय डीन, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के दो संकाय सदस्य (एक प्रोफेसर और एक सह-प्रोफेसर/सहायक प्रोफेसर), कुलसचिव, न्यूपा, प्रबंधन बोर्ड का सचिव होता है। 31 मार्च, 2013 के अनुसार प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची परिशिष्ट II में दी गई है।

वित्त समिति : वित्त समिति की मुख्य भूमिका विश्वविद्यालय की लेखा की जांच करना और व्यय के प्रस्तावों की समीक्षा करना है। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय की वार्षिक लेखा और वित्तीय आकलनों को वित्त समिति के सम्मुख रखा जाता है और समिति की टिप्पणियों के साथ इसे अनुमोदन के लिए प्रबंधन बोर्ड को प्रस्तुत किया जाता है। वित्त समिति विश्वविद्यालय की आय और संसाधनों के आधार पर वार्षिक आवर्ती और गैर आवर्ती व्यय की सीमाऐं तय करती है। विश्वविद्यालय के कुलपति वित्त समिति के पदेन अध्यक्ष होते हैं; इसके अतिरिक्त न्यूपा परिषद के अध्यक्ष द्वारा नामित दो व्यक्ति, कुलपति द्वारा नामित एक व्यक्ति, वित्तीय सलाहकार, मा.सं.वि. मंत्रालय और वि.अ.आ. का एक प्रतिनिधि होता है। वित्त अधिकारी, वित्त समिति के सचिव का कार्य करता है। 31 मार्च 2013 के अनुसार वित्त समिति के सदस्यों की सूची परिशिष्ट III में दी गई है।

अकादमिक परिषद : न्यूपा अकादमिक परिषद विश्वविद्यालय का शीर्षस्थ अकादमिक निकाय है। अकादमिक परिषद शिक्षा, प्रशिक्षण, शोध और परामर्श के स्तर में सतत सुधार और अंतर-विभागीय सहयोग, परीक्षा और परीक्षण आदि के प्रति उत्तरदायी होता है। इसका पदेन अध्यक्ष कुलपति होता है। अकादमिक परिषद में शामिल हैं: विश्वविद्यालय के संकाय डीन, अकादमिक विभागों के अध्यक्ष, और अध्यक्ष द्वारा मनोनीत तीन शिक्षाशास्त्री जो विश्वविद्यालय की गतिविधियों से जुड़े हुए क्षेत्रों से संबंधित हों और विश्वविद्यालय की सेवा में न हों, कुलपति द्वारा चक्रानुसार नामित एक सहायक प्रोफेसर और तीन सहयोजित सदस्य जो शैक्षणिक स्टाफ के सदस्य न हों और अकादमिक परिषद द्वारा विषय विशेषज्ञ के आधार पर सहयोजित किए गए हों। न्यूपा का कुलसचिव परिषद का सचिव होता है। 31 मार्च 2013 के अनुसार सदस्यों की सूची IV में दी गई है।

अध्ययन बोर्ड : न्यूपा के कुलपति अध्ययन बोर्ड के पदेन अध्यक्ष होते हैं। इसके सदस्य हैं: संकाय-डीन, विभागाध्यक्ष, कुलपति द्वारा नामित एक सह-प्रोफेसर, और एक सहायक प्रोफेसर और कुलपति द्वारा सहयोजित अधिकतम दो विषय विशेषज्ञ। अध्ययन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31 मार्च, 2013 के अनुसार परिशिष्ट V में दी गई है।

कार्यबल और समितियां : कुलपति द्वारा विशिष्ट कार्यक्रमों के लिए समय-समय पर विशेष कार्यबलों और समितियों का गठन किया जाता है। विभिन्न परियोजनाओं के लिए विशेषज्ञों को शामिल करके परियोजना सलाहकार समितियां गठित की जाती हैं। कुलपति की अध्यक्षता में शोध अध्ययन सलाहकार बोर्ड गठित किया गया है। इसमें अन्य विशेषज्ञों के साथ-साथ सभी विभागाध्यक्ष

इसके सदस्य होते है। कुलसिचव इस समिति के सदस्य सचिव हैं जो सहायता योजना के अंतर्गत शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करती है।

प्रशासन और वित्त

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक ढांचे में तीन अनुभाग–अकादमिक प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, सामान्य प्रशासन और दो कक्ष–प्रशिक्षण कक्ष और समन्वय कक्ष हैं। कुलसचिव के संपूर्ण प्रभार के अंतर्गत सभी अनुभागों के प्रभारी इसके अध्यक्ष होते हैं। वित्त अधिकारी वित्त और लेखा अनुभाग के प्रभारी हैं।

स्टाफ की संख्या (2012–13)

31 मार्च, 2013 के अनुसार विश्वविद्यालय की कुल स्टाफ संख्या 163 थी।

वित्त : इस वर्ष विश्वविद्यालय को कुल 2200.24 लाख रुपये का अनुदान मिला (गैर–योजना मद में 1070.44 लाख रुपये और योजना मद में 1129.80 लाख रु. प्राप्त हुए। वर्ष के आरंभ में विश्वविद्यालय के पास योजना और गैर–योजना, दोनों मदों में 485.62 लाख रुपये शेष थे। वर्ष के दौरान कार्यालय और छात्रावास से 101.87 लाख रुपए की प्राप्ति हुई। योजना और गैर–योजना मदों में इस वर्ष का व्यय 2633.23 लाख रुपये था।

दूसरे संगठनों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों की मद में इस वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय के पास 395.79 लाख रुपये थे और 225.99 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि प्राप्ति हुई। प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों पर वर्ष में कुल 416.40 लाख रुपये खर्च किए गए। (परिशिष्ट–VII)

परिसर और भवन आधारभूत सुविधा

विश्वविद्यालय के पास एक चार-मंजिला कार्यालय, सुसज्जित स्नानघरयुक्त 60 कमरों वाला एक सात मंजिला छात्रावास और एक आवास-क्षेत्र है। इस आवास क्षेत्र में टाइप I के 16, टाइप II से V तक के 8-8 क्वार्टर और एक कुलपति आवास हैं। विश्वविद्यालय ने हाल ही में डी.डी.ए. से बिंदापुर, द्वारका में 25 विस्तार योग्य मकान में एक और कक्ष बनाने का काम पूरा कर लिया है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के पास पर्याप्त भवन और आधारभूत सुविधाओं का अभाव है। हाल ही में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में एनसीईआरटी ने विश्वविद्यालय को बहुमंजिला अकादमिक खंड के निर्माण के लिए 2100 वर्ग मीटर की अतिरिक्त भूमि आवंटित की है।

अध्यापन और व्यावसायिक विकास 2

कार्यक्रम

एम.फिल. और पी-एच.डी

शैक्षिक प्रशासन के लिए विद्वान तैयार करना

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय एक फीडर संस्थान है जो प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के स्तरों पर शैक्षिक प्रशासन से संबंधित शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन में जरूरत के अनुसार विशेषज्ञता से युक्त मानव संसाधनों का विकास करता है। ऐसे विशेषज्ञ जो अंतरशास्त्रीय कार्यक्रमों/एम.फिल. और पी-एच.डी. उपाधियों के पाठ्यक्रमों या प्रशिक्षण कार्यक्रमों के द्वारा तैयार किये जाते हैं वे व्यापक एवं गतिशील संदर्भों में समुचित योजनाओं और कार्यनीतियों के निर्माण या सांस्थानिक प्रबंधन के सीमित भूमिकाओं से जुड़े मामलों के समाधान हेतु पूर्णत: सक्षम होते हैं।

वस्तुत: विश्वविद्यालय की एम.फिल. और पी-एच.डी. उपाधियाँ विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन पर केंद्रित हैं। इसके द्वारा विश्वविद्यालय युवा शोधकर्त्ताओं को सशक्त और सक्षम बनाता है और शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में उनका करियर तैयार करता है। न्यूपा यह कार्य कर रहा है और इसके माध्यम से यह शैक्षिक नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों की डिजाइन, कार्यान्वयन और अनुश्रवण करने हेतु विशेषज्ञ और सक्षम मानव संसाधन के विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। पूर्व डाक्टोरल और डाक्टोरल कार्यक्रमों का महत्व इसमें अंतर्निहित गतिशील और लचीले उपागम के द्वारा है। यह शिक्षा और सामाजिक विकास के अन्य सहायक क्षेत्रों से जुड़कर नवाचारी बहुशास्त्रीय पाठ्यक्रमों का विस्तार करता है।

एम.फिल और पी-एच.डी. कार्यक्रम विभिन्न पृष्ठभूमि के शोधकर्मियों की शोध क्षमता के निर्माण के लिए डिजाइन किए गए हैं जो शैक्षिक नीति, योजना प्रशासन तथा वित्त के संबंधित क्षेत्रों में व्यापक ज्ञान और कौशल प्रदान करते हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पूर्व डाक्टोरल और डाक्टोरल कार्यक्रम में शामिल हैं: (i) पूर्णकालिक एम.फिल. कार्यक्रम (ii) पूर्णकालिक पी-एच.डी. कार्यक्रम और (iii) अंशकालिक पी-एच.डी. कार्यक्रम। ये कार्यक्रम वर्ष 2007-08 में आरंभ किए गए थे। एम.फिल और पी-एच.डी. कार्यक्रम विभिन्न पृष्ठभूमि के शोधकर्मियों की शोध क्षमता के निर्माण के लिए डिजाइन किए गए हैं जो शैक्षिक नीति, योजना प्रशासन तथा वित्त के संबंधित क्षेत्रों में व्यापक ज्ञान और कौशल प्रदान करते हैं। एम.फिल और पी-एच.डी. कार्यक्रमों के अंतर्गत पूरे किए गए शोध अध्ययनों से अपेक्षा की जाती है कि ये नीति निर्माण, शिक्षा सुधार कार्यक्रमों तथा क्षमता विकास संबंधी गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ-साथ ज्ञान आधार को समृद्ध करने में भारी योगदान करेंगे। एम.फिल. और पी-एच.डी. कार्यक्रमों के अंतर्गत शोध के व्यापक क्षेत्रों में शामिल हैं-शैक्षिक नीति,

शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन, शैक्षिक वित्त, शैक्षिक प्रबंधन, सूचना प्रणाली, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, शिक्षा में समता और समावेशन, शिक्षा में लैंगिक मुद्दे, अल्पसंख्यक शिक्षा, तुलनात्मक शिक्षा और शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण।

एम.फिल. डिग्री कार्यक्रम की अवधि दो वर्ष है। इस दो वर्षीय एम.फिल. डिग्री कार्यक्रम के अंतर्गत एक वर्ष का पाठ्यक्रम कार्य (30 क्रेडिट) है। इसके बाद एक वर्ष लघु शोध प्रबंध (30 क्रेडिट) के लिए है। दो वर्ष के एम.फिल. पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरांत और निर्धारित आर्हता (वर्तमान में 10 प्वाइंट स्केल पर) 6 एफ जी पी ए या इससे अधिक का ग्रेड पाने वाले शोधार्थी पी-एच.डी. कार्यक्रम में दाखिला प्रक्रिया में हिस्सा ले सकते हैं। पी-एच. डी. कार्यक्रम में दाखिला लेने की तिथि के दो वर्ष बाद ही शोधार्थी अपने शोध प्रबंध जमा करा सकते हैं।

पी-एच.डी. में सीधे दाखिला लेने वाले शोधार्थियों को दाखिला की पुष्टि हेतु एक वर्ष का प्रारंभिक पाठ्यक्रम पूरा करना पड़ता है। इसके बाद वे दो वर्ष के शोध कार्य के उपरांत ही वे उपाधि हेतु शोध प्रबंध विश्वविद्यालय में जमा कर सकते हैं।

अंशकालिक पी-एच.डी. में सीधे दाखिला लेने वाले शोधार्थियों को पी-एच.डी. में दाखिला की पुष्टि से पहले एक वर्ष का प्रारंभिक पाठ्यक्रम पूरा करना पड़ता है। अंशकालिक पी-एच.डी. के शोधार्थी दाखिला की पुष्टि के कम से कम चार वर्ष बाद अपना शोध प्रबंध विश्वविद्यालय में जमा कर सकते हैं।

विवरण	*एम.फिल.*	*पी-एच.डी. पूर्णकालिक*	*पी-एच.डी. अंशकालिक*	*योग*
वर्ष 2012-13 में नामांकित विद्यार्थी	13	03	00	16
वर्ष 2012-13 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या	20 (वर्ष 2011-12 में नामांकित 10 विद्यार्थियों सहित)	28 (वर्ष 2007-08 से 2011-12 तक नामांकित विद्यार्थियों सहित)	05 (वर्ष 2007-08 से 2011-12 तक नामांकित विद्यार्थी)	53
वर्ष 2012-13 के दौरान स्नातक विद्यार्थी	08	02	-	10

डिप्लोमा कार्यक्रम

शैक्षिक योजना और प्रशासन में डिप्लोमा (डेपा)

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय वर्ष 1982-83 से शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में विशेष रूप से डिजाइन, डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। आरंभ में यह कार्यक्रम विभिन्न राज्यों/संघ क्षेत्रों के जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए पूर्व प्रवेश पाठ्यक्रम के रूप में डिजाइन किया गया था। वर्षों से इस कार्यक्रम में सतत रूप से बदलाव किया जाता रहा है ताकि जिला स्तर के शैक्षिक प्रशासकों एवं एससीईआरटी/एसआईई में शैक्षिक योजना एवं प्रबंधन के क्षेत्र में कार्यरत संकाय सदस्यों की पेशेवर आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। इस कार्यक्रम में सर्व शिक्षा अभियान और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान में कार्यरत अधिकारियों और विश्वविद्यालयों के शिक्षा विभागों एवं सामाजिक विज्ञान शोध संस्थानों के संकाय सदस्यों को भी प्रवेश दिया जाता है।

डिप्लोमा कार्यक्रम के तीन घटक हैं। इनमें न्यूपा में तीन महीने का सघन पाठ्यचर्या कार्य, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य के शोध निर्देशन में पदास्थापित जिले में तीन माह का परियोजना

डिप्लोमा कार्यक्रम के तीन घटक हैं। इनमें न्यूपा में तीन महीने का सघन पाठ्यचर्या कार्य, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य के शोध निर्देशन में पदास्थापित जिले में तीन माह का परियोजना अध्ययन कार्य और अंत में प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत परियोजना रिपोर्टों पर 5 दिवसीय कार्यशाला शामिल हैं।

अध्ययन कार्य और अंत में प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत परियोजना रिपोर्टों पर 5 दिवसीय कार्यशाला शामिल हैं। इसकी पाठ्यचर्या में शामिल हैं- शिक्षा और समाज से जुड़े अध्ययन, शैक्षिक योजना और प्रशासन, वित्तीय योजना और प्रबंधन, शोध कार्य, मात्रात्मक तकनीक और संगणक अनुप्रयोग। डिप्लोमा पाठ्यक्रम 24 क्रेडिट का है जिसमें 17 क्रेडिट पाठ्यचर्चा कार्य का है और एक क्रेडिट प्रतिभाग संगोष्ठी आलेख के लिए और 6 क्रेडिट परियोजना कार्य (मौखिक परीक्षा सहित) के लिए निर्धारित है।

वर्ष 2012-13 के दौरान विश्वविद्यालय ने 32वें डिप्लोमा कार्यक्रम के तीसरे घटक का आयोजन 30 अप्रैल से 4 मई 2012 (5 दिन) को किया जिसका पहला घटक 1 सितंबर-30 नवंबर 2012 तक (91 दिन) आयोजित किया गया था। 32वें डिप्लोमा कार्यक्रम के तीसरे घटक को 29 प्रतिभागियों ने पूरा किया। 33वें डिप्लोमा कार्यक्रम में 21 राज्यों/संघ क्षेत्रों से कुल 25 प्रतिभागी शामिल हुए। प्रथम घटक के अंतर्गत 1 सितंबर से 30 नवंबर 2012 तक (91 दिन) अध्यापन-अधिगम कार्य किया गया और दूसरा घटक 1 दिसंबर 2012 से 28 फरवरी 2013 तक किया गया।

डिप्लोमा कार्यक्रम का संयोजन शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग ने किया। शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में राज्यवार भागीदारी का विवरण तालिका 2.1 में प्रदर्शित है :

तालिका 2.1: 32वें और 33वें राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रमों में राज्य/संघ शासित क्षेत्रवार भागीदारी

राज्य/संघ क्षेत्र	32वां डेपा	33वां डेपा	योग
अरुणाचल प्रदेश	-	3	3
असम	2	-	2
छत्तीसगढ़	1	-	1
गुजराज	2	-	2
हरियाणा	-	4	4
हिमाचल प्रदेश	1	-	1
जम्मू तथा कश्मीर	1	2	3
केरल	-	1	1
कर्नाटक	1	1	2
मध्य प्रदेश	2	3	5
महाराष्ट्र	1	-	1
मणिपुर	2	3	5
मिजोरम	3	3	6
नागालैण्ड	3	-	3
राजस्थान	1	-	1
सिक्किम	2	-	2
उत्तराखंड	4	2	6
उत्तर प्रदेश	-	1	1
पश्चिम बंगाल	1	2	3
चंडीगढ़	2	-	2
दिल्ली	-	1	1
योग	**29**	**26**	**55**

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय 1985 से विकासशील देशों के पेशेवरों के लिए शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में 6 माह का अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम के विद्यार्थी एशिया, अफ्रीका, मध्य एशियाई गण राज्यों, दक्षिणी अमरीका और कैरिबियाई क्षेत्रों के देशों से आते हैं। इस कार्यक्रम के तीन घटक हैं– सघन पाठ्यचर्चा कार्यक्रम; अनुप्रयुक्त कार्य और लघु शोध प्रबंधन। आईडेपा की अवधि छः माह है और यह दो चरणों में पूरा किया जाता है। पहले चरण में तीन माह का सघन पाठ्यचर्या है जो राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, नई

दिल्ली में आयोजित किया जाता है। यह चरण आवासीय है और प्रतिभागियों से अपेक्षा की जाती है कि वे इस चरण के दौरान परिसर में निवास करें। दूसरे चरण में प्रतिभागी को स्वदेश में राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में क्षेत्र आधारित शोध परियोजना अध्ययन करना होता है।

आईडेपा कार्यक्रम की पाठ्यचर्या में केंद्रिक पाठ्यक्रम और वैकल्पिक पाठ्यक्रम, प्रायोगिक अभिविन्यास और अप्रयुक्त कार्य शामिल हैं। पाठ्यचर्या कार्य के विषय हैं : शिक्षा और विकास से संबंधित अध्ययन, विकासशील देशों में शैक्षिक विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्र, शैक्षिक योजना और प्रशासन, परियोजना नियोजन, शिक्षा में व्यष्टि स्तरीय योजना, शिक्षा में, वित्तीय योजना और प्रबंधन, जनशक्ति योजना, शैक्षक योजना में मात्रात्मक तकनीकें, शैक्षिक प्रबंधन, शोध प्रविधि और सांख्यिकी और शैक्षिक प्रबंधन और सूचना प्रणाली। अनुप्रयुक्त कार्य में शामिल हैं : विषयगत संगोष्ठियां डिप्लोमा कार्यक्रम के अभिन्न घटक हैं जो प्रत्येक प्रतिभागी या प्रतिभागियों के समूह को शैक्षिक योजना और प्रशासन से संबंधित विषयों से जुड़े वस्तुगत आंकड़ा और अनुभवों के आधार पर अपने विचार व्यक्त करने और उनका परस्पर आदान-प्रदान करने के अवसर प्रदान करती हैं। संगोष्ठी प्रस्तुतिकरण के एक भाग के रूप में प्रतिभागियों को अपने देश की शिक्षा प्रणाली की विशिष्ट प्रवृत्तियों को प्रस्तुत करने और परस्पर आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान किया जाता है। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को स्वदेश में उनके कार्यों की प्रासंगिकता और जरूरतों के विशिष्ट क्षेत्र में शोध परियोजना की रूपरेखा बनाने में सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशलों के बीच संबंध स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में चरण-I के दौरान प्रत्येक प्रतिभागी के लिए एक शोध निर्देशक नियुक्त किया जाता है जो दूसरे चरण के कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी के परियोजना कार्य का निर्देशन करता है।

कार्यक्रम का दूसरा चरण प्रतिभागी के स्वदेश में आयोजित होता है। इसमें प्रत्येक प्रतिभागी को प्रथम चरण के दौरान निर्धारित क्षेत्र कार्य आधारित शोधपरियोजना पर कार्य करना पड़ता है। शोध परियोजना कार्य (तीन माह की अवधि) पूरा करने के बाद प्रतिभागी को अपना लघुशोध प्रबंध विश्वविद्यालय को प्रस्तुत करना पड़ता है। लघु शोध प्रबंध की प्राप्ति और तदुपरांत राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के संकाय द्वारा उसके मूल्यांकन के बाद प्रतिभागी को डिप्लोमा की उपाधि प्रदान की जाती है।

वर्ष 2012-13 के दौरान विश्वविद्यालय ने 28वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा का दूसरा चरण पूरा किया जिसका प्रथम चरण 1 फरवरी से 30 अप्रैल 2012 को आयोजित किया गया था। उसमें 24 देशों के 34 प्रतिभागी शामिल हुए। 28वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम का दूसरा चरण 1 मई से 31 जुलाई 2012 के दौरान आयोजित किया गया।

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम के विद्यार्थी एशिया, अफ्रीका, मध्य एशियाई गण राज्यों, दक्षिणी अमरीका और कैरिबियाई क्षेत्रों के देशों से आते हैं। इस कार्यक्रम के तीन घटक हैं- सघन पाठ्यचर्चा कार्यक्रम; अनुप्रयुक्त कार्य और लघु शोध प्रबंध। आईडेपा की अवधि छः माह है और यह दो चरणों में पूरा किया जाता है।

29वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम का प्रथम चरण 1 फरवरी 2013 को शुरु हुआ और इसके प्रथम घटक की अध्यापन–अधिगम गतिविधियां 30 अप्रैल 2013 तक पूरी की गईं। 29वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम में 22 देशों से कुल 35 प्रतिभागी शामिल हुए। इसका दूसरा चरण 1 मई से 31 जुलाई 2013 के दौरान प्रतिभागियों के स्वदेश में नियत किया गया जो परियोजना कार्य पर आधारित था।

अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम का संयोजन शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग करता है।

तालिका 2.2: 28वें और 29वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी

देश का नाम	28वां डिप्लोमा	29वां डिप्लोमा	योग
भूटान	3	3	6
बुरूंडी	1	-	1
बोत्सवाना	-	1	1
चिली	-	1	1
कंबोडिया	-	2	2
क्यूबा	1	-	1
जीबौती	-	1	1
इथोपिया	-	2	2
घाना	2	2	4
गिनी	1	1	2
गिनी बिसाऊ	1	-	1
गुयाना	2	-	2
आइवरी कोस्ट	1	-	1
मेडागास्कर	2	2	4
मलावी	-	2	2
मॉरीशस	2	-	2
मंगोलिया	1	-	1
नामीबिया	1	-	1
नेपाल	2	1	3
नाइजीरिया	1	2	3
नाइजर	-	1	1
फिलीपाईन्स	1	2	3
रूस	1	-	1
श्रीलंका	2	1	3
सेनेगल	-	2	2
ताजिकिस्तान	-	1	1
तंजानिया	2	2	4
थाईलैण्ड	1	1	2
यूगांडा	-	2	2
ऊरुग्वे	1	-	1
उज़बेकिस्तान	1	-	1
वियतनाम	2	2	4
यमन	1	-	1
जांबिया	1	1	2
योग	**34**	**35**	**69**

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रमों की देशवार भागीदारी का विवरण तालिका 2.2 में पृष्ठ 26 पर प्रदर्शित है।

व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

शैक्षिक योजना और प्रशासन में सुधार हेतु सांस्थानिक क्षमता निर्माण के लिए विभिन्न वर्गों के शिक्षा कर्मियों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम विश्वविद्यालय के प्रमुख कार्यकलाप के रूप में सतत जारी है। वर्ष 2012-13 के दौरान राष्ट्रीय विश्वविद्यालय ने शिक्षा के विभिन्न विकास क्षेत्रों से संबंधित मुद्दों और शिक्षा नीति, योजना, प्रशासन के विविध पक्षों से जुड़े 40 अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, संगोष्ठियां, सम्मेलन और बैठकें आयोजित किए। इन कार्यक्रमों के विषय थे : स्कूलों की योजना और प्रबंधन, उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन, माध्यमिक स्तर पर स्कूल प्रावधानों का आकलन, शैक्षिक वित्त की योजना और प्रबंधन, और स्कूल नेतृत्व आदि। इन कार्यक्रमों के प्रतिभागी थे जिला और राज्य स्तर के शिक्षाकर्मी, शिक्षा निदेशक और राज्य स्तर के अन्य अधिकारी, केंद्र, राज्य और जिला स्तर के शैक्षिक संस्थानों के प्रमुख, विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव और अन्य प्राधिकारी, कालेज प्राचार्य और कालेजों तथा उच्च शिक्षा के वरिष्ठ प्रशासक, विश्वविद्यालय तथा समाजविज्ञान शोध संस्थानों के नवनियुक्त प्राध्यापक आदि। ये कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित किए जाते हैं। वर्ष 2012-13 के दौरान राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम, संगोष्ठियां, सम्मेलन और बैठकें आयोजित की गईं :

शैक्षिक योजना विभाग

- नई दिल्ली में 27-31 अगस्त 2012 के दौरान आयोजित कार्यक्रम में 43 प्रतिभागी शामिल हुए और माध्यमिक शिक्षा की योजनाओं के मूल्यांकन के बारे में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्राप्त की।
- नई दिल्ली में 24-28 सितंबर 2012 के दौरान जिला स्तर पर माध्यमिक शिक्षा की योजना के प्रतिमान पर आयोजित कार्यक्रम में 40 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।
- गुवाहाटी, असम में 27 नवंबर से 1 दिसंबर 2012 को दौरान उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए जिला स्तर पर माध्यमिक शिक्षा की योजना पर आयोजित कार्यशाला में 34 प्रतिभागी शामिल हुए।

शैक्षिक प्रशासन विभाग

- श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) में 2-6 जून 2012 के दौरान शैक्षिक प्रशासन के विविध पक्षों पर आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में जम्मू कश्मीर के 31 अधिकारी शामिल हुए।
- के.मा.शि.बो. से सम्बद्ध वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों के प्राचार्यों के लिए शैक्षिक प्रशासन के नेतृत्व पर 14वां प्रबंधन विकास कार्यक्रम, 8-12, अक्तूबर, 2012, न्यूपा, नई दिल्ली, 43 भागीदार।
- 5-8 नवम्बर, 2012 के दौरान नई दिल्ली में 'व्यावसायिक शिक्षा में नीतियां, कार्यक्रम और नवाचार' से संबंधित समग्र मुद्दों पर आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला में इकतीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- नई दिल्ली में 19-21 दिसम्बर, 2012 के दौरान 'काम हेतु तैयारी के लिए माध्यमिक शिक्षा और संक्रमण' एक राष्ट्रीय चर्चा का आयोजन किया गया जिसमें 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 17-21 दिसम्बर 2012 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित 'विश्वविद्यालयों और कालेजों में विशेष प्रकोष्ठ/समान अवसर प्रकोष्ठ की भूमिका और कामकाज को मजबूत बनाने पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 24 प्रतिभागियों को विचारोत्तेजक अंतर्दृष्टि की जानकारी और सूचना के प्रसार के लिए एक उचित मंच प्रदान किया गया।
- 224 जिला शिक्षा अधिकारियों और सहायक शिक्षा अधिकारियों को 6-7 फरवरी 2013 के दौरान तिरुवनंतपुरम, केरल में आयोजित एक राज्य स्तरीय सम्मेलन में शैक्षिक योजना एवं प्रशासन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया।

शैक्षिक वित्त विभाग

- 7 से 3 सितंबर 2012 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के वित्त के प्रबंधन में 42 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया।
- 26 सितंबर से 1 अक्टूबर 2012 के दौरान स्कूल वित्त की योजना और प्रबंधन पर गंगटोक, सिक्किम में आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में पूर्वोत्तर राज्यों के पैंत्तीस प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया।
- 21 जनवरी से 25 जनवरी, 2013 के दौरान नई दिल्ली में 'शैक्षिक रूप से पिछड़े जिलों में स्कूल शिक्षा की योजना और प्रबंधन' विषय पर आयोजित कार्यशाला में इक्कीस व्यक्तियों ने भाग लिया।

शैक्षिक नीति विभाग

- 21 अगस्त – 1 सितम्बर, 2012 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित 'शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान के तरीके' पर एक कार्यशाला में तीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 3–7, दिसंबर, 2012 के दौरान नई दिल्ली में 'प्रारंभिक शिक्षा में समता प्राप्त करने में समुदाय आधारित संरचनाओं की भूमिका' पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 7–11 जनवरी, 2013 के दौरान नई दिल्ली में प्राथमिक शिक्षा और शिक्षा का अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन के विकेंद्रीकृत प्रबंधन पर आयोजित एक अभिविन्यास कार्यक्रम में इकतीस ब्लाक शिक्षा अधिकारियों ने भाग लिया।
- 14 जनवरी, 2013 को नई दिल्ली में 150वीं जयंती के अवसर पर 'स्वामी विवेकानंद के शैक्षिक विचार' पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया जिसमें चौंतीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 19–20 फ़रवरी, 2013 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित वार्षिक अनुसंधानकर्त्ता संगोष्ठी में बीस प्रतिभागियों ने भाग लिया और उपयोगी बातचीत की गई।

विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा विभाग

- 14 जून 2012 को नई दिल्ली में एक गोलमेज बैठक के दौरान, 'नागरिक संघर्ष से प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा के अधिकार के क्रियान्वयन' के मुद्दे पर 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया और उस पर अर्जित पर्याप्त अंतर्दृष्टि प्रदान की गई।
- 09–13 जुलाई 2012 के दौरान दमन एवं दीव में आयोजित 'प्राथमिक शिक्षा के साथ शैशवकालीन शिक्षा के समावेशन विषय पर आयोजित एक कार्यशाला में 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- नई दिल्ली में 15–19 अक्तूबर, 2012 के दौरान प्रारंभिक स्कूलों में बच्चों की भागीदारी में सुधार के तरीकों पर आयोजित प्रासंगिक कार्यशाला, में परिचर्चा की गई जिसमें 27 प्रतिभागी शामिल हुए।
- 'स्कूल शिक्षा में नेतृत्व और प्रबंधन के लिए माड्यूल' पर अपना ध्यान केंद्रित करने के साथ 28–30 जनवरी 2013 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित एक परामर्शी कार्यशाला में 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें बहुत ही सार्थक और प्रासंगिक विभिन्न सत्रों में विचार विमर्श किया गया।

उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग

- 17–21 सितम्बर 2012 के दौरान नई दिल्ली में 'कालेजों में उत्कृष्टता और गुणवत्ता की समझ विषय पर एक कार्यशाला में चौंतीस कालेज प्रिंसिपलों ने भाग लिया।
- 3–7 दिसम्बर 2012 के दौरान नई दिल्ली में 'उच्च शिक्षा संस्थानों में स्वायत्तता' पर आयोजित कार्यशाला में 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया और महत्वपूर्ण तथा समकालीन प्रासंगिकता पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्राप्त की।
- नैक मान्यता प्राप्त कालेजों के 20 प्राचार्यों ने 10–14 दिसम्बर, 2012 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित एक उपयोगी अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया।
- 9–10 जनवरी 2013 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित एशिया क्षेत्रीय कौशल संगोष्ठी में 63 प्रतिभागियों भाग ने लिया।

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग

- स्कूल शिक्षा सांख्यिकी के संग्रह की एकीकृत प्रणाली पर राष्ट्रीय कार्यशाला 27–29 जून, 2012 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित की गई जिसमें 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 2012 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यशाला में 73 ईएमआईएस समन्वयकों ने भाग लिया।

- 'एजुसेट के माध्यम से डाइस डाटा कैप्चर फार्मेट' पर 7 और 14 सितंबर 2012 को आयोजित प्रथम और द्वितीय प्रबोधन कार्यक्रम में 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- शिक्षा विभाग, अफगानिस्तान सरकार के 10 अधिकारियों का एक जानकारी यात्रा 17–24 दिसम्बर 2012 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित की गई।
- 04–08 फ़रवरी 2013 के दौरान नई दिल्ली में शिक्षा के अधिकार के संदर्भ में योजना एवं प्राथमिक शिक्षा की निगरानी में संकेतकों का उपयोग' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में 22 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग

- नई दिल्ली में 10–14 दिसम्बर, 2012 और 7–12 जनवरी 2013 के दौरान उच्च शिक्षा के लिए अल्पसंख्यक प्रबंधित संस्थानों पर नई दिल्ली में आयोजित दो प्रबोधन कार्यक्रम में क्रमशः 37 और 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 14–19 जनवरी 2013 के दौरान नासिक, महाराष्ट्र में आयोजित 'स्कूल विकास योजना पर केंद्रित, शिक्षा के अधिकार' विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में आश्रम स्कूलों के 49 प्रधानाध्यापक शामिल हुए।
- 22–27 फ़रवरी, 2013 के दौरान भुवनेश्वर, ओडिशा में 'अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में कार्यरत आश्रम स्कूलों द्वारा संदर्भ विशिष्ट स्कूल विकास योजना की तैयारी' पर आयोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय स्कूल नेतृत्व केंद्र

मा.सं.वि. मंत्रालय के तत्वाधान में सर्व शिक्षा अभियान और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के अंतर्गत न्यूपा में वर्ष 2012 में स्कूल नेतृत्व के लिए राष्ट्रीय केंद्र की स्थापना की गई। केंद्र का विज़न है– प्रभावी रूप से स्कूल का प्रशासन करने और उसे सतत् विकासशील अधिगम संस्थान के रूप में रूपांतरित करने के लिए नई पीढ़ी का नेतृत्व तैयार करना जो अधिगम संस्थानों में सृजनात्मकता और उत्कृष्टता के साथ-साथ समानता और समावेशन को बढ़ावा दे। यह केंद्र देश भर के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त प्रारंभिक तथा

केंद्र का विज़न है– प्रभावी रूप से स्कूल का प्रशासन करने और उसे सतत् विकासशील अधिगम संस्थान के रूप में रूपांतरित करने के लिए नई पीढ़ी का नेतृत्व तैयार करना जो अधिगम संस्थानों में सृजनात्मकता और उत्कृष्टता के साथ-साथ समानता और समावेशन को बढ़ावा दे।

माध्यमिक स्कूलों के कार्यकलापों की विविधता में नेतृत्व कार्य व्यवहार में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र यह महसूस करता है कि विभिन्न राज्यों के प्रारंभिक तथा माध्यमिक स्कूलों में सुधार के लिए नेतृत्व के बहु वैकल्पिक माडल बनाने की आवश्यकता होगी। इसके लिए केंद्र ने निम्नांकित कार्यक्रम आयोजित किए:

- स्कूल नेतृत्व पर परामर्श बैठक, 24 अगस्त, 2012, नई दिल्ली, 18 प्रतिभागी।
- निजी स्कूलों के प्रधानाचार्यों के लिए विचारोत्तेजक सत्र, नई दिल्ली, 18 सितंबर 2012, 19 प्रतिभागी।
- सरकारी स्कूलों, केंद्रीय विद्यालयों तथा जवाहर नवोदय विद्यालयों के प्राचार्यों के लिए विचारोत्तेजक सत्र, नई दिल्ली, 19 सितंबर 2012, 23 प्रतिभागी
- ग्रामीण तथा नगरीय सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों के लिए विचारोत्तेजक सत्र, 20 सितंबर 2012, 54 प्रतिभागी।
- भुवनेश्वर में 22-27 फरवरी, 2013 के दौरान आश्रम स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के लिए स्कूल आधारित विकास योजनाओं की तैयारी पर क्षेत्र आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन। इसमें 45 प्रतिभागी शामिल हुए।
- नई दिल्ली में 20-21 फरवरी, 2013 के दौरान स्कूल नेतृत्व पर आयोजित राष्ट्रीय परामर्श में 100 प्रतिभागी शामिल हुए।

एनसीएसएल-न्यूपा और यूकीरी के अंतर्गत एनसीएसएल - नॉट्टिंघम शोध पहल

राष्ट्रीय केंद्र यह मानता है कि शोध एक अंतर्भूत मौलिक गतिविधि है और इसलिए स्कूल नेतृत्व के क्षेत्र में कार्यरत राज्यों और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ साहयोगिक शोध करने की योजना बनाई गई। इसके अंतर्गत आरंभिक पहल के रूप में एनसीएसएल-न्यूपा और एनसीटीएल-नाट्टिंघम (नेशनल कॉलेज फार टीचिंग एंड लीडरशिप) यू.के. के बीच साहयोगिक परियोजना-स्कूल प्राचार्यों का नेतृत्व क्षमता विकास' शुरू की गयी। यह परियोजना संयुक्त रूप से दो राज्यों- तमिलनाडु और राजस्थान में कार्यान्वित की गई जिसका विस्तारित चरण मार्च 2012 और फरवरी 2013 में पूरा हुआ। इस परियोजना के अंतर्गत निम्नांकित गतिविधियां संचालित की गईं :

- नई दिल्ली में 23-27 अप्रैल 2012 के दौरान परियोजना- 'भारत में स्कूल प्राधानाचार्यों की नेतृत्व क्षमता का विकास' के समस्त उद्देश्य और लक्ष्य निर्धारित करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें 22 प्रतिभागी शामिल हुए।
- नई दिल्ली में 16-19 जुलाई 2012 के दौरान संशोधित परियोजना नियोजन के शोध प्रोटोकॉल संरचना विकास पर कार्यशाला का अयोजन किया गया जिसमें 10 प्रतिभागी शामिल हुए।

- चेन्नई, तमिलनाडु और जयपुर, राजस्थान में 3-8 सितंबर, 2012 के दौरान 'स्कूल प्रधानाचार्यों के स्कूल नेतृत्व की मौजूदा समझ, प्राथमिकताएं और विकास की आवश्यकताएं' पर चार कार्यशालाएं आयोजित की गईं जिनमें 200 प्रतिभागी शामिल हुए।
- एनसीएसएल नाट्टिंघम में 30 सितंबर से 5 अक्तूबर 2012 तक 'भारतीय संदर्भ में स्कूल नेतृत्व के मानकों की संरचना के विकास' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 6 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वर्ष 2012-13 के दौरान डिप्लोमा कार्यक्रमों के अलावा विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 44 अभिविन्यास / प्रशिक्षण कार्यक्रम / कार्यशालाएं, संगोष्ठियां, सम्मेलन और बैठकें आदि आयोजित किए जिनमें कुल 2079 प्रतिभागी शामिल हुए। इनमें 1968 प्रतिभागी (तालिका 2.4) भारतीय थे और शेष 111 प्रतिभागी अन्य दूसरे देशों और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के थे।

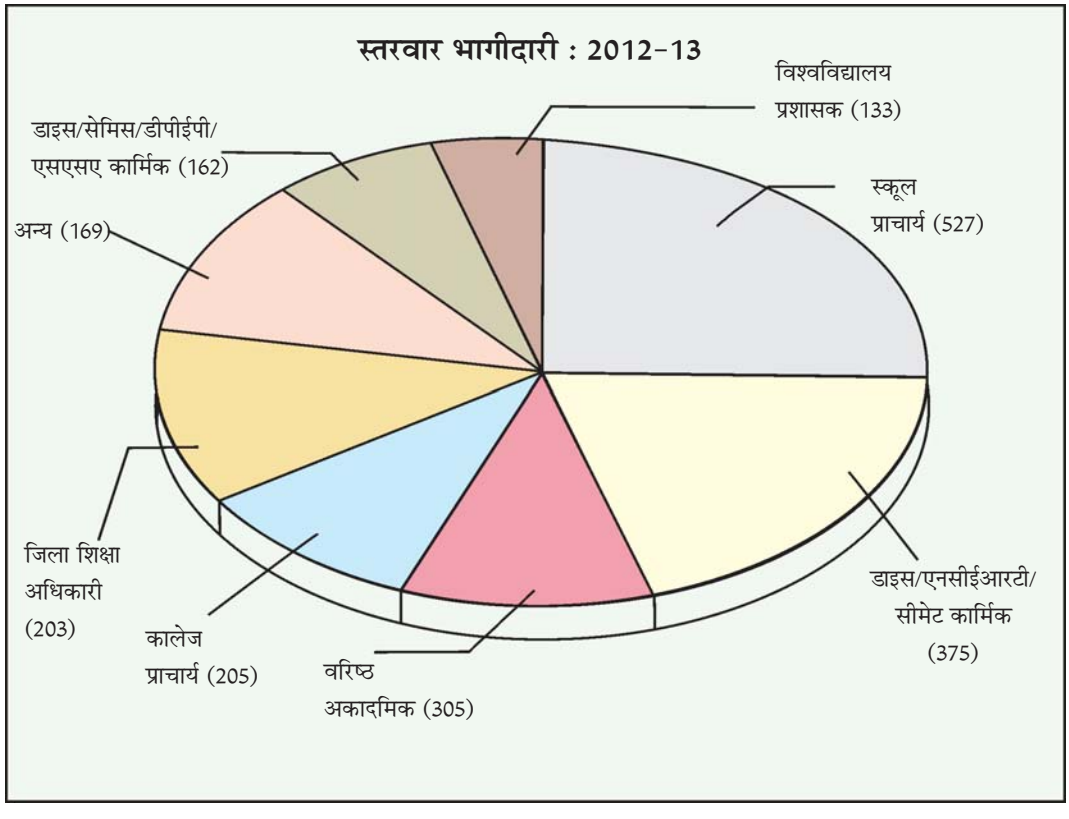

तालिका 2.3: कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी

क्र. सं.	देश	भागीदारों की संख्या
1.	अफगानिस्तान	10
2.	आस्ट्रेलिया	1
3.	बांग्लादेश	3
4.	भूटान	8
5.	बुरुंडी	1
6.	बोत्सवाना	1
7.	चिली	1
8.	कंबोडिया	2
9.	क्यूबा	1
10.	जीबती	1
11.	इथोपिया	3
12.	फ्रांस	1
13.	घाना	6
14.	गिनी	2
15.	गिनी बिसाऊ	1
16.	गुयाना	2
17.	हांग कांग	1
18.	इंडोनेशिया	1
19.	आइवरी कोस्ट	3
20.	मेडागास्कर	4
21.	मलावी	2
22.	मलेशिया	1
23.	मालदीव	1
24.	मारीशस	2
25.	मंगोलिया	1
26.	नामीबिया	1
27.	नेपाल	3
28.	नाइजीरिया	5
29.	नाइजर	2
30.	पाकिस्तान	1
31.	फिलीपीन्स	4
32.	रूस	1
33.	सेनेगल	2
34.	सोनौगल	3
35.	श्रीलंका	3
36.	ताजिकिस्तान	1
37.	तंजानिया	4
38.	थाइलैंड	5
39.	यूगांडा	2
40.	यू एस ए	5
41.	उरुग्वे	1
42.	उजबेकिस्तान	1
43.	वियतनाम	4
44.	यमन	1
45.	जांबिया	2
योग		111

तालिका 2.4: व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में राज्य/संघ शासित क्षेत्रवार भागीदारी	
राज्य/संघीय क्षेत्र	*भागीदारों की संख्या*
आंध्र प्रदेश	147
अरुणाचल प्रदेश	26
असम	25
बिहार	29
छत्तीसगढ़	32
गोवा	19
गुजरात	48
हरियाणा	49
हिमाचल प्रदेश	29
जम्मू और कश्मीर	60
झारखण्ड	19
कर्नाटक	58
केरल	263
मध्य प्रदेश	40
महाराष्ट्र	121
मणिपुर	16
मेघालय	11
मिजोरम	35
नागालैण्ड	12
ओडिशा	61
पंजाब	31
राजस्थान	66
सिक्किम	7
तमिलनाडु	97
त्रिपुरा	13
उत्तराखंड	31
उत्तर प्रदेश	72
पश्चिम बंगाल	56
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	7
चंडीगढ़	11
दादरा और नगर हवेली	13
दमन और दीव	43
दिल्ली	406
पुडुचेरी	15
योग	**1,968**

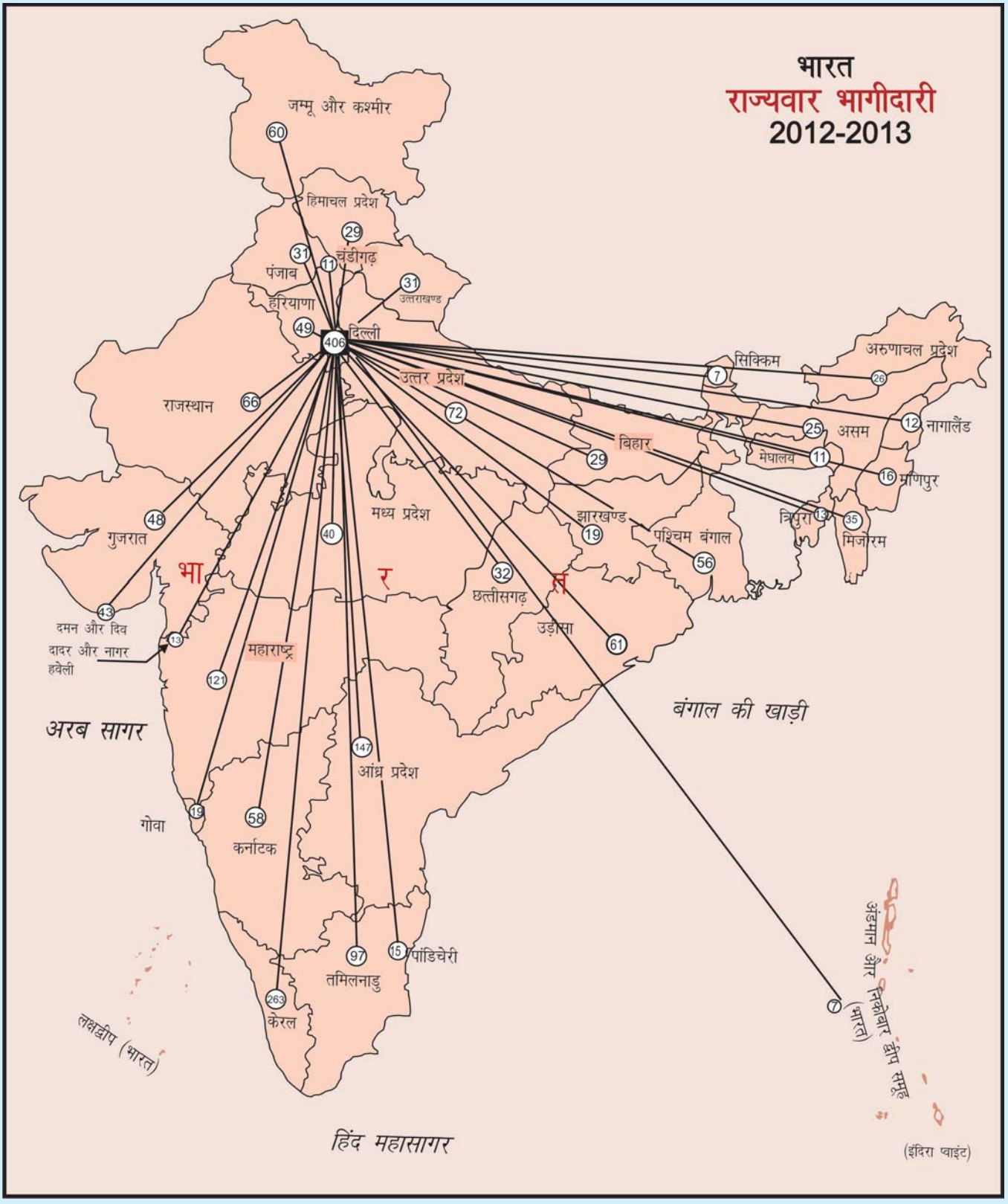
भारत
राज्यवार भागीदारी
2012-2013
जम्मू और कश्मीर
60
हिमाचल प्रदेश
29
चंडीगढ़
31
11
पंजाब
31
उत्तराखण्ड
हरियाणा
49
दिल्ली
406
राजस्थान
66
उत्तर प्रदेश
72
सिक्किम
7
अरुणाचल प्रदेश
26
असम
25
नागालैंड
12
बिहार
29
मेघालय
11
मणिपुर
16
त्रिपुरा
13
मिजोरम
35
मध्य प्रदेश
40
झारखण्ड
19
पश्चिम बंगाल
56
गुजरात
48
छत्तीसगढ़
32
उड़ीसा
61
दमन और दिव
दादर और नागर
हवेली
13
महाराष्ट्र
121
अरब सागर
बंगाल की खाड़ी
आंध्र प्रदेश
147
गोवा
19
कर्नाटक
58
पांडिचेरी
15
तमिलनाडु
97
केरल
263
लक्षद्वीप (भारत)
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
(भारत)
7
(इंदिरा प्वाइंट)
हिंद महासागर

अनुसंधान और मूल्यांकन 3

अनुसंधान और मूल्यांकन

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, उपक्रम सहायता और शिक्षा क्षेत्र के विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु साक्ष्यों के आधार पर विकल्प और रणनीति तैयार करने के लिए नए ज्ञान सृजन करने के क्रम में शिक्षा नीति, योजना और प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के साथ अंतर – अनुशासनात्मक अनुसंधान और अध्ययन को बढ़ावा देता रहा है। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय भारत के विभिन्न राज्यों में और अन्य देशों में मौजूदा नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों, शैक्षिक योजना, तकनीकों में तुलनात्मक अध्ययन और प्रशासनिक ढांचे और प्रक्रियाओं का मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान, समीक्षा और मूल्यांकन कार्य करता है। शैक्षिक नीतियों, योजना और प्रबंधन में सुधार के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नए ज्ञान का सृजन करने हेतु अनुदैर्ध्य अध्ययन सहित, कार्रवाई अनुसंधान पर बल दिया गया है। एम.फिल. और पी–एच.डी. अध्ययन के अलावा, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा समर्थित अनुसंधान कार्यक्रमों में अन्य एजेंसियों द्वारा प्रयोजित अनुसंधान अध्ययन, अंतरराष्ट्रीय सहयोगात्मक अध्ययन, कार्यक्रम मूल्यांकन अध्ययन और डेटा प्रबंधन अध्ययन, संकाय सदस्यों द्वारा शोध अध्ययन को शामिल किया जाता है। शोध अध्ययन शिक्षा प्रणाली में संभावित उभरने वाले प्राथमिकता के मुद्दों से निपटने हेतु या भारतीय शिक्षा प्रणाली में वास्तविक मुद्दों को निपटाने से संबंधित होते हैं। आलोच्य वर्ष के दौरान 11 शोध अध्ययन पूर्ण कर लिये गये, जबकि 15 अध्ययन जारी हैं।

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय गुणात्मक एवं मात्रात्मक अनुसंधान, वर्तमान नीतियों तथा कार्यक्रमों का मूल्यांकन एवं समीक्षा, शैक्षिक योजना तकनीकों में तुलनात्मक अध्ययन तथा भारत के विभिन्न राज्यों तथा अन्य देशों में प्रशासनिक संरचनाओं और प्रक्रियाओं पर शोध और मूल्यांकन कार्य करता है।

पूर्ण अनुसंधान अध्ययन

1. शीर्षक: भारत में लघु प्राथमिक विद्यालयों का अध्ययन: चार राज्यों में चयनित जिलों के स्कूल रिपोर्ट कार्ड का विश्लेषण

प्रधान अन्वेषक : *प्रोफेसर एस.एम.आई.ए. ज़ैदी*

प्रसंग

वर्तमान अध्ययन में प्राथमिक विद्यालयों को ही लिया गया है और इनमें से कुछ स्कूलों में I-V या फिर I-IV तक की कक्षाओं के साथ प्राथमिक अनुभाग थे। यह भारत के छोटे और प्राथमिक स्कूलों का अध्ययन है और इस अध्ययन के लिये प्राथमिक स्कूलों के रूप में 2009–10 डीआईएसई आंकड़ों के अनुसार 25 छात्र या उससे कम छात्रों वाले स्कूलों को परिभाषित किया गया है। इस अध्ययन में छोटे से स्कूल को परिभाषित करने के लिए एक कसौटी के रूप में नामांकन लेने का कारण यह था कि स्कूल को दिए जाने वाली बुनियादी और अन्य सुविधाओं जैसे भवन, और नियुक्त किए जाने वाले शिक्षकों की संख्या के बारे में, स्कूलों में बच्चों की संख्या के अनुसार ही आमतौर पर फैसला किया जाता है।

उद्देश्य और अनुसंधान प्रश्न

यह अध्ययन देश के चुनिंदा राज्यों और जिलों में छोटे प्राथमिक स्कूलों की स्थिति का विश्लेषण करता है और इन राज्यों और जिलों में चयनित स्कूलों का गहन से विश्लेषण करता है। विशेष रूप से अध्ययन का मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं : चयनित जिलों में छोटे प्राथमिक स्कूलों की स्थिति की जांच, छोटे प्राथमिक स्कूल होने के कारणों की जांच करने का प्रावधान और भागीदारी से संबंधित कुछ मदों का विश्लेषण करने के लिए डाईस में एकत्र सभी छोटे प्राथमिक स्कूलों के रिपोर्ट कार्ड का अध्ययन। अनुसंधान इन सवालों का समाधान चाहता है, जैसे चयनित जिलों में इतने छोटे प्राथमिक स्कूल क्यों हैं? शिक्षकों के अलावा यहाँ निर्माण, बुनियादी सुविधाएं आदि इन स्कूलों में कितनी उपलब्ध हैं? इन समस्याओं को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से निपटने के लिए इन छोटे स्कूलों के शिक्षकों को क्यों समस्याएं पेश आ रही हैं? उपलब्ध कराए गये सुविधाओं और धन के उपयोग के मामले में इन छोटे स्कूलों का प्रदर्शन कैसा है? इन छोटे प्राथमिक स्कूलों की व्यवहार्य जरूरत है या इन क्षेत्रों में वैकल्पिक स्कूलों को खोलने की आवश्कता है?

कार्यप्रणाली और नमूना

अध्ययन 4 राज्यों में किए गए और इन चार राज्यों में देश के चार भौगोलिक क्षेत्रों में से प्रत्येक से एक का प्रतिनिधित्व था। देश में छोटे स्कूलों का सर्वाधिक प्रतिशत (42.31) के साथ अध्ययन में उत्तरी क्षेत्र से जम्मू एवं कश्मीर को कवर किया गया। पूर्वी क्षेत्र से अध्ययन में 14.45 प्रतिशत छोटे प्राथमिक स्कूलों के साथ असम, को शामिल किया गया। 29.67 प्रतिशत छोटे प्राथमिक स्कूलों के साथ क्षेत्र का प्रतिनिधित्व महाराष्ट्र करता है, और कर्नाटक को 39.87 प्रतिशत छोटे प्राथमिक स्कूलों के साथ, दक्षिणी क्षेत्र से अध्ययन में शामिल किया गया था। चार चयनित राज्यों में से प्रत्येक से एक जिले का चयन किया है और अध्ययन में शामिल किया गया था। राज्यों से जिलों का चयन (i) अपेक्षाकृत अधिक छोटे प्राथमिक स्कूलों की संख्या और (ii) छोटे प्राथमिक स्कूलों का अनुपात राज्य के औसत की तुलना में अधिक है, के आधार पर किया गया। इस तरह से इस

अध्ययन में जम्मू व कश्मीर राज्य से जम्मू जिला, महाराष्ट्र से रायगढ़ जिला और कर्नाटक राज्य से मांड्या जिला तथा असम के ज़ोरहाट जिले को शामिल किया गया। छोटे स्कूलों के गहन अध्ययन के लिए प्रत्येक चयनित जिले से एक सरल यादृच्छिक नमूना विधि को लागू करते हुये छोटे प्राथमिक स्कूलों का 10 प्रतिशत का एक नमूना लिया गया।

प्रमुख निष्कर्ष

इस अध्ययन में पाया गया कि यह छोटे स्कूल डिजाईन में ही छोटे नहीं थे यानि इन्हें छोटे स्कूलों के रूप में स्थापित नहीं किया गया था, लेकिन इन स्कूलों में समय के साथ नामांकन में गिरावट आई और छोटे हो गए। इन स्कूलों में इस नामांकन में गिरावट के लिए मुख्य कारण हैं, बस्ती की आबादी का शहरों के लिए रोजगार की तलाश में शहरों के लिए पलायन तथा इन स्कूलों से निजी स्कूलों में सरकारी स्कूलों के बच्चों का पलायन, (सभी छोटे प्राथमिक स्कूल सरकारी स्कूलों के रूप में हैं) आसपास के क्षेत्र में निजी स्कूलों का तेजी से विकास हुआ है।

हालांकि, यहां दूसरा उल्लेखित कारण सरकारी स्कूलों में कम क्षमता और प्रदर्शन है जिसके कारण माता पिता मौका मिलने पर निजी स्कूलों में अपने बच्चों को भेजते हैं और सरकारी स्कूल से अपने बच्चों का दाखिला वापस ले लेते हैं, चाहे उन पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ भले ही हो। इसका मतलब यह हुआ कि सामान्य रूप से लोगों का लगभग सरकारी स्कूलों से विश्वास उठ चुका है और वे शिक्षा की बेहतर गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए निजी स्कूलों पर अधिक भरोसा करते हैं।

इस अध्ययन के तहत कवर स्कूलों से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि यह स्कूल न तो अच्छी तरह से प्रबंधित थे और न ही इनका प्रदर्शन अच्छा था। क्योंकि बच्चों की काफी कम संख्या के साथ इन स्कूलों के पास सुनहरा मौका था। अपने लाभ के लिए स्कूलों द्वारा फायदा नहीं उठाया जा सका और स्कूलों का अच्छा प्रबंधन या इन स्कूलों का बेहतर प्रदर्शन नहीं दिखाई पड़ रहा है। ये छोटे स्कूल बहुत महंगे हैं और इन स्कूलों में प्रति छात्र लागत अपेक्षाकृत बहुत अधिक है, शायद ये आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं हैं। शैक्षिक योजनाकारों और प्रशासकों के साथ ही राज्यों के नीति निर्माताओं को गंभीरता से छोटे स्कूलों के इस पहलू को देखना होगा और शिक्षा का अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप प्राथमिक शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुँच के लिए आवश्यक है कि उनकी क्षमता और प्रदर्शन में सुधार हो।

2. शीर्षक: पूर्वोत्तर राज्यों में माध्यमिक शिक्षा के लिए पहुँच : सेमिस डेटा से क्या पता चलता है (अनुदान सहायता के बिना)

प्रधान अन्वेषक : *प्रोफेसर एस.एम.आई.ए. जैदी*

प्रसंग

देश के उत्तर पूर्वी क्षेत्र अपेक्षाकृत केंद्र से दूर स्थित है। भौगोलिक दृष्टि से इस क्षेत्र में कई राज्यों के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ लगती हैं। आठ राज्यों के इस क्षेत्र में अपनी विशिष्ट सामाजिक – आर्थिक विशेषताएँ हैं और यह क्षेत्र विशाल पहाड़ियों और पहाड़ों से आच्छादित है। यह आम तौर पर महसूस किया गया है कि देश के अन्य क्षेत्रों की तुलना में इस क्षेत्र में विकास की गति धीमी रही है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं

है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र शैक्षिक रूप से पिछड़े हैं। दो राज्यों को छोड़ दें अर्थात् अरुणाचल प्रदेश और असम के अलावा अन्य सभी राज्यों की साक्षरता दर देश की साक्षरता दर की तुलना में अपेक्षाकृत काफी अधिक हैं।

उद्देश्य

यह आलेख माध्यमिक शिक्षा पर ध्यान देने के साथ इस क्षेत्र में शिक्षा के विकास पर जोर दे रहा है। यह माध्यमिक शिक्षा तक पहुँच हेतु राज्यवार डेटा विश्लेषण से पूर्वोत्तर क्षेत्र में माध्यमिक शिक्षा का परिदृश्य प्रस्तुत करता है। इस आलेख में इस्तेमाल किए गए सभी डेटा सेमिस 2009-10, से लिये गये हैं और 30 सितंबर, 2009 तक की पूरी रिपोर्ट उपलब्ध है। माध्यमिक शिक्षा प्रबंधन सूचना प्रणाली (सेमिस) से लिया गया है, माध्यमिक शिक्षा के परिदृश्य और व्यक्तिगत रूप से सभी 8 राज्यों में पूरे देश के लिए संबंधित आंकड़ों के साथ तुलना की गई है। इस प्रकार माध्यमिक शिक्षा तक पहुँच पर यह क्षेत्र का अंतर - राज्य चित्र प्रस्तुत करता है। संक्षेप में यह पत्र 11वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक इस क्षेत्र में माध्यमिक विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण के लिये आर.एम.एस.ए. के तहत किए गए प्रावधानों को प्रस्तुत करता है।

प्रमुख निष्कर्ष

इस पत्र के अनुसार दूर-दराज़ के क्षेत्र में स्थित होने के बावजूद, सभी राज्यों में माध्यमिक शिक्षा उपलब्ध हैं। माध्यमिक स्कूलों के मामले में उपलब्धता काफी संतोषजनक है। लेकिन माध्यमिक स्कूलों में सुविधाओं का प्रावधान का स्तर संतोषजनक नहीं है। माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध है और छात्र शिक्षक अनुपात काफी कम है फिर भी माध्यमिक स्कूलों में प्रशिक्षित शिक्षकों की उपलब्धता सभी राज्यों में एक मुख्य मुद्दा है क्योंकि लगभग सभी राज्यों में प्रशिक्षित अध्यापकों का अनुपात राष्ट्रीय औसत से बहुत कम है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों में अपेक्षाकृत अधिक माध्यमिक विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं जैसे: पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, प्रधानाध्यापक के कमरे, लड़कों और लड़कियों के कॉमन रूम, पेयजल सुविधा, परिसर की दीवार, खेल सामग्री, इनडोर खेल सुविधा आदि की कमी है। बिजली, कंप्यूटर और इंटरनेट जैसी सुविधाएं इस क्षेत्र के माध्यमिक विद्यालयों में शायद ही उपलब्ध हैं।

3. शीर्षक: भारत में माध्यमिक शिक्षा पर सांख्यिकी (सेमिस डेटा के आधार पर 2009-10)

प्रधान अन्वेषक : *प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी, डा. के. बिस्वाल और डा. एन.के. मोहंती*

प्रसंग

शिक्षा के क्षेत्र में साक्ष्य आधारित प्रबंधन के तरीकों को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा पर एक व्यापक और डेटाबेस समय श्रृंखला की उपलब्धता सुनिश्चित करानी होगी। तदनुसार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, स्कूल और उच्च शिक्षा में डाटाबेस बनाने के लिए कई कदम उठा रही है। राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पहल को लागू करने में शिक्षा की योजना और प्रबंधन के लिए डेटाबेस बनाने के लिये एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। न्यूपा ने सफलतापूर्वक माध्यमिक स्तर पर माध्यमिक शिक्षा प्रबंधन सूचना प्रणाली (सेमिस) प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (डाईस) के सृजन और संस्थागत रूप में एक नोडल एजेंसी के रूप में काम किया है।

2007-08 में न्यूपा द्वारा कार्यान्वित सेमिस, राज्य और जिला स्तर की माध्यमिक शिक्षा के प्रबंधन के अलावा, अप्रैल, 2009 में शुरु की गई राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) नामक देशव्यापी माध्यमिक शिक्षा विकास कार्यक्रम तैयार करने और लागू करने में महत्वपूर्ण साबित हुआ है। सेमिस न केवल

आर.एम.एस.ए. के तहत विभिन्न उपायों के नियोजन, कार्यान्वयन और निगरानी के लिए प्राथमिक डेटाबेस माना जाता है बल्कि यह निर्णय लेने के लिए सूचनाओं को एक कुंजी के रूप में योजना और प्रबंधन की एक संस्कृति को बढ़ावा देता है।

वर्तमान अंक, स्टैटिस्टिक्स ऑन सैकेण्डरी एजुकेशन इन इंडिया, 2009-10, वर्ष 2008-09 और 2009-10 के लिए एकत्र सेमिस आंकड़ों के आधार पर भारत में माध्यमिक शिक्षा की स्थिति का आकलन करने के लिए पहला प्रयास (महत्वपूर्ण निष्पादन संकेतकों के संदर्भ में) है।

4. शीर्षक : गुजरात और मध्य प्रदेश में भागीदारी, प्रगति और परिप्रेक्ष्य के संदर्भ में पंचायती राज संस्थाओं के तहत स्कूल शिक्षा का प्रबंधन

प्रधान अन्वेषक: *डा. आर.एस. त्यागी और प्रो. नज़मा अख़्तर*

प्रसंग

पंचायती राज संस्थाओं के तहत स्कूल शिक्षा के प्रबंधन पर वर्तमान अध्ययन भागीदारी, प्रगति और दृष्टिकोण के संबंध में मध्य प्रदेश और गुजरात में आयोजित किया गया। अध्ययन में प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन के लिए पंचायती राज संस्थाओं को सौंपे गये शैक्षिक, प्रशासनिक और वित्तीय शक्तियों की सीमाओं को पता करने का प्रयास किया गया है। मध्य प्रदेश एक शैक्षिक रूप से पिछड़ा राज्य है, वहीं गुजरात देश में शैक्षिक रूप से विकसित और एक शैक्षिक रूप से उन्नत राज्य है।

उद्देश्य

अध्ययन के उद्देश्यों में शामिल है: (क) प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन के संबंध में नियमों, विनियमों और सरकार के आदेश और उनके कानूनी प्रावधानों सहित मध्य प्रदेश और गुजरात में पंचायती राज संस्थाओं की निर्दिष्ट भूमिकाओं और कार्यों का अध्ययन करना (ख) यह जानने के लिए कि क्या शिक्षा नीति निर्माण, नियोजन, वित्त, प्रशासन और प्रबंधन की शक्तियों को पूरी तरह से दोनों राज्यों में पंचायती राज संस्थाओं को हस्तांतरित किया गया है? और (ग) शैक्षिक प्रबंधन, नियोजन, कार्यान्वयन, प्रशासन और बुनियादी स्तर पर पर्यवेक्षण के विकेन्द्रीकरण के संदर्भ में आवश्यक परिवर्तन के लिए सुझाव देना।

क्रियाविधि व उपकरण

अध्ययन की कार्यप्रणाली में जिला, ब्लॉक, ग्राम पंचायत और स्कूल स्तर से जानकारी का संग्रह शामिल है। अध्ययन प्राथमिक और माध्यमिक आंकड़ों के आधार पर आयोजित किया गया। आंकड़े एक प्रतिनिधि नमूने के आधार पर एकत्र किए गए थे। आंकड़ा संग्रह के लिए एक अनुसूची को विकसित किया गया था और अध्ययन के लिए नवीनतम उपलब्ध प्राथमिक और माध्यमिक जानकारी एकत्र करने के लिए मई 2009 के महीने में गुजरात और मध्य प्रदेश में अध्ययन को आयोजित किया गया - प्राथमिक आंकड़ा के संग्रह के लिए, 15 साक्षात्कार कार्यक्रम विकसित किए गए। उपकरणों की तैयारी के बाद एक प्रारंभिक विशिष्ट उपकरणों के भीतर मदों की उपयुक्तता का मूल्यांकन करने के लिए एक परीक्षण आयोजित किया गया था। उपकरणों का परीक्षण मध्य प्रदेश और गुजरात के रायसेन और मेहसाणा जिले में क्रमश: आयोजित किया गया।

नमूना

मध्य प्रदेश में शैक्षिक संकेतकों के आधार पर तीन प्रतिनिधि जिलों, सागर, देवास और शहडोल प्राथमिक आंकड़ों के संग्रह के लिए चयन किया गया था। तीनों जिलों के चयन के साथ, प्रत्येक जिला विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों, विभिन्न संस्कृति और सामाजिक – आर्थिक स्थितियों, शैक्षिक रूप से पिछड़े, मध्यम और उन्नत जिले के रूप में चयन करते समय अध्ययन के लिए लिया गया था। गुजरात से तीन जिलों का एक प्रतिनिधि नमूना अध्ययन करने के लिए चुना गया। वलसाड आदिवासी जिला और प्रारंभिक शिक्षा के विकास (कक्षा एक से आठवीं) के क्षेत्र में तुलनात्मक रूप से कम विकसित है। मध्यम स्तर पर जिला जूनागढ़ तथा शैक्षिक रूप से उन्नत जिला मेहसाणा शामिल है। प्रत्येक दो जिलों में से दो ब्लॉकों, एक ग्रामीण और एक नगरीय का चयन किया गया और प्रत्येक ब्लॉक के तहत दो प्रतिशत प्राथमिक (प्राइमरी स्कूलों की कक्षाएं एक से सातवीं तक हैं) स्कूलों का गुजरात में चयन किया गया था। गुजरात में अधिकांश प्राथमिक स्कूल कक्षा एक से सातवीं तक हैं। मध्य प्रदेश में अधिकांश प्राथमिक स्कूल कक्षा पहली से पांचवीं तक हैं और उच्च प्राथमिक विद्यालय (कक्षा छठीं से आठवीं तक) मौजूद हैं।

निष्कर्ष

पंचायत राज संस्थाओं के निर्माण ने यह आशा जगाई थी कि विकेन्द्रीकरण शुरू में उच्च आर्थिक क्षमता, बेहतर जवाबदेही, अधिक संसाधन जुटाने, सेवा की कम लागत और स्थानीय वरीयताओं की उच्च संतुष्टि को प्रदान करेगा। हालांकि, इस अध्ययन ने पाया कि प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन में जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर पर पंचायती राज संस्थाओं को नाममात्र की भूमिका प्रदान की गई है और गुजरात और मध्य प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा के प्रबंधन के मुख्यकार्यों में जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायत में शिक्षा विभाग द्वारा कार्य किया गया और इस तरह समुदाय को प्राथमिक शिक्षा की योजना और प्रबंधन में विकल्प और निर्णय लेने के अवसरों को नकार दिया गया। इसलिए, कार्यों का प्रभावी हस्तांतरण संविधान में परिकल्पित रूप में जगह नहीं ले पाया।

गुजरात में जिला पंचायत अपनी जिला शिक्षा समिति (डीईसी) के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा (कक्षा एक से सातवीं तक) का प्रबंधन करते हैं। इस समिति के अध्यक्ष जिला पंचायत के सदस्य थे। जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी समिति के सचिव थे। अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, जिला शिक्षा समिति को भर्ती, शिक्षकों की नियुक्ति और स्थानान्तरण, वेतन का प्रबंधन और वितरण और स्कूल इमारतों का प्रबंधन, शैक्षिक बुनियादी सुविधाओं का निर्माण, उसका रखरखाव, सुविधाओं का प्रावधान जैसे शौचालय, पानी, खेल का मैदान आदि और शिक्षकों की शिकायतों की देखरेख, यदि कोई हो, तो उसका निवारण करना है। अध्ययन में पाया गया कि डी.ई.सी. केवल एक कागजों पर हस्ताक्षर करने वाला प्राधिकरण है और यह अधिनियम के अनुसार इसको सौंपी गई शक्तियों का यह प्रशासन नहीं करता। उपरोक्त सभी कार्यों को शिक्षा विभाग द्वारा पूर्ण किया गया। वे बच्चों के प्रवेश और शिक्षकों की पदोन्नति, हस्तांतरण के संबंध में विवादों की देखरेख, स्कूल भवनों का निर्माण जैसे कार्यों में मुख्यत: शामिल थे। यहां तक कि स्कूल भवनों के निर्माण के लिए शक्तियों का दोहरीकरण था। यही शक्ति तालुका पंचायत को सौंपी गई थी, जबकि वहाँ कोई तालुका पंचायत समिति मौजूद नहीं थी। गांव स्तर पर, सर्व शिक्षा अभियान के तहत ग्राम शिक्षा समितियों को गठित किया गया था। जिला शिक्षा समिति की शिक्षा नीतियों के निर्माण में कोई भूमिका नहीं थी। पंचायती राज संस्थाएं सर्व शिक्षा अभियान जैसी प्राथमिक शिक्षा के विकास के कार्यक्रमों की योजना और प्रबंधन में शामिल नहीं थे। गुजरात में जिला पंचायत और तालुका पंचायत सर्व शिक्षा अभियान जैसी प्राथमिक शिक्षा के विकास कार्यक्रमों में शामिल

नहीं थे। वे पूरी तरह से सर्व शिक्षा अभियान की योजना और प्रबंधन के बारे में निर्णय लेने की प्रक्रिया से अलग थे।

मध्य प्रदेश में जिला पंचायत के अध्यक्ष को जिला शिक्षा योजना को स्वीकृत करने का अधिकार था और वह प्राथमिक और उच्च प्राथमिक समेत माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्कूलों की निगरानी कर सकता है। शक्तियां जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर सौंपी गई हैं। ग्राम शिक्षा समितियों को प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन का अधिकार दिया गया है। हालांकि, मध्यप्रदेश जन शिक्षा अधिनियम, 2002 पीटीए को वी.ई.एस. की सभी शक्तियां देता है। पंचायतों के अध्यक्षों को शक्तियां सौंपी गई हैं लेकिन व्यवहार में वे इन शक्तियों का प्रयोग नहीं कर सकते हैं। ये शक्तियां सैद्धांतिक हैं, बल्कि व्यावहारिक नहीं। गुजरात और मध्य प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं के कामकाज के बीच मुख्य अंतर यह भी था कि गुजरात में पंचायती राज संस्थाएं नीति निर्माण और कार्यान्वयन में शामिल नहीं थे, जबकि जिला और ब्लॉक स्तर पर मध्य प्रदेश में उन्हें प्राथमिक शिक्षा के प्रबंध की प्रमुख जिम्मेदारी के साथ माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा के प्रबंधन की जिम्मेदारी थी। गांव स्तर पर, पीटीए की प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों के मामले में प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार दिए गए थे। नियमित पैमाने के तहत काम कर रहे सभी शिक्षण और गैर शिक्षण कर्मचारियों के काम शिक्षा विभाग द्वारा किये जायेंगें तथा व्यक्ति की सेवानिवृत्त के बाद पद समाप्त कर दिया जायेगा, और उनकी जगह पर पंचायती राज संस्था द्वारा अनुबंध के आधार पर नियुक्ति होगी। अनुबंध के आधार पर उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों की भर्ती, चयन और पोस्टिंग की शक्तियां जिला पंचायत को सौंपी गई हैं। निरीक्षण और पर्यवेक्षण, प्राथमिक स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती के लिए शक्तियां जनपद पंचायत के पास हैं। वर्तमान में इस तरह के अनुबंध शिक्षक और शिक्षा कर्मी पंचायती राज विभाग और नियमित रूप से शिक्षक शिक्षा विभाग के अंतर्गत हैं।

गुजरात के मामले में, जहाँ तक प्रारंभिक शिक्षा का प्रबंधन, पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से हो रहा है, वहां नीतिगत सुधारों को बनाने की आवश्यकता है। 73वें संविधान संशोधन में स्थानीय प्रशासन में लोगों की भागीदारी के माध्यम से सशक्तिकरण की परिकल्पना की गई है और वर्तमान में शिक्षा विभाग को दिये जाने वाले पर्याप्त धन के स्थानांतरण के साथ प्राथमिक शिक्षा का प्रबंधन समेत कुल स्कूल शिक्षा विभाग को सौंपने के लिए कहा गया है। इसलिये पंचायती राज संस्थाओं को प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन के लिए अधिक शक्तियां न्यागत किया जाना चाहिए और यह सुझााव है कि वे सर्व शिक्षा अभियान तथा जिला और तालुका स्तर पर प्राथमिक शिक्षा के अन्य विकास कार्यक्रमों में शामिल हों। प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार जिला शिक्षा समिति के प्राथमिक शिक्षा से जुड़े विकास कार्यक्रमों और सर्व शिक्षा अभियान के लिए वार्षिक कार्य योजना एवं बजट की तैयारी के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स में उचित प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए। मध्य प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं की भागीदारी आबादी स्तर से जिला स्तर तक योजना और कार्यान्वयन तंत्र का अभिन्न अंग होना चाहिए। योजना, पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम तैयार करना, शाब्दिक और गैर शाब्दिक सामग्री तैयार करना, शिक्षकों का प्रशिक्षण, भर्ती, चयन और शिक्षकों के तबादले जैसे कार्य उनकी क्षमता के निर्माण के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह तभी संभव है जब यह शक्तियां सही अर्थों में अन्तरित की जायें और क्षमता निर्माण कार्यक्रम पंचायती राज संस्थाओं के लिए आयोजित किए जायें और जवाबदेही विभिन्न स्तरों पर तय की जायें। ढांचागत सुधारों के वर्तमान चरण के लिए अब तक अपनाई गई नीतियों का आकलन करने के

लिए एक गंभीर आवश्यकता है। एक अन्य आवश्यक कार्य शैक्षिक योजना और प्रबंधन में सभी हितधारकों की भागीदारी देना होगा। इस राज्य में प्राथमिक शिक्षा की विभिन्न गतिविधियों के प्रबंधन में इन प्रशासनिक संरचना के इंटरफेस को समझना आवश्यक है।

5. शीर्षक: ***डाईस डाटा-2008-09 का पोस्ट गणनासूचक सर्वेक्षण: आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश का केस अध्ययन***

प्रधान अन्वेषक: *श्री ए.एन. रेड्डी, प्रोफेसर अरुण सी. मेहता और डा. सविता कौशल*

प्रसंग

अनुसंधान परियोजना डाईस आंकड़ों की सच्चाई की जांच करने के उद्देश्य से किया गया था। निम्नलिखित अध्ययन के विशिष्ट उद्देश्य हैं: (क) मदानुसार डाईस आंकड़ों की सच्चाई की जांच, (ख) विसंगतियों में पद्धति की पहचान, (ग) डाईस और पीईएस के बीच अंतर का कारण (घ) पीईएस की कार्यप्रणाली में उचित संशोधनों के लिये सुझाव।

अध्ययन में डाईस और एस.ई.एस. से प्राप्त माध्यमिक आंकड़ों का विश्लेषण किया और डाईस आंकड़ों की सच्चाई पता लगाने के लिए क्षेत्रवार कार्य किया। अध्ययन में ऊपर उल्लेखित प्रत्येक राज्य में से दो जिलों का चयन किया और हर जिले में दो ब्लॉक / मंडलों का चयन किया गया। फील्ड कार्य आंध्र प्रदेश में नलगोंडा और कुडप्पा में किए गए, महाराष्ट्र में औरंगाबाद तथा बीड में और हिमाचल प्रदेश में शिमला और धर्मशाला में किये गये। चयनित ब्लॉक / मंडलों में सभी स्कूलों को पूरी तरह से शुमार किया गया। नमूने में हिमाचल प्रदेश से 500 स्कूलों और महाराष्ट्र में 550 से अधिक स्कूलों तथा आंध्र प्रदेश में 200 से अधिक स्कूलों पर को लिया गया।

डी.ई.एस. और डाईस से प्राप्त माध्यमिक डेटा का संस्थाओं, नामांकन और शिक्षकों की संख्या के संबंध में तुलना की गई। राष्ट्रीय स्तर पर इसमें बहुत थोड़ा बदलाव है परन्तु राज्य स्तर पर डाईस और एस.ई.एस. के बीच में भिन्नता सभी चर पर काफी अधिक थी। पी.ई.एस. और डाईस आंकड़ों में आंध्र प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में बहुत छोटा सा बदलाव था लेकिन महाराष्ट्र के मामले में यह बहुत भिन्नता प्रकट करते हैं। हालांकि पी.इ.एस. और डाईस आंकड़ों के बीच बच्चों के नामांकन के मामले में बहुत कम बदलाव पाया जाता है। हालांकि, स्कूल से संबंधित चर के संबंध में छोटी से लेकर बड़ी भिन्नता प्रबंधन, कार्य दिवसों की संख्या, कमरों की संख्या, कमरों की दशा, के संबंध में तथा सी.आर.सी., बी.आर.सी. के शैक्षिक दौरों, बुनियादी सुविधाओं, अकादमिक निरीक्षण, आदि के संबंध में पाई जाती है।

6. शीर्षक: ***एशिया प्रशांत क्षेत्र के लिए मुफ्त और अनिवार्य बुनियादी शिक्षा (लक्ष्य 2) पर सभी के लिए शिक्षा पर (ईएफए) शोध पत्र और दशकांत टिप्पणी (ई.डी.एन.)***

प्रधान अन्वेषक : *डा. के बिस्वाल और डा. मधुमिता बंद्योपाध्याय*

प्रसंग

इडीएन 25-28 जुलाई, 2011 से सियोल, दक्षिण कोरिया में आयोजित राष्ट्रीय ईएफए समन्वयकों की 12वीं क्षेत्रीय बैठक के लिए तैयार किया गया था। दशकांत नोट (इडीएन) एशिया और प्रशांत क्षेत्र में ईएफए लक्ष्य

2 को प्राप्त करने में मुद्दों और शेष चुनौतियों की प्रगति का जायजा लेता है। ई.एफ.ए.-2, 2015 तक विशेष रूप से लड़कियों, कठिन परिस्थितियों में बच्चों और जातीय अल्पसंख्यकों के बच्चों को अच्छी गुणवत्ता की मुफ्त और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता है।

इडीएन मुख्य रूप से 2000 के मध्य दशक मूल्यांकन और सांख्यिकी के लिए यूनेस्को संस्थान (यूआईएस) द्वारा उपलब्ध कराए गए नवीनतम देशवार स्तर के डेटा की जानकारी के आधार पर इस लक्ष्य की दिशा में प्रगति को रिपोर्ट करता है। ई.एफ.ए.-2 लक्ष्य की दिशा में प्रगति पर नज़र रखने के अलावा, ई.डी.एन. विशेष रूप से उप-क्षेत्रीय और देशवार स्तर पर नवीन नीतिगत सुधारों और रणनीतियों के लिये शिक्षा की गुणवत्ता में असमानताओं को कम करने के उद्देश्य से गुणवत्ता पर जोर देता है। इडीएन एशिया के उप क्षेत्रों और प्रशांत क्षेत्र के लिए विशिष्ट चुनौतियों और मुद्दों की पहचान करता है। नोट ''शिक्षा के क्षेत्र में वंचितों की पहुंच पर ध्यान केंद्रित करने और क्षमता के साथ ईएफए'' पर बल देता है।

ड्राफ्ट नोट http://www.unescobkk.org/education/efa/efacoordinators meeting/12th regional-meeting-of-national-efa-coordinators पर देखा जा सकता है।

7. शीर्षक: वैश्विक अर्थव्यवस्था में रोजगार आवश्यकताओं के लिये भारतीय उच्चतर शिक्षा का संरेखण

प्रधान अन्वेषक : प्रोफेसर मोना खरे

प्रसंग

आर्थिक कल्याण और उत्पादक क्षमता मनुष्य के बौद्धिक और पेशेवर क्षमताओं को इंगित करते हैं, इसे दुनिया भर में महसूस किया जा रहा है। शिक्षा, गरीबों का स्वास्थ्य और पोषण, कम प्रशिक्षण और कौशल विकास के निम्न स्तर विकासशील देशों की विकास प्रक्रिया में प्रमुख बाधाओं में से हैं। तथ्य यह है कि एक अच्छी गुणवत्तायुक्त मानव संसाधन आधार आज के अत्यंत प्रतिस्पर्धी माहौल में अत्यंत महत्वपूर्ण है और इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार, विकासशील देशों के लिए सबसे बड़ी चुनौती नवीन शिक्षण और एक संवेदनशील और साथ ही गतिशील शिक्षा क्षेत्र के माध्यम से एक अत्यधिक कुशल और प्रशिक्षित कार्यबल तैयार करने के लिए है। अगर ठीक से संभाला नहीं तो 15-59 वर्ष की आयु वर्ग के लोगों के बढ़ते अनुपात के साथ भारत का जनसांख्यिकीय उभार सबसे बड़ा फायदा या नुकसान हो सकता है। इसलिए सबसे बड़ी चुनौती का दोहन तथाकथित ''जनसांख्यिकीय लाभांश'' में निहित है। श्रम की मांग देश में नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी आने वाले वर्षों में उच्च और स्थिर होने की संभावना है, लेकिन यह मांग कुशल और योग्य श्रम के लिए की जाएगी। भारतीय युवाओं का रोजगार हाल के वर्षों में एक प्रमुख चिंता के विषय के रूप में उभरा है। विडंबना यह है कि कौशल की कमी न सिर्फ अनपढ़ और अप्रशिक्षित के पास है लेकिन यह शिक्षितों के मामले में भी मानक स्तर से नीचे है। इस पृष्ठभूमि के साथ यह अध्ययन विकास का विश्लेषण करने और भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली की संरचना को बदलने पर जोर देता है। विशेष रूप से उदारीकरण के बाद, एक बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था की बदलती जरूरतों के साथ इसकी जवाबदेही की डिग्री का आकलन करता है, भारत की उच्च विकास दर के लिए एक रोजगार सूचकांक विकसित क्षेत्रों में कौशल अंतराल की पहचान करता है और शिक्षा के अकादमिक अंतर को पाटने के लिए एक व्यापक मार्ग का सुझाव भी देता है।

अध्ययन की रिपोर्ट निम्नलिखित बेब साइट पर देख सकते है:

http://www-acu-ac-uk/conferences/mauritius_2012 khare_higher_education_needs

8. शीर्षक: दक्षिण एशिया में रोजगार के लिए कौशल

प्रधान अन्वेषक : *डा. आरती श्रीवास्तव और प्रोफेसर मोना खरे*

प्रसंग

दक्षिण एशिया में रोजगार के लिए कौशल को अनिवार्य रूप से स्कूल छोड़ने पर कौशल की आवश्यकता नियोक्ताओं के दृष्टिकोण पर केंद्रित है। दक्षिण एशियाई देशों में व्यवसाय, अवशोषण और आवास के बुनियादी सिद्धांतों पर विभिन्न लोग रहते हैं। अध्ययन स्कूल छोड़ने वाले (18 वर्ष के बच्चों) के बीच कौशल की वर्तमान स्थिति का पता लगाने का प्रयास करता है और कौशल अंतराल आकलन भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे दक्षिण एशियाई देशों में कौशल सेट के लिए उभरती मांग की पहचान पर केन्द्रित है। अध्ययन शिक्षा और श्रम बाजार के बीच की खाई को फोकस समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से एक साथ हितधारकों को लाकर दूर करने का प्रयास करता है ताकि उद्योग कौशल की आवश्यकताओं के लिए सक्षम मदद मिल सके। उत्तरदाता बहुराष्ट्रीय कंपनियों, लघु उद्योगों, स्थानीय उद्यमों, मीडिया और गैर सरकारी संगठनों के साथ महिला उद्यमियों, रेलवे, एलआईसी, रक्षा आदि जैसे सरकारी संगठन के प्रतिनिधियों का एक मिश्रित समूह था।

9. शीर्षक: दक्षिण एशिया में माध्यमिक शिक्षा के लिए अभिनव मॉडल

प्रधान जांचकर्ता : *डा. एन.के. मोहंती और प्रोफेसर एस.एम.आई.ए. जैदी*

प्रसंग

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, माध्यमिक शिक्षा वैश्विक श्रम बाजार की आवश्यकताओं और उच्च शिक्षा पर जोर देने के कारण महत्वपूर्ण हो गयी है। एक उचित रूपांकित माध्यमिक शिक्षा के साथ एक कार्यबल देश के आर्थिक विकास के अभिन्न अंग के रूप में माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के युग के आगमन के साथ दक्षिण एशिया में माध्यमिक शिक्षा को उजागर करने वाली ताकतें अधिक और अधिक स्पष्ट होती जा रही हैं। नवाचार और प्रौद्योगिकीय परिवर्तन हेतु श्रम शक्ति को उन्नत कौशल से लैस किया जाना चाहिए। श्रम बाजार की आवश्यकताओं से स्वतंत्र, एक अच्छी माध्यमिक शिक्षा एक तेजी से बदलते समाज में रहने के लिये और कौशल के साथ वयस्कों को भविष्य की सुरक्षा प्रदान करता है। विशेष रूप से, यह व्यक्तियों को जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य खतरों और तकनीकी नवाचारों के प्रति सक्रिय नागरिक होने का अधिकार देता है, जो दुनिया में तेजी से बदल रहे हैं। अंत में, माध्यमिक शिक्षा युवाओं को तैयार करता है उच्च शिक्षा में प्रवेश करने वाले, और हमारे भविष्य के नेता, प्रबंधक और पेशेवर बनने जा रहे लोगों के लिए हैं।

'माध्यमिक शिक्षा के लिए अभिनव मॉडल' पर आलेख को दो भागों में बांटा गया है:

भाग 1 का उपयोग, समता, गुणवत्ता और वित्तपोषण के संबंध में दक्षिण एशिया में विशेष रूप से भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में माध्यमिक शिक्षा की स्थिति का अवलोकन प्रदान करता है। पिछले दो दशकों के दौरान दक्षिण एशिया में भागीदारी और परिणामों सहित माध्यमिक स्कूली शिक्षा के अवसरों को बढ़ाने में हुई प्रगति पर विचार करते हुए इस खंड में माध्यमिक शिक्षा में क्षेत्रीय, लैंगिक और सामाजिक असमानताओं पर प्रकाश डाला गया है। भाग 2 में भारत में औपचारिक और अनौपचारिक माध्यमिक शिक्षण संस्थानों में लागू अभिनव मॉडल की एक पूर्ण जांच के साथ दक्षिण एशियाई देशों में वर्तमान में माध्यमिक शिक्षा पर विभिन्न

अभिनव मॉडल की एक महत्वपूर्ण समीक्षा प्रदान करता है। इस अनुभाग में इस तरह के मॉडल को लागू करने की लागत तुलना के संदर्भ में माध्यमिक स्नातकों में कौशल वितरण या प्रभावशीलता पर ध्यान केंद्रित करते हुये माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में नए मॉडल के बारे में गहराई से विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

प्रमुख निष्कर्ष

माध्यमिक शिक्षा के लिए मांग दक्षिण एशिया के सभी देशों में 1990 के बाद से काफी बढ़ रही है। दक्षिण एशिया में, माध्यमिक स्तर पर कुल नामांकन 1970 में 26 लाख से बढ़कर 2009 में 136 मिलियन हो गया है। माध्यमिक स्तर पर नामांकन 1999 और 2009 के बीच क्रमश: मालदीव और नेपाल में 9.2 प्रतिशत और 6.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। 1999 और 2009 के बीच बांग्लादेश (0.13%), पाकिस्तान (3.86%) और भारत (4.26%) के साथ माध्यमिक नामांकन में सबसे कम वृद्धि दर दर्ज की गई। वर्ष 1999 और 2009 के बीच कुल नामांकन के लिए नामांकित लड़कियों की हिस्सेदारी मालदीव को छोड़कर जहाँ यह 50% पर स्थिर रही, दक्षिण एशिया में शेष सभी देशों में माध्यमिक स्तर पर इसमें सुधार हुआ। माध्यमिक शिक्षा के अवसरों के विस्तार से असमानताएं कम हुई हैं और अनेक देशों में लैंगिक समता प्राप्त हुई हैं। दक्षिण एशिया में सात में से पाँच देशों ने लैंगिक समानता हासिल की है। स्थिति पाकिस्तान में विशेष रूप से गंभीर है। भारत इस सूचक पर अच्छी तरह से कार्य कर रहा है, और 2015 तक लैंगिक समानता हासिल करने की उम्मीद है। एक अपवाद बांग्लादेश है जहां निम्न और माध्यमिक दोनों शिक्षा में लैंगिक समानता प्राप्त कर ली गई है।

माध्यमिक शिक्षा के विभिन्न नए मॉडल और उनमें निहित सिद्धान्तों के विश्लेषण से पता चलता है कि अधिकांश नए मॉडल या तो अलग-थलग हैं या फिर वह माध्यमिक शिक्षा के विशिष्ट पहलुओं/कार्यों को संबोधित करते हैं। इसके अलावा, किसी भी प्रभावी मूल्यांकन और इन देशों में माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं / नवाचारों के उचित बंटवारे तंत्र के अभाव में, एक उप राष्ट्रीय और / या सांस्थानिक स्तर पर किये जा रहे नवाचारों में से ज्यादातर के अनुमाप पर बहुत यकीन नहीं है। भारत सहित दक्षिण एशिया के देशों में माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रथाओं के दस्तावेज के अभाव में, माध्यमिक शिक्षा के सवालों का जवाब पता करना, वास्तव में, मुश्किल है? माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों को संस्थागत और विस्तार करने के लिए कई प्रयास किया गया है? यदि हां, तो माध्यमिक शिक्षा के किन कार्यों/स्तरों पर? आने वाले वर्षों में नवाचार की दिशा क्या है? हालांकि, उप-क्षेत्र के देश सामाजिक - आर्थिक विकास में माध्यमिक शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार कर रहे हैं और तद्नुसार शिक्षा के इस स्तर पर निवेश को बढ़ावा दे रहे हैं, परन्तु अभी भी माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों का समर्थन और सक्षम संस्थागत ढांचा तथा महत्वपूर्ण स्कूलों की पहचान बाकी है।

10 . शीर्षक: कौशल संवर्धन के लिए अभिनव माध्यमिक शिक्षा (आई.एस.ई.एस.ई.) : पाठ्यचर्या से परिभाषित कौशल

प्रधान अन्वेषक: *डा. विनीता सिरोही और प्रोफेसर अविनाश कुमार सिंह*

प्रसंग

माध्यमिक शिक्षा के महत्व को उच्च शिक्षा के लिए एक मार्ग के रूप में न पहचानकर उसे शिक्षा क्षेत्र में एक अंतिम चरण के रूप में मान्यता दी जाती है। सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कारणों से भिन्न होने

के कारण एशिया के देशों, में माध्यमिक शिक्षा के नामांकन, उपयोग और गुणवत्ता से संबंधित विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान अनुसंधान वर्तमान में माध्यमिक स्कूल के पाठ्यक्रम और एशिया में शिक्षकों और वर्तमान में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के कौशल का अध्ययन करने के उद्देश्य से किया गया है। अध्ययन में थाईलैंड और भारत पर ध्यान केंद्रित करते हुये दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया, दोनों को कवर करने का प्रयास किया गया है। अनुसंधान के निष्कर्षों से पता चलता है कि माध्यमिक स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा का अध्ययन सभी देशों में शिक्षा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में, व्यावसायिक माध्यमिक शिक्षा को प्राथमिकता दी जाती है, इसी तरह दक्षिण एशिया में श्रम बाजार और नामांकन कमजोर है, फिर भी इसे काफी महत्व दिया जाता है। उदाहरण के लिए, भारत में, सरकार ने व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा प्रणाली में सुधार करने हेतु महत्वपूर्ण प्रयास किया है। इस क्षेत्र के अधिकांश देशों में, शैक्षिक और व्यावसायिक दोनों धाराओं में कौशल को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है। थाईलैंड, मलेशिया और इंडोनेशिया के पाठ्यक्रमों में स्पष्ट रूप से कौशल व्यक्त है। दक्षिण एशिया में सिर्फ बांग्लादेश में एक पूरी तरह से व्यक्त शैक्षिक माध्यमिक विद्यालय पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। भारत जैसे देश में व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम कौशल और क्षमताओं की एक स्पष्ट अभिव्यक्ति के साथ एक योग्यता आधारित मॉड्यूलर संरचना की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। माध्यमिक स्तर पर जीवन कौशल शिक्षा और सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इसके अलावा, अंग्रेजी भाषा को पाठ्यक्रम में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। भाषा पाठ्यक्रम स्पष्ट रूप से एक वैश्विक ज्ञान अर्थव्यवस्था के लिए संचार कौशल के विकास पर केंद्रित है। इन देशों में एक अन्य प्रमुख विशेषता यह है कि पाठ्यक्रम कौशल विकास के प्रतिमान में स्पष्ट हैं या इनमें सुधार की प्रक्रिया जारी हैं। फिर भी, उच्च माध्यमिक स्कूल के स्नातकों के पास रोजगार के लिए आवश्यक कौशल नहीं है, प्रमुख अंतर जो उभर के आता है, वह पाठ्यक्रम संचालन में शिक्षक प्रभावशीलता की कमी है। अध्ययन के सभी देश शिक्षा के माध्यमिक स्तर पर कमियों को मानते हैं। इसके अलावा, युवा लोगों को काम पर अपनी क्षमता का एहसास करने के लिए और समाज में उत्पादक, जिम्मेदार और लोकतांत्रिक नागरिक के रूप में जगह लेने के लिए माध्यमिक शिक्षा को और अधिक प्रभावी होना चाहिए का एहसास हो रहा है। दूसरे शब्दों में, माध्यमिक स्तर की शिक्षा द्वारा शैक्षिक या पेशेवर तृतीयक शिक्षा के लिए अग्रसर लोगों को आगे बढ़ने के लिए और साथ ही प्रशिक्षुओं, मजदूर कर्मचारियों या स्वरोजगार उद्यमियों के रूप में काम की दुनिया में प्रवेश करने वालों के लिए प्रभावी तैयारी प्रदान करनी चाहिए।

11. शीर्षक: भारत में निजी विश्वविद्यालय का एक अध्ययन

प्रधान अन्वेषक: *डॉ संगीता अंगोम*

प्रसंग

निजी उच्च शिक्षा दुनिया भर में बढ़ रही है, लेकिन उच्च शिक्षा के निजीकरण की डिग्री देश-देश में भिन्न होती है। यह स्पेन, थाईलैंड और पापुआ न्यू गिनी जैसे देशों में बहुत कम है जबकि फिलीपींस, कोरिया, जापान, इंडोनेशिया के निजी क्षेत्रों में काफी अधिक नामांकन हुआ है। विश्व स्तर पर, 20वीं सदी के अंतिम दशकों में, सामाजिक और बौद्धिक परिवेश दुनिया भर में निजी अर्थव्यवस्था के पक्ष में नाटकीय रूप से बदल गया है। भारत में भी उच्च शिक्षा का निजीकरण भारत सरकार (शास्त्री, 2004) द्वारा उदारीकरण और निजीकरण की दिशा में आर्थिक नीति में परिवर्तन के स्वाभाविक नतीजे के रूप में हो गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा या विश्वविद्यालय के रूप में खुद को परिभाषित करने वाले विश्वविद्यालयों के रूप में वर्गीकृत

कई निजी विश्वविद्यालयों या संस्थान हाल ही में उभर कर आए हैं। हालांकि, पिछले तीन या चार वर्षों में उनकी उच्च शिक्षा में विकास दर चिंता का विषय है। पिछले निष्कर्ष ज्यादातर विशुद्ध रूप से सैद्धांतिक विचारों पर आधारित हैं, लेकिन शायद ही किसी भी अध्ययन में समग्र प्रबंधन शैली, शैक्षणिक संगठन, उनकी उपलब्धियों और योगदान के संदर्भ में भारत में निजी विश्वविद्यालयों के कामकाज और दक्षता की जांच की गई हो। परिस्थितियों को देखते हुए, वर्तमान अध्ययन विकास और नामांकन, वित्तपोषण, और शासन पर ध्यान केंद्रित करते हुये भारत में निजी विश्वविद्यालय क्षेत्रों के विस्तार की जांच करने की पहल करता है। यह संकाय की साख, कक्षा सुविधाओं, परिसर में सुविधाओं, अनुसंधान सुविधाओं और शिक्षा की लागत और निजी उच्च शिक्षा संस्थानों के अकादमिक कैलेंडर के संदर्भ में समग्र कार्य और शिक्षा की गुणवत्ता में अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए देश में 12 निजी विश्वविद्यालयों के मामलों का विश्लेषण करता है।

अध्ययन का उद्देश्य

अध्ययन के तर्कसंगत प्रकाश में, अध्ययन के विशिष्ट उद्देश्य हैं: शैक्षणिक और प्रशासनिक संरचना और चयनित निजी विश्वविद्यालयों के शासन का विश्लेषण, चयनित निजी विश्वविद्यालय के व्यय और आय पद्धति के स्रोतों की जांच, चयनित निजी विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया और आधारभूत सुविधाओं का अध्ययन, शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया और कार्यभार के पैटर्न का अध्ययन, पाठ्यक्रमों का प्रकार बाजार उन्मुख हैं या नहीं इसकी पहचान करना, निजी विश्वविद्यालयों से संबंधित उपलब्धि (ओं) या कमियों, का पता लगाना, भारत में उच्च शिक्षा के विकास में निजी विश्वविद्यालयों के योगदान की भूमिका का एक समग्र मूल्यांकन करना।

अध्ययन के प्रमुख निष्कर्ष

निजी विश्वविद्यालय की अवधारणा 2002 में अपने अधिनियम के साथ छत्तीसगढ़ राज्य में प्रारंभ किया गया था। यह विश्वविद्यालय स्वयं वित्त पोषित हैं और उनकी स्थापना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित विधायी अनुमति द्वारा पंजीकृत निजी न्यास द्वारा की गई है। इन विश्वविद्यालयों में से कई बहु – अनुशासनात्मक पेशेवर पाठ्यक्रमों की पेशकश करते हैं। वर्तमान में, 150 से अधिक निजी विश्वविद्यालय भारत में हैं और पिछले दो–तीन वर्षों में निजी विश्वविद्यालयों की संख्या में वृद्धि कई मामलों में चिंता का कारण है। राज्य निजी विश्वविद्यालय अधिनियम शैक्षणिक कार्य के मामलों में पूर्ण स्वायत्तता प्रदान करता है और यह भी वित्तीय स्वायत्तता प्राप्त है। हालांकि निजी विश्वविद्यालयों का प्रशासन सार्वजनिक विश्वविद्यालय की तरह लगता है, परंतु इसकी संरचना, इसके अधिकारियों का आकार और नियुक्ति की प्रकृति और विश्वविद्यालय के अधिकारियों के कार्यों के संदर्भ में इनमें अंतर है। विश्वविद्यालय की ओर से शुरू शैक्षणिक कार्यक्रम बाजार में मांग और रोजगार पर आधारित हैं। अधिकांश निजी विश्वविद्यालय कर्मचारियों की सीमित संख्या के साथ काम करते हैं और इनमें अकादमिक स्टाफ की गुणवत्ता काफी कम प्रतीत होती है। अध्ययन के तहत निजी विश्वविद्यालयों में से अधिकांश में कोई तय भर्ती नीति, वेतन संरचना और कर्मचारियों के विकास की योजना नहीं है। छात्रों का प्रोफाइल दर्शाता है कि उनमें से ज्यादातर व्यावसायिक या तकनीकी पाठ्यक्रम में सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में दाखिला नहीं ले पाये हैं लेकिन वित्तीय क्षमताओं के कारण निजी विश्वविद्यालयों में प्रवेश पा सकते हैं। अध्ययन के नमूना विश्वविद्यालय में छात्रों के नामांकन में स्नातक की डिग्री में नामांकन की अधिकतम हिस्सेदारी के साथ पिछले कुछ वर्षों में काफी वृद्धि हुई हैं। इन विश्वविद्यालयों की आय का मुख्य स्रोत ट्यूशन फीस रहे हैं और विश्वविद्यालयों ने सरकार से अनुदान प्राप्त किया है। अध्ययन के तहत निजी विश्वविद्यालयों में सेमेस्टर प्रथा का पालन होता है और मूल्यांकन विशुद्ध रूप से आंतरिक है। ड्रॉप आउट दर कम है और स्नातक दर नमूना विश्वविद्यालयों में बहुत अधिक है। अनुसंधान कारक कम हैं और प्रशिक्षण और नियुक्ति एक महत्वपूर्ण गतिविधि बनते जा रहे हैं। उनके सामने

प्रमुख चुनौतियाँ अनुभवी शिक्षकों को प्राप्त करना और अनुसंधान गतिविधियों के लिए आर्थिक सहायता एजेंसियों को पाना, छात्रों के नामांकन में वृद्धि, गुणवत्ता युक्त छात्रों का नामांकन है। भारत में निजी विश्वविद्यालयों के बीच में काफी विविधता है और अधिकतर सुनियोजित और संगठित नहीं हैं।

अनुसंधान परियोजना (वर्तमान में)

1 . शीर्षक: ***माध्यमिक स्तर पर शिक्षक तैनाती का अध्ययन (वित्तीय सहायता के बिना)***

प्रधान अन्वेषक: *डा. के. बिस्वाल*

अध्ययन का विशिष्ट उद्देश्य वर्तमान में राज्य सरकारों तथा भारत सरकार द्वारा आर.एम.एस.ए. के अंतर्गत संयुक्त रूप से कार्यान्वित की जा रही देशव्यापी माध्यमिक शिक्षा विकास कार्यक्रम के तहत शिक्षकों की तैनाती के लिए निर्दिष्ट न्यूनतम मानकों के आधार पर माध्यमिक स्तर (कक्षा नौवीं-दसवीं) में शिक्षकों की तैनाती की पद्धति का विश्लेषण करना है। दूसरे शब्दों में, अध्ययन स्कूल स्तर डेटा का विश्लेषण करते हुये माध्यमिक स्तर पर शिक्षक तैनाती की पद्धति का अध्ययन करने के लिए सबसे उपयुक्त इकाई के विश्लेषण के आधार पर माध्यमिक स्तर पर शिक्षक तैनाती की आधारभूत स्थिति का आकलन करता है। अध्ययन में भारत के सभी प्रमुख राज्यों को शामिल किया गया है। उपलब्ध माध्यमिक स्रोतों से डेटा का उपयोग करने के अलावा, अध्ययन मुख्य रूप से माध्यमिक शिक्षा प्रबंधन सूचना प्रणाली (सेमिस), 2009/10 से प्राथमिक डेटा लेता है. वर्तमान में, सेमिस से संबंधित डेटा के साहित्य और विश्लेषण की समीक्षा का कार्य प्रगति पर है।

निर्गत: एक अनुसंधान आलेख

2. शीर्षक: ***माध्यमिक स्तर पर स्कूल मैपिंग पर प्रशिक्षण सामग्री का विकास (वित्तीय सहायता के बिना)***

अन्वेषक: *डा. के. बिस्वाल*

इस अध्ययन का उद्देश्य माध्यमिक स्तर पर स्कूल मैपिंग अभयास शुरू करने के लिए एक प्रशिक्षण सामग्री / अनुकरण अभ्यास का विकास शामिल है। अब तक दूरी मैट्रिक्स और मौजूदा उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के आंकड़ों के आधार पर माध्यमिक स्तर पर स्कूल मैपिंग अभ्यास के संचालन के लिए कार्यप्रणाली पर चर्चा की जाती रही है और न्यूपा के कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रयोग करने की कोशिश की गई है। इसके अलावा, क्षेत्र से प्राथमिक डेटा एकत्र करने के लिए प्रासंगिक आंकडा संग्रह प्रपत्र को अंतिम रूप दे दिया गया है। संशोधित पद्धति और संबंधित आंकड़ा संग्रह प्रपत्र तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और उड़ीसा में माध्यमिक स्तर पर पायलट स्कूल मैपिंग अभ्यास करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। वर्तमान में, माध्यमिक स्तर पर स्कूल मैपिंग पर अनुकरण अभ्यास का मसौदा तैयार करने का कार्य प्रगति पर है। एक बार अनुकरण अभ्यास को अंतिम रूप दिये जाने पर माध्यमिक स्तर पर स्कूल मैपिंग पर एक पुस्तिका के विकास में मदद मिलेगी।

3. शीर्षक: ***सेमिस डेटा 2009-10 के आधार पर विद्यालय प्रावधान और स्कूल प्रदर्शन (वित्तीय सहायता के बिना)***

प्रधान अन्वेषक: *डा. एन.के. मोहंती*

शिक्षकों, नीति निर्माताओं, और शोधकर्ताओं ने शैक्षणिक उपलब्धि को बढ़ाने के प्रयास में दशकों से स्कूल के आकार के मुद्दे पर बहस की है। प्रवृत्ति बड़े स्कूलों को बनाने की दिशा में है। छोटे स्कूलों के समर्थक छोटे

स्कूलों के कई लाभों का दावा करते हैं। स्कूल के आकार के मुद्दे के बारे में पिछले अनुसंधान स्कूल आकार और छात्र शैक्षिक उपलब्धि के बीच संबंध के विषय में अनिर्णायक रहे हैं।

उद्देश्य: इस आलेख का उद्देश्य बुनियादी सुविधाओं, शिक्षकों और शिक्षण अधिगम सामग्री और भारत में माध्यमिक स्तर पर छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि सहित स्कूली शिक्षा के प्रावधानों के बीच संबंधों की जांच करना है। यह आलेख स्कूल आकार और भारत में माध्यमिक स्तर पर सार्वजनिक परीक्षा में प्रदर्शन द्वारा छात्र की उपलब्धि मापने के संबंधों पर ध्यान केन्द्रित करता है। मोटे तौर पर, इस अध्ययन के उद्देश्य इस प्रकार हैं: (i) स्कूली शिक्षा का प्रावधान और माध्यमिक स्तर पर छात्रों के प्रदर्शन की स्थिति का विश्लेषण करना, (ii) गंभीर रूप से माध्यमिक स्तर पर स्कूली शिक्षा के प्रावधान और छात्र उपलब्धि के बीच संबंध की जांच करना, और (iii) माध्यमिक स्तर पर स्कूल के आकार और छात्र उपलब्धि के बीच संबंध को मापना और गहन जांच करना।

निर्गत : *एक अनुसंधान आलेख*

4 . शीर्षक: ***विशाखापट्टनम जिला, आंध्र प्रदेश में जनजातीय क्षेत्रों में बहुभाषी शिक्षा***

प्रधान अन्वेषक: *प्रोफेसर के. सुजाता*

एक पायलट सर्वेक्षण के आधार पर यह पाया गया कि नमूना जिले विशाखापट्टनम में जनजातीय भाषा में पाठ्यपुस्तकों की आपूर्ति नहीं की गयी थी। इसलिए इस पहलू से संबंधित जानकारी बहुभाषी भाषा स्कूलों के शिक्षकों से एकत्र की गयी थी।

5 . शीर्षक: ***जनजातीय क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा के लिए सुविधाओं का आकलन***

प्रधान अन्वेषक: *प्रोफेसर के. सुजाता*

अध्ययन आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम और खम्मम जिलों में आयोजित किया जाएगा। क्या शिक्षा जनजातियों के सामाजिक, सांस्कृतिक जरूरतों को पूरा करती है या नहीं की जांच अध्ययन में की जाएगी।

6. शीर्षक: ***दिल्ली के चयनित स्कूलों में व्यावसायिक मार्गदर्शन और कैरियर परिपक्वता का एक अध्ययन***

प्रधान अन्वेषक: *डा. विनीता सिरोही*

अध्ययन किशोरावस्था पर केंद्रित है जो माध्यमिक शिक्षा की अवधि से मेल खाता है। इस चरण में व्यावसायिक परिपक्वता अधिक से अधिक विकास और प्रगति से गुज़रती है और छात्रों के भविष्य के लिए यह अधिक आवश्यक हो जाती है। क्योंकि विभिन्न शैक्षिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में छात्रों को संलग्न होना पड़ता है। अध्ययन के उद्देश्य हैं: (i) सरकारी और निजी माध्यमिक स्कूलों में व्यावसायिक मार्गदर्शन के प्रावधानों का अध्ययन करना, (ii) प्रधानाचार्यों, शिक्षकों और स्कूलों में व्यावसायिक मार्गदर्शन के बारे में छात्रों की धारणा को पता लगाना, (iii) जांच के लिए ग्रेड, लिंग, स्कूल के प्रकार के अनुसार किशोरों के कैरियर परिपक्वता की तुलना करना, (iv) सरकारी और निजी स्कूलों में व्यावसायिक मार्गदर्शन के मौजूदा प्रावधानों की तुलना करना, (v) सरकारी और निजी स्कूलों में दसवीं और बारहवीं के छात्रों के बीच व्यवसाय परिपक्वता के स्तर की जांच, और (vi) माध्यमिक स्कूलों में किशोरों के लिये व्यायवसायिक परिपक्वता में सुधार हेतु शैक्षिक/व्यावसायिक

कार्यक्रमों के लिए प्रावधान। अध्ययन नीति निर्माताओं और मौजूदा व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम में सुधार करने के लिए माध्यमिक स्तर पर संभव हस्तक्षेपों के लिए योजना हेतु शिक्षाविदों के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ रखता है और इस प्रकार किशोरों की व्यावसायिक परिपक्वता में वृद्धि होगी।

7. शीर्षक : भारत में प्राथमिक शिक्षा का वित्त पोषण: प्राथमिक शिक्षा में निधि प्रवाह की प्रवृत्तियां और संसाधनों का उपयोग

प्रधान अन्वेषक: *डा. पी. गीता रानी*

यह अध्ययन निधि प्रवाह पद्धति और प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में संसाधनों के उपयोग की पद्धति पर ध्यान केंद्रित करते हुये प्राथमिक शिक्षा के वित्त पोषण की पद्धति की जांच करने का प्रयास करता है। अध्ययन के विशिष्ट उद्देश्य हैं: (i) भारत में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा प्राथमिक शिक्षा के वित्त पोषण की प्रवृत्तियों और मुद्दों का विश्लेषण करना, (ii) सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत भारत में प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में निधि प्रवाह प्रवृत्ति और संसाधनों के उपयोग की जांच, (iii) उपयोग में सुधार की संभावनाओं का पता लगाना। अध्ययन प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा के वित्तपोषण के दो व्यापक पहलुओं को देखने के लिए प्रयास करता है। (उद्देश्य सं. 1)। अध्ययन का दूसरा और तीसरा उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा में संसाधनों का उपयोग है। विश्लेषण हाल की अवधि में भारत में राज्यों में प्राथमिक शिक्षा के वित्त पोषण पर एक अनिवार्य डेटाबेस प्रदान करेगा। अध्ययन में जांच किए जाने का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में निधि प्रवाह पैटर्न और संसाधनों का उपयोग है। अध्ययन का यह भाग काफी हद तक जानकारी के लिए प्राथमिक स्रोत पर निर्भर करेगा। अध्ययन के दूसरे और तीसरे उद्देश्यों के लिये क्षेत्र आधार पर आगतों की आवश्यकता होगी।

8 . शीर्षक: अनुसूचित जाति के बच्चों के बीच शिक्षा – राजस्थान के दो गांवों का गहन अध्ययन

प्रधान अन्वेषक: *डा. बी.के. पांडा*

इस संदर्भ में उत्पन्न होने वाला महत्वपूर्ण सवाल है, स्कूली शिक्षा, जागरूकता और ग्रामीणों की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों की ज़रूरतों को समझना तथा गांव गतिशीलता को बृहद परिप्रेक्ष्य में देखना जो आपस में संबंधित है और अनुसूचित जाति समुदायों के बच्चों की स्कूली शिक्षा पर इसका संचयी प्रभाव है। इस पृष्ठभूमि में, अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं: (i) राजस्थान राज्य में अनुसूचित जाति के छात्रों के बीच शिक्षा को प्रभावित करने वाले कारणों को समझना, (ii) अनुसूचित जाति के परिवारों की अन्य समुदायों से तुलना और शिक्षा के लिये उनकी प्राथमिकताओं को समझना, (iii) अपने बच्चों के लिए अनुसूचित जाति के परिवारों के बीच शिक्षा प्राप्त करने में विभिन्न सामाजिक – आर्थिक बाधाओं की पहचान करना, और (iv) अनुसूचित जाति के छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए सक्षम करने हेतु राज्य की नीतियों में किए गए प्रावधानों को समझना। अध्ययन के परिणामों से गांवों में और आस-पास शिक्षा के मामले में विकास की सामाजिक गतिशीलता और प्रभाव को समझने के लिए मदद मिलेगी। इसके अलावा, राजस्थान राज्य में अनुसूचित जाति समुदायों के माता पिता की शैक्षिक आकांक्षाओं और आर्थिक गतिशीलता के बीच शिक्षा का प्रभाव ऐसी बहुतायत सक्षम करने वाली स्थितियों को प्रदान करेगा जो अनुसूचित जातियों

की शिक्षा को प्रभावित करेगा और साथ में राजस्थान राज्य में अनुसूचित जातियों के छात्रों के शैक्षिक विकास को बढ़ावा देने की नीतियों में एक सुविधाजनक भूमिका प्रदान करेगा।

9. शीर्षक: ***भारत में माध्यमिक शिक्षक नीति और प्रबंधन पर तुलनात्मक अध्ययन (यूनेस्को प्रायोजित)***

प्रधान अन्वेषक: *प्रोफेसर प्रणती पांडा और डा. वी.पी.एस. राजू*

अध्ययन भारत में माध्यमिक शिक्षा नीति और प्रबंधन से संबंधित मुद्दों को उठाता है: (i) समता और गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए शिक्षा प्रणाली माध्यमिक शिक्षा की बढ़ती हुई मांग पूरा करने में कैसे सफल हो सकती है? (ii) माध्यमिक शिक्षकों के प्रावधान और तैनाती में प्रमुख असंतुलन (कमी और/या अधिप्रदाय) क्या हैं? (iii) माध्यमिक शिक्षण बल पर्याप्त गुणवत्ता मानकों को पूरा करता है? (iv) गुणवत्ता युक्त माध्यमिक शिक्षकों को प्राप्त और बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय, स्थानीय और स्कूल रणनीतियों के समर्थन में अनुकूल संस्थागत सेटिंग (शिक्षक तैयार करना, भर्ती, तैनाती, मुआवजा) है? (v) इन मुद्दों का समाधान करने के लिए क्या नीति विकल्प बनाया है, और इसका प्रभाव क्या है?

10. शीर्षक : पंजाब राज्य में परिवार शिक्षा और स्कूल भागीदारी के बीच संबंध पर एक अनुभवजन्य अध्ययन

प्रधान अन्वेषक: *डा. रश्मि दीवान*

अनुभवजन्य अध्ययन का उद्देश्य परिवार शिक्षा और उन्हें स्कूल शिक्षा में बेहतर नामांकन, अवधारण, उपस्थिति, में भागीदारी दिखाने के लिए सक्षम करने हेतु लिंग और जाति के विभिन्न सामाजिक समूहों में बच्चों की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने में भागीदारी और समर्थन को समझने का प्रयास करना है। अध्ययन के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल हैं: (i) स्कूलों में जाने वाले बच्चों की शैक्षिक प्रथाओं के संबंध में विभिन्न पृष्ठभूमि (शिक्षा, आय, व्यवसाय) के साथ परिवार के प्रोफाइल की जांच करना, (ii) अव्यक्त (परिवार भागीदारी, माता पिता की आकांक्षाओं और गहरे अध्ययन के लिए दृष्टिकोण) और प्रकट चर (ज्ञान का प्रसारण, कहानी सुनाना, किताबें पढ़ना, ज्ञान की साझेदारी, माता-पिता, दादा-दादी और परिवार के अन्य सदस्यों की संलिप्तता के साथ विचार-विमर्श, माता पिता की शिक्षा का स्तर, समुदाय का समर्थन, सह-कर्मियों के साथ सीखना), बचपन से घर में सीखने का परिवेश जो स्कूल शिक्षा जारी रखने के लिए सुविधाजनक है, (iii) परिवार के परिवेश द्वारा सीखने से लाभान्वित बच्चों और कोई अधिगम परिवेश न प्राप्त कर पाने वाले बच्चों के बीच भागीदारी में अंतर पर एक तुलनात्मक अध्ययन? अध्ययन वर्णनात्मक सर्वेक्षण अनुसंधान है। वर्तमान साहित्य की समीक्षा का कार्य प्रगति पर है, माता पिता और स्कूल प्रिंसिपलों की प्रश्नावली तैयार है और डेटा संग्रह को पूर्ण कर लिया गया है। प्रश्नावली शहरी और ग्रामीण लुधियाना में 144 परिवारों को साक्षात्कार प्रश्नावली दिलाई गई और 6 स्कूलों (V-VIIIवीं) तक की कक्षाओं में से 360 छात्रों को प्रश्नावली दी गई। प्रत्येक क्षेत्र से, 180 छात्र और 72 परिवारों को कवर करते हुये 3 स्कूलों का चयन किया गया। साक्षात्कार कार्यक्रम प्रत्येक स्कूल के प्रिंसिपलों को दिया गया। अध्ययन में ग्रामीण क्षेत्र से 54 गांवों को शामिल किया गया।

11. शीर्षक: राजस्थान और हरियाणा में पूर्व प्राथमिक शिक्षा के लिए मांग के सामाजिक आयाम पर एक अध्ययन

प्रधान अन्वेषक: *डा. मधुमिता बंद्योपाध्याय*

दो दशकों में सभी के लिये शिक्षा एक वैश्विक चिंता का विषय हो गया है। यूनिवर्सल प्राथमिक गुणवत्ता शिक्षा सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों में से एक रहा है। डकार फ्रेमवर्क में लक्ष्य-1 के रूप में प्रारंभिक शिक्षा है: ''विशेष रूप से सबसे कमजोर और वंचित बच्चों के लिए व्यापक शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई), विस्तार और सुधार''। (विश्व शिक्षा फोरम, डकार, अप्रैल 2000)। कई अध्ययनों से पहले ही पता चल चुका है कि बच्चे की संज्ञानात्मक क्षमताओं के विकास के लिए प्रारंभिक वर्ष महत्वपूर्ण है। मनोवैज्ञानिक सामाजिक उत्तेजना के अलावा, बच्चों के पोषण और बचपन की देखभाल और शिक्षा स्वास्थ्य की स्थिति भी उनकी सीखने की क्षमता को प्रभावित करती है। भारी मांग के बावजूद, बचपन की देखभाल और शिक्षा भारत सहित अधिकांश विकासशील देशों में छोटे बच्चों के लिए एक विशेषाधिकार बनी हुई है। हालांकि भारत में 6-14 वर्ष आयु-समूह के बच्चों के शैक्षिक अधिकारों और प्रारंभिक शिक्षा में व्यापक सुधार हुआ है, परन्तु पूर्व माध्यमिक शिक्षा नीति-निर्माताओं और सेवा प्रदाताओं द्वारा पर्याप्त और उचित ध्यान नहीं दिया गया है जबकि इसकी मांग बढ़ती जा रही है। इसे देखते हुए, इस शोध अध्ययन में हरियाणा और राजस्थान के राज्यों में स्थित कुछ चुनिंदा गांवों में स्कूल पूर्व शिक्षा के लिए मांग के सामाजिक आयाम को समझने के लिए प्रारम्भ किया गया है।

अध्ययन के उद्देश्य निम्नलिखित हैं: (i) स्कूल पूर्व शिक्षा के सुचारू कामकाज हेतु और मांग के साथ सुचारु आपूर्ति का अध्ययन करना। इसमें विभिन्न प्रबंधन प्रणालियों द्वारा पूर्व स्कूलों में प्रदत्त शारीरिक और शैक्षिक सुविधाओं का आकलन शामिल होगा, (ii) सरकार और निजी स्कूलों के साथ संलग्न स्कूलों में और आंगनवाड़ी में स्कूल पूर्व शिक्षा का लाभ उठाने वाले बच्चों का सामाजिक - आर्थिक पृष्ठभूमि का अध्ययन करना (iii) प्राथमिक स्कूल के लिए पूर्व स्कूल से बच्चों के संक्रमण की स्थिति का आकलन करना (iv) पूर्वस्कूली शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों के नामांकन से संबंधित कारकों, प्रवृत्ति और मुद्दों का अध्ययन करना (v) पूर्वस्कूली शिक्षा के संदर्भ में माता-पिता की राय का अध्ययन करना और स्कूलों और आसपास के इलाकों में प्री स्कूल शिक्षा के लिए उपलब्ध केन्द्रों के कामकाज के बारे में अध्ययन करना।

12 . शीर्षक: स्कूल गुणवत्ता की समीक्षा पर अध्ययन

प्रधान अन्वेषक: *डा. मधुमिता बंद्योपाध्याय*

अध्ययन क्रिएट के तहत मुख्य परियोजना का परिणाम है। अध्ययन का उद्देश्य इस प्रकार हैं: (i) स्कूल के कामकाज की स्थिति के संबंध में डेटा का विश्लेषण करने के लिए एक अनुदैर्ध्य अध्ययन का संचालन करना, (ii) 1990 और 2008 के दौरान बच्चों की पहुंच और भागीदारी के बदलते पद्धति की जांच करना (iii) स्कूली शिक्षा के प्रावधान की गुणवत्ता का तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य, उसके कामकाज और पहले के अध्ययन और हाल ही के अध्ययन के बीच बच्चों की भागीदारी का अध्ययन करना, (iv) स्कूल के कामकाज की गुणवत्ता में और सुधार के लिए रणनीति तैयार करना।

परियोजना समुदाय और स्कूल के सर्वेक्षण के आंकड़ों के आधार पर तालिकाओं की तैयारी के चरण में है। अध्ययन के तहत कवर प्रत्येक स्कूल के प्रोफाइल के साथ अध्याय योजना 1990 में आयोजित पहले के अध्ययन में स्कूल प्रोफाइल के साथ तुलना करने के लिए विकसित किया गया है।

13 . शीर्षक : स्कूल कौन जाता है पर एक अध्ययन? अनुभवजन्य तथ्यों का विश्लेषण

प्रधान अन्वेषक : *डा. मधुमिता बंद्योपाध्याय*

क्रिएट परियोजना के तहत यह अध्ययन निम्नांकित मुख्य उद्देश्यों के साथ शुरू किया गया है : (i) अध्ययन के क्षेत्र में प्रावधानों को समझना और शिक्षा के लिए बच्चों पर इसका प्रभाव, (ii) यह पता लगाना कि किन बच्चों को लाभ मिल रहा है, उनकी सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि और उपस्थिति, दोहराव और अधिगम स्तर के संदर्भ में वह किस हद तक स्कूल में भाग लेने में सक्षम हो पा रहे हैं; (iii) स्कूल में भौतिक तथा अकादमिक संसाधनों के संदर्भ में स्थिति को समझना; विशेषत: शिक्षकों की आपूर्ति और उनका प्रोफाईल और मुख्य अध्यापकों द्वारा प्रदत्त नेतृत्व क्षमता का अध्ययन; (iv) नीति और अभ्यास के बीच मौजूदा अंतराल और भविष्य के हस्तक्षेपकारी क्षेत्रों की पहचान करना।

नौ में से तीन अध्याय पूर्ण हो चुके हैं। अध्याय का विवरण इस प्रकार हैं : (i) भारत में साक्षरता और प्राथमिक शिक्षा : उभरते मुद्दे और नीति मानदंड (पूर्ण), (ii) गुणवत्ता शिक्षा के माध्यम से बहिष्करण पर काबू पाना, (पूर्ण) (iii) अधिकारों का अंत: अनुभागीकरण (जारी) (iv) कमजोर वर्गों के बच्चों की भागीदारी: अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (जारी) पर विशेष ध्यान, (v) लिंग और स्कूल भागीदारी (पूर्ण), (vi) अनुपस्थिति और बच्चों की पुनरावृत्ति (जारी), (vii) शिक्षक और शिक्षण के बारे में सीखने की प्रक्रिया (चालू), (viii) प्रधान शिक्षक की भूमिका और विचार (जारी), (ix) बच्चों का प्रदर्शन और अधिगम की उपलब्धि : कमजोर बच्चों पर फोकस (जारी)

14. शीर्षक: दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की मलिन बस्तियों में स्कूल शिक्षा में प्रवेश, भागीदारी और सीखने की उपलब्धि: हैदराबाद और लुधियाना का केस अध्ययन

प्रधान अन्वेषक: *डा. सुनीता चुग*

विशिष्ट उद्देश्यों के साथ चयनित दस लाख से अधिक शहरों के स्लम क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के शैक्षिक स्तर में सुधार के लिए राज्य द्वारा पहुंच, भागीदारी और उपलब्धि स्तर, योजना और प्रबंधन संरचना, हस्तक्षेप के मुद्दों को अध्ययन में शामिल करने की परिकल्पना की गई है: (i) चयनित शहरी मलिन बस्तियों में स्कूल शिक्षा के पहुंच की जांच, (ii) प्रबंधन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में आयु वर्ग 6–17 वर्ष के बच्चों की भागीदारी की जांच, (iii) लिंग, जाति, गंदी बस्ती की प्रकृति, प्रवासी की पृष्ठभूमि के रूप में भागीदारी में असमानताओं की जांच, (iv) बच्चों की भागीदारी को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान। (भागीदारी नामांकन, उपस्थिति, ड्रॉप आउट और दोहराव से मापा जाएगा), (v) प्राथमिक स्तर तक के बच्चों के सीखने की उपलब्धि स्तर का आकलन करना। अध्ययन के आंकड़ों के संग्रह की इकाइयों के रूप में घरों और स्कूलों के साथ हैदराबाद और लुधियाना के चयनित स्लम क्षेत्रों में क्षेत्र सर्वेक्षण पर आधारित है। अध्ययन शहरी, विशेष शैक्षिक समस्याओं की समझ को विकसित करने की उम्मीद करता है, और शहरी भारत में हाशिए पर रहने वालों के लिये समान

शिक्षा के अवसर के प्रावधान में नीति-निर्देशों को रूपांतरित करने हेतु शहरी योजना और प्रबंधन के अंतराल की पहचान करने में किया जा रहा है।

15. शीर्षक : ***उच्च शिक्षा में वित्त पोषण और सामर्थ्य (यूजीसी वित्त पोषित)***

प्रधान अन्वेषक : *प्रोफेसर सुधांशु भूषण*

उच्च शिक्षा के विस्तार और गुणवत्ता में सुधार के मद्देनजर नीति-निर्धारण एक कठिन कार्य है। एक तरफ सार्वजनिक खर्च महत्वपूर्ण है और गरीबों के लिए संसाधनों और लक्षित सब्सिडी बढ़ाने के लिए उपायों को पाया जा सकता है, तथा उच्च शिक्षा की निजी (घरेलू) वित्तपोषण का सवाल भी उठता है। उच्च शिक्षा के घरेलू वित्तपोषण निजीकरण की दिशा में बढ़ रही प्रवृत्तियों को ध्यान में रखते हुये महत्व रखता है। उच्च शिक्षा के निजीकरण ने फीस की बढ़ती प्रवृत्ति को प्रेरित किया है और उच्च शिक्षा के वित्तपोषण के लिए घर के बोझ को और बढ़ा दिया है। यह सार्मथ्य के मुद्दे को उठाती है। सार्मथ्य, दूसरी ओर, विषयों की पहुंच और चुनाव पर प्रभाव डालती है। विभिन्न सामाजिक और आर्थिक समूहों में सामर्थ्य की भिन्न प्रवृत्ति दिखाई दे सकती है। यह ग्रामीण और शहरी के बीच और विभिन्न व्यवसाय वाली श्रेणियों में भिन्न हो सकता है।

अध्ययन का उद्देश्य इस प्रकार हैं: (i) उच्च शिक्षा के सार्वजनिक वित्तपोषण में प्रवृत्तियों की जांच करना। (ii) विभिन्न सामाजिक - आर्थिक आयामों के साथ उच्च शिक्षा के घरेलू वित्त पोषण की जांच करना। (iii) विषयों और प्रबंधन में फीस ढांचे का अध्ययन करना। (iv) निजीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति के संदर्भ में क्षमता का अध्ययन तथा विभिन्न सामाजिक-आर्थिक समूहों के लिये उच्च शिक्षा की पहुंच पर इसके प्रभाव का आकलन। (v) अनुसंधान के निष्कर्षों के प्रकाश में यू.जी.सी. को क्षमता बढ़ाने के लिये सिफारिशें संस्तुत करना।

साहचर्या और सहभागिता 4

– व्यावसायिक समर्थन

– नेटवर्किंग तथा अंतरराष्ट्रीय सहभागिता

व्यावसायिक अनुसमर्थन

केंद्र और राज्य सरकारों को व्यावसायिक/तकनीकी अनुसमर्थन और परामर्शकारी सेवाएं

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय ने वर्ष 2012–13 के दौरान मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राज्यों तथा संघ क्षेत्रों की सरकारों को तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालयों/शिक्षा विभागों और केंद्र तथा राज्य स्तर के संस्थानों को व्यावसायिक/तकनीकी अनुसमर्थन प्रदान किया ताकि वे अपने विशिष्ट क्षमता विकास की जरूरतों को पूरा कर सकें और शैक्षिक नीतियों, योजनाओं तथा कार्यक्रमों के डिजाइन, कार्यान्वयन, अनुश्रवण में सुधार हेतु उन्हें मदद मिल सके। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय ने केंद्र सरकार के कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और मूल्यांकन एवं शिक्षा का अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन को बढ़ावा देने में व्यावसायिक/तकनीकी अनुसमर्थन प्रदान किया। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य 12वीं पंचवर्षीय योजना के प्रस्तावों को तैयार करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा योजना आयोग की अनेक समितियों के सदस्य के रूप में कार्य किए। सर्व शिक्षा अभियान और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान और सबके लिए शिक्षा के लक्ष्य की दिशा में प्रगति आकलन हेतु राज्य/संघीय सरकारों को व्यावसायिक सहयोग प्रदान किए गए। राज्यों/संघीय सरकारों तथा केंद्र और राज्य स्तर की एजेंसियों/संस्थानों को तकनीकी/ व्यावसायिक अनुसमर्थन प्रदान करने के साथ-साथ राष्ट्रीय विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे - यूनेस्को, यूनिसेफ, विश्व बैंक और अन्य एजेंसियों को भी परामर्शकारी और व्यावसायिक अनुसमर्थन प्रदान किया। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के संकाय की

विशेषज्ञता को देखते हुए विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों/संगोष्ठियों में प्रतिभागिता के लिए उन्हें आमंत्रित किया गया।

दिनांक 1-3 फरवरी, 2013 के दौरान स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, मा.सं.वि. मंत्रालय द्वारा दक्षिण क्षेत्र के लिए बंगलौर में वार्षिक कार्य योजना तथा बजट, आर.एम.एस.ए. 2013-2014 के एकीकृत विकास पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में न्यूपा के संकाय सदस्यों ने अकादमिक समर्थन प्रदान किया। दिनांक 18-20 फरवरी, 2013 के दौरान पूर्वी तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिये गुवाहाटी में आयोजित कार्यशाला में में भी अकादमिक समर्थन प्रदान किया। न्यूपा संकाय ने उत्तरी क्षेत्र के लिए नई दिल्ली में दिनांक 25-27 फरवरी 2013 के दौरान आयोजित कार्यशाला में भी भाग लिया।

डाईस तथा सेमिस एवं यू-डाईस के संबंध में कार्यशाला के आयोजन के लिए न्यूपा संकाय सदस्यों ने तकनीकी सहायता प्रदान करी। इसके अंतर्गत इंदौर, मध्य प्रदेश में 15-16 दिसंबर, 2012; गांधी नगर, गुजरात में 29 दिसंबर 2012; श्रीनगर, जम्मू तथा कश्मीर में 5-6 अक्तूबर, 2012; रांची, झारखंड में 27-28 अक्तूबर, 2012; भोपाल, मध्य प्रदेश मं 30-31 अक्तूबर, 2012; चेन्नई, तमिलनाडू में 6-7 नवंबर, 2012; पंचकुला, हरियाणा में 9-10 नवंबर, 2012 तथा पटना, बिहार में 19-20 जनवरी, 2012 के दौरान आयोजित एकीकृत डाईस पर आयोजित कार्यशालाएं सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा कई राष्ट्रीय कार्यशालाएं आयोजित की गईं तथा न्यूपा, नई दिल्ली में ई.एम.आई.एस. सुदृढ़ीकरण डाईस के माध्यम से किया गया। विश्वविद्यालय सर्वशिक्षा अभियान कार्यक्रम की संयुक्त समी क्षा समिति के समकक्ष डाईस-आंकड़ा का वृहद विश्लेषण वर्ष में दो बार नियमित रूप से करता है।

नेटवर्किंग तथा अंतरराष्ट्रीय सहभागिता

- शैक्षिक पहुंच, संक्रमण तथा समता में अनुसंधान पर विचार मंच में सहभागिता (क्रिएट) – यू.के., बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका तथा घाना के विश्वविद्यालय
- शैक्षिक योजना में प्रशिक्षण तथा अनुसंधान संस्थानों के एशिया नेटवर्क हेतु केंद्र बिंदु (एंट्रीप) – अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना संस्थान के साथ सहभागिता, यूनेस्को, पेरिस
- स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ बी.आर.आई.सी. देशों (ब्रिक) देशों में उच्च शिक्षा का अध्ययन
- सदस्य, हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान के नेतृत्व में सभी के लिए शिक्षा के प्रोत्साहन हेतु अफ्रीका–एशिया संस्थान नेटवर्क
- स्कूल प्राचार्यों के राष्ट्रीय कॉलेज, नाटिंघम, यू.के. के साथ स्कूल नेतृत्व का विकास
- परिणाम विकास संस्थान, वाशिंगटन के साथ माध्यमिक शिक्षा तथा व्यावसायिक कौशल विकास पर अध्ययन
- बुजुम्बुरा, बुरूंडी में भारत–अफ्रीका अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान की स्थापना, (विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित)

न्यूपा में नई पहल 5

केंद्र — राष्ट्रीय स्कूल नेतृत्व केंद्र

राष्ट्रीय उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

राष्ट्रीय स्कूल नेतृत्व केन्द्र

न्यूपा में स्कूल नेतृत्व के लिए राष्ट्रीय केंद्र की स्थापना

हाल के वर्षों में शिक्षा प्रणाली में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। मात्रात्मक विस्तार की यह तेज गति सर्व शिक्षा अभियान के (आर.एम.एस.ए.) के प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से स्कूल प्रणाली में मात्रात्मक सुधार में पहल की एक विस्तृत विविधता के साथ हुआ। यह प्रणाली लगभग 15 लाख स्कूलों को शामिल कर आकार में बहुत बड़ी है, हालांकि राज्य सरकारों की प्रणाली के प्रबंधन में एक केन्द्रीय भूमिका होने के नाते देश भर में कार्य कर रहे बहुत ही विविध संदर्भों वाले स्कूलों का प्रतिनिधित्व एक अपवाद नहीं है। जाहिर है देश में हर स्कूल में सुधार के लिए कोई एक मॉडल नहीं है। आरटीई हर बच्चे के लिए गुणवत्ता स्कूल शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार को अवलंबी बनाता है। प्रणाली में जानकारियां तथा रणनीतियां स्कूल को सुदृढ़ बनाने, प्रभावी कार्यात्मक इकाईयों में बदलने तथा प्रत्येक बच्चे की अधिगम आवश्यकता के लिए व्यक्तिगत रूप से स्कूल केंद्र बिंदु और कार्रवाई की एक इकाई बने। यह परिवर्तन और नवाचार की प्रक्रिया में संलग्न सकारात्मक बदलाव की राह पर स्कूल नेतृत्व प्रदान करने में सक्षम है और स्कूल स्तर पर एक मजबूत नेतृत्व की मांग करता है।

यह विस्तार और विविधीकरण पिछले दो दशकों के दौरान बहुत हुआ है और उच्च शिक्षा के लिए मांग में लगातार वृद्धि का संकेत है, क्या आपूर्ति देश के स्कूलों में दाखिला ले रहे छात्रों की बढ़ती संख्या की आकांक्षाओं और उम्मीदों से मेल खाती है? सिस्टम या गुणवत्ता के प्रावधान के लिए चिंता का विस्तार समता के मुद्दों को नज़रअंदाज नहीं कर सकता। प्रणाली आर्थिक और ऐतिहासिक दृष्टि से सामाजिक रूप से वंचित वर्गों के छात्रों के लिए एक पर्याप्त ढंग से गुणवता की शिक्षा तक पहुंच को सुनिश्चित करने के लिए बढ़ानी चाहिए। आय, लिंग, क्षेत्र और निवास के अलावा शैक्षिक योग्यता में असमानताएं, जाति और सामाजिक समूहों से संबंधित हैं। हर स्कूल में इक्विटी के इन मुद्दों का समाधान करने के लिए एक सार्थक और व्यापक ढ़ांचे को विकसित करने की आवश्यकता है। विस्तार उत्कृष्टता और समेकन के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सिस्टम का पुनगर्ठन एक कठिन काम है। यह हर स्कूल नेता का कार्यात्मक आदर्श वाक्य हाना चाहिए।

अंतिम विश्लेषण में यह बात सबसे अधिक महत्वपूर्ण है कि प्रणाली और संस्थाओं का नेतृत्व लोग करते हैं, यह अनिवार्य रूप से प्रतिबद्ध और रचनात्मक व्यक्तियों के बिना प्रगति नहीं कर सकता है, जो एक मानवीय प्रयास है। नेताओं को नेतृत्व प्रणाली और संस्थाओं परिवर्तन की परिकल्पना के लिए नया एजेंडा, तरीकों और दृष्टिकोण को त्वरित अपनाना होगा, मानव परिवर्तन के इस एजेंडे को प्राप्त करने के लिए क्या पर्याप्त अवसर और संस्थागत व्यवस्था उपलब्ध हैं?

प्रणाली का विस्तार तेज गति से हो रहा है और कार्यरत शिक्षकों के व्यावसायिक विकास हेतु संस्थागत तंत्र को स्वरूप में लाया गया है, पर व्यावहारिक रूप से संस्थानों और प्रणाली के बेहतर प्रशासन में

कार्यरत संभावित और स्कूल नेताओं की व्यावसायिक अधिगम आवश्यकताओं पर व्यावहारिक रूप से कोई ध्यान नहीं दिया गया। प्रणाली के विस्तार के साथ, प्रबंध संस्थानों में लगे व्यक्तियों की संख्या भी बढ़ गयी है। स्कूल प्रशासन बनने वाले संभावित लोगों के साथ संस्थानों के प्रमुखों के लिए इस तरह के अवसर पैदा करने के लिए एक स्पष्टता की जरूरत है। समय समय पर न्यूपा अभिविन्यास और अनुभवों के आदान प्रदान के लिए स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में शीर्ष स्तर के प्रबंधकों और स्कूलों के प्रमुखों के साथ ही प्रशासकों को एक साथ लाने का प्रयास कर रहा है। इस प्रयास में काफी संवर्धित और एक अधिक स्थिर संस्थागत व्यवस्था के सृजन की आवश्यकता है। इसको ध्यान में रखते हुए, न्यूपा सर्व शिक्षा अभियान और आर.एम.एस.ए. के माध्यम से तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के वित्तीय सहायता से एक राष्ट्रीय स्तर की सुविधा के रूप में, *स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में नेतृत्व के लिए एक केन्द्र* स्थापित किया है।

इस उद्देश्य के लिए, एनसीएसएल ने अपनी यात्रा शुरु की दी है। एक वर्ष की अवधि में, निम्नलिखित गतिविधियां इस केन्द्र द्वारा आयोजित की गईं:

1. 24 अगस्त, 2012 को स्कूल नेतृत्व पर परामर्शकारी बैठक;
2. 18 सितंबर, 2012 को निजी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के साथ बुद्धिशीलता सत्र;
3. 19 सितंबर, 2012 को केन्द्रीय विद्यालयों, जवाहर नवोदय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के साथ बुद्धिशीलता सत्र;
4. 20 सितंबर, 2012 को ग्रामीण और शहरी सरकारी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के साथ बुद्धिशीलता सत्र;
5. स्कूल शिक्षा (28-30 जनवरी, 2013) में नेतृत्व और प्रबंधन के लिए मॉड्यूल विकास पर कार्यशाला;
6. आश्रम स्कूल हेड मास्टर (भुवनेश्वर में क्षेत्र आधार पर) के लिए स्कूल आधारित विकास योजनाओं की तैयारी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 22-27 फरवरी, 2013;
7. 20-21 फरवरी, 2013 को इंडिया हैबीटेट सेंटर में स्कूल नेतृत्व पर राष्ट्रीय परामर्श।

राष्ट्रीय उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र

न्यूपा में उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र की स्थापना

500 विश्वविद्यालयों और 32,000 कॉलेजों के साथ और लगभग 20 लाख नामांकन के साथ (चीन के बाद) भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली संस्थानों की संख्या के मामले में दुनिया में सबसे बड़ी है। वर्तमान में इसमें 7,00,000 शिक्षक हैं। यह प्रणाली अत्यधिक जटिल भी है। इसके अंतर्गत उच्च शिक्षा के विविध संस्थान – केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालय, मानित विश्वविद्यालय, मुक्त विश्वविद्यालय, अनुसंधान संस्थान, निजी तथा सार्वजनिक महाविद्यालय, उच्च शिक्षा के सामान्य संस्थान तथा अल्पसंख्यक संस्थान सम्मिलित हैं। महिलओं इत्यादि समूहों के लिए निश्चित विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के अलावा कुछ अतिविशिष्ट संस्थान हैं जो अपने अध्ययन के क्षेत्रों को व्यापक रूप से कवर करते हैं। संस्थानों के संदर्भ में, प्रणाली बेहद विविधता रखती है और यह विविधता नामांकन के संयोजन में स्पष्ट रूप से परिलक्षित है। प्रणाली की जटिलता व्यापक है, क्योंकि शिक्षा एक समवर्ती विषय है। यहाँ केन्द्र सरकार और राज्य सरकार विशिष्ट नीति गठन, योजना, विनिमयन, अनुश्रवण, वित्तपोषण और उसके वितरण सहित सबका उत्तरदायित्व साथ-साथ करती हैं। इसके अतिरिक्त यह विशाल प्रणाली संघ और राज्य सरकारों के सार्वजनिक निकायों तथा स्वायत्त संस्थानों द्वारा नियंत्रित होती है। उच्च शिक्षा में नीति बनाने की एक विस्तृत विविधता, नियामक, कार्यकारी और सलाहकारी निकाय हैं। कुछ राज्यों में संघ तथा राज्य सरकारों एवं उच्च शिक्षा राज्य परिषद के अलावा उच्च शिक्षा में नीति निर्माण के लिए अन्य निकाय भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जिनमें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा संस्थान, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, राष्ट्रीय मूल्यांकन तथा प्रत्यापन परिषद, भारतीय चिकित्सा परिषद, भारतीय डेंटल परिषद तथा भारतीय बॉर परिषद इत्यादि निम्नलिखित हैं।

उच्च शिक्षा की व्यवस्था आज़ादी के बाद वास्तव में व्यापक रूप से बढ़ी है, परन्तु इसके साथ ही उच्च शिक्षा से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ गई हैं और इनकी प्रकृति में भी तेजी आई है। पहुंच, समता और गुणवत्ता उच्च शिक्षा की गंभीर समस्याएं हैं जिन पर ध्यान देना बेहद आवश्यक है। उच्च शिक्षा संस्थानों से संबंधित अपर्याप्त सार्वजनिक धन, उच्च शिक्षा की बढ़ती घरेलू लागत तथा निजी संस्थानों में वृद्धि – परोपकारी और लाभ की मांग कुछ अन्य समस्याएं हैं। त्वरित गति से बदलती राष्ट्रीय तथा वैश्विक सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक तथा तकनीकी दशाएं घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजार ताकतों का उद्भव, निजीकरण, सूचना तथा संप्रेषण तकनीक में क्रांति तथा वैश्वीकरण की शक्तिशाली तरंगें, अंतर्राष्ट्रीयकरण तथा निगमीकरण समस्या की गंभीरता को और बढ़ाती हैं। संक्षेप में, विकास प्रतिमान बदलते जा रहे हैं और यह बदलाव उच्च शिक्षा के विकास को भी प्रभावित कर रहा है। परिणामस्वरूप, नई सोच तथा नीतियों के पुनगर्ठन और नवाचारी विचारों की आवश्यकता है।

संक्षेप में, भारत में उच्च शिक्षा जबरदस्त चुनौतियों का सामना कर रही है। कई लोगों का मानना है कि, लंबे समय से सुधारों की आवश्यकता है। सबसे अधिक उच्च शिक्षा में दीर्घकालिक सोच तथा विकास पर संप्रेक्ष्य का अभाव व्यापक रूप से महसूस किया जा रहा है।

तद्नुसार, शिक्षा के क्षेत्र में सुसंगत और लगातार लंबे समय, मध्यम और लघु अवधि की योजना का प्रयास शायद ही कभी किया गया हो। राष्ट्रीय आर्थिक योजना के साथ उच्च शिक्षा का नियोजन के लिए भी कभी प्रयास नहीं किया गया। केवल 1966 में शिक्षा आयोग की रिपोर्ट के संदर्भ में तैयार मानवशक्ति योजना के अतिरिक्त स्वतंत्र भारत में कोई भी मानवशक्ति योजना तैयार नहीं की गई।

फिर भी, उच्च शिक्षा समाज के लिए महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय विकास के विभिन्न आयामों पर इसका प्रभाव – सामाजिक आर्थिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक कम से कम तकनीकी – बहुत ही महत्वपूर्ण है और यह विकास परिणामस्वरूप उच्च शिक्षा के विकास – गति और स्वरूप को प्रभावित करता है। एक राष्ट्र जो अपने समाज को आर्थिक रूप से उन्नत करना चाहता है और एक राष्ट्र जो एक मजबूत ज्ञान समाज का निर्माण करना चाहता है वह उच्च शिक्षा की निर्णयकारी भूमिका को मान्यता देता है। आखिरकार, राष्ट्र अपने राष्ट्रीय विकास और अपने स्वयं के अस्तित्व के लिए मजबूत उच्च शिक्षा के आधार पर विश्वास रखते हैं।

मजबूत, जीवंत और टिकाऊ उच्च शिक्षा राष्ट्रीय विकास के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार करती है। व्यवस्था की गहन ज्ञान की आवश्यकता को दर्शाती है, किस प्रकार यह पिछले कुछ वर्षों में विकसित हुई– यहाँ तक कि दशकों और सदियों में, किस प्रकार यह विकास के कई पक्षों में योगदान प्रदान करती हे और इसके विपरीत विकास की मज़बूतियों और कमज़ोरियों तथा उनके निहितार्थों से किस प्रकार प्रमाणित होती है। इस पहलुओं में से कई विषयों पर सुदृढ़ अनुसंधान ज्ञान की आवश्यकता है।

इसके साथ ही, यह भी व्यापक रूप से महसूस किया जा रहा है कि भारत में उच्च शिक्षा के विभिन्न पक्षों पर अनुसंधान बहुत ही सीमित है। वास्तव में, भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों में शैक्षिक नीति, योजना तथा विकास अनुसंधान का महत्वपूर्ण क्षेत्र कभी नहीं रहा है। कई विश्वविद्यालयों के शिक्षा विभाग इन समस्याओं पर अधिक ध्यान नहीं देते हैं। वह अधिक से अधिक, शिक्षाशास्त्र तथा पाठ्यचर्या पक्षों तक ही सीमित रहते हैं, जो कि स्कूल शिक्षा तक ही सीमित होता है तथा योग्य स्कूल शिक्षकों का उत्पादन एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य है, जिसे वह पूर्ण करते हैं, इसके लिए बहुत ही कम अपवाद हैं। समाज विज्ञान संस्थानों के लिए उच्च शिक्षण में नीति अनुसंधान एक उच्च प्राथमिकता वाला क्षेत्र नहीं है, हालांकि कुछ संस्थानों में शैक्षिक नीति मुद्दों पर अनुसंधान हेतु गंभीर प्रयास किया गया है। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, जिसे पहले राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान के नाम से जाना जाता था, उच्च शिक्षा समेत शैक्षिक नीति पर गंभीर अनुसंधान में संलग्न है। परंतु विविध कार्यों में संलग्न विश्वविद्यालय संकाय की संख्या कम है और इसका फोकस कई अन्य क्षेत्रों पर केन्द्रित है और इसलिये यह शैक्षिक नीति के महत्वपूर्ण क्षेत्र पर विशेष फोकस नहीं कर पाते।

कुल मिलाकर, इस क्षेत्र में अनुसंधान की कमी को देखते हुए भारत में उच्च शिक्षा में ज्ञान का आधार बहुत कमज़ोर है और देश में तथा विदेश में उच्च शिक्षा से संबंधित पक्षों पर समझ बहुत कम है। यह भी ठोस और प्रभावी शैक्षिक नीति बनाने में एक बाधा है।

इस प्रकार, उच्च शिक्षा में उच्च गुणवत्ता अनुसंधान के महत्व को अतिरंजित नहीं किया जा सकता। इस संदर्भ में, यह तथ्य को ध्यान में रखते हुये कि व्याप्त संस्थानों में उच्च गुणवत्ता अनुसंधान सीमित है, न्यूपा में उच्च शिक्षा में नीति अनुसंधान के लिए विशिष्ट अकादमिक संस्थान के रूप में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की वित्तीय सहायता से एक केन्द्र स्थापित किया है।

पुस्तकालय और सूचना सेवाएं 6

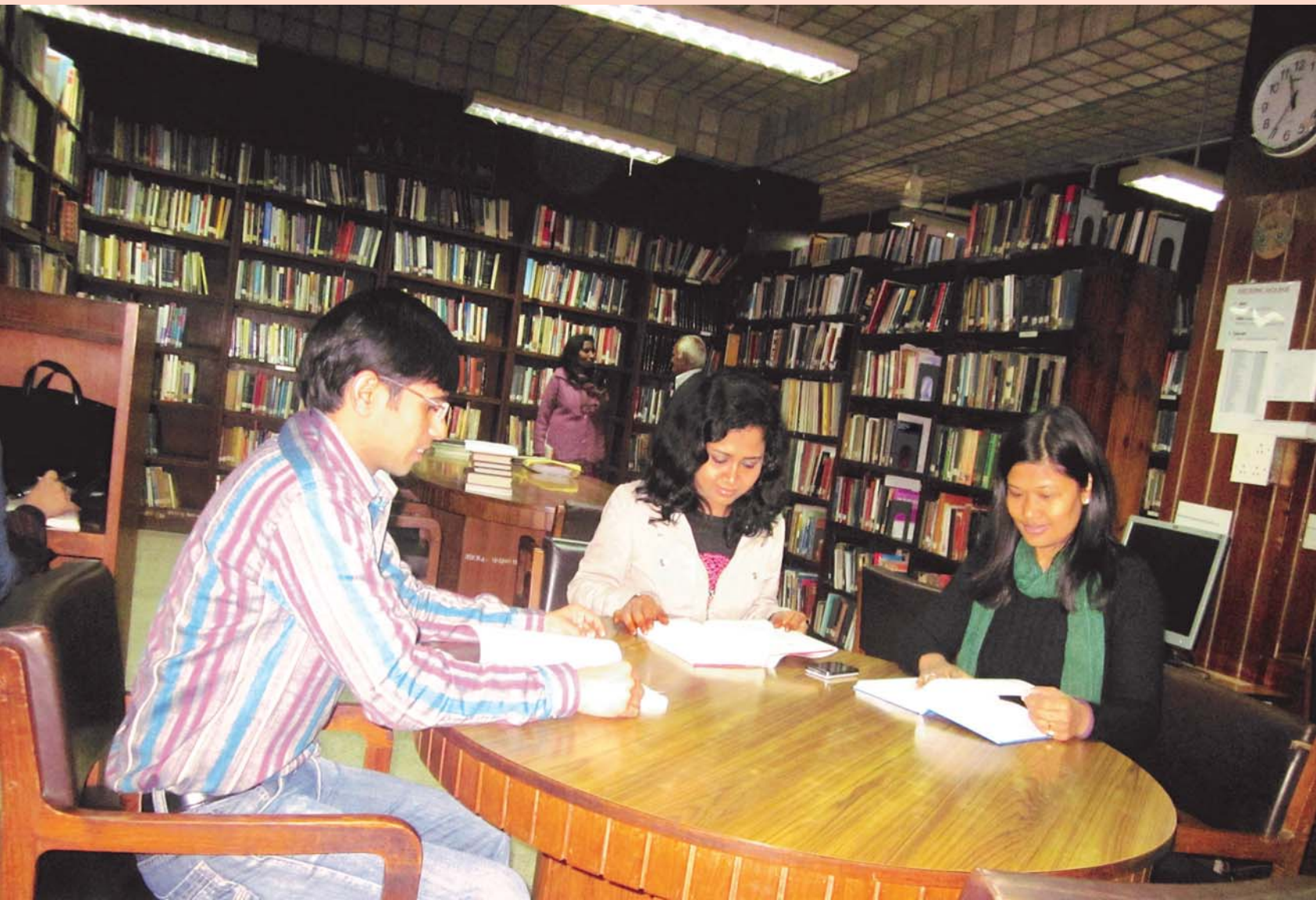

पुस्तकालय और सूचना सेवाएं

ज्ञान और सूचना की साझेदारी

राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों ने शैक्षिक नीतियों, योजना और प्रबंधन से संबंधित मौजूदा और नवीनतम ज्ञान को सुलभ बनाने के लिए श्रृंखलाबद्ध कार्य आरंभ किए हैं। राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन के क्षेत्र में ज्ञान, सूचना प्रलेखन और प्रसारण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता रहा है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र द्वारा वर्ष 2012-13 में की गई प्रमुख गतिविधियां निम्नलिखित हैं :

पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र

विश्वविद्यालय का पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र विश्वविद्यालय के संकाय और स्टाफ सदस्यों, देश-विदेश के शोधकर्ताओं, विश्वविद्यालय के एम.फिल. तथा पी.एच.डी. के विद्यार्थियों, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों और अतिथि संकाय सदस्यों तथा पाठकों की सूचना संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन एवं अधिगम केंद्र के रूप में कार्य करता रहा है। पुस्तकालय, विश्वविद्यालय के अध्यापन, अधिगम और शोध में सहयोग के लिए आधुनिक अध्यापन-अधिगम सामग्री, कंप्यूटर तथा इलेक्ट्रानिक सुविधाएं जैसे - आनलाइन संसाधनों तथा आंकड़ा आधार से सुसज्जित है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र कुछ सीडी रोम और आनलाइन डाटाबेस मंगवाता है।

समीक्षित काल में पुस्तकालय में 862 नए पुस्तकों/दस्तावेजों का संग्रह किया गया। वर्तमान वर्ष में पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र के पास संयुक्त राष्ट्र, युनेस्को, ओ.ई.सी.डी, आई.एल.ओ., यूनिसेफ, विश्व बैंक आदि अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा आयोजित संगोष्ठियों और सम्मेलनों की रिपोर्टें इत्यादि के अलावा

55513 पुस्तकों और दस्तावेजों का संग्रह है। समीक्षाधीन वर्ष में पुस्तकालय ने शैक्षिक योजना, प्रशासन, प्रबंधन तथा इससे संबंधित विषयों पर 240 राष्ट्रीय तथा अतंर्राष्ट्रीय जर्नल एवम् पत्रिकाएं मंगाईं। इन पत्र-पत्रिकाओं से 1500 प्रमुख आलेखों का सूचीकरण किया गया। पाठकों की सुविधा हेतु संग्रह को चार खण्डों में विभाजित किया गया है – सामान्य, संदर्भ, श्रृंखला और क्षेत्र अध्ययन संग्रह।

हर पखवाड़े में आने वाली शैक्षिक पत्रिकाओं के लेखों के बारे में पाठकों को जानकारी देते रहने के लिये पुस्तकालय ने अपना पाक्षिक अनुलेखित प्रकाशन – पीरियाडिकल्स आन एजुकेशन : टाइटिल्स रिसीव्ड एंड दियर कंटेंट का प्रकाशन जारी रखा। पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र में आनेवाले प्रकाशनों की कंप्यूटर से मासिक सूचियां भी तैयार की जाती हैं ताकि इससे पाठकों को उनकी रुचि के दस्तावेजों, लेखों और नई सामग्रियों की जानकारी मिलती रहे। पुस्तकालय ने संस्थान के अकादमिक विभागों और शोध-परियोजनाओं के अध्ययन दलों को नई सूचनाएं उपलब्ध कराई ताकि वे उसका उपयोग कर सकें। इस अवधि में पुस्तकालय ने संस्थान के विभिन्न कार्यकलापों के लिए संदर्भ सूचियां तैयार कीं। आलेख और रिपोर्ट जैसे संदर्भ सामग्री हेतु उपयोगकर्त्ताओं को भुगतान के आधार पर फोटोकापी सुविधा प्रदान की गई। संदर्भ सामग्री के लिये यह सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। समीक्षाधीन वर्ष में पुस्तकालय ने 6,435 जर्नलों को उपयोगकर्त्ताओं को सूचना प्रदान करने के लिए जिल्द में तैयार किए। न्यूपा ने तीन आनलाईन डाटाबेस एलसेवियर डाटाबेस, सेज एजुकेशननल डाटाबेस तथा जे.स्टोर खरीदे। न्यूपा पुस्तकालय पूरी तरह से कंप्यूटरीकृत है। पुस्तकालय मल्टी-मीडिया संसाधन केंद्र है। पुस्तकालय में अमुद्रित सामग्री के रूप में वीडियो कैसेट, आडियो कैसेट, फिल्म, माइक्रो-फिल्म, माइक्रोफिच तथा सी.डी. सम्मिलित हैं। यह लिबसिस साफ्टवेयर का प्रयोग कर रहा है जो एकीकृत बहुप्रयोक्ता पुस्तकालय प्रंबधन प्रणाली है। सभी डाटाबेस लिबसिस साफ्टवेयर में रखे जाते हैं। इसमें माड्यूल कैटलागिंग, एक्यूसेशन, सरकुलेशन, सीरियलस, आर्टिकल इंडेकसिंग तथा ओपेक सम्मिलित हैं। नवीनतम प्राप्त पुस्तकों के साथ दैनिक आधार पर पुस्तकों का डाटाबेस का अघतन किया जाता है। पुस्तकालय का ओपेक (आन लाइन पब्लिक एक्सेस कैटलाग), लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) के जरिए संकाय को उनके डेस्क पर संदर्भ ग्रंथ खोजने की सुविधा प्रदान करता है।

वेब ओपेक (आन लाईन जन पहुंच पुस्तक सूची) पुस्तकालय की नवीनतम प्राप्तियों की सूची भी प्रयोक्ता को सुलभ करता है और साथ ही उन्हें प्रयुक्त सामग्री और उपयोगी सामग्री को आरक्षित करने की सुविधा आदि भी उपलब्ध करता है। न्यूपा पुस्तकालय 'डेलनेट' से जुड़ा है जिससे कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संसाधनों की साझेदारी को प्रोत्साहन मिले।

न्यूपा पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र में उपलब्ध शैक्षिक योजना एवं प्रशासन से संबंधित अधिकारिक दस्तावेजों के व्यापक संग्रह के महत्व को देखते हुए विश्वविद्यालय पुस्तकालय ने आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए ऐसे दस्तावेजों और प्रलेखों को डिजीटल रूप में तैयार करने की परियोजना आरंभ किया है। यह उम्मीद है कि इससे देश में शिक्षा पर एक व्यापक आन लाइन अभिलेखीय सूचना स्रोत स्थापित होगा।

शैक्षिक अभिलेखों का डिज़ीटल अभिलेखागार

न्यूपा में एक डिज़ीटल अभिलेखागार को विकसित किया जा रहा है जिससे कि भारत में शिक्षा के सभी पक्षों, क्षेत्र तथा प्रत्येक स्तर पर संदर्भ के स्त्रोत और अनुसंधान के लिये दस्तावेज़ सॉफ्टकापी के रूप में प्राप्त हो सके।

नवीनतम सूचना प्रौद्योगिकी के रूप में उच्च स्तरीय स्वचालित डिज़ीटल स्कैन का उपयोग डिज़ाईन, संग्रह और डिज़ीटल दस्तावेज़ों की पुन: प्राप्ति के लिये इस्तेमाल किया जा रहा है। इस डिज़ीटल अभिलेखागार में प्रयोक्ता सुलभ बहुखोजी विकल्पों के साथ अंतर्निहित उपयोगों सहित सॉफ्टवेयर उपलब्ध है।

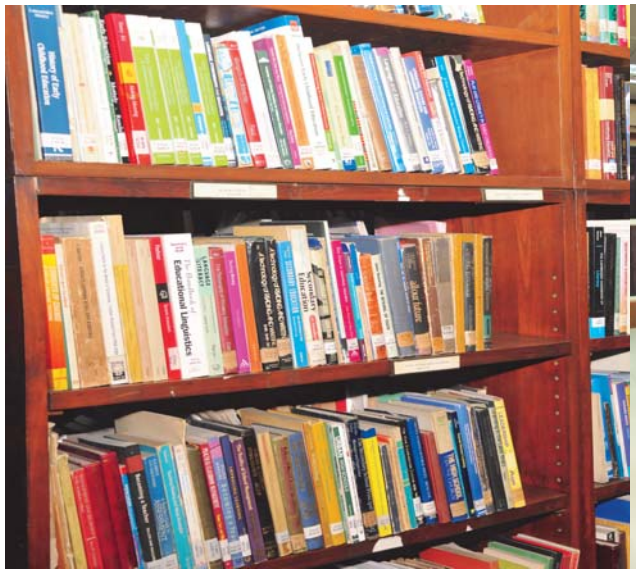

प्रलेखन केंद्र

न्यूपा पुस्तकालय में शैक्षिक योजना और प्रबंधन प्रशासन पर 20,000 से अधिक का वृहद और महत्वपूर्ण संग्रह है। पुस्तकालय में विदेशी और भारतीय सहित 250 मुद्रित जर्नलों के साथ सेज़ शिक्षा संग्रह ऑनलाईन, एलसेवियर तथा जे.स्टोर ऑनलाईन डाटाबेस उपलब्ध है। पुस्तकालय के संग्रह में केन्द्र और राज्य सरकारों के प्रकाशनों के अतिरिक्त अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रकाशन भी सम्मिलित हैं। केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों के प्रकाशनों में राज्य तथा जिला जनगणना रिपोर्ट, राज्य तथा जिला गज़ट, केन्द्रीय तथा राज्य विश्वविद्यालयों के अधिनियम तथा विधान, जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम तथा सर्व शिक्षा अभियान, राज्यों के लिये सांख्यिकी पुस्तिकाऐं, अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण, आर्थिक सर्वेक्षण आयोग तथा समिति की रिपोर्ट, राज्य आर्थिक सर्वेक्षण, राज्य शैक्षिक योजनाएं, राज्य मानव संसाधन विकास रिपोर्टें, तथा पंचवर्षीय योजनाएं सम्मिलित हैं।

इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के अन्य अध्ययन जैसे अनुसंधान अध्ययन, समसामयिक आलेख श्रृंखला, विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्टें (1962-2011), प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्टें, विभिन्न मंत्रालयों की रिपोर्टें, अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना संस्थान, पेरिस की रिपोर्टें भी उपलब्ध हैं। प्रलेखन केन्द्र में शैक्षिक योजना और प्रशासन पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा पर शोध अध्ययनों का एक समृद्ध संग्रह है। अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान, पेरिस के प्रकाशनों का संग्रह-केन्द्र है। इसके पास अ-पुस्तक पाठ्य सामग्री जैसे इंडैक्सिंग डाटाबेस, भारत की जनगणना, राज्य मानव संसाधन विकास केन्द्र और शिक्षा तथा इसे जुड़े संबंधित क्षेत्रों पर अन्य प्रकाशनों पर संग्रह है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रलेखन केन्द्र ने अपने उपलब्ध दस्तावेज़ों में 159 दस्तावेज़ो का संग्रह किया।

प्रलेखन केन्द्र लिबसेस सॉफ्टवेयर 4.0 (आर.ई.एल. 6.9) के प्रयोग द्वारा पूरी तरह से कंप्यूटरीकृत है। इसके अतिरिक्त ऑनलाईन पब्लिक एक्सेस कैटालॉग और इलैक्ट्रानिक डाटाबेस की पहुंच, विभिन्न सूचना संसाधनों तथा सेवाओं के साथ, उपयोगकर्त्ता को उसके डेस्कटॉप तक पहुंचाई जाती है। इसके अतिरिक्त, इसका समृद्ध संग्रह, विस्तृत सरणी और विविध सेवाएं तथा सुविधाएं देश के विभिन्न भागों से तथा विदेशों से भी उपयोगकर्ताओं को इसके संसाधन और सेवाओं का प्रयोग करने के लिये आकर्षित करता है। प्रलेखन केन्द्र में अध्ययन के लिये आरामदायक, शांतियुक्त तथा सौहार्दपूर्ण वातावरण है और यह सुसज्जित प्रकाश, वातानुकूलन और जनरेटर बैक-अप सुविधायुक्त है। प्रलेखन केन्द्र की पठन सुविधाओं का प्रयोग संकाय, विश्वविद्यालय के शोधकर्त्ताओं, डेपा एवं आईडेपा के भागीदार तथा आगन्तुक संकाय द्वारा बहुतायत में प्रयोग किया जाता है। प्रलेखन केन्द्र पूरे वर्ष सोमवार से शनिवार तक खुला रहता है।

डिज़ीटल संसाधनों की पहुंच

इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय संकाय तथा अनुसंधानविद्ों के बीच विभिन्न प्रकार की सूचना की साझेदारी, संपर्कता, सहभाजन के लिए इंटरनेट गतिविधियों को सुदृढ़ तथा विकसित किया गया है। यह सूचना तथा ज्ञान का संग्रह, सृजन, हस्तांतरण तथा एकीकरण करता है। इसके डिज़ीटल संसाधन जैसे पुस्तकें, आलेख, अनुसंधान अध्ययन, समसामयिक आलेख श्रृंखला, प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट, सम्मेलन संगोष्ठी के कार्यकलाप, विख्यात शिक्षाविद् व्याख्यान श्रृंखला, दृश्य-श्रव्य व्याख्यान, समिति तथा समिति रिपोर्टें, इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। यह सभी संसाधन पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र के वेब पृष्ठ [http://www.nuepa.org/libdoc/index.html] पर भी उपलब्ध हैं।

इसके अतिरिक्त नई प्राप्तियों की सूची, नए जर्नलों तथा बंद किऐ जाने वाले जर्नलों की सूची, पाक्षिकों के वर्तमान घटक; जे. स्टोर तथा ऑनलाईन जर्नल डाटाबेस का सम्पूर्ण टेक्स्ट एक्सेस; संदर्भग्रंथ सूची - मांग पर प्रेस कतरनें, साहित्य की खोज तथा इलैक्ट्रानिक दस्तावेज़ वितरण प्रणाली (ई.डी.डी.एस.) के लिये इंटरनेट के माध्यम से चौबीस घंटे की पहुंच पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र को विस्तारित की गई हैं। इससे अंत: पुस्तकालय ऋण तथा डेलनेट के माध्यम से पुस्तकों, दस्तावेज़ों, आलेखों, इत्यादि के लिये प्रयोगकर्त्ता की आवश्यकताओं को पूर्ण करने में सुदृढ़ीकरण हुआ है।

कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं 7

कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

कंप्यूटर केंद्र विश्वविद्यालय की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। कैम्पस नेटवर्क आधार तथा इसके सक्रिय संघटकों को कंप्यूटर केंद्र द्वारा संचालित, रखरखाव तथा नियंत्रित किया जाता है। कंप्यूटर केंद्र एन.एम. ई.आई.सी.टी परियोजना के अंतर्गत एन.आई.सी/एम.टी.एन.एल. द्वारा प्रदान की गई 1 जी.बी.पी.एस ऑप्टिकल फाइबर इंटरनेट संपर्कतता से सुसज्जित है। कंप्यूटर केंद्र सभी स्टाफ सदस्यों, प्रशिक्षुओं, परियोजना स्टाफ, कार्यक्रम भागीदारों, अनुसंधानविदों को कंप्यूटर सुविधा तथा इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराता है। नेटवर्क संसाधानों का प्रयोग करने हेतु सभी स्टाफ सदस्यों तथा संकाय सदास्यों को उच्च गति वाली इंटरनेट संपर्कतता तथा नेटवर्क प्वाइंट प्रदान किये गये हैं। न्यूपा डोमेन पर सभी स्टाफ तथा संकाय सदस्यों को व्यक्तिगत ई-मेल खाता की सुविधा दी गई है। कुलपति तथा अन्य सभी संकाय सदस्यों के निवास पर ब्राड-बैन्ड इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराई गई है। सभी स्टाफ सदस्यों तथा संकाय को डैस्कटाप कंप्यूटर सुविधा दी गई है। कंप्यूटर केंद्र की सुविधाएं बिना किसी व्यावधान के लगातार 12 घंटे उपलब्ध रहती हैं। कंप्यूटर केन्द्र पर विश्वविद्यालय के अपने कंप्यूटरों तथा संबंधित उपकरणों के रखरखाव की जिम्मेदारी है जिसे वारंटी या वार्षिक रखरखाव संविदा के तहत किया जाता है।

कंप्यूटर केन्द्र विश्वविद्यालय की दैनिक अकादमिक तथा गैर अकादमिक गतिविधियों में सूचना प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने हेतु सुविधाएं प्रदान करता है। कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रकार के नवीनतम कंप्यूटर और प्रिंटरों तथा मल्टी-फंक्शन डिवाईज़ेज से सुसज्जित है। विश्वविद्यालय के सभी तलों पर सभी कमरे लोकल एरिया नेटवर्क (विंडोज़ 2008 आपरेटिंग सिस्टम सहित) से जुड़े हुए हैं।

न्यूपा भवन से न्यूपा हास्टल को उच्च गति इंटरनेट संपर्कतता उपलब्ध कराई गई है। न्यूपा छात्रावास के सभी तलों पर अतिथियों के लिये प्रमाणित तथा सुरक्षित वाई-फाई संपकर्तता उपलब्ध-कराई गई है।

यह केंद्र अकादमिक एककों को प्रशिक्षण, अनुसंधान, मात्रात्मक आंकड़ा विश्लेषण और प्रणाली स्तर के प्रबंधन संबंधी मुद्दे तथा दूसरे कार्यकलापों में सहायता प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त गैर-अकादमिक एककों जैसे – पुस्तकालय, प्रशासन तथा वित्त विभागों को भी सहायता प्रदान की जाती है। संस्थान की डाटा प्रोसेसिंग तथा वर्ड प्रोसेसिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के अलावा कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों/कार्यक्रमों के लिए अन्य विशिष्ट कंप्यूटर आधारित सेवाएं प्रदान करता है।

लेखा अनुभाग को भी कंप्यूटर अनुप्रयोग के लिए समर्थन दिया जाता है। इसमें शामिल है, वेतन पर्ची, आयकर गणना, पेंशन, भविष्य निधि गणना आदि। इसके लिए एस पी एस एस सांख्यिकी पैकेज नेटवर्क वर्जन सर्वर के साथ स्थापित किया गया है ताकि प्रयोगकर्त्ता नेटवर्क पर गणना कर सकें। कंप्यूटर केंद्र दैनिक गतिविधियों के लिये ओपन स्रोत साफ्टवेयरों को प्रोत्साहन देता है।

प्रकाशन कार्यक्रम 8

प्रकाशन कार्यक्रम

राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का प्रकाशन एकक विश्वविद्यालय द्वारा की गई शोध और विकास गतिविधियों के निष्कर्षों के प्रकाशन और प्रसारण द्वारा ज्ञान की साझेदारी संबंधी कार्यकलापों का अनुसमर्थन व्यापक स्तर पर लिए करता रहा। विश्वविद्यालय के उद्देश्यों को पूरा करने के अनुक्रम में प्रकाशन एकक समसामयिक आलेख/जर्नल/पाक्षिक न्यूजलेटर, पुस्तकें, एम.फिल. और पी-एच.डी. की विवरणिका और प्रशिक्षण कार्यक्रम का कैलेण्डर प्रकाशित करता है। यह विभिन्न राज्यों/संघ क्षेत्रों के शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षणों की रिपोर्टों की श्रृंखला भी प्रकाशित करता है। प्रकाशन एकक कंप्यूटरों तथा प्रिंटरों से सुसज्जित है और विश्वविद्यालय के डीटीपी कार्य भी करता है।

वर्ष 2012-13 के अंतर्गत विश्वविद्यालय की कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन निकाले गए — जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (अंग्रेजी), परिप्रेक्ष्य (हिंदी) और एंट्रीप न्यूज लेटर, एम. फिल तथा पी-एच.डी. कार्यक्रमों की विवरणिका तथा पाठ्यचर्या गाईड। विश्वविद्यालय ने अनेक शोध और संगोष्ठियों/सम्मेलनों की रिपोर्टें पुस्तक और मोनोग्राफ के रूप में प्रकाशित की। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय ने निम्नांकित प्रमुख प्रकाशन निकाले :

जर्नल

- जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, जिल्द XXVI अंक 1, जनवरी 2012
- जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, जिल्द XXVI अंक 2, अप्रैल 2012
- जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, जिल्द XXVI अंक 3, जुलाई 2012
- जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, जिल्द XXVI अंक 4, अक्तूबर 2012
- परिप्रेक्ष्य (शैक्षिक योजना और प्रशासन का सामाजिक-आर्थिक संदर्भ पर हिंदी जर्नल), वर्ष XVII अंक 1,अप्रैल 2011
- परिप्रेक्ष्य (शैक्षिक योजना और प्रशासन का सामाजिक-आर्थिक संदर्भ पर हिंदी जर्नल), वर्ष XVII अंक 2, अगस्त 2011
- परिप्रेक्ष्य (शैक्षिक योजना और प्रशासन का सामाजिक-आर्थिक संदर्भ पर हिंदी जर्नल), वर्ष XVII अंक 3, दिसम्बर, 2011

एनट्रीप न्यूजलेटर: समीक्षाधीन वर्ष के दौरान एनट्रीप (एशियन नेटवर्क ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूशंस इन एजुकेशनल प्लानिंग) न्यूजलेटर के - जिल्द XVI, अंक 2, जुलाई-दिसम्बर, 2011 तथा जिल्द XVII, अंक-1, जनवरी-जून, 2012 प्रकाशित किए गए।

समसामयिक आलेख: वर्ष 2012-13 के दौरान निम्नलिखित समसामयिक आलेख प्रकाशित किए गए:

- न्यूपा समसामयिक आलेख सं. 41: जेंडर एंड स्कूल पार्टिसिपेशन : एविडेन्सेस फ्रॉम एम्पिरिकल रिसर्च इन मध्यप्रदेश एंड छत्तीसगढ़ : मधुमिता बंद्योपाध्याय, नई दिल्ली, न्यूपा, पृष्ठ 48
- न्यूपा समसामयिक आलेख सं. 42 : इमरजिंग इश्यूज एट सेकेण्ड्री लेवल : फोकस आन प्राईवेट स्कूल इन मध्य प्रदेश, इंडिया : मंजू नरूला, न्यूपा, नई दिल्ली, पृष्ठ 49

नि:शुल्क प्रकाशन: समीक्षाधीन वर्ष में विश्वविद्यालय द्वारा निम्नांकित नि:शुल्क प्रकाशन निकाले गये :

- एलिमेंट्री एजुकेशन इन इंडिया : व्हेयर डू वी स्टेंड? डिस्ट्रिक्ट रिपोर्ट कार्ड्स 2009-10 (जिल्द I तथा II)
- एलिमेंट्री एजुकेशन इन इंडिया : व्हेयर डू वी स्टैंड? स्टेट रिपोर्ट कार्ड 2009-10
- फ्लैश स्टैस्टिक्स 2010-11
- सेकेण्ड्री एजुकेशन मैनुअल (प्लानिंग एंड एप्रेसल मन्यूअल): एस.एम.आई.ए. ज़ैदी
- न्यूपा कैलेंडर आफ ट्रेनिंग प्रोग्राम्स 2012-13 (अंग्रेजी)
- न्यूपा प्रशिक्षण कार्यक्रम 2012-13 (हिंदी)
- एजुकेशन फार ऑल - स्टेट्स एंड ट्रेंड्स
- एनुवल रिपोर्ट 2011-12 (अंग्रेजी)
- वार्षिक रिपोर्ट 2011-12 (हिंदी)
- डी-सेन्ट्रिंग यूरोपियन लिबरेलिज़म इन इंडियास डेमोक्रेटिक स्ट्रगल्स : प्रो. आमिंया के. बागची (तृतीय मौलाना आज़ाद व्याख्यान)
- प्रास्पेक्ट्स (एम.फिल. और पी-एच.डी. कार्यक्रम) 2013-14
- विवरणिका (एम.फिल तथा पी.एच.डी. कार्यक्रम), 2012-13
- पाठ्यचर्या गाईड
- वार्षिक योजना बुकलेट 2013
- सिंगल शीट प्लानर 2013
- डेस्क कैलेण्डर 2013

- प्रकाशन सूची
- ग्रीटिंग कार्ड
- राईटिंग पैड
- डॉकेट फोल्डर
- डेपा, आईडेपा तथा अन्य विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए घोषणा पत्र
- न्यूपा फोल्डर

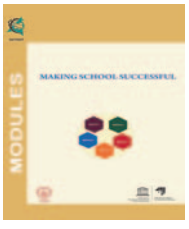

मिमियोग्राफ प्रकाशन : समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय ने विभिन्न अनुसंधान अध्ययनों, समसामयिक आलेखों, न्यूपा द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों /संगोष्ठियों की रिपोर्टें/प्रशिक्षण सामग्री/मिमियोग्राफ प्रकाशित किए।

न्यूपा वेबसाइट को योगदान : न्यूपा ने ज्ञान और सूचना के वृहद प्रचार-प्रसार के लिए वेबसाइट का निर्माण किया है। प्रकाशन विभाग ने अपने प्रकाशनों से संबंधित निम्नांकित सूचनाएं अपलोड करने हेतु उपलब्ध कराई है : न्यूपा के समूल्य तथा नि:शुल्क प्रकाशनों की वृहद सूची तथा न्यूपा के लिए निजी प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की सूची; जेपा के वर्तमान तथा भविष्य के अंकों के बारे में सूचना; न्यूपा प्रशिक्षण कार्यक्रम का कैलेंडर; प्रेस विज्ञापन तथा एम.फिल और पी-एच.डी. प्रोग्राम; एमिनेन्ट स्कॉलर लेक्चर सीरीज के बारे में सूचनायें; न्यूपा में दिए गए महत्वपूर्ण संभाषण एवं व्याख्यान; निगम ज्ञापन और नियम (न्यूपा); हिंदी जर्नल परिप्रेक्ष्य; न्यूपा समसामयिक आलेख को अपलोड करना; एंट्रीप न्यूजलेटर को अपलोड करना; न्यूपा वार्षिक रिपोर्ट (अंग्रेजी तथा हिंदी संस्करणों) 2011-12।

9 न्यूपा में सहायता अनुदान योजना

न्यूपा में सहायता अनुदान योजना

कार्य योजना के विस्तार के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न मानकों का क्रियान्वयन हेतु उद्देश्यों का वृहद प्रचार आवश्यक है तथा गैर सरकारी संगठनों तथा स्वैच्छिक एजेंसियों तथा सामाजिक संगठनों के साथ निकटतम सहयोग आवश्यक है। नीति के क्रियान्वयन में बेहतर समन्वयन हेतु, राष्ट्रीय तथा स्थानीय स्तर पर समर्थन व्यवस्था समेत अंत:शास्त्रीय उपागम आवश्यक है।

इस संदर्भ में ये आवश्यक हैं: (अ) देश में शैक्षिक नीतियों तथा कार्यक्रमों के प्रति वृहद जागरूकता पैदा करना, (ब) नीति उन्मुख अध्ययनों तथा संगोष्ठियों को आरंभ करना तथा मध्य-पाठ्यक्रम सुधार, संशोधन तथा नीति हस्तक्षेपों के साथ समायोजन संबंधित विषयों और संदर्भों पर (स) अध्यापकों, छात्रों, युवाओं तथा महिलाओं और संचार माध्यमों को प्रायोजित संगोष्ठी के आयोजन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके साझा मंच प्रदान करना। (द) शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारी तथा अच्छे व्यवहार एवं सफल प्रयोग को बढ़ावा देना (य) राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा कार्य योजना।

उपरोक्त प्रयोजन के लिये, मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार ने सहायता अनुदान कार्यक्रम कार्यान्वित किया है जिसके अंतर्गत योग्य संस्थानों तथा संगठनों को वित्तीय सहायता शिक्षा नीति के प्रबंधन तथा क्रियान्वयन पक्ष पर सीधे प्रभाव डालने वाली गतिविधियों के आधार पर प्रदान की जायेगी। इसके अंतर्गत सम्मेलनों का आयोजन, प्रभावी तथा मूल्यांकन अध्ययन, सर्वोत्तम विकल्पों पर परामर्शकारी अध्ययन, भारत सरकार को सलाह देने हेतु तथा व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने हेतु मॉडल, विडियो फिल्म इत्यादि का निर्माण सम्मिलित हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने विश्वविद्यालय के माध्यम से यह योजना संचालित की है जो सहायता अनुदान समिति के द्वारा इसे संचालित करता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता अनुदान योजना के तहत विभिन्न संस्थानों से प्राप्त प्रस्तावों के मूल्यांकन तथा अनुमोदन के लिए एक समिति का गठन किया गया है। 31 मार्च, 2013 के अनुसार इस समिति के निम्नांकित सदस्य हैं:

1.	प्रोफेसर प्रमिला मेनन	–	अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर ए. के. शर्मा	–	सदस्य
3.	प्रोफेसर सुदेश मुखोपाध्याय	–	सदस्य
4.	डा. के. बिस्वाल	–	सदस्य
5.	डा. विनीता सिरोही	–	सदस्य
6.	डा. रेनू बत्रा	–	सदस्य
7.	श्री जी.एस. बोथ्याल	–	सदस्य
8.	डा. विनोद कुमार सिंह	–	सदस्य सचिव

समीक्षाधीन वर्ष के अंतर्गत समिति ने निम्नांकित सहायता अनुदान की संस्तुति प्रदान की। जिससका विवरण नीचे तालिका में प्रस्तुत है :

क्र . सं.	संगठन का नाम	परियोजना का शीर्षक	स्वीकृत सहायता अनुदान राशि
1.	नागरिकता विकास समिति, (नई दिल्ली)	'नागरिकता की स्थिति तथा भारतीय स्कूल व्यवस्था में मूल्य शिक्षा' पर संगोष्ठी	रु. 2,50,000/-
2.	केन्द्रीय शैक्षिक संस्थान, आई. आई.टी. खड़गपुर (पश्चिम बंगाल)	'व्यावसायिक विकास तथा शैक्षिक नेतृत्व' पर अल्प-कालीन पाठ्यक्रम	रु. 3,00,000/-
3.	चौपाल ग्रामोत्थान समिति, छतर पुर, (मध्य प्रदेश)	शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के संदर्भ में राज्य शैक्षिक नीतियों तथा उनकी भूमिकाओं के बारे में नवीनतम गठित विद्यालय प्रबंधन समिति के क्षमता निर्माण' पर संगोष्ठी	रु. 2,50,000/-
4.	कैवल्याधामा, एस.एम.वाय.एम. समिति लोनावला, (पुणे)	'योग तथा युवा : परंपरागत तथा समकालीन संप्रेक्ष्य' पर संगोष्ठी	रु. 5,00,000/-
5.	शिवा शिव सेवाश्रम समिति, (मध्य प्रदेश)	एन.सी.ई.आर.टी. के संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता और स्कूली बच्चों में मूल्यों से शिक्षा के सुदृढ़ीकरण पर सम्मेलन	रु. 3,00,000/-
6.	भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद (उ. प्र.)	'35वाँ भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस पर' सम्मेलन	रु. 3,00,000/-
7.	राजौरिया शिक्षण प्रसार समिति, मोरेना (मध्य प्रदेश)	'प्राथमिक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पोषण समर्थन कार्यक्रम: पक्ष-विपक्ष तथा प्रभाव' पर संगोष्ठी	रु. 3,00,000/-
8.	नवोदय महिला मंडली, अनंतपुर (आंध्र प्रदेश)	'शैक्षिक नीति और ग्रामीण क्षेत्रों पर इसका प्रभाव'' पर संगोष्ठी	रु. 3,00,000/-
9.	बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	गृह वैज्ञानिकों के लिए नवाचारी ज्ञान-सीमा तथा उभरते हुए मुद्दों पर भारतीय गृह-विज्ञान संघ का 29वां द्वि-वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, 4-6 नवंबर, 2011	रु. 3,00,000/-
10.	मानव सेवा संस्थान, फतेहपुर, (उत्तर प्रदेश)	आर.टी.ई. एक्ट 2009 के अंतर्गत विद्यालय प्रबंधन समिति की प्रासंगिकता-प्रयास तथा प्रभाव पर संगोष्ठी	रु. 3,00,000/-
11.	शांति एवं सामाजिक कल्याण संगठन, कुरनूल	'हिंसा की रोकथाम और शारीरिक दंड तथा बच्चों के अनुकूल स्कूलों की रचना' पर संगोष्ठी	रु. 2,50,000/-

12.	माधव तकनीकी एवं विज्ञान संस्थान, ग्वालियर, (मध्य प्रदेश)	'उद्यम प्रबंधन में तकनीकी तथा व्यापार नीति-शास्त्र पर सम्मेलन	रु. 3,00,000/-
13.	भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)	36वां भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस सम्मेलन	रु. 3,00,000/-
14.	सामाजिक परिवर्तन के लिए समिति आंध्र प्रदेश	'शिक्षा का अधिकार - अपने प्रारंभ के दो वर्षों में यह कितना कारगर सिद्ध हुआ है' पर अध्ययन	रु. 5,00,000/-
15.	विकास नवचार (ओडिशा)	'ओडिशा में सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम पर एक मूल्यांकन	रु. 5,00,000/-
16.	जन शिक्षा परिषद, इलाहाबाद, (उत्तर प्रदेश)	'तृतीय जन शिक्षा सम्मेलन : केंद्रीय विषय - भारतीय शिक्षा व्यवस्था - संकट तथा बदलते प्रतिमान	रु. 3,00,000/-
17.	शिशु नारी कला प्रशिक्षण संस्थान, (बिहार)	बच्चों, का अधिकार से 'अनिवार्य तथा नि:शुल्क शिक्षा अधिनियम 2009 पर संगोष्ठी	रु. 3,00,000/-
18.	डी. पॉल विस्तार सेवाएं, केरल	केरल राज्य में बच्चों की मानसिक स्वास्थ्य पर सम्मेलन	रु. 3,00,000/-
19.	उत्तर-पूर्वी श्रम संघ, गुवाहाटी,	'स्थानीय भाषा माध्यम स्कूलों में बुनियादी अंग्रेजी को प्रोत्साहन' पर संगोष्ठी	रु. 3,00,000/-
20.	श्री मधु मेहता स्मृति कल्याण समिति, खंडवा (मध्य प्रदेश)	'आम स्कूल व्यवस्था की प्रासंगिकता तथा भारत में शिक्षा का अधिकार : पक्ष-विपक्ष	रु. 3,00,000/-
21.	हरीश चन्द्र पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, वाराणसी	'बारहवीं पंचवर्षीय योजना में उच्च शिक्षा : अध्यापक और अध्यापक आन्दोलन' की भूमिका पर संगोष्ठी	रु. 3,00,000/-
22.	इलाश्री सेवा संस्थान, मधुबनी, (बिहार)	'बिहार के विशेष संदर्भ में शिक्ष का अधिकार तथा महिला शिक्षा की चुनौतियां पर संगोष्ठी	रु. 2,75,000/-
23.	कैलवरी मिनिस्ट्री, कुरनूल, (आंध्र प्रदेश)	'विद्यालय तथा कॉलेजों में-विविध जैविक शिक्षा' पर संगोष्ठी, हिंदूपुर, आंध्र प्रदेश का अनंतपुर जिला	रु. 2,75,000/-
24.	शैक्षिक प्रोद्योगिकी तथा प्रबंधन अकादमी, गुड़गाँव, (हरियाणा)	शिक्षा में आई.सी.टी. संस्कृति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	रु. 2,75,000/-
25.	आर्थिक तथा शैक्षिक विकास पोषण समिति, कुरूनूल, आंध्र प्रदेश	'शिक्षा का अधिकार अधिनियम - 2009 के माध्यम से क्षमता निर्माण और जागरूकता पर संगोष्ठी	रु. 2,75,000/-
26.	नागेन शर्मा स्मारक समिति, गुवाहाटी, (असम)	'गुणवत्तायुक्त शिक्षा की वितरण प्रणाली के लिए प्रभावी संतुलित तकनीक को बढ़ावा	रु. 2,50,000/-

27.	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, (दिल्ली)	भारतीय इतिहास कांग्रेस का 73वां वार्षिक सत्र, मुंबई विश्वविद्यालय, कॉलिना कैम्पस	रु. 3,00,000/-
28.	स्वास्थ्य शिक्षा तथा विकास समिति, (हैड्स), करूर (तमिलनाडु)	सरकारी स्कूलों के प्रदर्शन में बढ़ोत्तरी तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कुलीथलाई तालुक, करूर में ग्राम शिक्षा समिति के 50 पंचायतों के माननीय सदस्यों के ज्ञान कौशल और सूचना में वृद्धि पर संगोष्ठी	रु. 3,00,000/-
29.	विकास कार्यों द्वारा महिला सशक्तिकरण समिति, (स्वटेडा) (ओडिशा)	'शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 पर विद्यालय प्रबंधन समिति' पर सम्मेलन	रु. 3,00,000/-
30.	अवतार स्मृति शिक्षा एवम् कल्याण समिति, मोरेना (मध्य प्रदेश)	'समेकित शिक्षा से संबंधित विभिन्न नीतियों' पर संगोष्ठी (बुनियादी प्रारंभिक शिक्षा में विकलांगों के शैक्षिक अधिकार) तथा मध्य प्रदेश को मोरेना जिले में इसका प्रभाव	रु. 3,00,000/-
31.	चांद अल्पसंख्यक कल्याण समिति, कुरनूल (आंध्र प्रदेश)	'विशेषतौर पर भारत में लड़कियों की शिक्षा के संदर्भ में वंचित बच्चों के लिए अनिवार्य शिक्षा' पर संगोष्ठी	रु. 3,00,000/-
32.	मातेश्वरी जैन कल्याण समिति, छतरपुर (मध्य प्रदेश)	'भारत में उच्च शिक्षा में अ.पि.व. आरक्षण नीति : प्रभाव तथा प्रयास' पर संगोष्ठी	रु. 3,00,000/-
33.	आदर्श युवा विकास समिति, हरदोई (उत्तर प्रदेश)	'भारत में प्रौढ़ शिक्षा : महत्व, समस्याएं तथा निदान' पर संगोष्ठी	रु. 3,00,000/-
34.	अंत्याज सेवा समिति, (बिहार)	'शिक्षा का अधिकार संबंधी समस्याएं एवं समाधान' पर संगोष्ठी	रु. 2,70,000/-
35.	कुंदू क्षेत्र ग्रामीण विकास समिति, कुरनुल जिला	'महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षा : संभावनाएँ तथा चुनौतियां पर संगोष्ठी	रु. 2,50,000/-
36.	शांति ग्रामीण शिक्षा तथा जागरूकता विकास समिति, (आंध्र प्रदेश)	'शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के प्रभावी क्रियान्वयन में पंचायती राज संस्थानों की भूमिका तथा उत्तरदायित्व पर कार्यशाला	रु. 3,00,000/-
37.	आनंद स्मृति न्यास, पटना (बिहार)	बहिष्कृत समुदायों के बच्चों के शैक्षिक अधिकारों की सुनिश्चितता में चुनौतियां (शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के विशेष संदर्भ में)	रु. 3,00,000/-
38.	सुमन शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति, ग्वालियार, (मध्य प्रदेश)	शैक्षिक नीति के क्रियान्वयन के लिए अध्ययन योजना, संगोष्ठी मूल्यांकन इत्यादि के अंतर्गत स्कूली लड़कियों के लिये मासिक प्रबंधन' पर कार्यशाला	रु. 2,75,000/-

39.	पुर्नजागरण के प्रति जागरूकता के लिए एकीकृत पोषण संघ का विकास (दिनकर) कुरनूल, (आंध्र प्रदेश)	'प्रवासी बच्चों की शिक्षा की चुनौतियां' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, जिला-अनंतपुर, आंध्र प्रदेश	रु. 2,75,000/-
40.	लिटल फ्लोवर शिक्षा समिति, कुरनूल, (आंध्र प्रदेश)	'अल्पसंख्यक बच्चों की शिक्षा : मुद्दे तथा चुनौतियां' पर संगोष्ठी' जिला-कुरनूल, आंध्र प्रदेश	रु. 2,75,000/-
41.	कीर्ति स्वास्थ्य शिक्षा तथा ग्रामीण विकास समिति (खेरड्स), कुरनूल, (आंध्र प्रदेश)	'शिक्षा का अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन में अध्यापक शिक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दों पर संगोष्ठी	रु. 2,75,000/-
42.	माधवी कल्याण समिति (मध्य प्रदेश)	भारतीय शिक्षा व्यवस्था में शिक्षा के व्यवसायीकरण की आवश्यकता : नीतियां तथा उनका प्रभाव पर संगोष्ठी	रु. 3,00,000/-
43.	सोना शिक्षा समिति, ग्वालियर (मध्य प्रदेश)	'प्रारम्भिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए बुनियादी और समर्थनकारी सेवाएं : प्रभाव तथा नीति विश्लेषण' पर सम्मेलन	रु. 3,00,000/-
44.	श्रीमती वैजयन्ती देवी, शिक्षा प्रसार समिति, मोरेना, (मध्य प्रदेश)	'गुणवत्ता युक्त प्रारंभिक शिक्षा में अध्यापक प्रशिक्षण की भूमिका : प्रासंगिक नीतियां तथा इनका प्रभाव' पर संगोष्ठी	रु. 3,00,000/-
45.	विजयवर्द्धन संस्थान, ग्वालियर (मध्य प्रदेश)	ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली शिक्षा के प्रबंधन और योजना में पंचायती राज संस्थानों की भूमिका : भारत में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के विशेष संदर्भ में संगोष्ठी	रु. 3,00,000/-
46.	श्री पनकुंवर बाई शिक्षा समिति, देवास, (मध्य प्रदेश)	'उच्च शिक्षा में अल्पसंख्यक महिलाओं की भागीदारी तथा अल्पसंख्यकों के लिए प्रासांगिक शैक्षिक नीतियां	रु. 3,00,000/-
47.	ग्राम पंचायत राज-किनारो (बिहार)	शिक्षा का अधिकार अधिनियम के विशेष संदर्भ में 'पंचायत, ब्लाक तथा जिला कार्यकर्त्ताओं की भूमिका पर क्षमता निर्माण कार्यशाला	रु. 3,00,000/-
48.	कलाबंधु कलापरिषद, 25वीं बैठक कुरनूल, (आंध्र प्रदेश)	उच्च शिक्षा के वित्त पोषण में सरोकार तथा चुनौतियां पर संगोष्ठी	रु. 2,75,000/-
49.	अलीगढ़ इतिहासकार समिति, अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)	'विचारधारा, साहित्य तथा भारत के अतीत और वर्तमान का सामाजिक यथार्थ पर संगोष्ठी	रु. 2,75,000/-
		योग	**रु. 1,50,20,000/-**

प्रशासन, वित्त तथा समर्थन सेवाएं 10

प्रशासन, वित्त तथा समर्थन सेवाएं

प्रशासन

विश्वविद्यालय के पास हाउसकीपींग तथा सुरक्षा सेवाओं के लिये बाह्य सेवाओं के अतिरिक्त निम्नांकित स्वीकृत पद हैं।

बाह्य संवर्ग पद	**संख्या**
कुलपति	01
कुलसचिव	01
संवर्ग पद	
संकाय (कुलपति, प्रोफेसर, सह-प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर)	42
अकादमिक समर्थन स्टाफ़	16
प्रशासन, वित्त, सचिवीय तथा अन्य तकनीकी स्टाफ	67
सहायक स्टाफ समूह 'घ'	36
योग	**163**

प्रशासन तथा अकादमिक एवं तकनीकी समर्थन सेवाएं प्रशासन के कार्य के अनुसार स्थापित अनुभागों द्वारा नियंत्रित तथा समन्वित की जाती हैं।

समीक्षाधीन वर्ष 2012-13 के अंतर्गत, निम्नांकित नियुक्तियां/सेवानिवृत्तियां की गईं।

नियुक्तियां

समूह 'ए'

क्र.सं.	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	डा. मोना सेदवाल	सहायक प्रोफेसर	21.05.2012
2.	डा. कश्यपी अवस्थी	सहायक प्रोफेसर	22.05.2012
3.	डा. नरेश कुमार	सहायक प्रोफेसर	22.05.2012
4.	डॉ. वी. सुचरिता	सहायक प्रोफेसर	31.05.2012
5.	डॉ. सुमन नेगी	सहायक प्रोफेसर	04.06.2012
6.	श्रीमती पूजा सिंह	पुस्तकाध्यक्ष	15.01.2013

समूह 'बी'

क्र.सं.	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	सुश्री सुचित्रा प्रजापति	सहायक	17.04.2012
2.	श्री राजेश कुमार	एम.टी.एस.	20.06.2012
3.	श्री बंसीधर	एम.टी.एस.	21.06.2012
4.	श्री इरफ़ान	एम.टी.एस.	21.06.2012
5.	श्री गौरव	एम.टी.एस.	21.06.2012
6.	श्री अमित धवन	एम.टी.एस.	22.06.2012
7.	श्री संदीप कुमार	एम.टी.एस.	28.06.2012
8.	सुश्री प्रियंका	एम.टी.एस.	17.07.2012
9.	श्री नरेश भारद्वाज	एम.टी.एस.	06.09.2012

सेवानिवृत्तियां

समूह 'अ'

क्र.सं.	नाम	पद	*सेवानिवृत्ति* की तिथि
1.	श्रीमती दीपक मकोल	पुस्तकाध्यक्ष	30.04.2012

समूह 'बी'

क्र.सं.	नाम	पद	*सेवानिवृत्ति* की तिथि
1.	श्रीमती सुधा सूद	अनुभाग अधिकारी	31.07.2012

वित्त तथा लेखा विभाग

न्यूपा में वित्त तथा लेखा सेवाएं लेखा अनुभाग द्वारा संचालित की जाती हैं जिसका अध्यक्ष वित्त अधिकारी होता है जिसके अंतर्गत अनुभाग अधिकारी, लेखाकार और कार्यालय के आठ सदस्य तथा अनुसचीवीय स्टाफ होता है। यह अनुभाग बजट की तैयारी, मासिक वेतन तथा पेंशन बिल, अन्य व्यक्तिगत प्रतिपूर्ति जैसे चिकित्सा, एल.टी.सी. बिल, अग्रिम इत्यादि, वस्तुओं की खरीद के लिये बिल भुगतान प्रक्रिया, कार्य, संविदा इत्यादि, पूर्व लेखा परीक्षा, बाह्य परीक्षा के साथ समन्वयन तथा वित्त तथा लेखा से जुड़े अन्य मसलों के लिये उत्तरदायी होता है। यह सभी वित्तिय मसलों पर समयबद्ध परामर्श देता है तथा वित्तीय भागीदारी, लेखा बयान, उपयोगिता प्रमाण-पत्र इत्यादि हेतु सभी प्रस्तावों के परीक्षण हेतु प्रभावी सहायता प्रदान करता है। वित्त अधिकारी वित्त समिति का सदस्य सचिव होता है जो विश्वविद्यालय के वित्त, निर्देशन तथा विभिन्न श्रेणियों के लिये व्यय की सीमा तय करता है। पिछले पांच वर्षों में मंत्रालय से प्राप्त अनुदान निम्नांकित है :

प्राप्त अनुदान का व्यौरा (2008-2013) (रु. लाख में)

क्र. सं.	शीर्ष	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13
1.	सहायता अनुदान (योजना)	651.00	1000.00	1013.59	1197.60	1129.80
	सहायता अनुदान (योजनेतर)	668.00	1050.00	1092.00	1033.55	1070.44
	आंतरिक प्राप्तियां	79.31	126.97	117.13	110.11	101.87
	योग	**1398.31**	**2176.97**	**2222.72**	**2341.26**	**2302.11**
2.	व्यय (योजना)	759.46	851.60	980.33	1106.38	-
	व्यय (योजनेतर)	689.91	1137.74	1123.05	1059.36	-
	योग	**1449.37**	**1989.34**	**2103.38**	**2165.74**	**-**
3.	आंतरिक प्राप्तियां व्यय के प्रतिशत के रूप में	1%	1%	1%	1%	-
4.	सहायता अनुदान व्यय का प्रतिशत	100%	100%	100%	100%	-

उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि वर्ष 2008-09 से 2012-13 के दौरान सहायता अनुदान में व्यापक रूप से वृद्धि हुई है और इसी अनुपात में इसका व्यय भी बढ़ा है। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि न्यूपा अपनी मुख्य गतिविधियों को पर्याप्त महत्व दे रहा है।

अनुलग्नक

संकाय का अकादमिक योगदान

अनुलग्नक

संकाय का अकादमिक योगदान

शैक्षिक योजना विभाग

एस.एम.आई.ए. जैदी (विभागाध्यक्ष)

प्रकाशन

प्रकाशित

इनोवेटिव मॉड्ल्स फार सेकेण्डरी एजूकेशन इन साउथ एशिया (डा. एन.के. मोहंती सह-लेखक, रिजल्ट फार डवलपमेंट इंस्टीट्यूट (आर4डी) वाशिंगटन डीसी (यूएसए), 2012 के लिए विकसित

सेकेण्डरी एजूकेशन: प्लानिंग एंड एप्रेसल मैनुअल (सह-लेखक) न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित

फाइनेंसिंग आफ सेकेण्डरी एजूकेशन अन्डर आरएमएसए इन द इलेवन्थ फाइव ईअर प्लान: एन अनालिसिस आफ फण्ड रिलीज्ड टू द नार्थ-ईस्टर्न स्टेट, उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए स्कूल वित्त की योजना और प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम के लिए पठन सामग्री, अक्टूबर, 2012

एक्सैस टू सेकेण्डरी एजूकेशन इन नार्थ-इस्टर्न स्टेट्स: व्हॉट सेमिस डाटा रिवील, न्यूपा समसामयिक लेख 43, 2013

अनुसंधान परियोजना पूर्ण

भारत में लघु प्राथमिक विद्यालय का एक अध्ययन: चार राज्यों में चयनित जिलों के स्कूलों की रिपोर्ट कार्ड का विश्लेषण (न्यूपा, जून 2012)

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

संसाधन व्यक्ति, 07-08 मई, 2012 के दौरान राज्य परियोजना कार्यालय, आरएमएसए, सिक्किम द्वारा गंगटोक में आयोजित 'माध्यमिक स्तर पर स्कूल मैपिंग' पर राज्य स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया

संसाधन व्यक्ति, डाइट, कड़कड़डूमा, द्वारा आयोजित पूर्वी दिल्ली जिला के लिए 'शिक्षक शिक्षा पर परिप्रेक्ष्य योजना की तैयारी' पर 13 जुलाई, 2012 को एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया

संसाधन व्यक्ति, डाइट, राजेन्द्र नगर द्वारा आयोजित उत्तर पश्चिम दिल्ली जिला, के लिए 'शिक्षक शिक्षा पर परिप्रेक्ष्य योजना' की तैयारी पर 18 जुलाई, 2012 को एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया

संसाधन व्यक्ति, परिणाम विकास संस्थान, संयुक्त राज्य अमेरिका और न्यूपा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, एशियाई क्षेत्र कौशल निर्माण संगोष्ठी, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 9-10 जनवरी, 2013 में भाग लिया, इसके अलावा संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की

आरएमएसए के राज्य परियोजना निदेशकों और शिक्षा सचिवों के लिए आयोजित सम्मेलन में 29 जनवरी, 2013 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में भाग लिया

संसाधन व्यक्ति, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता, विभाग द्वारा बैंगलुरु में दक्षिणी क्षेत्र के लिए आयोजित एकीकृत ए.डब्ल्यू.पी. एंड बी. 2013-14 की तैयारी पर 3 दिवसीय कार्यशाला में 01-03 फ़रवरी, 2013 को भाग लिया

संसाधन व्यक्ति, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा नई दिल्ली में उत्तरी क्षेत्र के लिए आयोजित एकीकृत ए.डब्ल्यू.पी. एंड बी. 2013-14 की तैयारी पर 3 दिवसीय कार्यशाला में 25-27 फरवरी, 2013 को भाग लिया

न्यूपा के बाहर महत्वपूर्ण बैठकों में भागीदारी

न्यूपा के एक प्रतिनिधि के रूप में सर्व शिक्षा अभियान के राज्य परियोजना कार्यालय, बैंगलुरु, कर्नाटक द्वारा आयोजित 31वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक, 12 अप्रैल 2012 को भाग लिया

न्यूपा के एक प्रतिनिधि के रूप में सर्व शिक्षा अभियान के राज्य परियोजना कार्यालय, बैंगलुरु में कर्नाटक द्वारा आयोजित 32वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक में 18 जून 2012 को भाग लिया

एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में दिल्ली डाइट, डाईट आर.के. पुरम द्वारा आयोजित शैक्षणिक प्रशासकों और प्रधान शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए समीक्षा और कोर्स डिजाइन को अंतिम रूप देने के लिए बैठक में भाग लिया, 02 जुलाई, 2012

न्यूपा के एक प्रतिनिधि के रूप में सर्व शिक्षा अभियान, राज्य परियोजना कार्यालय, बैंगलुरु, कर्नाटक द्वारा आयोजित 33वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक में 22 अगस्त 2012 को भाग लिया

एक सदस्य के रूप में एससीईआरटी, नई दिल्ली में 19 दिसंबर, 2012 को डाइट, मोती बाग की मध्यावधि कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) की बैठक में भाग लिया

एक सदस्य के रूप में डाइट की मध्यावधि कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) की बैठक, आर.के. पुरम में भाग लिया, एससीईआरटी, नई दिल्ली, 20 दिसंबर 2012

एक सदस्य के रूप में एससीईआरटी, नई दिल्ली में 20 दिसंबर 2012 को डाइट केशव पुरम की मध्यावधि कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) की बैठक में भाग लिया

एक सदस्य के रूप में एससीईआरटी, नई दिल्ली में 24 दिसम्बर 2012 को एससीईआरटी की मध्यावधि कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) की बैठक में भाग लिया

एक सदस्य के रूप में 6 फ़रवरी 2013 को एससीईआरटी में डाइट, कड़कड़डूमा के वार्षिक कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) की बैठक में भाग लिया

एक सदस्य के रूप में 7 फ़रवरी 2013 को एससीईआरटी, घुम्मनहेरा, डाइट के वार्षिक कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) की बैठक में भाग लिया

एक सदस्य के रूप में डाइट के वार्षिक कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) की बैठक में 8 फ़रवरी, 2013, डाइट आर.के. पुरम में भाग लिया

एक सदस्य के रूप में 8 फ़रवरी 2013 को डाइट, मोती बाग के वार्षिक कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) की बैठक में भाग लिया

एक सदस्य के रूप में 20 फ़रवरी, 2013 को एससीईआरटी, दिल्ली में आयोजित एससीईआरटी के वार्षिक कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) की बैठक में भाग लिया

मोना खरे

प्रकाशन

प्रकाशित

'अलाइनिंग इंडियाज़ हायर एजूकेशन टू द इम्प्लायबिलिटी नीड्स आफ ए ग्लोबल इकोनोमी' (18 सीसीईएम) राष्ट्र मंडल शिक्षा मंत्रियों के 18वीं सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत, मॉरीशस विश्वविद्यालय, 27–30 अगस्त, 2012

स्किल फार इम्प्लायबिलिटी: साउथ एशिया (आरती श्रीवास्तव के साथ), न्यूपा, इंडिया एंड रिजल्ट फार डवलपमेंट, यू.एस.ए., अगस्त, 2012

ट्रांजिशन इन हायर एजूकेशन पॉलिसी, इकोनोमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वाल्यूम XLVII नं. 15, 14 अप्रैल, 2012

रीजनल पैटर्न आफ आक्यूपेशन डायवरसिफिकेशन एंड सैक्टोरल डवलपमेंट इन मध्य प्रदेश (रूपाली सेवालकर के साथ) इंडियन इकोनोमिक जर्नल – स्पेशल इश्यू 1, दिस., पीपी 03–24, दिसम्बर, 2012

कार्बन इमीशन, मिटिगेशन एंड ग्रोथ: इंडिया पोजीशन इन रिनुएबल एनर्जी सैक्टर (रूपाली सेवालकर के साथ), इन कवाडिया गणेश एंड कन्हैया अहूजा (एड.) ट्रेड एंड इनवायरमंट अन्डर डब्ल्यू टी ओ रेजिम, ए.के. पब्लिशर्ष, गाजियाबाद, इंडिया, 2012

अनुसंधान परियोजना

पूर्ण

दक्षिण एशिया, कौशल संवर्धन (आईएसईएसई)परियोजना के लिए अभिनव माध्यमिक शिक्षा: रोजगार के लिए कौशल आर4डी वाशिंगटन, रॉकफेलर संस्थान द्वारा वित्त पोषित कमीशन शोध अध्ययन

अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

संयुक्त रूप से पीएचडी हाउस, नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 2012 में न्यूपा, और वाणिज्य पीएचडी चैंबर और उद्योग द्वारा आयोजित दक्षिण एशिया में रोजगार के लिए कौशल पर गोलमेज सम्मेलन समन्वयक, अध्यक्ष और मध्यस्थ

संयोजक, अध्यक्ष और संयुक्त रूप से आमेर पैलेस, भोपाल, 7 मई, 2012, को न्यूपा और भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा आयोजित गोलमेज सम्मेलन रोजगार के लिए कौशल अंतराल मध्य भारत के आकलन पर मध्यस्थ

रोजगार के लिए कौशल पर गोलमेज सम्मेलन समन्वयक, अध्यक्ष और मध्यस्थ, – भारत पश्चिमी क्षेत्र, संयुक्त रूप से न्यूपा, और युवा परिवर्तन, भारतीय व्यापारी संघ चैंबर्स ने कार्यक्रम का आयोजन किया, मुंबई, 24 मई 2012

स्कूल शिक्षा में एमएमपी पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, 26 जुलाई, 2012

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, 27 और 28 नवंबर, 2012 को, 7वें राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन 'उद्यमिता रोजगार एवं व्यावसायिक शिक्षा' पर कार्यात्मक प्रबंधन में विषयगत मुद्दों पर समवर्ती सत्र में अभिभाषण और अध्यक्षता

शिक्षा क्षेत्र में सेक्टर कौशल परिषद के गठन पर चर्चा बैठक, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, 29 नवंबर, 2012

मध्याह्न भोजन दिशा-निर्देशों, के अंतिम रूप दिए जाने के संबंध में राष्ट्रीय संचालन व निगरानी समिति की बैठक, मानव संसाधन विकास मंत्रलय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 2012

परिणाम विकास संस्थान, अमरीका और न्यूपा, नई दिल्ली, द्वारा आयोजित विकास के लिए परिणाम कौशल संगोष्ठी में भारत समूह सत्र की अध्यक्षता की, 9–10 जनवरी, 2013

स्कूल शिक्षा में मिशन मोड परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पर चर्चा बैठक, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली, 24 जनवरी 2013

अंतरर्राष्ट्रीय

राष्ट्रमंडल शिक्षा मंत्रियों (18सीसीईएम), मॉरीशस विश्वविद्यालय, के 18वें सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत, 27–30 अगस्त, 2012

वित्तीय समावेशन और साक्षरता, पर मनीला में आयोजित एशिया प्रशांत क्षेत्रीय बैठक के लिए आमंत्रित सदस्य और चर्चाकार, फिलीपींस सेंट्रल बैंक, फिलीपींस, संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय बाल एवं युवा वित्त और फिलीपींस के केंद्रीय बैंक द्वारा 4 दिसम्बर, 2012 को आयोजत

समूह कार्य और प्रस्तुति, सार्क विकास लक्ष्यों पर सार्क क्षेत्र और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में अध्यक्ष, एसडीजी/एमडीजी के लिए कार्य योजना: प्रतिबद्धताओं, उपलब्धियां और सार्क, मानव संसाधन विकास केंद्र, इस्लामाबाद, पाकिस्तान और उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित चुनौतियां, नई दिल्ली, भारत, 20–22 नवम्बर, 2012

निर्णायक, प्रस्तुतियों के अंतिम दौर, आईआईएमटी – ऑक्सफोर्ड ब्रूक्स यूनिवर्सिटी, यू.के., अभिनव चैलेंज 2012 वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता, 14 दिसंबर, 2012

के. बिस्वाल

प्रकाशन

अप्रकाशित

स्टेस्टिटिक ऑन सेकण्डरी एजूकेशन इन इंडिया (प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी और डा. एन.के. मोहंती के साथ) न्यूपा, (प्रकाशनाधीन)

ड्राफ्ट सजेस्टिव फ्रेमवर्क फार डवलपिंग द स्कूल इम्प्रूवमेंट प्लान, मिमियो। ट्रेनिंग मैटेरियल डवलप्ड् एंड ट्राइड आउट इन वन आफ द स्टेट लेवल प्रोग्राम (गोवा में माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रमुखों के लिए माध्यमिक शिक्षा योजना पर कार्यक्रम) जनवरी 2013। द फ्रेमवर्क कैन बी फर्दर डवलपेड् टू फीड इनटू मैनुअल फार एसआईपी

रिवाइज्ड (डा. एन.के. मोहंती के साथ) सिमुलेशन एक्सरसाईज ऑन डिस्ट्रिक प्लानिंग इन सेकेण्डरी एजूकेशन विद फोकस ऑन आरएमएसए, जून 2012

प्रशिक्षण कार्यक्रम / कार्यशालाएं रूपरेखा और आयोजन

न्यूपा, नई दिल्ली में 27–31 अगस्त, 2012 (डा. एन.के. मोहंती के साथ) माध्यमिक शिक्षा योजना के मूल्यांकन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

न्यूपा, नई दिल्ली में 24–28 सितम्बर, 2012 (डा. एन.के. मोहंती के साथ) माध्यमिक शिक्षा में जिला योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

पूर्वोत्तर राज्यों के लिए माध्यमिक शिक्षा में जिला योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित (डा. एन.के. मोहंती के साथ) – गुवाहाटी, असम में 27 नवंबर से 1 दिसंबर 2012

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान, श्रीनगर में जम्मू एवं कश्मीर सरकार के निदेशालय द्वारा आयोजित आर.एम.एस.ए. के तहत ए.डब्ल्यू.पी. और बी. के निरूपण और माध्यमिक स्तर पर स्कूल मैपिंग पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला पूरी तरह से जम्मू एवं कश्मीर की सरकार द्वारा वित्त पोषित थी। 2–4 जुलाई, 2012

पणजी में जनवरी 23–25, 2013 से गोवा में राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान, शिक्षा निदेशालय, गोवा सरकार द्वारा आयोजित माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के जिला शिक्षा अधिकारियों और प्रमुखों के लिए आर.एम.एस.ए. के तहत माध्यमिक शिक्षा के लिए योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

महत्वपूर्ण परामर्श और सलाहकार सेवाएं

परिणाम रूपरेखा और आर.एम.एस.ए., मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की निगरानी दस्तावेज़ की तैयारी को अंतिम रूप देने में (डा. एन.के. मोहंती के साथ) योगदान दिया. सेमिस 2009/10 के आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर आर.एफ.डी. में सभी मात्रात्मक संकेतकों के लिए प्रदत्त आधारभूत (2009/10) डाटा, इसके अलावा, माध्यमिक शिक्षा के उप क्षेत्र में आर.एम.एस.ए.और अन्य संबंधित उपायों के कार्यान्वयन के कारण पिछले प्रवृत्तियों और भविष्य में बदलाव के विश्लेषण के आधार पर आर. एफ.डी. में मात्रात्मक संकेतकों में से प्रत्येक के लिए लक्ष्य प्रदान किये। इससे दाताओं के साथ बातचीत

और आर.एम.एस.ए. में प्रगति की निगरानी के लिए आर.एफ.डी. को अंतिम रूप देने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय सक्षम हुआ

स्कूल शिक्षा और साक्षरता, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के विभाग और एडसिल द्वारा आयोजित एकीकृत ए.डब्ल्यू. पी. और बी. 2013-14 की तैयारी पर क्षेत्रीय स्तर कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में काम किया। भारत सरकार और एडसिल, गुवाहाटी, असम में फरवरी 18-20, 2013

स्कूल शिक्षा और साक्षरता, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के विभाग और एडसिल द्वारा आयोजित एकीकृत ए.डब्ल्यू.पी. और बी. 2013-14 की तैयारी पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति, के रूप में काम किया। आईसीएसएसआर, में फरवरी 25-27, 2013, नई दिल्ली

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आर.एम.एस.ए. के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए आर.एम.एस.ए. के तहत राज्य और जिला माध्यमिक शिक्षा योजना (परिप्रेक्ष्य और ए.डब्ल्यू.पी. और बी.) की तैयारी के लिए विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए तकनीकी सहायता

एन.के. मोहंती

प्रकाशन

प्रकाशित

इनोवेटिव मॉड्ल्स फार सेकण्डरी एजूकेश इन साउथ एशिया (प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी के साथ सह-लेखन), पेपर प्रजेंटेड अन्डर द रिसर्च प्रोजेक्ट ऑन इनोवेटिव सेकेण्डरी एजूकेशन फार स्किल इनहान्समेंट (आइएसईएसई) फेज-1, रिजल्ट फार डवलपमेंट इंस्टीट्यूट विद सपोर्ट फ्राम रॉकफेलर फाउण्डेशन द्वारा वित्त पोषित, वाशिंगटन डी.सी., यू.एस.ए.

अप्रकाशित

संशोधित (डा. के. बिस्वाल के साथ) द सिमुलेशन एक्सरसाइज ऑन डिस्ट्रिक प्लानिंग इन सेकेण्डरी एजुकेशन विद फोकस ऑन आरएमएसए, जून 2012

स्टेटिस्टिक ऑन सेकण्डरी एजूकेशन इन इंडिया (प्रो. एमएसआईए जैदी और डा. के. बिस्वाल के साथ)

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

संयुक्त रूप से 9-10 जनवरी, 2013 से विकास परिणाम (आर4डी), वाशिंगटन डीसी और न्यूपा, द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली में आयोजित एशिया क्षेत्रीय कौशल संगोष्ठी में एक संसाधन व्यक्ति, के रूप में कार्य, भागीदारी और आयोजन

29 जनवरी 2013 को राज्य के शिक्षा सचिवों और आर.एम.एस.ए., के राज्य परियोजना निदेशकों के विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित एकीकृत ए.डब्ल्यू.पी. और बी. 2013-14 की तैयारी पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति, के रूप में काम किया. भारत सरकार और एडसिल, फरवरी 25-27, 2013 से आईसीएसएसआर, नई दिल्ली

प्रशिक्षण कार्यक्रम / कार्यशालाएं आयोजित / संचालन

न्यूपा नई दिल्ली में 27–31 अगस्त, 2012 (डा. के. बिस्वाल के साथ) माध्यमिक शिक्षा योजना के मूल्यांकन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

न्यूपा, नई दिल्ली में 24–28 सितम्बर, 2012 (डा. के. बिस्वाल के साथ) माध्यमिक शिक्षा में जिला योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

27 नवंबर से (डा. के. बिस्वाल के साथ) पूर्वोत्तर राज्यों के लिए माध्यमिक शिक्षा में जिला योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित – गुवाहाटी, असम, 1 दिसंबर 2012

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान, श्रीनगर में जम्मू एवं कश्मीर सरकार के निदेशालय द्वारा आयोजित आर.एम.एस.ए. के तहत ए.डब्ल्यू.पी. और बी. के निरूपण और माध्यमिक स्तर पर स्कूल मैपिंग पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया

पणजी में जनवरी 23–25, 2013 से गोवा में राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान, शिक्षा निदेशालय, गोवा सरकार द्वारा आयोजित माध्यमिक / उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के जिला शिक्षा और अधिकारियों और प्रमुखों के लिए आर.एम.एस. के तहत माध्यमिक शिक्षा के लिए योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

''शैक्षिक रूप से पिछड़े जिलों में स्कूल शिक्षा की योजना और प्रबंधन'' विषय पर पुनश्चर्या कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में काम किया, 21–25 जनवरी, 2013 न्यूपा, नई दिल्ली

प्रशिक्षण कार्यक्रम / ओरिएंटेशन कोर्स में भागीदारी

01–21 मार्च, 2013 के दौरान उच्च शिक्षा (सीपीडीएचई), दिल्ली विश्वविद्यालय में व्यावसायिक विकास के लिए केंद्र की ओर से आयोजित शिक्षा में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आईडी) में भाग लिया

महत्वपूर्ण परामर्श और सलाहकारी सेवाएं

परिणाम रूपरेखा और आर.एम.एस.ए. मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की निगरानी दस्तावेज़ की तैयारी को अंतिम रूप देने में (डा. के. बिस्वाल के साथ) योगदान। सेमिस 2009/10 के आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर आर.एफ.डी. में सभी मात्रात्मक संकेतकों के लिए प्रदत्त आधारभूत (2009/10) डाटा, इसके अलावा, माध्यमिक शिक्षा के उपक्षेत्र में आर.एम.एस.ए. और अन्य संबंधित उपायों के कार्यान्वयन के कारण पिछले प्रवृत्तियों और संभावना भविष्य में बदलाव के विश्लेषण के आधार पर आर. एफ.डी. में मात्रात्मक संकेतकों में से प्रत्येक के लिए लक्ष्य प्रदान किए। इससे दाताओं के साथ बातचीत और आर.एम.एस.ए. में प्रगति की निगरानी के लिए आर.एफ.डी. को अंतिम रूप देने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय सक्षम हुआ

स्कूल शिक्षा और साक्षरता, मानव संसाधन विकास मंत्रलय, भारत सरकार के विभाग और एडसिल द्वारा आयोजित एकीकृत ए.डब्ल्यू.पी. और बी. 2013–14 की तैयारी पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति, के रूप में काम किया। आईसीएसएसआर, फरवरी 25–27, 2013, नई दिल्ली

मानव संसाधन विकास मंत्रलय, भारत सरकार द्वारा आर.एम.एस.ए. के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए आर.एम.एस.ए. के तहत राज्य और जिला माध्यमिक शिक्षा योजना (परिप्रेक्ष्य और ए.डब्ल्यू.पी. और बी.) की तैयारी के लिए विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करी

मई 2012 से जनवरी 2013 के दौरान मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली में आयोजित आर.एम.एस.ए. की विभिन्न परियोजना मंजूरी बोर्ड की बैठक, में भाग लिया

सुमन नेगी

प्रकाशन

प्रकाशित

'ग्लोबलाइजेशन एंड कल्चर प्रैक्टिसेज इन माउन्टेन एरिया – डायनामिक, डायमेंशन एंड इम्प्लीकेशन, संपादित पुस्तक में सह-लेखक, इंडस पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2012

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/ संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

न्यूपा में 'संकाय वार्तालाप' 16 अगस्त, 2012: 'हिमाचल प्रदेश के एक मामले का अध्ययन शिक्षा के लिए पहुंच में स्थानिक और सामाजिक आर्थिक कारकों' पर एक आलेख प्रस्तुत किया

'प्रतिबद्धताओं, उपलब्धियां और चुनौतियां: सार्क विकास' लक्ष्यों पर कार्यशाला में भाग लिया। 20-22 नवंबर, 2012, नई दिल्ली

'भारतीय चाय के परिदृश्य के विशेष संदर्भ में चाय संस्कृति और विज्ञान' 9 अप्रैल 2013 को सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया

शैक्षिक प्रशासन विभाग

के. सुजाता (विभागाध्यक्ष)

प्रकाशन

प्रकाशित

गुरुकुलम एज़ रेजिडेंसियल स्कूल्स: इक्विटी एंड एक्सलेंस इन एजूकेटिंग शिड्यूल ट्राईब्स इन इंडिया, इन जे. मेकबीथ, एम. यंगर (सं.), ए कॉमन वेल्थ आफ लर्निंग: मिलेनियम डवलपमेंट गोल्स रिवाईसिटेड, रूटलेज, अविंगडन, 2013.

वोकेशनल एजुकेशन इन इंडिया: पॉलिसी एंड स्ट्रेटस, इन विनयागम चिन्नपाह एंड ली वांग (एडीटर) स्ट्रेटेजी टू अचीव बैलेंस्ड् इन्क्लूसिव एजूकेशनल डवलपमेंट, स्टाकहोम यूनिवर्सिटी, स्टॉकहोम, स्वीडन, 2012

स्कूलिंग एंड चेंज इन ट्राईबल एरिया इन राजा रेड्डी (सं.), कंटमपरेरी इंडिया सोसायटी शिप्रा पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2012

मल्टी-लिंगुअल एजूकेशन: एन इनोवेशन इन इम्प्रूविंग क्वालिटी आफ लर्निंग अमंग ट्राइबल चिल्ड्रेन, इनोवेटिव प्रैक्टिस इन स्कूल एजूकेशन, सेंटर फार इनोवेटिव इन पब्लिक सिस्टम, हैदराबाद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत, हैदराबाद, 9-10 नवंबर, 2012

कार्यशाला / सम्मेलन आयोजित

व्यावसायिक शिक्षा पर एंट्रीप क्षेत्रीय कार्यशाला: नीतियां, कार्यक्रम और नवाचार, 05–08 नवम्बर, 2012.

शैक्षिक प्रबंधन और प्रशासन पर जिला शिक्षा अधिकारी और बेसिक शिक्षा अधिकारियों के लिए राज्य स्तरीय सम्मेलन, तिरुवनंतपुरम, केरल, 6–7 फरवरी, 2013

एंट्रीप सूचनापत्र

एंट्रीप समाचार पत्रिका के संपादित दो संस्करण, 2012.

अन्य गतिविधियां

प्राप्तियां और चुनौतियां: अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जातियों की शैक्षिक स्थिति पर अनुसंधान परियोजना के लिए सदस्य, आईसीएसएसआर सलाहकार समिति

25–28 अगस्त 2012 के दौरान वेल्थुनगरहिलके द्वारा ओडिशा, में आदिवासी बच्चों के लिए शिक्षा के अधिकार का मूल्यांकन करने के लिए टीम का नेतृत्व किया

सदस्य, कार्यकारी बोर्ड एन.ई.जी.-एफ.आई.आर.ई.

2 सामयिक पत्र प्रकाशित और 2 अंतिम चरण में हैं

कुमार सुरेश

प्रकाशन

प्रकाशित

'आइडेंटिटी एंड इन्क्लूजन आफ माइनोरिटीज' पत्रिका के विशेष अंक में, कैनेडियन डाइवरसिटी आन रिथिंकिंग इक्विटी इन क्यूबेक एंड इंडिया: टूवार्ड्स इन्क्लूसिव सोसायटी' मैरी मैकेन्ड्रयू, प्रीति सिंह और एमिली जनक द्वारा संपादित, वॉल्यूम. 10, 1 स्प्रिंग, 2013

पुस्तक की समीक्षा डायने रेवीटैक (2011): द डेथ एंड द लाइफ आफ द ग्रेट अमेरीकन स्कूल सिस्टम-हाउ टैस्टिंग एंड च्वाइस आर अन्डरमाइनिंग एजूकेशन (संशोधित और विस्तारित संस्करण) बेसिक बुक्स, न्यूयार्क. आईएसबीएन: 978-0-465-025572, पीपी 334, न्यूपा, XXVI, सं. 4 अक्टूबर, 2012

पुस्तक की समीक्षा, *इक्वेलाइजिंग एक्सैस: अफरमेटिव एक्शन इन हायर एजूकेशन इन इंडिया, यूनाइटेड स्टेट, एंड साउथ अफ्रीका,* जोया हसन और मार्था सी. नूसाबॉम (संपादक), (2012) ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली आईएसबीएन 0-19-807505-7, *जर्नल आफ एजूकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन* (प्रकाशनाधीन)

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

शिक्षा का अधिकार और बाल अधिकार, पीजीडीएवी कालेज देहरादून, 28–29 जुलाई, 2012 को राष्ट्रीय संगोष्ठी में समापन भाषण के रूप में प्रस्तुति

वैश्वीकरण और शिक्षा: इस्लामी अध्ययन विभाग, जामिया हमदर्द, के साथ सहयोग से भारत शाखा के लिए अल मुस्तफा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस्लाम और वैश्वीकरण पर सेमिनार में प्रस्तुत नीति और प्रशासन के मुद्दे, 20 अक्टूबर 2012

परंपरा और आधुनिकता पर संगोष्ठी में परंपरा और आधुनिकता वार्ता: भारतीय अनुभव, प्रस्तुति: बदलते आयाम, सामाजिक विज्ञान संस्थान, वसंत कुंज, में आयोजित 3 नवंबर, 2012 नई दिल्ली

उच्च शिक्षा के समकालीन संदर्भ में स्व-वित्तीय संस्थानों की भूमिका पर दो दिन के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में प्रस्तुति, उच्च शिक्षा, के समकालीन संदर्भ में सेल्फ फाइनेंसिंग संस्थानों के लिए चुनौतियां और संभावनाएं, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में सेल्फ फाइनेंसिंग कॉलेज के प्राचार्यों की परिषद द्वारा आयोजित 10 मार्च 2013

अंतरर्राष्ट्रीय

अंतर्राष्ट्रीय संवैधानिक कानून की एसोसिएशन, बेलग्रेड, सर्बिया, संविधानवाद पर अन्तर्राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन में धार्मिक पुनरुद्धार के काल में संविधानवाद और धर्मनिरपेक्षता पर आलेख प्रस्तुत, 3-6 मई, 2012

प्रशिक्षण कार्यक्रम

(क) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

विश्वविद्यालयों और कालेजों, में समान अवसर प्रकोष्ठ / विशेष प्रकोष्ठों की भूमिका को मजबूत करने पर एक सप्ताह राष्ट्रीय कार्यशाला, 17-21 दिसंबर, 2012

(ख) न्यूपा के प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में शैक्षणिक योगदान

शैक्षिक रूप से पिछड़े जिलों में योजना और स्कूल शिक्षा के प्रबंधन पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम 'स्कूल शिक्षा में अल्पसंख्यकों को शामिल करना', में चर्चाकार के रूप में प्रस्तुतिकरण, 23 जनवरी, 2013

विश्वविद्यालयों और कालेजों में विशेष प्रकोष्ठ / समान अवसर प्रकोष्ठों के कामकाज को मजबूत करने पर राष्ट्रीय कार्यशाला: 'एक विषयगत परिचय : समान अवसर प्रकोष्ठ का विचार' पर प्रस्तुति 17 दिसंबर, 2012

विशेषज्ञ सदस्य के रूप में सार्वजनिक निकायों को परामर्श और सहायता

अकादमिक स्टाफ कालेज, की शैक्षणिक सलाहकार समिति के एक सदस्य के रूप में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, समिति की बैठक में भागीदारी 4 सितंबर, 2012

दूरस्थ शिक्षा समिति द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति के एक सदस्य के रूप में मुक्त दूरस्थ शिक्षा मोड में पाठ्यक्रम शुरू करने के प्रस्ताव का मूल्यांकन करने के लिए तुमकुर विश्वविद्यालय, तुमकुर, कर्नाटक का दौरा 4-5 दिसंबर, 2012

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली पर यूजीसी मध्य एशिया क्षेत्र अध्ययन कार्यक्रम की सलाहकार समिति (यूजीसी उम्मीदवार) के एक सदस्य के रूप में बैठक में भागीदारी, 09 मई, 2012

पी-एच.डी. थीसिस का मूल्यांकन और इस अवधि के दौरान न्यूपा के बाहर एम.फिल. शोध पत्र

निम्न संस्थानों की पी-एच.डी. थीसिस

दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली - एक

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय - दो

जामिया मिलिया इस्लामिया - दो

एम.फिल. शोध पत्र

दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली - एक

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय - एक

विनीता सिरोही

प्रकाशन

अप्रकाशित

'स्किल डिफाइन्ड बॉय करीकुला इन साउथ एशिया एंड साउथ ईस्ट एशिया', टू आर4डी, वाशिंगटन डीसी, आलेख प्रस्तुत, 31 जुलाई, 2012

अनुसंधान अध्ययन

पूर्ण

परिणाम विकास संस्थान और रॉकफेलर फाउंडेशन, अमेरिका द्वारा वित्त पोषित कौशल संवर्धन (आईएसईएसई) के लिए अभिनव माध्यमिक शिक्षा की परियोजना के तहत दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया में पाठ्यक्रम से परिभाषित कौशल पर एक प्रमुख लेखक के रूप में अनुसंधान अध्ययन पूर्ण

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

यूनेस्को और राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'माध्यमिक स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा के साथ शैक्षिक पाठ्यक्रमों की एकता पर 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी, नई दिल्ली में 17–19 फ़रवरी, 2012

हरियाणा में पायलट कार्यक्रम में काम की समीक्षा पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय में एक बैठक में भागीदारी, 12 अप्रैल, 2012

न्यूपा – एन.सी.एस.एल. स्कूल नेतृत्व भागीदारी कार्यक्रम के लिए कोर के सदस्यों की बैठक में कोर सदस्य की हैसियत से भागीदारी, न्यूपा, 23, 24 और 27 अप्रैल, 2012

मानव संसाधन विकास मंत्रलय में टी.वी.ई.टी. टीचर और छात्र गतिशीलता (ईएएस–ईएमएम), पर परियोजना प्रस्ताव बैठक में परियोजना समन्वयक की क्षमता में भागीदारी, 2 मई, 2012

मानव संसाधन विकास मंत्रलय में आसियान और पूर्व एशियाई देशों के साथ शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर समीक्षा बैठक में परियोजना समन्वयक की क्षमता में भाग लिया, 4 जून, 2012

इंपीरियल होटल, जनपथ, नई दिल्ली में कौशल विकास और रोजगार पर दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय कार्यशाला में भागीदारी 25 जून, 2012

यूकेआईआरआई के तहत न्यूपा–एन.सी.एस.एल. भागीदारी स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम में भागीदारी, 16–17 जुलाई, 2012

न्यूपा में संकाय वार्तालाप में दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया, में स्कूल के पाठ्यक्रम और कौशल पर एक आलेख प्रस्तुत किया, 26 जून, 2012

'कौशल प्रशिक्षण का फ्लेक्सी मॉडल' पर एन.आई.ओ.एस. द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, हॉल कैसुरीना, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली, में भागीदारी, 17 अक्टूबर, 2012

आईसीएसएसआर व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर एंट्रीप क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया, 5–8 नवंबर, 2012

7 अगस्त, 2012 और 17 दिसंबर 2012 को हुई बैठक में जी.ए.आई.सी. के सदस्य की हैसियत से भाग लिया

आईएचसी में आर4 विकास संस्थान के सहयोग से न्यूपा द्वारा आयोजित एशिया क्षेत्रीय कौशल संगोष्ठी में राष्ट्रीय योग्यता फ्रेमवर्क पर एक सत्र की अध्यक्षता, 9–10 जनवरी, 2013

अंतरराष्ट्रीय

होटल एटलेट सेंचुरी पार्क, सेनायन, जकार्ता, इंडोनेशिया, में पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन, शिक्षा मंत्रियों की सहयोगात्मक परियोजनाओं, बैठकों पर एक कार्यशाला में परियोजना समन्वयक की क्षमता में भागीदारी, 8–10 जून, 2012

मेलबॉर्न, आस्ट्रेलिया में पूर्वी एशिया शिखर बैठक, (टी.वी.ई.टी.) प्रदाता नेटवर्क कार्यशाला में मा.सं.वि. मंत्रालय के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया 14–16 नवंबर, 2012

प्रशिक्षण कार्यक्रम का संगठन

न्यूपा में माध्यमिक शिक्षा और संक्रमण पर एक राष्ट्रीय चर्चा बैठक का आयोजन किया, 19–21 दिसंबर, 2012

आर एस त्यागी

प्रकाशन

प्रकाशित

ग्लोबलाइजेशन एंड एडमिनिस्ट्रेशन रिफार्म इन एजूकेशन इन इंडिया इन द युनिर्वसिटी न्यूज भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली वाल्यूम 50, नं., 32, 06–12 अगस्त, 2012, आईएसएसएन–0566–2257 में आलेख प्रकाशित

इन्स्ट्रक्शनल सुपरविज़न इन सेकेण्डरी स्कूल्स–स्कूल बेस्ड् अप्रोच फॉर क्वालिटी मेंनेजमेंट इन जर्नल आफ डीईआईएफओईआरए, आईएसएसएन, शिक्षा संकाय, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, वाल्यूम–6, दिसम्बर, 2012, दयालबाग, में आलेख प्रकाशित

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों /संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

शैक्षिक प्रशासन विभाग, न्यूपा द्वारा आयोजित शैक्षिक योजना और प्रबंधन पर केरल के डी.ई.ओ. और ए.ई.ओ. के लिए राज्य स्तरीय सम्मेलन में भागीदारी, 06–07 फ़रवरी, 2013

प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीबीएसई से संबद्ध सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर 14वां प्रबंधन विकास कार्यक्रम, देश के विभिन्न भागों से निजी सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के 44 प्रधानाध्यापकों ने 5 दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया। 8–12 अक्टूबर, 2012, न्यूपा, नई दिल्ली

संगठनात्मक गतिविधियों में और रिपोर्ट लेखन में सहायता प्रदान की और शिक्षा विभाग, जम्मू और कश्मीर के अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन में उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भागीदारी, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, 2-6 जून, 2012

आदर्श शिक्षा संहिता

निम्नांकित गतिविधियों का आयोजन किया गया:

- श्री सी.एस. मेहता के साथ अध्याय की तैयारी के लिए जोधपुर का दौरा किया, 26-28, सितंबर, 2012
- न्यूपा में 31 अक्टूबर 2012 को आदर्श शिक्षा संहिता संबंधी समिति की बैठक का आयोजन किया
- आदर्श शिक्षा संहिता की उप समिति की बैठक, दिसंबर 12-13, 2012, को आयोजित, न्यूपा
- श्री सी.एस. मेहता के साथ आदर्श शिक्षा संहिता के 10 मसौदा अध्यायों के साथ चर्चा करने के लिए 21-25 जनवरी, 2013, तक जोधपुर का भ्रमण
- पहले ड्राफ्ट को अंतिम रूप देने के लिए उप-समिति की बैठक के लिए जोधपुर का दौरा किया, 8-11 मार्च, 2013

आदर्श शिक्षा संहिता की रिपोर्ट के लिए निम्नलिखित अध्यायों में योगदान

- विकेन्द्रीकरण और स्थानीय प्राधिकरण
- परीक्षा
- प्रवेश
- सी.डब्ल्यू.एस.एन. के लिए समावेशी शिक्षा
- अल्पसंख्यक शिक्षा (भाग)
- परिचय
- शैक्षणिक परिषद के सदस्य - विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद की दो बैठकों में भागीदारी
- विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक में भागीदारी
- प्रशिक्षण कार्यक्रम में कार्यबलों की भागीदारी और संगठन

मंजू नरूला

प्रकाशन

प्रकाशित

इंडियन सोसाइटी: इश्यूज एंड प्राब्लम इन रिसर्च जर्नल आफ आर्टर्स, मेंनेजमेंट एंड सोसियल साइंसेज, वाल्यूम XIII (आईएसबीएन: 0973-3914) दिसंबर 2012, आलेख प्रकाशित

इमरजिंग इश्यूज एट सेकेण्डरी लेबल: फोकस ऑन प्राइवेट स्कूल्स इन मध्य प्रदेश, भारत, समसामयिक आलेख प्रस्तुत, मई 2012

अप्रकाशित

एजूकेशनल डवलपमेंट आफ मुस्लिम मिनियोरिटी – विद स्पेशल रिफ्रेंन्स टू मुस्लिम डोमिनेटेड स्टेट्स आफ इंडिया, एजूकेशन एंड रिसर्च पत्रिका हेतु आलेख स्वीकृत

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

जम्मू विश्वविद्यालय में भारत का तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी (सीईएसआई) के तीन दिवसीय सम्मेलन में भागीदारी, 10–12 अक्टूबर, 2012

जम्मू विश्वविद्यालय में, भारत की तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी द्वारा आयोजित जम्मू एवं कश्मीर के विशेष संदर्भ के साथ: लिंग असमानता और समावेशन नीतियों पर आलेख प्रस्तुत, 10–12 अक्टूबर, 2012

हरियाणा, नया सचिवालय, 6वीं मंजिल, सेक्टर–17, चंडीगढ़ में 23 मई, 2012 को आर.एम.एस.ए. बैठक में भाग लिया

शास्त्री भवन, नई दिल्ली में राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों के सर्व शिक्षा अभियान के लिए वार्षिक कार्य योजना बजट 2012–13 का मूल्यांकन बैठक के लिए न्यूपा के नामित सदस्य के रूप में भागीदारी

प्रशिक्षण कार्यक्रम

श्रीनगर, जम्मू एवं कश्मीर में जम्मू एवं कश्मीर के अधिकारियों के लिए 1 जून से 6 जून, 2012 से शिक्षा विभाग, के लिए शैक्षिक प्रशासन में उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

शिक्षण और अन्य शैक्षिक सहायता

इग्नू में एम.ए. शिक्षा के लिए परीक्षक: शैक्षिक प्रबंधन के आयाम (कोर्स नं 042) और संस्थागत प्रबंधन (कोर्स नं 044).

एम.एड. के लिए बाहरी परीक्षक पाठ्यक्रम, 652, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली.

एम.फिल. की समीक्षा सुश्री लिपता सामल, पश्चिम बंगाल (अप्रैल 2012) मालदा जिले के मुस्लिम लड़कियों के बीच ड्रॉप आउट का अध्ययन

जम्मू एवं कश्मीर के कुलगाम जिले में गुर्जरों की एक केस स्टडी: शिक्षा में सामाजिक बहिष्करण पर एम.फिल. विद्वान सज्जाद अहमद डार को मार्गदर्शन

वी. सुचरिता

प्रकाशन

अप्रकाशित

नेगोसिएटिंग बिटवीन फैमिली, पीयर्स एंड स्कूल: अन्डरस्टेंडिंग द वर्ल्ड आफ ए गवर्नमेंट स्कूल एंड प्राइवेट स्कूल स्टूडेंट इन कम्पेयर: ए जर्नल आफ कम्परेटिव एंड इंटरनेशनल एजूकेशन (आगामी अंक में)

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

जिला शिक्षा अधिकारी और बेसिक शिक्षा अधिकारी के लिए दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन में भागीदारी, तिरुवनंतपुरम, केरल, 06-07 फ़रवरी, 2013

आलेख प्रस्तुत

'सरकारी स्कूल और निजी स्कूल का नृवंशविज्ञान अध्ययन : अंतर स्कूल संस्कृति और शिक्षा' 19 जुलाई, 2012 को न्यूपा संकाय वार्तालाप में, एक पत्र प्रस्तुत किया

जम्मू में आयोजित सी.ई.एस.ई. सम्मेलन में (10-12 अक्टूबर 2012) ''सरकारी स्कूल और निजी स्कूल के मानवशास्त्रीय अध्ययन से विचार विभेदक स्कूल प्रशासन और प्रबंधन शीर्षक पर एक पत्र प्रस्तुत किया

भुवनेश्वर में आयोजित मानव विज्ञान और नृवंश-विद्या संबंधी सोसायटी (आईयूएईएस) (26-30 नवम्बर 2012) के अंतर्राष्ट्रीय संघ द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया पर कक्षा प्रवचन और उसके प्रभाव शीर्षक पर एक पत्र प्रस्तुत किया

प्रशिक्षण और कार्यशाला

''नीतियां, कार्यक्रम और नवाचार: व्यावसायिक शिक्षा'' नवंबर, 2012 में आयोजित की गई एंट्रीप क्षेत्रीय कार्यशाला में प्रो. के. सुजाता के साथ

पुस्तक की समीक्षा

बीपीएम क्रीमर्स और एल किरियाकाईडस द्वारा 'स्कूल सुधार के लिए गतिशील दृष्टिकोण' की समीक्षा और शैक्षिक योजना एवं प्रशासन पत्रिका के लिए प्रस्तुत

शैक्षिक वित्त विभाग

जांध्याला बी जी तिलक, (विभागाध्यक्ष)

प्रकाशन

प्रकाशित

द ग्रेट एक्पंशन आफ हायर एजूकेशन इन ब्रिक कन्ट्री, जर्नल आफ एजूकेशन प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन 26(4) (अक्टूबर): 535-65 (ज्वाइंटली विद मार्टिन कर्नाय, प्रशांत लॉयल्का, लास्क फॉर्मिन एंड रफीक दोसानी एंड वांग रांग)।

गैटिंग द क्वालिटी राइट: इंजीनियरिंग एजूकेशन इन द ब्रिक कंट्री (ज्वाइंटली विद मार्टिन कर्नाय, प्रशांत लॉयल्का, लास्क फॉर्मिन एंड रफीक दोसानी) स्टैनफोर्ड युनिवर्सिटी: सेंटर फार एजूकेशन पालिसी अनालिसिस, वर्किंग पेपर, http://cepa.stanford.edu/content/getting-quality-right-engineering-education-bric-countires

साउथ-साउथ कोआपरेशन: इंडियाज़ प्रोग्राम आफ डवलपमेंट असिसटेंट - नेचर, साईज एंड फंक्शंनिंग। (अगस्त, 2012), इंटरनेशनल सिम्पोजियम आन एशियन इमरजिंग डोनर्स एंड जापान इन एजूकेशन सेक्टर डवलपमेंट कोआपरेशन नगोया/टोक्यो: नगोया, युनिवर्सिटी एंड जापान इंटरनेशनल कोपरेशन एजेंसी (अक्टूबर 25-26, 2012)

फाइनेंसिंग आफ हायर एजूकेशन: ट्रेडिशनल वर्सेस मॉडर्न अप्रोचेज़, युक्सेकोग्रेटिम डरगिसी जर्नल आफ हायर एजूकेशन (इंस्टेंबुल, टर्की) अप्रैल 2012।

अप्रकाशित

यूनिवर्सिटी एक्सपेंशन इन ए ओपनिंग ग्लोबल इकोनॉमी: ट्रिअम्फ आफ द ब्रिक्स? (ज्वाइंटली विद मार्टिन कर्नाय, प्रशांत लॉयल्का, मॉरीया डोब्रीयकोव, रफीक डोसानी, ईश्क फ्रॉमिन, कैथेरीन कुह्न्स एंड वांग रांग स्टैनफोर्ड युनिवर्सिटी प्रैस, जून 2013 (प्रैस में)

हायर एजुकेशन इन इंडिया: इन सर्च ऑफ इक्वालिटी, क्वालिटी एंड क्वान्टिटी, रीडिंग ऑन द इकोनॉमी, पॉलिटी एंड सोसायटी (एश्शे फ्राम इकोनोमिक एंड पॉलिटिकल वीकली)। हैदराबाद: ओरियन्ट ब्लैकस्वान., 2013 (संपादित)

रीडिंग इन लिट्रेसी एंड एडल्ट एजुकेशन, नई दिल्ली: न्यूपा, 2013, (ए मैथ्यू के साथ संपादित)

ट्रेड इन हायर एजूकेशन. द रोल आफ द जनरल एग्रीमेंट आफ ट्रेड इन सर्विस (गेट्स), फंडामेंटल्स आफ एजूकेशनल प्लानिंग, 95, पेरिस: यूनेस्को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ एजूकेशनल प्लानिंग

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

'दुनिया बदलने के लिए शिक्षा' पर भारत तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी का वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2012। जम्मू: जम्मू विश्वविद्यालय (10-12 अक्टूबर, 2012) मुख्य अभिभाषण, तीन तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की, इसके अलावा सामान्य निकाय और सोसायटी की कार्यकारी समिति की बैठकों में, और पूर्व सम्मेलन के अलावा कार्यशाला में चर्चाकार

भारतीय शिक्षा प्रणाली पर तृतीय पीपुल्स कांग्रेस: संकट और स्थानांतरण के मानदंड. अहमदाबाद: गुजरात विद्यापीठ (19-23 नवम्बर 2012) मुख्य भाषण प्रस्तुत किया और एक पूर्ण, एक तकनीकी और 3 समानांतर सत्रों की अध्यक्षता की, और एक पूर्ण अधिवेशन में एक चर्चाकार के रूप में भागीदारी, 19-21 नवम्बर, 2013

विज्ञान, समाज और पृथ्वी ग्रह: पर 36वां भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस, इलाहाबाद इंडियन अकादमी आफ सोशल साइंसेज (स्थान: केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर) 27-31 दिसम्बर, अध्यक्षीय संबोधन, एक पैनल भाषण दिया और शिक्षा समिति के अध्यक्ष के रूप में, शिक्षा सत्र की अध्यक्षता,

सार्क विकास लक्ष्य : एक आकलन पर सार्क कार्यशाला. विशाखापत्तनम: सार्क रिसर्च सेंटर, आंध्र विश्वविद्यालय, 31 दिसंबर, 2012 को एक विशेष व्याख्यान दिया

अंतरराष्ट्रीय

ब्रिक्स की सफलता पर सम्मेलन? वैश्विक अर्थव्यवस्था में उच्च शिक्षा विस्तार, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, सी.ए., अमरीका 28 मई 2012, दो प्रस्तुतीकरण

अफ्रीका और एशिया में शैक्षिक विकास चुनौतियां लिंग, गुणवत्ता और अध्यापक पर शोध संगोष्ठी और शैक्षिक विकास पर अफ्रीका-एशिया वार्ता की महासभा, टोक्यो, वसेदा विश्वविद्यालय, 3-6 जुलाई, 2012

नए दशक के आरंभ में शिक्षा : कब गुणवत्ता और स्थिरता एक साथ होंगी? पर एशिया की तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी का 8वां द्विवार्षिक सम्मेलन, बैंकाक: चुलालोंगकॉर्न विश्वविद्यालय, 8-11 जुलाई, 2012

एशियाई सदी में अंतरराष्ट्रीय शिक्षा: ऑस्ट्रेलिया अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन 2012, मेलबोर्न (02–05 अक्तूबर 2012). दो पूर्ण सत्र और एक सत्र में अध्यक्षता, पूर्व सम्मेलन इंटरनेशनल रिसर्च गोलमेज, अंतरराष्ट्रीय शिक्षा ऑस्ट्रेलियाई एसोसिएशन, में प्रतिभागी, 2 अक्टूबर, 2012

विश्वविद्यालय का ''जन्म और पुनरुद्धार पर राष्ट्रीय अनुसंधान विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा के शोधकर्ताओं के रूसी संघ का तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 19–20 अक्टूबर, 2012 प्रस्तुत पत्र, मास्को

उभरते एशियाई दाताओं पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, टोक्यो: नागोया विश्वविद्यालय और जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी, 25 अक्टूबर 2012 (दूसरे सत्र में एक आलेख प्रस्तुत और चर्चाकार)

उच्च शिक्षा के विकास में केंद्रीय और स्थानीय सरकार की भूमिका पर संगोष्ठी. बीजिंग: सी.आई.एफ.ई. आर., पीकिंग विश्वविद्यालय, 1 नवंबर, 2012 (पत्र प्रस्तुत)

शिक्षा का अर्थशास्त्र, और शिक्षा का अर्थशास्त्र के लिए चीनी सोसायटी के 2012 वार्षिक सम्मेलन पर अंतर्राष्ट्रीय फोरम. बीजिंग फोरम 2012, बीजिंग, 2–4 नवंबर, 2012 (पत्र प्रस्तुत)

अफ्रीका में उच्च शिक्षा के आर्थिक और सामाजिक प्रभाव पर सार्वजनिक मंच. लोक और भूमि ग्रैंड विश्वविद्यालय संघ, वॉशिंगटन डीसी, संयुक्त राज्य अमेरिका, 28 जनवरी 2013

यज़ाली जोसफिन

प्रकाशन

प्रकाशित

''स्कूल एजूकेशन अन्डर लोकल सेल्फ गर्वनेंस'' शिप्रा पब्लिशर्स, दिल्ली, 2012, आईएसबीएन: 978–81–7541–642।

एलीमेंट्री स्कूल टीचर्स इन द न्यू ईरा क्वान्टिटी एंड क्वालिटी कंसर्न्स आर्टिकल इन द एडीटेड बुक इंटाइटल्ड ''चेंजिंग फेस आफ टीचर्स इन इंडिया'' द कनिष्का पब्लिशर्स (2012)।

अप्रकाशित

'एजूकेशन एंड सस्टेनेबल डवलपमेंट'' में एक अध्याय 2012।

रिसर्च पेपर ''21वीं सेंचुरी लीडरशिप इन स्कूल मेंनेजमेंट: मैपिंग द वे अहैड'' पब्लिस्ड इन द एडीटेड बुक इंटाइटल्ड ''एशियन एजूकेशनल लीडरशिप एंड लीडरशिप एजूकेशन (ब्लाइंडली रिब्यूड बाई टू इंडिपेंडेंट रिब्यूज़)'' 2012 बाइ द यूनिवर्सिटी आफ फिलीपीन्स प्रैस ।

राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन / संगोष्ठी में भागीदारी

भारत में महिलाओं के समकालीन मुद्दों पर एक वक्ता के रूप में सेंट डेनिस, रीयूनियन (फ्रांस) के विश्वविद्यालय में लैंगिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 18–25 नवंबर, 2012, भागीदारी।

व्यावसायिक शिक्षा नीति कार्यक्रमों और नवाचारों पर क्षेत्रीय कार्यशाला में भागीदारी, 05–08 नवम्बर 2012, न्यूपा, नई दिल्ली।

माध्यमिक शिक्षा तक आरटीई के विस्तार के लिए राष्ट्रीय सलाहकार बैठक में भाग लिया, 11 फरवरी, 2013, न्यूपा, नई दिल्ली।

'अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की शिक्षा समस्याएं और चुनौतियां' : 'दिल्ली में अध्ययन' परियोजना अध्ययन कार्यशाला में भाग लिया.

शैक्षणिक संगठनों की सदस्यता

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी

दूसरे संगठनों में संसाधन व्यक्ति

फोर्ट हरे, दक्षिण अफ्रीका के विश्वविद्यालय के एक पीएचडी थीसिस के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में, शिक्षण और स्कूलों में सीखने के लिए शिक्षा जिला कार्यालय की सहायता: पूर्वी केप (फोर्ट हरे, दक्षिण अफ्रीका, विश्वविद्यालय में दो जिलों का केस।

आईसीएसएसआर वित्त पोषित परियोजना के लिए सलाहकार सदस्य, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की शिक्षा: समस्याएं और चुनौतियां-दिल्ली में अध्ययन सी.आई.ई., डीयू।

दिल्ली विश्वविद्यालय में पी-एच.डी. स्कॉलर के आर.जी.एन.एफ.-एस.आर.एफ. और आर.जी.एन.एफ.-जे.आर.एफ. के रूपांतरण के लिए साक्षात्कार का संचालन करने के लिए एक बाहरी विशेषज्ञ।

रीयूनियन विश्वविद्यालय, रीयूनियन द्वीप, फ्रांस में पी-एच.डी. के छात्र (एलिजा बायचू) के लिए एक संयुक्त पर्यवेक्षक.

पी-एच.डी. शिक्षाविद् : शिक्षा विभाग, केन्द्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली के लिए सलाहकार समिति के सदस्य, अनुसंधान का विषय: सर्व शिक्षा अभियान और नागालैंड में उत्पादीकरण कार्यक्रम पर इसका प्रभाव।

पी-एच.डी. स्कॉलर विभाग के लिए सलाहकार समिति के सदस्य. नीतियों, मुद्दों और चुनौतियाँ: उत्तर प्रदेश के विशेष संदर्भ में ग्रामीण भारत से अनुसूचित जाति के बच्चों का शिक्षा विकास।

सदस्य, 'मध्याह्न भोजन हेतु सरकारी संगठनों / सेवा प्रदाता के चयन के लिए समिति, दिल्ली प्रशासन (एनसीईआरटी) द्वारा गठित

सदस्य, द्वितीय मध्याह्न भोजन समिति, शिक्षा निदेशालय, कार्यालय उप-शिक्षा निदेशक, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली

सदस्य, तृतीय मध्याह्न भोजन समिति, शिक्षा निदेशालय, उप-शिक्षा निदेशक, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली

बीआरजीडी एजुकेशन सोसाइटी के प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों के लिए बीआरजीडी एजुकेशन सोसाइटी की दो दिन की बैठक में अतिथि वक्ता, (राजस्थान) 30-31 दिसम्बर, 2012

दिल्ली के जीएनसीटी सरकारी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के लिए फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम में वक्ता (04.06.2012 से 29/06/2012तक), (प्रशिक्षण निदेशालय: केंद्र शासित प्रदेश सिविल सेवा)

न्यूपा में शैक्षणिक कार्य

संचालित/सहयोजित कार्यक्रम / पाठ्यक्रम

कार्यक्रम समन्वयक के रूप में (शैक्षिक वित्त विभाग) गंगटोक, सिक्किम (26 सितंबर, 2012 से 1 अक्टूबर, 2012) स्कूल वित्त की योजना और प्रबंधन में पूर्वोत्तर राज्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम।

श्रीनगर, 'शिक्षा विभाग के जम्मू और कश्मीर के अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहयोग, 02-06 जून 2012 (शैक्षिक प्रशासन विभाग)।

प्रशिक्षण के लिए तैयार पठन सामग्री

पूर्वोत्तर शिक्षा विकास के लिए धन (स्कूल वित्त की योजना और प्रबंधन में पूर्वोत्तर राज्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम (26 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2012)।

शैक्षिक योजना और निगरानी के लिए लागत संकेतक

पी. गीता रानी

मानव संसाधन विकास मंत्रालय को प्रस्तुत, 11वीं पंचवर्षीय योजना से 12 वीं योजना अवधि को जारी रखने के लिए शिक्षा ऋण पर केन्द्रीय क्षेत्र की ब्याज सब्सिडी की योजना का मूल्यांकन।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

ऑस्ट्रेलियाई शिक्षा क्षेत्र में हाल के सुधार, 8 मार्च 2013

भारत में विश्वविद्यालयों के उच्च शिक्षा के वित्त और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम में लागत विश्लेषण पर आमंत्रित व्याख्यान, दिल्ली विश्वविद्यालय, लाईफ लांग लर्निंग सेंटर, नवंबर 2012

प्रशासनिक अधिकारियों के अभिविन्यास कार्यक्रम में उच्च शिक्षा में संसाधनों की लामबंदी प्रति छात्र व्यय आकलन, दिल्ली विश्वविद्यालय, लाईफ लांग लर्निंग सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय, फरवरी 2013

प्रशिक्षण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय का वित्त प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय किया, सितंबर, 2012

वेटुकुरी पी. एस राजू

प्रकाशन

प्रकाशित

मध्याहन भोजन कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी, प्ररिप्रेक्ष्य: हिन्दी जर्नल, न्यूपा

अनुसंधान परियोजनाएं

पूर्ण

शिक्षा ऋण पर केन्द्रीय क्षेत्र की योजना ब्याज सब्सिडी का मूल्यांकन, (डा. गीता रानी के साथ)

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

शैक्षिक नीति विभाग, न्यूपा में आयोजित 'शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान के तरीके', पर उन्मुखीकरण कार्यशाला में भागीदारी, 21 अगस्त से 1 सितंबर, 2012

'वर्ल्डडिडाक इंडिया - अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं शैक्षिक और प्रशिक्षण संसाधन के लिए सम्मेलन' इंडिया डिडौर्क्टक्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित, प्रगति मैदान, नई दिल्ली, 19-21 सितंबर, 2012

'आईएसईएसई एशिया क्षेत्रीय कौशल संगोष्ठी' इंडियन हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली, 9-10 जनवरी, 2013, न्यूपा द्वारा आयोजित

14-15 जनवरी, 2013 में इंडिया हैबिटैट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित, 'विकास सम्मेलन के लिए पहली सरकारी आईसीटी' (समग्र विकास के लिए एक एजेंडा 'अदृश्य' भारत सशक्तीकरण) में भाग लिया

20–21 जनवरी, 2013 में इंडिया हैबिटैट सेंटर, नई दिल्ली में भारत में स्कूल के नेतृत्व पर राष्ट्रीय परामर्श में भाग लिया, राष्ट्रीय स्कूल नेतृत्व केंद्र, न्यूपा द्वारा आयोजित

26 फरवरी, 2013, इंडिया हैबिटैट सेंटर, नई दिल्ली में बजट और नीति अध्ययन केंद्र, बंगलौर द्वारा आयोजित शिक्षा के अधिकार : बहस और चुनौतियां पर संगोष्ठी' में हिस्सा लिया

बच्चों के लिए नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के प्रभावी क्रियान्वयन की चुनौतियां: पूर्वोत्तर राज्यों में सभी के लिए शिक्षा 'विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया, शिक्षा के अधिकार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी' मैनेजमेंट एंड साइंसेज, लिंगाया ललिता देवी इंस्टिट्यूट, मंडी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 21 मार्च, 2013

शैक्षिक नीति विभाग

अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशन

स्किल एंड स्कूल करीकुला इन साउथ एंड साउथ ईस्ट एशिया : केस स्टडी ऑफ इंडिया एंड थाईलैंड, 2012, अन्डर इनोवेटिव सेकेण्डरी एजूकेशन फॉर स्किल इन्हांसमेंट (आईएसईएसई) डवलपमेंट एंड रॉकफेलर फाउंडेशन,
यू.एस.ए. के परिणामों के लिए प्रायोजित. (सह लेखक)

'नॉलेज वर्सेस स्किल इन एजूकेशन: पॉलिसी एंड प्रैक्टिस ऑफ वोकेशनल एजूकेशन इन इंडिया' जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू में आयोजित 'बदलती दुनिया के लिए शिक्षा' पर शोध पत्र प्रस्तुत 10–12 अक्टूबर, 2012

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों /संगोष्ठियों / कार्यशाला में भागीदारी

जमशेदपुर के महिला कॉलेज में, अध्यापक शिक्षा: प्रवृत्तियां, अवसर चुनौतियां पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'झारखंड में शिक्षा और विकास' पर मुख्य भाषण दिया, 24–25 अप्रैल, 2012

बीकानेर के मंडा प्रौद्योगिकी संस्थान, में 'शिक्षा में स्वायत्तता' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'संकल्पना, मुद्दे और परिप्रेक्ष्य: शिक्षा में स्वायत्तता' पर मुख्य भाषण दिया, 06–07 अक्टूबर, 2012

'शिक्षा का अधिकार के तहत स्थानीय अधिकारियों की भूमिका' (12:00–0:45 पर टेलीकांफ्रेंसिंग) पर वार्ता, इग्नू, नई दिल्ली, 14 दिसम्बर, 2012

मानव संसाधन विकास मंत्रलय द्वारा आयोजित आर.एम.एस.ए. के तहत 'सामुदायिक भागीदारी सर्व शिक्षा अभियान से सीखना: पर राष्ट्रीय कार्यशाला में सामुदायिक भागीदारी में वार्ता, स्कोप कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली, 4 मार्च, 2013

पटना ट्रेनिंग कॉलेज, पटना विश्वविद्यालय, पटना के शताब्दी संगोष्ठी में 'शिक्षा और विकास के अधिकार आधारित दृष्टिकोण': मुद्दे और परिप्रेक्ष्य पर जेपी ब्लेयर स्मारक व्याख्यान दिया, 16 मार्च, 2013

'जनजातीय पहचान, संस्कृति और ज्ञान पद्धति नेफा के दर्शन से एक परिप्रेक्ष्य, पर प्रस्तुत पत्र : ईटानगर में राजीव गांधी विश्वविद्यालय में, केंद्रीय अरुणाचल प्रदेश की जनजातियों के पूर्व औपनिवेशिक समाज और संस्कृति' पर यूजीसी राष्ट्रीय संगोष्ठी में 30 मार्च 2013

'शिक्षा में गुणात्मक शोध प्रविधि:' अनुसंधान क्रियाविधि में दृष्टिकोण, तरीके और तकनीक पर दो दिवसीय मॉड्यूल का एससीईआरटी, पटना में आयोजन किया, 7–8 मार्च, 2013

''स्कूली बच्चों को मुख्यधारा में लाना'' पर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में काम किया, डेपा–एस.एस.ए., इग्नू, नई दिल्ली, 31 मई – 1 जून, 2012

टीआईएसएस हैदराबाद परिसर में बी.एड./एम.एड. इंटीग्रेटेड प्रोग्राम कार्यशाला में भाग लिया, हैदराबाद, 5 अक्टूबर, 2012

समन्वित सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला

शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान के तरीके पर आयोजित दो हफ्ते की अभिमुखीकरण कार्यशाला, न्यूपा, नई दिल्ली, 21–31 अगस्त, 2012

एक दिन की राष्ट्रीय परिचर्चा में स्वामी विवेकानंद के शैक्षिक विचार पर बैठक, न्यूपा, नई दिल्ली, 14 जनवरी, 2013

पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन

'स्कूल और समुदाय में बहिष्करण की गतिशीलता का अध्ययन' विषय पर श्री अजय कुमार चौबे को पी–एच.डी. (अंशकालिक) करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया, न्यूपा

'वंचित समूहों की भागीदारी के संदर्भ में प्राथमिक शिक्षा में स्थानीय शासन और सामाजिक न्याय' विषय पर सुश्री लबोनी दास को पी–एच.डी. (अंशकालिक) करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया, न्यूपा

ओडिशा में जनजातीय समूह के बीच 'भाषा और शिक्षा' पर शिरोद कुमार दास, को एम.फिल. डिग्री के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया

पाठ्यक्रम रूपरेखा

शिक्षा के क्षेत्र में दो पाठ्यक्रम की तैयारी

शिक्षा और ग्रामीण विकास में सर्टिफिकेट कोर्स

शिक्षा में पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री कोर्स पाठ्यक्रम, एम.एड.

वीरा गुप्ता

प्रकाशन (नीतियां और रिपोर्ट)

स्कूल में शिक्षा की गुणवत्ता की बेहतर निगरानी के लिए कुछ संबद्धता उपनियमों को संशोधित किया गया है। इन संबद्धता उपनियमों में भूमि मानदंडों और शिक्षा के अधिकार के शामिल किए जाने संबंधी संशोधन शामिल हैं

न्यूपा वित्त पोषित किशोर शिक्षा परियोजना के अंतर्गत एक अध्ययन, सीसीई स्कीम में जीवन कौशल को एकीकृत करने के लिए एक रिपोर्ट तैयार की गई

एनयूएफपीए परियोजना के तहत प्रशिक्षित मानव शक्ति के लिए एक निर्देशिका तैयार की गई

पहली बार सीबीएसई के स्टूडेंट्स ग्लोबल इंडेक्स शैक्षणिक विषयों के लिए योग्यता मापने के लिए तैयार किया गया।

'द एक्रेडिटेशन मैनुअल कन्सिस्टिंग आफ कान्सैफ्ट, पैरामीटर, स्कोरिंग वेट एज एंड प्रोसेस' तैयार किया गया

'द बेसलाइन सर्वे वाज कन्डक्टेड फार सीबीएसई-I' मलेशिया में भारतीय स्कूल पर एक रिपोर्ट तैयार की और सीबीएसई-I सलाहकार समिति को प्रस्तुत किया गया

सीसीई के तहत आकलन के साक्ष्य के संग्रह और विश्लेषण के लिए योजना को विकसित किया गया

पायलट अध्ययन - 'सीएसडीएल एंड एनएसडीएल फार डिजिटल डिपोजिटरी आफ एकेडेमिक क्वालीफिकेशन'

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

सीबीएसई आंतरिक संकाय के लिए साईकोमेट्रिक कार्यशाला में भागीदारी, 1 अगस्त, 2012 और 8 अगस्त 2012

ई-टेंडर प्रक्रिया में भागीदारी, सीबीएसई, 29 अगस्त, 2012

पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकें, प्रश्नपत्र और पाँच बोर्डों / परिषदों, कोबसे, की सीसीई स्कीम में वैकल्पिक शिक्षा के एकीकरण की गुणवत्ता मापने के लिए तीन दिनों की कार्यशाला में भागीदारी, 12-14 सितंबर, 2012

सतर्कता जागरूकता कार्यशाला, मानव संसाधन विकास मंत्रालय में 30 अक्टूबर, 2012 को भाग लिया

'सामरिक नेतृत्व' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, सीबीएसई, 30 अक्टूबर 2012 में भागीदारी

विक्रेता विकास कार्यक्रम, एमएसएमई में भागीदारी नवंबर, 2012

पत्र प्रस्तुत

'व्यावसायिक शिक्षा' पर कोबसे द्वारा 07-09 नवम्बर 2012 को कोबसे के वार्षिक सम्मेलन में एन.वी.ई.क्यू.एफ. और मूल्यांकन पर आलेख प्रस्तुत

ज्ञान अर्थव्यवस्था के लिए नई सीमा की तलाश, शिक्षा अनुसंधान और नवाचार पर विश्व शिखर सम्मेलन, डिजिटल लर्निंग विश्व शिखर सम्मेलन, 23-24 जुलाई 2012

शिक्षा में छात्रों को जोड़ने के लिए प्रौद्योगिकी की भूमिका, एंगेज मी, एक्स्ट्रा मार्क्स, 8 सितम्बर 2012

शिक्षण और प्रशिक्षण

न्यूपा निधि प्राप्त किशोर शिक्षा परियोजना सीबीएसई स्कूलों में शुरू की गई जनशक्ति प्रशिक्षित करने के लिए देश भर में लगभग 30 कार्यक्रम आयोजित किये गये।

सतर्कता पर आठ प्रशिक्षण कार्यक्रम सीबीएसई कर्मचारियों के लिए आयोजित किये गये।

हिंदी के प्रयोग पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम सीबीएसई कर्मचारियों के लिए आयोजित किये गये।

सीबीएसई स्टूडेंट ग्लोबल इंडेक्स पर बीस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विशेषज्ञ सदस्य के रूप में बैठकें

जूरी सदस्यों के लिए विश्व शिक्षा पुरस्कार नामांकन, डिजिटल लर्निंग।

विशेषज्ञ समिति, जेएसएस लॉ कॉलेज, नई कंथारजी उर्स रोड, कुवेम्पुनगर, कर्नाटक, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का भ्रमण।

विशेष सहायता कार्यक्रम (एसएपी), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अंतिम समीक्षा के लिए आकलन/ समीक्षा समिति।

शिक्षा, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग – संगोष्ठी और माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट/सेमिनार आयोजित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु विशेषज्ञ समिति की बैठक।

बर्दवान विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सलाहकार समिति की बैठक – यूजीसी अकादमिक स्टाफ कॉलेज, बर्दवान, कोलकाता, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

जे.एस.एस. की विशेषज्ञ समिति का निरीक्षण, लॉ कॉलेज, नई कंथराजी उर्स रोड, केवेम्पुनगर, कर्नाटक, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

स्वायत्त स्थिति के विस्तार के लिए रजत जयंती सरकारी कॉलेज, कुरनूल, आंध्र प्रदेश, कुरनुल का भ्रमण

आवश्यकता का आकलन करने के लिए और जामिया मिलिया इस्लामिया, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित स्कूलों के सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यकता का मूल्यांकन

व्यावसायिक पाठ्यक्रम शैक्षणिक परिषद का सदस्य, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली – बिहार में प्राथमिक शिक्षा (डीपीई) में डिप्लोमा के लिए मॉड्यूल को अंतिम रूप देने के लिए बैठक

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, एम.ई.आर.-008 (बेहतर स्कूलों के लिए नेतृत्व) के प्रश्न पत्र का निर्माण

सदस्य, परीक्षा समिति, मानद विश्वविद्यालय राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, (एमएचआरडी), जनकपुरी, नई दिल्ली के सदस्य

सदस्य, प्रबंधन बोर्ड (स्कूल) जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली

यूजीसी जेआरएफ से श्री समीर बाबू एम., जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली को एसआरएफ में उन्नत करने के लिए आकलन हेतु विशेषज्ञ

''दिल्ली सरकार की विशेष कोटा नीति के विशेष संदर्भ में पब्लिक स्कूल में शैक्षणिक उपलब्धि का एक अध्ययन'', जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली पर सुश्री मैरी थॉमस द्वारा प्रस्तुत शोध प्रबंधों के लिए परीक्षक

सेज समूह के सदस्य, इंटेल शिक्षा कार्यक्रम

सार्वजनिक निजी भागीदारी, के माध्यम से शिक्षा के अधिकार के क्रियान्वयन और दिल्ली में विकलांग बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा पर बैठक, आई.पी.एस्टेट, मुख्यमंत्री का कार्यालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, केन्द्रीय विद्यालय संगठन की संयुक्त सलाहकार मशीनरी की बैठक, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम, पाठ्य पुस्तकें, प्रश्न पत्र और पाँच बोर्डों / परिषदों, कोबसे की सीसीई स्कीम में वैकल्पिक शिक्षा के एकीकरण की गुणवत्ता मापने के लिए तीन-दिवसीय कार्यशाला

शिक्षा–संगोष्ठी और माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट सेमिनार आयोजित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु विशेषज्ञ समिति की बैठक, न्यूपा

युवा लोगों, की जरूरतों को पूरा करने के लिए कार्यक्रम, न्यूपा

सीबीएसई कार्य के संबंध में परामर्श, उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद, नैनीताल

सीबीएसई कार्य संबंधी परामर्श, हरियाणा बोर्ड

सीबीएसई कार्य, मध्य प्रदेश इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड, कंसल्टेंसी पंजीकृत है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय – एडसिल राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण, की वोकेशनल शिक्षा और निगरानी हेतु परामर्शदाताओं के लिए चयन समिति

पहले से ही प्रारंभिक साक्षरता और स्कूल पुस्तकालय, एनसीईआरटी विभाग द्वारा आयोजित, मथुरा पायलट परियोजना के तहत आयोजित निगरानी के दो चरणों के आंकड़ों के विश्लेषण के लिए बैठक

सदस्य, महाराजा सूरजमल संस्थान, नई दिल्ली में सह–प्रोफेसर / सहायक प्रोफेसर, पदों के लिए चयन समिति

एस.के. मल्लिक

प्रकाशन

अप्रकाशित

रोल आफ एजुकेशन फार आल एंड मिलेनियम डवलपमेंट गोल (इग्नू द्वारा प्रकाशन के लिए स्वीकृत)

अनुसंधान परियोजना

पूर्ण

मध्य प्रदेश जन शिक्षा अधिनियम के तहत अभिभावक शिक्षक संघों के कामकाज का एक अध्ययन.

प्रशिक्षण कार्यक्रम

07–11 जनवरी, 2013, न्यूपा, नई दिल्ली में प्राथमिक शिक्षा और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन के विकेन्द्रीकृत प्रबंधन में उन्मुखीकरण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भागीदारी

अलीगढ़, 31 मार्च से 19 अप्रैल 2013 को, अकादमिक स्टाफ कॉलेज (एएससी), अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान क्रियाविधि पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया

नरेश कुमार

अनुसंधान परियोजना

पूर्ण

सभी के लिए शिक्षा पर एक मसौदा नोट तैयार करने के लिए श्रीमती विमला रामचंद्रन के साथ काम किया, दक्षिण एशिया में अधूरा शिक्षा एजेंडा और 9 जनवरी 2012 को प्रस्तुत – यूनिसेफ–रोजा – न्यूपा अनुबंध

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

शैक्षिक नीति विभाग द्वारा आयोजित शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान के तरीके पर एक कार्यशाला (21 अगस्त, 2012 से 1 सितंबर, 2012 तक), राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय, में प्रस्तुत आलेख: 'दृश्य श्रृव्य नृविज्ञान : एक प्रतिबिंब'

जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू में, भारत का तुलनात्मक शिक्षा संघ (सी.ई.एस.आई.) द्वारा आयोजित वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (जनवरी 10-12, 2012) में प्रस्तुत आलेख 'जम्मू शहर के झीयर्स के बीच शैक्षिक मूल्यों का सामाजिक निर्माण'।

'सभी के लिए शिक्षा' दक्षिण एशिया में अधूरा शिक्षा एजेंडा' पर न्यूपा द्वारा तैयार मसौदे 'पोस्ट 2015 विकास कार्यसूची में शिक्षा पर एशिया प्रशांत क्षेत्रीय विषयगत परामर्श' (28 फरवरी - 1 मार्च 2013) में प्रस्तुत किया गया। क्षेत्रीय विषयगत परामर्श यूनेस्को बैंकाक (शिक्षा के लिए एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय ब्यूरो) द्वारा सत्र का आयोजन किया गया, पूर्वी एशिया और प्रशांत (ईएपीआरओ) क्षेत्र के लिए यूनिसेफ के क्षेत्रीय कार्यालय, और नागरिक समाज संगठन के साथ साझेदारी में दक्षिण एशिया (रोजा) के लिए यूनिसेफ के क्षेत्रीय कार्यालय बैंकाक (थाईलैंड).

आयोजन

फरवरी 2013 से न्यूपा संकाय मंच का आयोजन

विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा विभाग

नीलम सूद, (विभागाध्यक्ष)

प्रकाशन

अप्रकाशित

एक्सैस एंड क्वालिटी आफ प्रीस्कूल एजूकेशन इन मध्य प्रदेश - मिमियो

मल्टी-डिसीप्लीनरी अप्रोच टू मैनेजिंग डायवरसिटी इन इन्क्लूसिव स्कूल्स

'इन्टरनेशनल कान्फ्रेंस आफ एकेडमिक डिसीप्लीन' के लिए आलेख स्वीकृत

इन्हांसिंग क्वालिटी आफ स्कूल एजूकेशन विद स्टूडेन्ट डायवरसिटी- आलेख स्वीकृत 2013 इंटरनेशनल कान्फ्रेंस, यू.एस.ए., सार संक्षेप प्रकाशनाधीन, अर्न्तराष्ट्रीय पत्रिका के लिए प्रस्तुत

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के संदर्भ में प्राथमिक स्तर पर बच्चों के स्कूल में भागीदारी के सुधार पर कार्यशाला में उद्घाटन भाषण

केरल में शिक्षा प्रशासकों के लिए राज्य स्तरीय सम्मेलन में भागीदारी

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की मिड डे मील परियोजना मंजूरी बोर्ड की कई बैठकों में भागीदारी

न्यूपा के बाहर डॉक्टरेट समिति की बैठकों में भागीदारी

नवोदय विद्यालय समिति की सलाहकार समिति की बैठक में भागीदारी

नेशनल ओपन स्कूल सोसायटी की आम सभा की बैठक में भागीदारी

माध्यमिक शिक्षा पर आरटीई के विस्तार के लिए राष्ट्रीय सलाहकार में भागीदारी

एम.डब्ल्यू.सी.डी. द्वारा शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा नीति के ढांचे को अंतिम रूप देने के लिए राष्ट्रीय परामर्श में भागीदारी

शैशवकालीन शिक्षा और प्राथमिक शिक्षा (फील्ड आधारित) के बीच एकता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

राज्य के अधिकारियों के साथ प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों और आईसीसीई कार्यकर्ताओं, गैर सरकारी संगठनों और सर्व शिक्षा अभियान के अधिकारियों के लिए केन्द्र शासित प्रदेश सरकार के सहयोग से क्षेत्र में पांच दिवसीय आवासीय कार्यशाला का आयोजन। कार्यशाला सामग्री, समूह का काम, दिशा-निर्देशों, नियुक्ति की योजना, प्रतिभागियों को पढ़ने की सामग्री तैयार करने में योगदान दिया, केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रशासकों को आमंत्रित किया गया जहां औपचारिक उद्घाटन और समापन सत्र आयोजित किए गए

परामर्शकारी सेवाएं

सदस्य, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आर.एम.एस.ए.) जनवरी 2013, प्रथम संयुक्त समीक्षा मिशन

शैक्षणिक प्रशासकों के लिए राज्य स्तरीय सम्मेलन के आयोजन के लिए तैयारी करना

पाठ्यक्रम दिशानिर्देश 2005 के क्रियान्वयन का अध्ययन - स्कूल संगठनात्मक स्वास्थ्य और कक्षा आचरण पर इसके असर विषय पर पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन किया

पीएच.डी. की मौखिक परीक्षा का आयोजन

सदस्य, ओएसआई-केआई के लिए राष्ट्रीय स्क्रीनिंग पैनल

सदस्य, बाल विकास संकाय के लिए चयन समिति, इग्नू

एक अंतरपीढ़ी अध्ययन - बदलते पारिवारिक और सांस्कृतिक मूल्यों पर प्रकाशन के लिए आलेख की समीक्षा

महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों से निपटने पर परामर्श बैठक की तैयारी

सदस्य, स्क्रीनिंग समिति शिक्षकों के पदों के लिए

प्रणति पांडा

प्रकाशन

प्रकाशित

आचार संहिता और भारत में स्कूल शिक्षक, 2011 के लिए आचरण। एन्ट्रिप समाचार पत्रिका, वॉल्यूम. 17 नंबर 1, जनवरी से जून, 2011. (2012 में प्रकाशित)

नीति मानदंड और व्यवहार पर प्रतिबिंब, 2012: भारत में समावेशी शिक्षा के लिए अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम में बदलाव राष्ट्रीय विकास, के लिए रणनीति के रूप में समावेशी शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेखों के संकलन में प्रकाशित, शिक्षा विभाग, जे.एन. कालेज, उत्कल विश्वविद्यालय

भारत में शिक्षकों के तैयार करने के लिए शांति के लिए शिक्षा की परिवर्तनकारी भूमिका: नीति और आचरण पर गंभीर प्रतिबिंब, 2012. (एक पुस्तक में अध्याय गांधी विद्या मंदिर, आईएएसई, सरदार सहार द्वारा प्रकाशित किया जाना है)

तुलना और कनेक्शन, 2012: पाठ्यक्रम परिवर्तन की प्रक्रिया और शिक्षक कार्य को समझना। रचनावाद: सिद्धांत और व्यवहार (संगोष्ठी बुक) शिक्षा में उन्नत अध्ययन संस्थान

निगरानी और शिक्षक नीति सुधार का मूल्यांकन: गतिशीलता को कायम रखने के लिए बहुआयामी कॉलेजियल फ्रेमवर्क, 2012 भारत में चौथी अंतर्राष्ट्रीय नीति वार्ता मंच, अध्यापक चुनौतियां, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली। (teindia.nic.in)

न्यूपा और एन.सी.एस.एल., नॉटिंघम यूकेआईईआरआई परियोजना

न्यूपा एनसीएसएल-यूकेरी परियोजना के विस्तार चरण में भागीदारी - विकास, नेतृत्व मानकों, मूल्यांकन पर चेन्नई में कार्यशाला और सरकार के प्रधान शिक्षकों के साथ बातचीत की जरूरत के आधार पर क्षेत्र गतिविधियों का चरणबद्ध वर्णन किया और न्यूपा में निजी स्कूलों और सरकारी स्कूलों के प्रधान शिक्षकों के साथ विचार विमर्श

नेतृत्व मानक और यूकेरी प्रस्ताव के विकास के लिए 30 सितंबर से 5 अक्टूबर तक स्कूल के नेतृत्व के लिए नेशनल कूलेज, नाटिंघम, 2012 पर कार्यशाला में भाग लिया

संस्थागत समर्थन गतिविधियाँ

शिक्षक और शिक्षण पर राष्ट्रीय मिशन: केब समिति के लिए कुलपति के साथ परामर्श में एक चर्चा दस्तावेज तैयार। संगठित बैठकों का सतत व्यावसायिक विकास पर उप समूह के लिए एक संयोजक के रूप में कार्य और शिक्षकों की सतत व्यावसायिक विकास पर एक उप समिति की रिपोर्ट तैयार

सर्व शिक्षा अभियान में अभिनव अग्रणी अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के एक्सचेंज कार्यक्रम का कार्यान्वयन (यूरोपीय संघ की वित्त पोषित परियोजना): तकनीकी प्लेसमेंट और प्रकाशन के लिए विस्तारित समर्थन के रूप में समन्वित राष्ट्रीय संचालन समिति की बैठक और राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया और 'भारत में अंतर अध्यापक शिक्षा नीति' पर प्रस्तुति

शांति और सतत विकास के लिए महात्मा गांधी शिक्षा संस्थान (एमजीईआईपी) के उद्घाटन समारोह के लिए अकादमिक समर्थन

शिक्षा में भेदभाव के खिलाफ यूनेस्को कन्वेंशन: चर्चा के लिए विचार और टिप्पणियां पर आलेख

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/ संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

स.शि.अ. में अंतरराष्ट्रीय श्रेष्ठ कार्य व्यवहार नवाचार के विनियम कार्यान्वयन कार्यक्रम पर राष्ट्रीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति और भारत में अध्यापक शिक्षा नीति पर आलेख प्रस्तुति (ई यू प्रायोजित), अहमदाबाद, गुजरात

मानवाधिकार शिक्षा पर राष्ट्रीय सम्मेलन, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, 14 दिसंबर, 2012

संसाधन व्यक्ति, अध्यापक शिक्षा में सू.स.प्रौ. पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, विश्व बैंक और यूरोपीय संघ, पटना, 13–15 जून, 2012

भागीदारी और आलेख प्रस्तुति – भारत में सबके लिये शिक्षा हेतु अध्यापक संबंधी चुनौतियों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 29–30 मई, 2012, नई दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय

सर्व शिक्षा अभियान में नवाचार के लिए सर्वोत्तम अंतरराष्ट्रीय आचरण (युरोपीय संघ तथा सेव दि चिल्ड्रन) पर परियोजना के भाग के रूप में, शिक्षा संस्थान, लंदन में तकनीकी प्लेसमेंट कार्यक्रम में 14 से 30 जनवरी, 2013 में भाग लिया, सदस्य सचिव राष्ट्रीय संचालन समिति

व्यावसायिक जर्नलों के संपादक मंडल में सदस्यता

सदस्य, के.जे.ई.पी. कोरियाई शिक्षा विकास संस्थान

सदस्य, ए.आई.आर.जे.टी.ई., उन्नत शैक्षिक अध्ययन संस्थान, भारत

भारत सरकार और अन्य निकायों को परामर्श

सदस्य, अध्यापक शिक्षा अनुमोदन बोर्ड, (टीब) मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार

टीम लीडर, जे.आर.एम. ओडिशा में अध्यापक शिक्षा, मा.सं.वि.मं., भारत सरकार को विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत

सदस्य, एन.आर.जी., स.शि.अ. स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार, अध्यापक शिक्षा के विशेष संदर्भ में स.शि.अ. और संबंधित कार्यक्रमों के जरिए प्रारंभिक शिक्षा और गुणात्मक सुधार सभी पक्षों पर केंद्र और राज्य सरोकारों को परामर्श और अनुसमर्थन

सदस्य, विभागीय सलाहकार बोर्ड, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली

सदस्य, शोध समिति, स्ट्राइड, इग्नो

सदस्य, कार्यक्रम सलाहकार समिति, एससीईआरटी, नई दिल्ली

सदस्य, विद्यालय प्रबंधन समिति, केंद्रीय विद्यालय, पुष्प विहार

राष्ट्रीय स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम, एमडीएसए, भारत सरकार अध्यापक प्रशिक्षण मॉड्यूल की तैयारी में अकादमिक अनुसमर्थन

बिहार राज्य के प्रशिक्षित/अप्रशिक्षित अध्यापकों के लिए प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा हेतु छः माह के संबर्धन प्रशिक्षण माड्यूल के विकास में अकादमिक अनुसमर्थन

भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों के छः पी–एच.डी. शोध प्रबंधों का मूल्यांकन और चार शोध प्रबंधों का बाह्य परीक्षक

निर्देशन और पर्यवेक्षण

शादमा अबसार (पी–एच.डी. शोध छात्र) स्कूल प्रधानाध्यापकों के आवंटित नेतृत्व और अध्यापक के कार्य व्यवहार पर इसके प्रभाव का अध्ययन

सुश्री शशि कालरा (पी–एच.डी. छात्रा) समावेशी शिक्षा हेतु सेवापूर्व शिक्षकों का प्रशिक्षणः प्रारंभिक शिक्षा प्रशिक्षण में नीतियों और कार्य व्यवहारों का अध्ययन

सुश्री श्वेता अरोड़ा (अंशकालिक पी-एच.डी.) संभावना पूर्ण अध्यापकों में व्यावसायिक अस्मिता का विकास: एक अन्वेषणात्मक अध्ययन

श्री के. कुमार (अंशकालिक पी-एच.डी.) कर्नाटक में अध्यापकों के व्यावसायिक विकास में डाइट की रूपांतरकारी भूमिका

रश्मि दीवान

एन.सी.एस.एल. के साथ भागीदारी के रूप में स्कूल के नेतृत्व और संबंधित कार्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय केंद्र की स्थापना के लिए समन्वय पर तथा स्कूल लीडरशिप, यूकेआईआरआई के तहत स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम में नॉटिंघम के नेशनल कॉलेज के साथ स्कूल के नेतृत्व साझेदारी कार्यक्रम की स्कोपिंग के चरण पर काम किया

प्रकाशन (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)

मोनोग्राफ टाइटल्ड इंडियन स्माल स्कूल्स इन मल्टीपल कांटेक्स्ट: एक्प्लोरिंग द फेनोमेनॉन ऑफ एक्सक्लूजन एट लैप लम्बर्ट एकेडमिक पब्लिशिंग (ऑन लाइन पब्लिकेशन नं. 978-3-8484-4305-5. pdf)

इंडियन स्मॉल स्कूल्स: ए रिव्यू ऑफ इश्यू एंड रिलेटेड कनर्सन एज ओकजनल पेपर सिरीज आफ न्यूपा

आलेख ''लिट्रेसी एंड लर्निंग: सस्टेनिंग डवलपमेंट फॉर ऑल'', जर्नल परिप्रेक्ष्य (हिन्दी), न्यूपा, नई दिल्ली, में प्रकाशित

पुस्तक मल्टी-ग्रेड टीचिंग: ए प्रैक्टिकल गाइड फार टीचर्स पूर्ण तथा यूनेस्को, बैंकाक में प्रकाशन हेतु जमा (प्रकाशित मार्च, 2013)

अनुसंधान आलेख ''एलीमेंट्री स्कूल फार द पूअर इन रूरल इंडिया: इम्प्लीकेशन आफ राइट टू एजूकेशन एक्ट 2009'' प्रकाशित 'जर्नल पीपुल्स डायलॉग ऑन एजूकेशन' इस वर्ष प्रकाशित मई 2011 संस्करण) (आइएसएसएन 0974-5955)

आलेख स्मॉल स्कूल्स इन रूरल इंडिया: 'एक्सक्लूजन' एंड 'इन्क्वायरी' इन इरारचिकल स्कूल सिस्टम, प्रकाशन के लिए स्वीकृत बुक ऑन पालिसी फीचर इन इंडियन एजूकेशन, स्पेशल इश्यू: ''इंडियन एजूकेशनएट द क्रॉसरोड आफ पोस्टकोलोनिलिटी, ग्लोबलाइजेशन एंड द 21 सी नॉलेज इकोनॉमी'' माइकल एड्रियन पीटर्स द्वारा संपादित (मार्च के अंत/अप्रैल 2013 की शुरुआत में प्रकाशित होने की उम्मीद)

ए मॉड्यूल ऑन अल्टरनेटिव एजूकेशन: कॉनसैप्ट एंड इवोल्यूशन, इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (एमईएस-048) फार द पीजीडीईएमए प्रोग्राम के लिए तीन एककों जमा (प्रैस में)

आलेख ''स्कूल लीडरशिप इन द वेक आफ आरटीई एक्ट 2009: मैपिंग चेन्ज एंड चैलेंज'' जर्नल आफ इंडियन एजूकेशन, एनसीईआरटी, नई दिल्ली (प्रकाशन के लिए स्वीकार) आईएसएसएन नं. 0972-5628)

एन.सी.एस.एल. - न्यूपा के भाग के रूप में कार्यशालाएं / कार्यक्रम / बैठक

24 अगस्त 2012, राज्यों के लिए स्कूल नेतृत्व पर परामर्शकारी बैठक

25 अगस्त, 2012 को राष्ट्रीय सलाहकार समूह की बैठक।

8 राज्यों से निजी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के साथ बुद्धिशीलता, 18 सितंबर 2012

राज्यों के सरकारी स्कूलों में केन्द्रीय विद्यालयों, जवाहर नवोदय विद्यालय, के प्रधानाध्यापकों के साथ बुद्धिशीलता, 8 राज्यों से, 19 सितंबर, 2012।

8 राज्यों से ग्रामीण और शहरी सरकारी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के साथ बुद्धिशीलता, 20 सितंबर, 2012

स्कूल शिक्षा, (एस एंड एनएफई विभाग से प्रस्तावित) में नेतृत्व और प्रबंधन के लिए मॉड्यूल विकास पर प्रथम कार्यशाला

आश्रम स्कूल हेड मास्टर (भुवनेश्वर में क्षेत्र आधार पर) के लिए स्कूल आधारित विकास योजनाओं की तैयारी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम – 22–27 फ़रवरी, 2013 (समावेशी शिक्षा विभाग से प्रस्तावित)

20–21 फ़रवरी, 2013 को इंडिया हैबीटेट सेंटर में स्कूल के नेतृत्व पर एक राष्ट्रीय परामर्श का आयोजन किया (सभी राज्यों से 130 प्रतिभागियों ने परामर्श में भाग लिया)

21 फ़रवरी, 2013 को राष्ट्रीय सलाहकार समूह की बैठक के लिए समन्वयन

यूकेआईईआरआई के तहत स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम के भाग के रूप में कार्यक्रम

परियोजना के समग्र लक्ष्य और उद्देश्य पर चर्चा के लिए न्यूपा में पांच दिवसीय प्रारंभिक कार्यशाला का आयोजन (अप्रैल, 2012), उद्देश्यों के स्पष्टीकरण हेतु एनसीएसएल, न्यूपा की कोर समूह के साथ कई बैठकें, संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, अध्यक्ष सीबीएसई तथा अन्य हितधारकों के साथ बैठकें। स्कूल प्राचार्यों की आवश्यकताओं को समझने के लिए शहरी तथा ग्रामीण दिल्ली का भ्रमण, योजना निर्माण के लिए एक दिवसीय स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम, स्कूल मानकों की चर्चा, नेतृत्व विकास पाठ्यचर्या की रूपरेखा और कार्यक्रम के लिए परीक्षा प्रेरणा की रूपरेखा तैयार किया।

तमिलनाडु और राजस्थान में 3–8 सितम्बर 2012 के दौरान क्षेत्र आधारित आवश्यकता आधार कार्यशाला का आयोजन (न्यूपा–एनसीएसएल तथा एनसीएसएल–नॉटिंघम दल ने विद्यालय प्राचार्यों की वर्तमान समझ, प्राथमिकताओं औरविकास आवश्यकताओं को समझने के लिए चार कार्यशालाएं आयोजित की। छोटे ग्रामीण प्राथमिक विद्यालयों से लेकर बड़े शहरी माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लगभग 300 प्रधानाध्यापकों के साथ उनकी नेतृत्वकारी भूमिका, स्कूलों के प्रति उनके दीर्घकालिक अपेक्षाओं और उनके प्रशिक्षण तथा विकास आवश्यकताओं के परिप्रेक्ष्य में चर्चा, राज्य सचिव स्तर तक के अधिकारी को सम्मिलित करते हुए, स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी चर्चा में सम्मिलित हुए।

क्षेत्र आवश्यकता के आधार पर प्रारंभिक निष्कर्ष पर समेकन, 12 सितम्बर, 2012

30 सितंबर से 5 अक्टूबर 2012 स्कूल नेतृत्व पर नेशनल कालेज में कार्यशाला, नाटिंघम में भाग लिया।

ड्राफ्ट माड्यूल की तैयारी: स्कूल नेतृत्व पर मॉड्यूल विकास पर कार्यशाला में चर्चा के आधार पर, 28–30 जनवरी, 2012

स्कूलों में सुधार के लिए नेतृत्व: स्कूल नेतृत्व मॉड्यूलर कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम, शैक्षिक नेतृत्व: वैचारिक ढांचे

स्कूल प्रमुखों के लिए एक पुस्तिका (संयुक्त रूप से डा. बीके पांडा के साथ): एक स्कूल विकास योजना की तैयारी के माध्यम से मार्गदर्शन

अन्य संस्थानों के साथ व्यावसायिक भागीदारी

14–16 जनवरी, 2013 से यूनेस्को मुख्यालय, पेरिस, फ्रांस में 10,000 प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व कार्यक्रम पर विशेषज्ञों की बैठक में भाग लिया ''अवसर और चुनौतियां: भारत में स्कूल नेतृत्व का अवलोकन'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया

अनुसंधान सहायता समूह (एसआरएसजी) के सदस्य के रूप में और एससीईआरटी के कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में अनुसंधान और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के विषय में दिल्ली में एससीईआरटी / डाइट में बैठकों में भाग लिया, दिल्ली शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण, नई दिल्ली राज्य परिषद द्वारा गठित

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां

भारत में लघु स्कूलों में सुधार पर प्रस्तुत आलेख: क्या भागीदारी और नेटवर्किंग मद्दगार होंगी? स्कूल लीडरशिप, 20–21 फ़रवरी 2013 को राष्ट्रीय परामर्श सम्मेलन

भारत में स्कूल नेतृत्व विकास परिप्रेक्ष्य के संदर्भ में विभिन्न मंचों में कई प्रस्तुतियाँ, लघु मॉड्यूलर कार्यक्रमों, ड्राफ्ट में मसौदा पाठ्यक्रम तैयार किया

सर्व शिक्षा अभियान, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित सभी राज्यों के लिए मिड डे मील पर पीएबी की बैठकों में भाग लिया

संयोजक, न्यूपा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं की अनुसंधान सलाहकार समिति

मधुमिता बंद्योपाध्याय

प्रकाशन

प्रकाशित

जेण्डर इक्विटी इन स्कूल पार्टिसीपेशन – ओकेजनल पेपर, न्यूपा द्वारा प्रकाशित और www.creatw-rpc.org. पर उपलब्ध

सोशियल डिस्पेरिटी इन एलिमेंट्री एजूकेशन – सेमिनार, अक्टूबर 2012, पीपी: 21–25

जेंडर इक्विटी इन एजूकेशनल एक्सैस इन इंडिया – दक्षिणी अफ्रीका शिक्षा की समीक्षा (एसएआरई), प्रकाशित, वाल्यूम 18, संख्या–2, 2012, पीपी: 9–24.

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

23 मई 2012 को हरियाणा राज्य समाज, आर.एम.एस.ए. की कार्यकारिणी समिति की बैठक में भाग लिया।

कोर्ड द्वारा आयोजित मेपल कक्ष, इंडिया हैबिटैट सेंटर, 25 दिसंबर दिल्ली, 2012: आरटीई 2009 को लागू करने के प्रारंभिक वर्षों और चुनौतियों पर एक कार्यशाला में भाग लिया

12 दिसंबर 2012 को इंडिया हैबीटेट सेंटर में एनसीपीसीआर द्वारा आयोजित बाल अधिकार पर बैठक में भाग लिया

14 दिसंबर 2012 को विज्ञान भवन एनेक्सी, नई दिल्ली में मानवाधिकार शिक्षा पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया

8 जनवरी, 2013 को हरियाणा के माध्यमिक शिक्षा राज्य बोर्ड की एक बैठक में भाग लिया

19 जनवरी, 2013 को यूनिसेफ, नई दिल्ली में बाल अनुकूल स्कूल पर चर्चा करने के लिए यूनिसेफ की एक बैठक में भाग लिया

8 राज्यों के लिये स्कूल नेतृत्व परामर्श बैठक, 24 अगस्त 2012

व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर एन्ट्रीप क्षेत्रीय कार्यशाला के चयनित सत्र में भाग लिया, 5–8 नवंबर, 2012, आईसीएसएसआर

20–21 फ़रवरी 2013 को इंडिया हैबीटेट सेंटर में स्कूल के नेतृत्व पर राष्ट्रीय परामर्श में भाग लिया

7 फ़रवरी 2013 को पूर्व प्राथमिक शिक्षा के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम के विस्तार पर राष्ट्रीय सलाहकारी बैठक में भाग लिया

सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में पत्रों की प्रस्तुति

न्यूपा में

प्रारंभिक शिक्षा में भागीदारी पर आलेख प्रस्तुत, प्राथमिक स्कूलों में बच्चों की भागीदारी में सुधार पर कार्यशाला में अनुसंधान साक्ष्य, 15 अक्तूबर, 2012

स्कूलों के भीतर और कक्षाओं पर आलेख प्रस्तुत प्राथमिक स्कूलों में बच्चों की भागीदारी में सुधार पर कार्यशाला मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा और राजस्थान में अध्ययन क्षेत्र से साक्ष्य, 15 अक्तूबर, 2012

प्राथमिक स्कूल, में बच्चों की भागीदारी, अनुपस्थिति, रिटेंशन और अधिगम पर आलेख प्रस्तुत, 17 अक्टूबर 2012

संक्रमण या बहिष्करण पर आलेख प्रस्तुत किया, प्राथमिक स्कूल में बच्चों की भागीदारी में सुधार पर कार्यशाला में प्रवासन और गतिशीलता से प्रभावित बच्चों पर केन्द्रित, 17 अक्तूबर, 2012

बच्चों की भागीदारी और स्कूल प्रशासन पर प्रस्तुत आलेख: प्राथमिक स्कूलों में बच्चों, की भागीदारी में सुधार पर कार्यशाला में महत्वपूर्ण मुद्दे 18 अक्टूबर, 2012

न्यूपा के बाहर

ब्रिटेन चर्चिल कालेज, कैम्ब्रिज में आयोजित लोक, विचार और संसाधन: शिक्षा के क्षेत्र में भारत में छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश राज्य, प्रवासन, गतिशीलता और शिक्षा पर आलेख प्रस्तुत, 8–10 सितंबर 2012

प्राथमिक शिक्षा और भारत में सिस्टम में सुधार करने के तरीके के प्रबंधन पर संगोष्ठी में प्राथमिक शिक्षा के प्रबंधन में सामुदायिक भागीदारी पर आलेख प्रस्तुत, नागरिकता डेवलपमेंट सोसाइटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, 10 नवंबर, 2012

भारत में शिक्षा प्रावधान और गुणवत्ता और सी.आई.ई.एस. 2013 में इक्विटी पर इसके प्रभाव में विविधता पर आलेख प्रस्तुत, न्यू ऑरलियन्स, यू.एस.ए.

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी

शैक्षिक योजना और प्रबंधन (लघु ट्रेनिंग प्रोग्राम) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम – 20 फरवरी से 13 अप्रैल 2012, आई.आई.ई.पी., पेरिस

समन्वित प्रशिक्षण कार्यक्रम / कार्यशाला

प्राथमिक स्कूल में बच्चों की भागीदारी में सुधार पर कार्यशाला, (रिपोर्ट तैयार की गई) 15–19 अक्टूबर 2012

माध्यमिक शिक्षा के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम के विस्तार पर सलाहकारी बैठक, (रिपोर्ट तैयार की गई) 11 फरवरी, 2013

शोध मार्गदर्शन

अप्रैल तक शोध प्रबंध के लिए एक एम.फिल. छात्र को मार्गदर्शन, 2012

2012 नवंबर से एक पी–एच.डी. छात्र को मार्गदर्शन

शोध छात्रों का मूल्यांकन

श्री सिद्धार्थ कुमार, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र के मास्टर की डिग्री के लिए आवश्यकता की आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत शोध निबंध 'प्राथमिक शिक्षा में अनुसूचित जाति के छात्रों के बीच त्यागदर'' की समीक्षा

जांच (आंतरिक परीक्षक के रूप में) (अप्रैल 2012 को प्रस्तुत) ''पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में माझीहीरा राष्ट्रीय मूल इंस्टीट्यूशन में शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं का एक केस स्टडी'' पर श्री सौविक मुखोपाध्याय का एम.फिल. निबंध

सुनीता चुग

प्रकाशन

प्रकाशित

कॉम्बीनेशन हिडन एंड हार्मफुल चाइल्ड लेबर इन साउथ एशिया थ्रू एजूकेशन (सह लेखक) इन इन्स्लेव्ड इनोसेंस: चाइल्ड लेबर इन साउथ एशिया (सं) शक्ति काक, बिश्वमॉय पति द्वारा संपादित, प्राइमस पब्लिकेशन, 2012

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/ संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

नागरिक संघर्ष और बच्चों की शिक्षा पर एक आलेख प्रस्तुत: गुवाहाटी, टाटा समाज विज्ञान संस्थान में भारत के अनुसूचित क्षेत्रों में सामाजिक, आर्थिक असमानता और सामाजिक अशांति, पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों का एक अध्ययन, 22–24 नवम्बर, 2012

नागरिक संघर्ष, से प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा पर राष्ट्रीय परामर्श में शिक्षा का अधिकार और नागरिक संघर्ष क्षेत्रों पर एक आलेख प्रस्तुत किया यूनिसेफ, नई दिल्ली, 10–11 दिसंबर, 2012

प्राथमिक शिक्षा और भारतीय सिस्टम, में सुधार के तरीके के प्रबंधन पर एक सेमिनार में, शिक्षा का अधिकार 2009 के कार्यान्वयन के लिए निहितार्थ: नागरिक संघर्ष से प्रभावित जिलों में सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा की स्थिति पर एक आलेख प्रस्तुत किया, नई दिल्ली, 10 नवंबर, 2012

वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शिक्षा, सी.ई.एस.ई., जम्मू, में हैदराबाद और लुधियाना पर एक खोजपूर्ण अध्ययन: मलिन बस्तियों में रहने वाले बच्चों की स्थिति पर एक आलेख प्रस्तुत किया 10–12 अक्टूबर, 2012

2015 पश्चात् विकास लक्ष्यों पर परामर्शकारी बैठक, मुंबई, 27–28 अगस्त 2012

अंतरराष्ट्रीय

नॉटिंघम में नेतृत्व विकास पर एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लिया, 21 जनवरी से 28 फरवरी, 2013

कार्यक्रम का आयोजन

नागरिक संघर्ष क्षेत्र में शिक्षा का अधिकार 2009 के कार्यान्वयन पर गोलमेज, 14 जून, 2012

पूर्वस्कूली और माध्यमिक शिक्षा तक आर.टी.ई के विस्तार पर उप समिति की बैठक 29 जून 2012 और 10 अक्टूबर, 2012

माध्यमिक शिक्षा तक आर.टी.ई. के विस्तार पर मसौदा समिति की बैठक, 20 जून 2012 से 18 सितंबर 2012

अन्य संकाय के साथ एंट्रीप संगोष्ठी, सितंबर 2012

कश्यपी अवस्थी

प्रकाशन

प्रकाशित

''हाउ कम्प्रेहेन्सिव इज कन्टीन्यू कम्प्रेहेन्सिव इवाल्यूशन'' इन ''एजूकेशनल इवाल्यूशन'' पर आलेख, नई दिल्ली एपीएच पब्लिशिंग हाउस (आईएसबीएन 978–93–313–1724–7).

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला में भागीदारी

राष्ट्रीय

शिक्षा विभाग (केस), बड़ौदा विश्वविद्यालय, एमएस में अध्यापक शिक्षा के उभरते मानदंड पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत, शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन प्रथाओं पर स्कॉटलैंड से सबक.

अंतरराष्ट्रीय

30 सितंबर से 05 अक्टूबर 2012 तक नेशनल कॉलेज में स्कूल लीडरशिप, नॉटिंघम, कार्यशाला में भाग लिया

भारत और विदेशों में शिक्षा के कार्यों में अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं का विनिमय के तहत एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में 'शैक्षिक नेतृत्व' के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया 21 जनवरी से 1 मार्च 2013

एन.सी.एस.एल.–न्यूपा के भाग के रूप में कार्यशालाएं / विचारोतेजक सत्र / बैठक

24 अगस्त, 2012 को 8 राज्यों, के लिए स्कूल के नेतृत्व पर परामर्श

25 अगस्त, 2012 को राष्ट्रीय सलाहकार समूह की बैठक

18 सितंबर, 2012 को 8 राज्यों से निजी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के साथ बुद्धिशीलता

आठ राज्यों से सरकारी स्कूलों में केन्द्रीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों, जवाहर नवोदय विद्यालयों के साथ बुद्धिशीलता, 19 सितंबर 2012

आठ राज्यों से ग्रामीण और शहरी सरकारी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के साथ बुद्धिशीलता, 20 सितंबर, 2012

तमिलनाडु और राजस्थान के विद्यालय प्रमुखों के साथ क्षेत्र आधारित आवश्यकता आकलन कार्यक्रम, शहरी (प्रारंभिक और माध्यमिक, लघु और बड़े) और ग्रामीण (प्रारंभिक और माध्यमिक, लघु और बड़े) विद्यालयों से 40 भागीदार, जिले के बी.ई.ओ. तथा डी.ई.ओ. एवं प्रत्येक राज्य के प्रधान सचिव, राज्य परियोजना निदेशक, उप-निदेशक के साथ बैठक। दो प्रारंभिक और दो माध्यमिक विद्यालयों का भ्रमण किया गया और स्कूल में नेतृत्व व्यवहारों तथा चुनौतियों तथा विद्यालय प्रमुखों द्वारा अपनाये गये व्यवहारों और प्रभाव को समझने के लिए विद्यालय प्रमुखों, स्टाफ कर्मचारियों, छात्रों और समुदाय के साथ साक्षात्कार

क्षेत्र के मूल्यांकन के आधार पर प्रारंभिक निष्कर्ष पर समेकन, 12 सितंबर 2012

ड्राफ्ट मॉड्यूल / रिपोर्ट की तैयारी

ड्राफ्ट 'स्कूल लीडरशिप मानक फ्रेमवर्क' विकसित और जनवरी 2013 में पहली बार नेतृत्व विकास मॉड्यूल पर कार्यशाला में चर्चा की

राज्यों में क्षेत्रीय दौरे से निष्कर्ष भी शामिल हैं जो एन.सी.एस.एल. के तहत आयोजित किए गए सभी गतिविधियों पर रिपोर्ट तैयार, नेतृत्व विकास पर नॉटिंघम में कार्यशाला और एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में शैक्षिक नेतृत्व पर प्रशिक्षण कार्यशाला में स्कूलों प्रिंसिपलों के साथ बुद्धिशीलता

अन्य संस्थानों के साथ व्यावसायिक भागीदारी

14-16 जनवरी, 2013 से यूनेस्को मुख्यालय, पेरिस, फ्रांस में 10,000 प्रधानाध्यापकों नेतृत्व कार्यक्रम पर विशेषज्ञों की बैठक में भाग लिया। भारत में स्कूल नेतृत्व का अवलोकन: अवसर और चुनौतियां पर आलेख प्रस्तुत

अनुसंधान सहायता समूह (एसआरएसजी) के सदस्य के रूप में और एससीईआरटी के कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में अनुसंधान और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के विषय में दिल्ली में एससीईआरटी/डाइट बैठकों में भाग लिया, दिल्ली शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण, नई दिल्ली की राज्य परिषद द्वारा गठित

येकेरी के अन्तर्गत नाटिंघम में स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम के लिये राष्ट्रीय स्कूल नेतृत्व कालेज के साथ समन्वयन, कार्यशालाओं, परामर्शकारी समूह बैठक ओर क्षेत्र आधारित आवश्यकता आकलन के विकास और राष्ट्रीय स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम को मजबूत बनाने के लिये समन्वयन

उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग

सुधांशु भूषण (विभागाध्यक्ष)

प्रकाशन

प्रकाशित

हायर एजूकेशन इन ट्वेल्थ प्लान पाराडिज्म शिफ्ट इन फेवर आफ फार प्रोफिट, इपीडब्ल्यू, वाल्यूम XLVIII नं. 4 26 जनवरी, 2013।

एक्सप्लोरिंग अल्टरनेट विज़न्स : टीचर्स एज लीडर्स इन हायर एजूकेशन मनीशा प्रीयम के साथ पुस्तक क्वैस्ट फार एक्सलेंस पालिसी एंड प्रैक्टिस आफ अन्डरग्रेजुएट एजूकेशन, (संपादक एम. रामचन्द्रन), गार्गी कालेज (2012)

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों में भागीदारी

राष्ट्रीय

आईआईटी, नई दिल्ली में 28 जून 2012 को आयोजित सम्मेलन 'उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता' के पूर्ण सत्र में आलेख प्रस्तुत किया

शिक्षा विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय में 5 सितंबर को आयोजित एक सेमिनार में 'उच्च शिक्षा में शिक्षक नेतृत्व' पर एक आलेख प्रस्तुत किया

6 नवंबर 2012 को 'सूचना और विश्लेषक के माध्यम से उच्च शिक्षा प्रणाली का सशक्तिकरण' पर सत्र में फिक्की द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में चर्चाकार के रूप में भागीदारी

'भारतीय शिक्षा प्रणाली: संकट और स्थानांतरण मानदंड', 19–23 नवम्बर, 2012, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद, पर तीसरी पीपुल्स एजुकेशन कांग्रेस में मुख्य भाषण दिया

15 दिसंबर, 2012, एआईएफयूसीटीओ की स्वर्ण जयंती के अवसर पर वाराणसी में 12वीं पंचवर्षीय योजना में उच्च शिक्षा कार्यसूची, भूमिका तथा शिक्षक स्थानान्तरण पर मुख्य वक्ता

भुवनेश्वर में 28 दिसंबर 2012 को 36वें भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में ''उच्च शिक्षा पर परिचर्चा में भ्रम'' पर पूर्ण व्याख्यान

गीतम विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय आर्थिक संघ द्वारा कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा पर आयोजित एक पैनल चर्चा में पैनलिस्ट, 29 दिसंबर, 2012

26 जनवरी 2013 को भारत में सार्वजनिक निधि पोषित शिक्षा की चुनौतियां पर पश्चिम बंगाल गवर्नमेंट कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन की वार्षिक आम सम्मेलन में प्रतिभागियों को संबोधित किया

'अनुभव, रियलिटी और विजन: स्वायत्तता के 25 साल' 1 फरवरी, 2013 को सेंट जोसेफ वूमेन कॉलेज में संगोष्ठी में प्रतिभागियों को संबोधित किया

शिक्षा सुधार : चुनौतियां और रणनीतियां पर सी.डी.सी. प्रायोजित संगाष्ठी, जीजीडीएसडी कॉलेज, चंडीगढ़, 9 फरवरी, 2013

प्रेमचंद मार्कण्डा एसडी महिला कॉलेज, जालंधर में 1 मार्च 2013 को दीक्षांत समरोह में संबोधन

न्यूपा में 11 मार्च 2013 को यूएसआईईएफ के सहयोग से आयोजित भारत में उच्च शिक्षा का सिंहावलोकन पर अमेरिका के विश्वविद्यालयों के अंतरराष्ट्रीय शिक्षा प्रशासकों को संबोधित किया।

14 मार्च 2013 को पंचकूला उच्च शिक्षा निदेशालय, हरियाणा द्वारा प्रायोजित उच्च शिक्षा के शैक्षिक संस्थानों के रीअक्रेडिशन पर गुरु नानक खालसा कॉलेज, यमुनानगर में प्रतिभागियों को संबोधन।

महत्वपूर्ण समितियों में सदस्यता

सदस्य, टास्क फोर्स, के अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / पीडब्ल्यूडी से अच्छे शिक्षकों को बढ़ावा देने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय की अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और विकलांग व्यक्तियों की शिक्षा के लिए राष्ट्रीय निगरानी समिति।

सदस्य, सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए दिशा निर्देशों को विकसित करने के लिए आईसीएसएसआर द्वारा गठित समिति।

शिक्षक और शिक्षण पर राष्ट्रीय मिशन के उप समूह के संयोजक, मार्च 2013 में उप समूह की रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया।

सदस्य, दोहरी डिग्री प्रोग्राम पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विशेषज्ञ समिति।

सदस्य, कार्यकारी समिति, नैक

सदस्य, शैक्षणिक परिषद हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

आरती श्रीवास्तव

प्रकाशन

प्रकाशित

इग्नू के लिए दो इकाईयों का लेखन (स्कूल आफ एजूकेशन)

इग्नू के मॉड्यूल ऑन गांधी एंड एजूकेशन का अनुवाद

काउंसिल फार सोशल डवलपमेंट में पुस्तक समीक्षाएं

'वूमन एजूकेशन एंड इम्पावरमेंट' नामक पुस्तक में अध्याय

स्किल फार इम्प्लायबिलिटी इन साउथ एशिया, वाशिंगटन डीसी, 31 जुलाई,2013

अनुसंधान परियोजनाएं

पूर्ण

विकास परिणाम संस्थान और रॉकफेलर फाउंडेशन, अमेरिका द्वारा वित्त पोषित कौशल संवर्धन (आईएसईएसई) के लिए अभिनव माध्यमिक शिक्षा की परियोजना के तहत 'दक्षिण एशिया में रोजगार के लिए कौशल' पर एक प्रमुख लेखक के रूप में रिसर्च स्टडी

मानव संसाधन विकास मंत्रालय को मॉडल कॉलेजों पर रिपोर्ट प्रस्तुत।

संभावित उत्कृष्टता के लिए कॉलेज के रूप में सेंट बीड्स कॉलेज, शिमला पर केस अध्ययन।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन / कार्यशालाओं / संगोष्ठियों में भागीदारी

राष्ट्रीय

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में पीएबी (एसएसए) की बैठकों में भाग लिया, 2012

26 जून, 2012 को न्यूपा में संकाय वार्तालाप में दक्षिण एशिया में रोजगार के लिए कौशल पर एक आलेख प्रस्तुत किया

आईसीएसएसआर में 5-8 नवंबर, 2012 के दौरान व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर एंट्रीप क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया

जेएनयू संगोष्ठी (आईएमडीएस) परियोजना, 15 अक्टूबर, 2012 में भाग लिया

प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम एशिया क्षेत्रीय कौशल संगोष्ठी, 8-9 जनवरी, 2013 का आयोजन किया

नीरू स्नेही

प्रकाशन

प्रकाशित

आटोनॉमस कालेज - अचीवमेंट्स, चैलेंजेज़ एंड पर्सपैक्ट्स, यूनिवर्सिटी न्यूज़, वाल्यूम 51, नं. 09-10 मार्च, 2013

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

'बदलती दुनिया के लिए शिक्षा' पर सीईएसआई का वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - 10-12 अक्टूबर, 2012, जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया और 'स्वायत्त कॉलेज: उपलब्धियां, चुनौतियां और संभावनाओं की एक समीक्षा' पर एक आलेख प्रस्तुत

न्यूपा, नई दिल्ली में 17-21 सितंबर, 2012 को उत्कृष्टता की संभावना वाले कालेजों में गुणवत्ता और उत्कृष्टता की समझ पर प्राचार्यों के लिए आयोजित कार्यशाला में सीपीई कालेज-गिन्नी देवी मोदी महिला कालेज (पी.जी.) मोदी नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेशन का केस अध्ययन प्रस्तुत किया।

उच्च शिक्षा संस्थानों में स्वायत्तता पर आयोजित कार्यशाला में स्वायत्त कालेजों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की, न्यूपा, नई दिल्ली, 3-7 दिसंबर, 2012

आईसीएसएसआर, 5-8 नवंबर, 2012 को व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पर एंट्रीप क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का संयोजन और भागीदारी

'उच्च शिक्षा संस्थाओं की स्वायत्तता पर कार्यशाला' आयोजित न्यूपा, नई दिल्ली, 3-7 दिसंबर, 2012

'उत्कृष्टता की संभावना' वाले कालेज की गुणवत्ता और उत्कृष्टता की समझ पर कॉलेज प्रधानाध्यापकों के लिए कार्यशाला का समन्वय, न्यूपा, नई दिल्ली, 17-21 सितंबर, 2012।

एनएएसी मान्यता प्राप्त महाविद्यालयों के प्राचार्यों, के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम में सहयोग किया, न्यूपा, नई दिल्ली, 10-14 दिसम्बर, 2012

कौसर विज़ारत

प्रकाशन

प्रकाशित

एजूकेशनल डवलपमेंट आफ द वीकर सेक्शन्स इन इंडिया, 2012; उप्पल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

अंतरराष्ट्रीय

कन्या महाविद्यालय, जालंधर, 26-27 अक्टूबर, 2012 तक आयोजित 'उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' में एक आलेख, प्रस्तुत किया

ब्यूरो प्रमुख, यूजीसी और एआईसीटीई, न्यूपा, नई दिल्ली, 15 फरवरी, 2013 को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में 12वीं योजना के कार्यान्वयन रूपरेखा पर एक बैठक में भागीदारी

अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ डॉ. ताजी होटा, पी-एच.डी., कार्यकारी (उपाध्यक्ष), सह-प्रोफेसर, अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा प्रभाग, इंटरनेशनल सेंटर, हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान, न्यूपा, नई दिल्ली, 5 मार्च, 2013 के साथ एक बैठक

8-9 जनवरी, 2013 को नई दिल्ली में आयोजित 'एशिया क्षेत्रीय कौशल संगोष्ठी' में हिस्सा लिया

प्रशिक्षण

एनएएसी मान्यता प्राप्त कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए 10-14 दिसम्बर, 2012 को न्यूपा, नई दिल्ली में आयोजित पांच दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का समन्वय किया

सेंट जोसेफ कॉलेज (स्वायत्त) लालबाग रोड, बंगलौर के केस का अध्ययन और सहायता प्रदान की

उत्कृष्टता की संभावना वाले विश्वविद्यालयों के कॉलेजों / विभागों के गुणवत्ता आयाम का आकलन विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला, न्यूपा, नई दिल्ली, 17-21 सितंबर, 2012

उच्च शिक्षा संस्थानों में स्वायत्तता पर पांच दिवसीय कार्यशाला में सहायता प्रदान की, 3-7 दिसंबर, 2012, न्यूपा, नई दिल्ली

सदस्य, 14 से 28 जनवरी, नई दिल्ली, सर्व शिक्षा अभियान, 17वीं ज्वाइंट रिव्यू मिशन (जेआरएम) महाराष्ट्र राज्य

15 अक्टूबर, 2012 को जेएनयू संगोष्ठी (आईएमडीएस) परियोजना में भाग लिया

संगीता अंगोम

प्रकाशन

अप्रकाशित

प्राईवेट हायर एजूकेशन इन इंडिया, जर्नल आफ नार्थ ईस्ट इंडिया एजूकेशन सोसायटी, वाल्यूम 16, नं. 2

शैक्षणिक सेमिनार में आलेख प्रस्तुत

अनुसंधान परियोजनाएं

पूर्ण

न्यूपा द्वारा प्रायोजित भारत में निजी विश्वविद्यालय पर एक अध्ययन

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

शिक्षा और नवाचार पर भारत - ओईसीडी सहयोगात्मक पहल पर दो दिवसीय कार्यशाला, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और योजना आयोग, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, 9-10 मई, 2012 में भाग लिया

बदलती दुनिया के लिए शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत में निजी उच्च शिक्षा पर आलेख प्रस्तुत, जम्मू, विश्वविद्यालय, सीईएसआई, जम्मू एवं कश्मीर, भारत, 10-12 अक्टूबर, 2012

भारत में निजी विश्वविद्यालय का वित्तपोषण 'पूर्वोत्तर भारत के विशेष संदर्भ में राष्ट्रीय विकास के लिए शिक्षा के वित्त पोषण और योजना विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और 20वें वार्षिक सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत, पूर्वोत्तर भारत एजुकेशन सोसाइटी एवं नेहू, शिलांग, नवंबर 8-9, 2012

समितियों की सदस्यता

सदस्य, पूर्वोत्तर भारत एजुकेशन सोसायटी, शिलांग

सदस्य, भारत की तुलनात्मक शिक्षा सोसाइटी

अन्य शैक्षिक और व्यावसायिक गतिविधियाँ

17–21 सितम्बर, 2012 को न्यूपा, नई दिल्ली में उत्कृष्टता की संभावना वाले कालेज में 'गुणवत्ता और उत्कृष्टता की समझ' पर कार्यशाला का समन्वयन

10–15 दिसम्बर, 2013, न्यूपा, नई दिल्ली में, एनएएसी मान्यता प्राप्त कॉलेज के प्रधानाध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम में भागीदारी

20–21 फ़रवरी, 2013, आईएचसी, नई दिल्ली में स्कूल के नेतृत्व बैठक पर राष्ट्रीय परामर्श में भाग लिया।

इंडिया हैबिटैट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित एशिया क्षेत्रीय कौशल संगोष्ठी, 9–10 जनवरी, 2013 में भाग लिया

12वीं योजना के क्रियान्वयन की रूपरेखा पर आयोजित दूसरी बैठक में भाग लिया, न्यूपा, 15 फरवरी, 2013

सीपीडीएचई पर शिक्षा में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आईडी) में भाग लिया, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 01–21 मार्च, 2013.

शैक्षिक प्रबंधन एवं सूचना प्रणाली विभाग

अरुण सी. मेहता, (विभागाध्यक्ष)

प्रकाशन

प्रकाशित

ऐलिमेंट्री एजूकेशन इन रूरल इंडिया: अनालिटिकल टेबल्स (वेब इनेबल्ड)

ऐलिमेंट्री एजूकेशन इन अर्बन इंडिया: अनालिटिकल टेबल्स (वेब इनेबल्ड)

ऐलिमेंट्री एजूकेशन इन इंडिया: व्हेयर डू वी स्टेंड? डिस्ट्रिक रिपोर्ट कार्ड, वाल्यू–1

ऐलिमेंट्री एजूकेशन इन इंडिया: व्हेयर डू वी स्टेंड? डिस्ट्रिक रिपोर्ट कार्ड, वाल्यू–2

ऐलिमेंट्री एजूकेशन इन इंडिया: व्हेयर डू वी स्टेंड? स्टेट रिपोर्ट कार्ड, (वेब इनेबल्ड)

ऐलिमेंट्री एजूकेशन इन इंडिया: प्रोग्रेस टूवार्ड्स यूईई; अनालिटिकल रिपोर्ट, (प्रेस में)

ऐलिमेंट्री एजूकेशन इन इंडिया: प्रोग्रेस टूवार्ड्स यूईई; टेबल्स रिपोर्ट, (वेब इनेबल्ड)

सेकेण्डरी एजूकेशन इन इंडिया: व्हेयर डू वी स्टेंड? स्टेट रिपोर्ट कार्ड, (वेब इनेबल्ड)

डाईस फ्लैश स्टेटिस्टिक्स: 2010–11

सेमिस फ्लैश स्टेटिस्टिक्स: 2010–11 (वेब इनेबल्ड)

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

बी.जे.एस., पुणे, 5-6 मई, 2012 में आयोजित एक सम्मेलन में शिक्षा की गुणवत्ता पर एक सत्र की अध्यक्षता की

मध्य प्रदेश, 15-16 सितम्बर, 2012, इंदौर में आयोजित यूनिफाइड डाईस पर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी

गुजरात, 29 सितम्बर, 2012: गांधी नगर में आयोजित यूनिफाइड डाईस पर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी

गुजरात, 30 सितम्बर, 2012: द्वारका में आयोजित यूनिफाइड डाईस कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया

जम्मू और कश्मीर, 5-6 अक्टूबर, 2012: श्रीनगर में आयोजित यूनिफाइड डाईस कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी

झारखंड, 27-28 अक्टूबर, 2012: रांची में आयोजित यूनिफाइड डाईर्स कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी

मध्य प्रदेश, 30-31 अक्टूबर, 2012: भोपाल में आयोजित मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उत्तरी क्षेत्रीय कार्यशाला में भागीदारी

तमिलनाडु, 6-7 नवंबर, 2012: चेन्नई में आयोजित मानव संसाधन विकास मंत्रालय दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यशाला में भागीदारी

बिहार, 19-20 जनवरी, 2012: पटना में आयोजित यूनिफाइड डाईस कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया

हरियाणा, 9 नवंबर, 2012, पंचकूला में आयोजित यूनिफाइड डाईस कार्यशाला में संसाधन व्यक्तिके रूप में भाग लिया

हरियाणा, 10 नवंबर, 2012, पंचकूला में आयोजित यूनिफाइड डाईस कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया

पश्चिम बंगाल, 12 अक्टूबर, 2012, कोलकाता में आयोजित मानव संसाधन विकास मंत्रालय पूर्वी क्षेत्र की समीक्षा बैठक में भाग लिया

विश्व बैंक कार्यान्वयन समापन रिपोर्ट में डाईस पर एक प्रस्तुति पेश की, 26 नवंबर, 2012

स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम में स्कूल विकास योजना पर एक पैनल चर्चा में अध्यक्ष के रूप में भागीदारी, न्यूपा, नई दिल्ली, 30 जनवरी, 2013

योजना पर एमआईएस डाटा के उपयोग पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय राष्ट्रीय कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी स्कोप, नई दिल्ली, 5-6 मार्च, 2013

अंतरराष्ट्रीय

चीन, भारत और इंडोनेशिया में मानव पूंजी में डाईस पर एक प्रस्तुति पेश की: जनसांख्यिकीय बोनस, शिक्षा के अवसर और समता, सिंगापुर, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, सिंगापुर में भागीदारी, 5–6 जुलाई, 2012

घाना में ई.एम.आई.एस. की समीक्षा की और अकरा का दौरा किया, 27 अगस्त से 5 सितम्बर, 2012

आयोजित कार्यक्रम / पाठ्यक्रम

एजुसेट के माध्यम से डाईस (हिन्दी) डाटा कैप्चर फॉर्मेट पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया, 7 सितम्बर 2012, न्यूपा, नई दिल्ली

एजुसेट के माध्यम से डाईस (अंग्रेजी) डाटा कैप्चर फॉर्मेट पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया, 14 सितंबर 2012, न्यूपा, नई दिल्ली

शिक्षा योजना, डेपा, के मात्रात्मक पहलुओं पर एक कोर्स का (श्री ए.एन. रेड्डी के साथ) आयोजन किया और संकेतकों और संबंधित विषयों पर 10 सत्र किए, 12 अक्टूबर, 2012

14–18 फ़रवरी, 2013, न्यूपा, नई दिल्ली, आरटीई के संदर्भ में संकेतकों के प्रयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित और संकेतों पर कई सत्र

कार्यशाला का आयोजन

सर्व शिक्षा अभियान और आर.एम.एस.ए., 27–29 जून, 2012, न्यूपा, नई दिल्ली, एम.आई.एस. के अधिकारियों को एकीकृत डाईस पर कार्यशाला

सर्व शिक्षा अभियान और आर.एम.एस.ए., 22–23 अगस्त, 2012, न्यूपा, नई दिल्ली एम.आई.एस. के अधिकारियों के लिए एकीकृत डाईस पर कार्यशाला

शिक्षा नीतियों में आई.सी.टी., मानव संसाधन विकास मंत्रालय और यूनेस्को, दक्षिण एशियाई मंत्री स्तरीय फोरम कार्यशाला, 11–12 फरवरी, 2013, नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, विशेषज्ञ के रूप में मध्यस्थ, रायपुर, 29 मार्च, 2013

शैक्षणिक सदस्यता

शैक्षिक विकास सूचकांक पर विशेषज्ञ समूह, सदस्य, मानव संसाधन विकास मंत्रालय

डाटा प्रोसेसिंग विभाग, के डी.ए.सी., एनसीईआरटी, नई दिल्ली के सदस्य

प्रस्तुतियाँ

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन, बंगलौर में डाईस पर एक प्रस्तुति पेश की, 30 नवंबर, 2012

अफगानिस्तान के प्रतिनिधिमंडल को Schoolreportcards.in पर एक प्रस्तुति पेश की 17 दिसंबर, 2012, न्यूपा, नई दिल्ली

इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम की 17वीं जे.आर.एम. डाईस 2011-12 पर एक प्रस्तुति पेश की

इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आर.एम.एस.ए. के प्रथम जे.आर.एम. को सेमिस की एक प्रस्तुति पेश की

शैक्षिक रूप से पिछड़े जिलों में स्कूल शिक्षा की योजना और प्रबंधन पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा के लिए एमआईएस पर एक प्रस्तुति पेश की, 22 जनवरी, 2013, न्यूपा, नई दिल्ली

पुरस्कार

मई 2012 में ईएमपीआई इंडियन एक्सप्रेस इंडियन इनोवेशन अवार्ड से Schoolreportcards.in को सम्मानित किया गया

वाई. श्रीकांत

प्रकाशन

प्रकाशित

'पोस्ट एनुमेरेशन सर्वे आफ डाईस डाटा (मेजर फाइंडिंग-2011-12) शीर्षक से एक रिपोर्ट तैयार की।

'रिजरवेशन फार इकोनोमिकली वीकर सेक्शन चिल्ड्रेन इन अनएडेड प्राईवेट स्कूल्स: पॉलिसी एंड प्रैक्टिस' के लिए इंटरनेशनल जर्नल आफ एजुकेशनल स्टडीज, 5(2), 2013 में प्रकाशित एक शोध पत्र

अप्रकाशित

'हाउ टू स्कूल्स फंक्शन इन द डिस्ट्रिक्ट अफैक्टेड बाई लैफ्ट-विंग एक्स्ट्रीम इन इंडिया' एशियन एजूकेशन एंड डवलपमेंट स्ट्डीज में प्रकाशन हेतु शोध पत्र स्वीकार कर लिया गया है

'रिपोर्ट टू द पीपुल ऑन एजूकेशन (2011-12)' के लिए टीम के सदस्य और 'लिट्रेसी: एन इनडिसपैंसेबल एलिमेंट इन एजूकेशनल डवलपमेंट' एंड 'सेकेण्डरी एजूकेशन - ए लीप फॉरवर्ड' में दो अध्याय लिखे

ए.एन. रेड्डी

प्रकाशन / संगोष्ठी और सम्मेलन में आलेख

प्रकाशित

'फाइनेंसिंग ऑफ एलिमेंट्री एजूकेशन इन हिमाचल प्रदेश: ह्वट अदर स्टेट कैन लर्न', जर्नल आफ सोशल एंड इकोनमिक डवलपमेंट 14 (2), पी.181-201

अप्रकाशित

'रीजनल डिस्पेरिटीज इन स्कूल एजूकेशन इन आंध्र प्रदेश' चर्चा पत्र के रूप में प्रस्तुत

'लो बजट स्कूल्स इन इंडिया:' ए रिव्यू लिटरेचर

'एजूकेशनल स्टेटस आफ मुस्लिम चिल्ड्रेन एट एलिमेंट्री लेवल : अ स्टेटिस्टीकल प्रोफाइल, राष्ट्रीय अल्प संख्यक शिक्षा मानीटरिंग समिति के लिए, मिमियो

प्रशिक्षण कार्यक्रम

स्कूल शिक्षा सांख्यिकी, के संग्रह की एकीकृत प्रणाली पर आयोजित कार्यशाला 27–29 जून, 2012

शिक्षा मंत्रालय, अफगानिस्तान, सरकार के अधिकारियों के लिए जागरूकता भ्रमण का समन्वयन, 17–24 दिसंबर, 2012

आरटीई के संदर्भ में प्राथमिक शिक्षा की योजना एवं अनुश्रवण में संकेतकों का उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन दल का सदस्य, 4–8 फरवरी, 2013

अन्य गतिविधियां

स्कूल शिक्षा सांख्यिकी के डाटा संग्रह की एकीकृत प्रणाली (प्रो. आर. गोविंदा, अध्यक्ष) के निर्माण पर विशेषज्ञ समूह की मसौदा रिपोर्ट तैयार की

सर्व शिक्षा अभियान के 14वें जे.आर.एम. के लिए स्कूल छोड़ने वालों और स्कूल के बाहर के बच्चों को परिभाषित करने के लिए एक नोट तैयार किया

शैक्षिक विकास के संकेतकों पर एक प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किया, मिमियो

यू.डी.आई.एस.ई., मिमियो के क्रियान्वयन की जांच के लिए कोलकाता भ्रमण की रिपोर्ट

अल्पसंख्यक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय निगरानी समिति की स्थायी समिति के कई बैठकों में भाग लिया

सेमिस–आर.एम.एस.ए. के लिए एक जांच सूची तैयार की

शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग

नजमा अख्तर (विभागाध्यक्ष)

प्रकाशन

प्रकाशित

रिपोर्ट आफ नेशनल कमीशन फार मिनोरिटी एजूकेशन इंस्टीट्यूशन (एनसीएमईआई) इम्पावरमेंट आफ मिनियोरिटी गर्ल्स थ्रू एजूकेशन – मंत्रालय को प्रस्तुत किया, दिसंबर 2012

कनेडियन डायवरसिटी वाल्यूम 10: 1 स्प्रिंग 2013 – रीथिंकिंग इक्विटी इन क्यूबेक एंड इंडिया आन बैलेशिंग डायवरसिटी एंड कॉमन सोशलाइजेशन: कम्पेयरिंग एजूकेशनल डिवेट्स इन इंडिया एंड क्यूबेक: मैरी मैक एंड्रयू तथा नज़मा अख़्तर पृष्ठ 70–75 (द्विभाष प्रकाशन एसोशिएशन आफ कनेडियन स्टडीज़ (एसीएस)

अक्सैस टू हायर एजूकेशन अमंग मर्जनालाइज्ड ग्रुप इन इंडिया: ऑब्स्टेकल्स एंड प्रोमिजिंग एवेन्यूज़: नज़मा अख़्तर तथा बी.के. पांडा, पेज 91–95, कनेडियन डायवरसिटी, वाल्यूम 10: 1 स्प्रिंग, 2013

इंटाइटल्ड जेन्डर एंड एक्सेस टू एजूकेशन इन इंडिया, लैंगिक समानता : मुद्दे और सार्क क्षेत्र के लिए नए मार्ग पर सार्क कार्यक्रम, ह्यूमन रिर्सोस डवलपमेंट सेंटर (एचआरडीसी), इस्लामाबाद, 18–23 मार्च, 2013

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

अवसर और चुनौतियां, 26 फ़रवरी, 2013, उच्च शिक्षा पर जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित डिग्री कॉलेज प्रधानाध्यापकों की एक कार्यशाला में प्रमुख भाषण

22 फ़रवरी 2013 को 'सम्मानित अतिथि' के रूप में भाग लिया और मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय में लेख में परिलक्षित नेहरू की दृष्टि विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में योगदान दिया

अंतरराष्ट्रीय

फरवरी 18–19, 2013 को ओटावा (कनाडा) विश्वविद्यालय द्वारा ''धार्मिक विविधता के साथ रहना'' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, और ''धार्मिक शिक्षा'' पर पैनल की अध्यक्षता की

परामर्श

पूर्वोत्तर क्षेत्र के ब्लॉक स्तर के छात्रों के लिए एक इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए एक अद्वितीय डिजाइन विकसित करने में पूर्वोत्तर क्षेत्र विभाग को मानद परामर्श सेवा प्रदान की

विश्वविद्यालय में 'शिक्षा विद्यापीठ' शुरू करने के लिए एक योजना के दस्तावेज को विकसित करने में बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर (केंद्रीय) विश्वविद्यालय को सहायता प्रदान की

न्यूपा आधारित क्षमता निर्माण कार्यक्रम

जून 2012 में जम्मू तथा कश्मीर के अधिकारियों के लिये एक सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया

मुस्लिम अल्पसंख्यक द्वारा प्रबंधित उच्च शिक्षा संस्थानों के प्राचार्यों के लिये एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम, न्यूपा, नई दिल्ली, 10–14 दिसंबर

अल्पसंख्यक प्रबंधित वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों के लिये एक सप्ताह का सातवां अभिविन्यास कार्यक्रम की रूपरेखा तथा आयोजन, न्यूपा, नई दिल्ली, 7–12 जनवरी, 2013

1 फरवरी से 30 अप्रैल, 2013 के दौरान 29वां आईडेपा कार्यक्रम आयोजित किया

एम.फिल./पी-एच.डी. अनुसंधान मार्गदर्शन

अनुशासन का मापन तथा वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों के प्रबंधन में इसका निहितार्थ: इलाहाबाद का केस अध्ययन (जारी – समाप्ति पर), सुश्री नम्रता की पी–एच.डी.

श्री हैमलिन मथियु, मांट्रियल विश्वविद्यालय (कनाडा) को इंटर्नशिप कार्यक्रम की रूपरेखा विकसित करने हेतु मार्गदर्शन, सितंबर 2012

विकसित प्रशिक्षण सामग्री

मुस्लिम अल्पसंख्यक प्रबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों के लिए सांस्थानिक निर्माण पर प्रशिक्षण रूपरेखा, पठन सामग्री

जम्मू तथा कश्मीर के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण रूपरेखा तथा सामग्री

उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों के लिए अनुभव–साझा उपकरण

विद्यालय प्राचार्यों के लिए अनुभव–साझा उपकरण

ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के लिये प्रशिक्षण आवश्यकता मूल्यांकन के लिए उपकरण (हिंदी में)

जिला विद्यालय निरीक्षकों के लिये हिंदी में टी.एन.ए. उपकरण।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श तथा अकादमिक समर्थन

निम्नांकित योगदान दिया:

आर.टी.ई. – एस.एस.ए. की अनुसंधान सलाहकारी समिति (आर.ए.सी.) के सदस्य के रूप में यू.ई.ई. मिशन (शिक्षा विभाग) की बैठक में भागीदारी, यू.ई.ई. मिशन, 15 अक्तूबर, 2012

स्वायत्त स्थिति के विस्तार के लिये स्वायत्त कालेजों का यू.जी.सी. समिति सदस्य के रूप में मूल्यांकन, बंगलौर विश्वविद्यालय, 6–8 नवंबर, 2012

यू.जी.सी. विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय में यू.जी.सी. के अनुदान से निर्मित छात्रावास का मूल्यांकन हेतु लखनऊ का दौरा, 23 नवंबर, 2012

'विशेष आवश्यकता शिक्षा समूह विभाग', एन.सी.ई.आर.टी. की विभागीय सलाहकारी समिति की बैठक में सदस्य के रूप में भागीदारी, 14 दिसंबर, 2012

एम.ए.एन.एन.यू. राष्ट्रीय विश्वविद्यालय कार्यशाला – ''लेखन में परिलक्षित नेहरू की दृष्टि'' विषय पर आयोजित कार्यशाला की तैयारी तथा आलेख का योगदान, 22 फरवरी, 2013

''मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा : क्षेत्र अनुभवों की साझेदारी'', पर सत्र तथा 25 फरवरी, 2013 को एन.सी.ई.आर.टी. में 'मुस्लिम लड़कियों के उत्थान पर केंद्रित लैंगिक मुद्दों पर डाईट के अध्यापक प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी।

शिक्षा संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, संकाय समिति, वाह्य सदस्य के रूप में नामांकित।

सदस्य, एन.सी.ई.आर.टी. समिति, कार्यस्थलों पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम और इसकी कई बैठकों में भागीदारी।

महात्मा गांधी विश्वविद्यालय (केरल) के संबंधित कालेजों की समिति की अध्यक्षता, यू.जी.सी. नामांकित।

यू.जी.सी. द्वारा नामांकित, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा यू.जी.सी. निधि द्वारा निर्मित छात्रावास का औचक मूल्यांकन हेतु विशेषज्ञ समिति की अध्यक्षता, हरियाणा

यू.जी.सी. प्रस्ताव के अनुसार 23 नवंबर, 2012 को अम्बेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (लखनऊ) के तहत स्कूल समिति की अध्यक्षता

यू.जी.सी. प्रतिनिधि के रूप में अकादमिक स्टाफ़ कॉलेज, इंदौर विश्वविद्यालय, इंदौर की सलाहकारी समिति की बैठक में भागीदारी, 21 दिसंबर, 2012

प्रकाशन– ''नेशनल गर्ल्स एजुकेशन रिपोर्ट ऑफ नेशनल कमीशन फार माइनटरी एजुकेशन इंस्टीट्यूशन (एन.सी.एम.ई.आई.) के प्रकाशन रीलिज़ में भागीदारी, 28 दिसंबर, 2012

14 फरवरी, 2013 को एन.आई.ओ.एस. रजत जयंती परिसंवाद में भागीदारी

बी.ओ.एस. के सदस्य के रूप में जी.जी.एस. विश्वविद्यालय में बोर्ड आफ स्टडीज़ ऑफ स्कूल्स आफ एजुकेशन' की बैठक में भाग लिया, 20 फरवरी, 2013

निकायों की सदस्यता

सी.आई.ई. दिल्ली में शिक्षा संकाय सदस्यों की नियुक्ति हेतु चयन समिति के लिये आगंतुक नामिती, दिल्ली विश्वविद्यालय।

मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दु विश्वविद्यालय, हैदराबाद, में शिक्षा संकाय सदस्यों की नियुक्ति के लिये चयन समिति हेतु आगंतुक नामिती।

सदस्य, अकादमिक स्टाफ़ कालेज, इंदौर, इंदौर विश्वविद्यालय

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, शिक्षा संकाय, जी.जी.एस. इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय

सदस्य, जेड.आई.ई.टी. के लिये केंद्रीय विद्यालय की सलाहकार समिति।

मैनपावर जर्नल, संपादकीय बोर्ड, जिल्द XVI, अंक-3, इंस्टीट्यूट आफ एप्लायड मैनपावर रिसर्च (आई.ए. एम.आर)

शिक्षा संकाय, अध्ययन बोर्ड, जी.जी.एस. इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय

अध्यक्ष, यू.जी.सी. विशेषज्ञ समिति, मॉनु के विस्तार और निधि के लिये मूलयांकन, मुरादाबाद, उ.प्र.

जे.एस.एस. लॉ कालेज शासी निकाय, यू.जी.सी. द्वारा नामित, मैसूर विश्वविद्यालय

सदस्य, कार्यकारिणी समिति, कोबसे

सदस्य, यू.जी.सी. सलाहकारी समिति, अकादमिक स्टाफ कालेज, कन्नूर विश्वविद्यालय, मंगानुपराम्बा परिसर

यू.जी.सी. प्रतिनिधि, योजना तथा अनुश्रवण बोर्ड, भारतीय विद्यापीठ, मानद विश्वविद्यालय, पुणे।

आगंतुक नामिती, कार्यकारिणी परिषद, जामिया मिलिया इस्लामिया।

सदस्य, वायु सेना, शासी निकाय, केंद्रीय विद्यालय

सदस्य, 'कार्यस्थलों पर महिलाओं के यौन-उत्पीड़न की रोकथाम' हेतु एन.सी.ई.आर.टी. की समिति।

मानित सदस्य, अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थानों के लिये राष्ट्रीय आयोग, अल्पसंख्यक बालिकाओं की शिक्षा से जुड़े मुद्दों को समर्थन करने वाली बालिका शिक्षा समिति।

सदस्य, महाराजा कॉलेज, आन्ध्र विश्वविद्यालय की स्वायत्तता स्थिति के विस्तार हेतु कार्य-निष्पादन और अकादमिक उपलब्धियों के मूल्यांकन हेतु यू.जी.सी. विशेषज्ञ समिति

बी.के. पांडा

प्रकाशन

प्रकाशित

स्टडी आफ पार्टिसीपेशन एमंग सेड्यूल्ड कास्ट गर्ल्स इन स्कूल्स, लैप लम्बर्ट एकेडमिक पब्लिशिंग, जर्मनी, आईएसबीएन नं. 078-3-659-25274-7 पृ. 106

एक्सेस एंड पार्टिशिपेशन आफ ट्राइबल चिल्ड्रेन इन स्कूल्स इन इंडिया, लैप लम्बर्ट एकेडमिक पब्लिशिंग, जर्मनी, आईएसबीएन नं. 078-3-659-25274-7 पृ. 102

डाईवर्सिटी - कनाडियन वाल्यूम 10.1, स्प्रींग 2013, रिथिंकिंग इक्विटी इन क्यूबेक एंड इंडिया : टूवार्ड्स इन्क्लूसिव सोसायटिज, एक्सेस टू हायर एजुकेशन एमंग मार्जिनालाइज्ड ग्रुप्स इन इंडिया : आब्जेटिक्ल्स एंड प्रामिजिंग एवन्यूज सह-लेखक, पृ. 91-95

आदिवासी जिल्द 52, नं. 1-2, जून-दिसंबर 2012, विशेषांक : 'आदिवासी भाषा और संस्कृति' (आईएसएसएन नं. 2277-7245) ट्रांजैक्सन आफ टीचिंग लर्निंग प्रोसेस फार दि ट्राइबल चिल्ड्रेन : मदर टंग एज दि की फार डवलपमेंट, पृ. 1-9

आकेजनल पेपर नं. 39, 2012, पार्टिसिपेशन इन स्कूलिंग एंड हाउसहोल्ड वर्क- ए स्टडी आफ सेड्यूल्स कास्ट' गर्ल्स इन मेवात डिस्ट्रिक्ट आफ हरियाणा।

अंडरस्टैंडिंग मल्टीपल डिसएडवांटेजेज फार इनक्लूसिव एजुकेशनल डवलपमेंट आफ सेड्यूल ट्राइब चिल्ड्रेन, जर्नल आफ आल इंडिया एसोसिएशन फार एजुकेशनल रिसर्च, वाल्यूम 23, अंक 1-2, जून-दिसंबर 2012 पृ. 55-79।

एजुकेशन आफ गर्ल्स एमांग एथनिक ट्राइबल ग्रुप्स इन साउथ एशिया, जनर्ल आफ दि इंडियन एन्थ्रोपोलोजी, वाल्यूम 42(2), जुलाई-दिसंबर 2011, पृ. 15-33 नीड फार रिवैम्पिंग फंक्शनिंग आफ आश्रम स्कूल्स - केस आफ छत्तीसगढ़ एंड ओडिशा, परिप्रेक्ष्य, न्यूपा (आईएसएसएन नं. 0972-7515) जिल्द-19, नं. 1, अप्रैल 2012, पृ. 21-25

पुस्तक समीक्षाएं

मार्क ब्रे, डबल शिफ्ट स्कूलिंग - डिजाइन एंड आपरेशन फार कास्ट इफेक्टिवनेस, कामनवेल्थ सेक्रेटेरिएट, यू.के. (तीसरा संस्करण) आईएसबीएन: 978-0-85092-854-9, पृ. 95, जेपा, xxvi, नं. 3, जुलाई 2012।

एजुकेशन इन सियरालियोन, प्रजेंट चैलेंजेस, फ्यूचर आपर्च्यूनिटीज, दि वर्ल्ड बैंक 2009, आईएसबीएन: 978-0-8213-6868-8, (पेपर बैक) 25 डालर, जेपा, xxvii, नं. 1, जनवरी 2013।

अन्तरर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी और आलेख प्रस्तुति

जनजातीय समुदाय की सांस्कृतिक मूल्यों और अवयवों का उपयोग करते हुए स्कूलों में जनजातीय बच्चों की भगीदारी को बढ़ावा, अंतरराष्ट्रीय नृवैज्ञानिक सम्मेलन, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 1-3 अप्रैल, 2013

माड्यूलों का विकास

प्रधानाचार्यों के लिए स्कूल विकास योजना माड्यूल प्रारूप

प्रधानाचार्यों के लिए स्कूल प्रबंधन माड्यूल प्रारूप

आश्रम स्कूलों के प्रधानाचार्यों के लिए आश्रम स्कूल प्रबंधन पर माड्यूल प्रारूप

पी-एच.डी. शोधार्थियों को निर्देशन

सशस्त्र संघर्ष के दौरान स्कूल शिक्षा की सुरक्षा और पुनर्निर्माण : मणिपुर का केस अध्ययन - सुश्री एन. रिबेका

उत्तराखण्ड के चमोली जिले में महिला सशक्तिकरण में विकेंद्रीकरण और पंचायती राज संस्थानों का प्रभाव - अजय कुमार

आयोजित कार्यक्रम

शैक्षिक योजना और प्रशासन में राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम (आईडेपा) 1 फरवरी - 30 अप्रैल, 2013

अल्पसंख्यक प्रबंधित उच्चतर शिक्षा संस्थानों के प्रधानाध्यापकों के लिये चौथा अभिविन्यास कार्यक्रम (10-14 दिसंबर, 2012)

अल्पसंख्यक प्रबंधित माध्यमिक स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के लिये सांस्थानिक विकास में सातवां अभिविन्यास कार्यक्रम (7–12 जनवरी, 2013)

आश्रम स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम के संदर्भ में स्कूल विकास योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, नासिक, (14–19 जनवरी 2013)

आश्रम स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम के संदर्भ में स्कूल विकास योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, भुवनेश्वर, (22–27 फरवरी 2013)

संसाधन व्यक्ति, दक्षिणी क्षेत्र के डाइट प्राचार्यों के लिए योजना, प्रबंधन और मूल्यांकन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, एनसीईआरटी, 22–26 नवंबर, 2012, बेंगलुरू

अन्य संस्थानों को सहयोग

सदस्य, योजना और अन्वीक्षण विभाग की सलाहकार परिषद, एनसीईआरटी, वर्ष 2012–13, दो बैठकों में सहभागिता

सदस्य, केंद्रीय विद्यालय संगठन, केंद्रीय विद्यालय, लोदी रोड, 2012–14, 2–3 बैठकों में सहभागिता और अकादमिक समर्थन।

पूर्वोत्तर राज्यों के विद्यार्थियों के लाभार्थ विशेष तकनीकी संस्थानों की स्थापना और सीट आवंटन के मानदंड के विकास में विशेषज्ञ परामर्श

सविता कौशल

प्रकाशन

प्रकाशित

ए स्टडी आफ स्टूडेंट्स अचीवमेंट्स, मोटिवेशन एंड सेल्फ पर्सेप्शन वीस-ए-वीस टीचर एक्सपेटेशंस इन प्राईवेट स्कूल्स आफ दिल्ली, दि कम्यूनिकेशन, जिल्द 21, सं. 1, 2012, आईएसएसएन: 0975–6558

ब्रीजिंग दि गैप इन गर्ल्स एजुकेशन ओपन स्कूलिंग इन इंडिया: प्रास्पेक्ट्स एंड प्रोविजंस, जर्नल आफ इंडियन एजुकेशन, नवंबर, 2012, एनसीईआरटी

अध्ययन – मैनेजिंग दि स्कूल, राईट टू एजुकेशन, एन.सी.ई.आर.टी.

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

पैनलकार, 'आईसीटी इन ईसीसीई-इंप्लीकेशन्स फार सक्ससफुल इंप्लीकेशन' इंडिया इंटरनेशनल सैंटर, नई दिल्ली, 28 सितंबर, 2012

अंतरराष्ट्रीय

शिक्षा में आई. सी. टी. संस्कृति 2012, अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में सहभागिता, 27–29 सितंबर 2012

सार्वजनिक निकायों को अकादमिक समर्थन और परामर्श

अध्ययन सामग्री और व्याख्यान – सृजनात्मक विकास की संकल्पना, 1 अगस्त 2012, शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा में सातवां डिप्लोमा कार्यक्रम (16 जुलाई – 12 अक्टूबर 2012), एनसीईआरटी

अध्ययन सामग्री और व्याख्यान – शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा में स्थानीय सामग्री का उपयोग, 17 अगस्त, 2012, शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा में सातवां डिप्लोमा कार्यक्रम (16 जुलाई – 12 अक्टूबर, 2012), एनसीईआरटी

अध्ययन सामग्री और व्याख्यान – शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा में स्थानीय सामग्री का उपयोग, 17 अगस्त, 2012, शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा में सातवां डिप्लोमा कार्यक्रम राष्ट्रीय विद्यालयीय शिक्षा संस्थान की भूमिका, एनसीईआरटी, (16 जुलाई से 12 अक्टूबर, 2012)

एनसीईआरटी द्वारा शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा में संचालित डिप्लोमा कार्यक्रम की पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम पर परामर्श बैठक में भागीदारी (17–18 अक्टूबर, 2012)

संसाधन व्यक्ति, नगर निगम स्कूलों के प्रधानाचार्यों के लिए आयोजित सत्र – स्कूल में स्कूल प्रबंधन समित का गठन और सामुदायिक भागीदारी, डाईट कड़कड़डूमा, दिल्ली (4 दिसंबर, 2012)

एनसीईआरटी द्वारा आयोजित शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा डिप्लोमा के अंतर्गत दो प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रस्तुत परियोजना कार्य लघुशोध प्रबंधन का मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा (9 जनवरी, 2013)

जूनियर रिसर्च फेलो (सीनियर रिसर्च फैलोशिप के लिए) के पीएचडी के काम में प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए एक बाहरी सदस्य के रूप में शिक्षक प्रशिक्षण और गैर औपचारिक शिक्षा विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया में सुश्री तिया काला की मूल्यांकन समिति बैठक में भाग लिया, 22 जनवरी 2013

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी

एकेडमिक स्टाफ कालेज, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित 101वां चार सप्ताह के अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया, 16 जुलाई से 13 अगस्त 2012

अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक योजना संस्थान, पेरिस, द्वारा शैक्षिक योजना प्रबंधन के चार पाठ्यक्रमों, में भाग लिया, 5 अप्रैल – 11 फ़रवरी, 2013

मोना सेदवाल

प्रकाशन

प्रकाशित

जेनेसिस एंड ग्रोथ आफ युनिवर्सिटी एजुकेशन इन इंडिया, एलएपी लम्बर्ट एकेडमिक पब्लिशिंग जर्मनी, 2012, पेपरबैक, 72 पेज, (ISBN 978–3–659–27697–2)

टीचर कन्सर्न: डायवरजेंस इन पालिसी एंड प्रक्टिस इन रोल आफ टीचर्स इन चेंजिंग कान्टेस्ट, डी. परिमल, कनिष्का पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2012 पीपी 27–52

प्रैक्टिकल टिप्स फार टीचिंग मल्टीग्रेड क्लासेस फार द सिरीज आन इम्ब्रेसिंग डायवरसिटी: टूलकिट फार क्रिएटिंग इंक्लूसिव, लर्निंग–फ्रेंडली इन्वायरमेंट्स स्पेस्लाइज्ड बुकलेट 4, यूनेस्को, बैंकाक, 2013, (रश्मि दिवान, एसोसिएट प्रोफेसर, न्यूपा के साथ)

आलेख प्रस्तुति

भारतीय तुलनात्मक एजुकेशन सोसाइटी (सीईएसआई) द्वारा जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू में 10–12 अक्टूबर, 2012 को बदलती दुनिया के लिए शिक्षा पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विविध शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम : विविध संस्थान और स्तर पर आलेख प्रस्तुत किया

शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रम

संयोजक

संकाय विचार मंच का संयोजक, जुलाई – दिसंबर, 2012, हर महीने दो बार (गुरुवार) आयोजन किया

शिक्षक और शिक्षण पर राष्ट्रीय मिशन पर केब समिति के लिए न्यूपा से उप समूह III के लिए संयोजक, 21 जनवरी 2013 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय में मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री द्वारा आयोजित बैठक में इसकी घोषणा

परीक्षक

मैथ्यू हेमलिन, कनाडा में स्नातक छात्र, न्यूपा में इंटर्नशिप (28 मई, 2012 से) का अन्वीक्षण, लावल विश्वविद्यालय, कनाडा की दो बुनियादी परीक्षाएं, 6 और 13 जुलाई को उत्तर पुस्तिका जांच कर भेजा गया

एम.फिल. के लिए बाहरी परीक्षक। शर्वरी के. जोशी, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), 2012 के कानून और प्रशासन विषय : ज्ञान की राजनीति : भारत की उच्च शिक्षा नीति की पड़ताल

बी.एड., इतिहास साक्षात्कार बोर्ड के एक विशेषज्ञ के रूप में, शिक्षा विभाग, केन्द्रीय शिक्षा संस्थान (सीआईई) दिल्ली विश्वविद्यालय, 21 जून, 2012

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

समन्वयक के रूप में

मीडिया कार्यशाला 'क्या भारत में प्रोद्यौगिकी स्कूली शिक्षा में महत्वपूर्ण है?' आईएचसी में सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन, के सहयोग से कार्यशाला, संयुक्त रूप से पत्रकारों और मीडिया से जुड़े लोगों की भागीदारी के साथ राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा) और सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन (सीएसएफ) द्वारा आयोजित किया गया। 30 अक्टूबर, 2012, नई दिल्ली

10–14 दिसम्बर, 2012 के दौरान न्यूपा, नई दिल्ली में आयोजित उच्च शिक्षा के अल्पसंख्यक प्रबंधित संस्थानों के लिए चौथा उन्मुखीकरण कार्यक्रम का समन्वय किया

मुस्लिम अल्पसंख्यक प्रबंधित सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रमुखों के लिए संस्थागत निर्माण में सातवां उन्मुखीकरण कार्यक्रम, न्यूपा, नई दिल्ली में आयोजित। 07–12 जनवरी, 2013

शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में 29वें अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) के लिए कार्यक्रम समन्वयक। कार्यक्रम में 22 देशों से 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया, फ़रवरी से अप्रैल 2013, न्यूपा, नई दिल्ली।

प्रतिभागी के रूप में

स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा विभाग द्वारा, नागरिक संघर्ष से प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा अधिनियम 2009 के कार्यान्वयन पर गोलमेज सम्मेलन, 14 जून 2012, न्यूपा, नई दिल्ली

माननीय उच्चतम न्यायालय, जस्टिस जे.एस. वर्मा आयोग, नियुक्त अध्यापक शिक्षा की परामर्श बैठक 30 जून, 2012 न्यूपा, नई दिल्ली

शिक्षक और शिक्षण पर केब समिति की बैठक 8 सितंबर 2012 को माननीय राज्यमंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, डा. डी. पुरंदेश्वरी द्वारा शास्त्री भवन, नई दिल्ली में आयोजित वार्ता

30 नवंबर, 2012 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में आयोजित गवर्नमेंट स्कूल के विशेष संदर्भ में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन की चुनौतियां पर गोलमेज चर्चा

11 जनवरी 2013 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में आयोजित शिक्षक ज्ञान और शिक्षक अधिगम पर राष्ट्रीय परामर्श बैठक

14 जनवरी 2013 को न्यूपा, नई दिल्ली में स्वामी विवेकानंद के शैक्षिक विचार पर राष्ट्रीय चर्चा

स्कूल लीडरशिप (एनसीएसएल), न्यूपा, फरवरी 20–21, 2013 के लिए राष्ट्रीय केन्द्र द्वारा आईएचसी, नई दिल्ली में आयोजित स्कूल के नेतृत्व पर राष्ट्रीय परामर्श,

कला और शिल्प संसाधन केन्द्र के द्वारा 23 फ़रवरी 2013 को एनसीईआरटी परिसर में राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान सभागार में वसंत समारोह के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया

26 फरवरी, 2013 को बंगलौर बजट और नीति अध्ययन के लिए केंद्र (सीबीपीएस) द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित शिक्षा का अधिकार : बहस और चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की विभिन्न समितियों में भागीदारी

शिक्षक और शिक्षण पर राष्ट्रीय मिशन की केब समिति के लिए न्यूपा से उप समूह III के लिए संयोजक, मानव संसाधन विकास मंत्रालय में 12 सितम्बर, 2012 को माननीय राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, द्वारा आयोजित बैठक में घोषणा

शिक्षक और प्रशिक्षण, पर केब समिति की बैठक के समन्वयक, विज्ञान भवन एनेक्सी, नई दिल्ली में आयोजित 12 सितम्बर, 2012

शिक्षक और प्रशिक्षण, पर केब समिति की बैठक के समन्वयक, विज्ञान भवन एनेक्सी, नई दिल्ली में आयोजित 21 जनवरी 2013

सम्मेलनों और कार्यशालाओं में सत्र की अध्यक्षता

भारत के तुलनात्मक शिक्षा सोसाइटी (सीईएसआई) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2012 के जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू में एक बदलती दुनिया के लिए शिक्षा विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता। यह सत्र शिक्षक, शिक्षण और क्लास रूम पर था। इसमें दो आलेख पढ़े गए।

07–12 जनवरी, 2013 के दौरान न्यूपा, नई दिल्ली में मुस्लिम अल्पसंख्यक प्रबंधित सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के प्रमुखों के लिए संस्थागत निर्माण में सातवीं उन्मुखीकरण कार्यक्रम में तीन सत्रों की अध्यक्षता की

मौलाना अबुल कलाम आजाद चेयर

एस इरफान हबीब

प्रकाशित पुस्तक

एस इरफान हबीब, जिहाद आर इजतिहाद : रिलिजियस आर्थोडाक्सी एंड माडर्न साइंस इन कंटेम्परी इस्लाम, हारपर कोल्लिन्स, नई दिल्ली, अक्टूबर 2012

राष्ट्रीय प्रेस में लेख

- इस्लामी साइंस इज दि क्रियेशन आफ यूरो–अमेरिकन यूनिवर्सिटीज, तहलका, 13 अक्टूबर, 2012
- एस. इरफान हबीब, मौलाना आजाद मैन आफ मैनी पार्ट्स, हिंदुस्तान टाइम्स, 12 नवंबर, 2012.
- एस. इरफान हबीब, माडर्न साइंस कैन बी पर्सयूड बाई एनी बिलीवर, टाइम्स ऑफ इंडिया, 28 अक्टूबर, 2012

संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भागीदारी

प्रौद्योगिकी और शिक्षा पर एक पाठ्यक्रम को पढ़ाने के लिए अप्रैल से जुलाई 2012 तक हम्बोल्ट विश्वविद्यालय, बर्लिन में विजिटिंग प्रोफेसर, इसके अलावा मुक्त विश्वविद्यालय, बर्लिन में सार्वजनिक व्याख्यान दिया

मौलाना आजाद एशियाई अध्ययन इंस्टीट्यूट, कोलकाता, अगस्त 28–30, 2012 तक आयोजित मौलाना आजाद पर एक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, मौलाना आजाद : स्वतंत्र भारत में संस्थागत विज्ञान और संस्कृति पर एक आलेख प्रस्तुत किया

संगोष्ठी / व्याख्यान का आयोजन

9 नवंबर 2012 को प्रो अमिय बागची ने तीसरा मौलाना आजाद स्मृति व्याख्यान दिया। प्रोफेसर बागची ने भारत के लोकतांत्रिक संघर्ष में यूरोपीय उदारवाद के विकेंद्रीकरण पर चर्चा की

राष्ट्रीय अध्येता

ए मैथ्यू

प्रकाशन

अप्रकाशित

रीडिंग इन लिट्रेसी एंड एडल्ट एजूकेशन, (एड.) ए. मैथ्यू एंड जे.बी.जी. तिलक (प्रेस में)

कनसैप्चुअल इवोल्यूशन आफ एडल्ट एजूकेशन इन इंडिया एंड कोरसपौंडेंस विद ग्लोबल ट्रैंड्ज, जर्नल आफ एजूकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (प्रेस में)

डवलपमेंट आफ एडल्ट एजूकेशन इन इंडिया, कम्परेटिव पर्सपेक्टिव में

महत्वपूर्ण पक्ष जो सम्मिलित है :

इंडियन एडल्ट एजूकेशन इन द कॉनटैक्स्ट आफ ग्लोबल सिनरियो: अ क्रिटिकल एंड कम्पेरेटिव एप्रीसिएशन ए. मैथ्यू एंड जे.बी.जी. तिलक, रीडिंग इन लिट्रेसी एंड एडल्ट एजुकेशन (प्रेस में)

करीकुलुम एंड कन्टेंट आफ एडल्ट एजुकेशन इंडिया: कंसैप्चुअल इवोल्यूशन एंड कोरसपोंडेंस विद ग्लोबल ट्रेन्ड्ज (ए. मैथ्यू एंड जे.बी.जी. तिलक, रीडिंग इन लिट्रेसी एंड एडल्ट एजुकेशन (प्रेस में)

विज़न एंड डिजाइन आफ एडल्ट एजुकेशन इन इंडिया: द इवोल्विंग डिस्कोर्स (समाप्ति पर)

टूगेदर दीज कुड बी कम्बाइन्ड एंड ब्रॉट आउट एज ए मोनोग्राफ एज *ट्रेंड्ज इन इवोल्यूशन आफ एडल्ट एजूकेशन इन इंडिया इन कम्पेरीजन विद ग्लोबल सिनरियो*।

अंतरर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों / संगोष्ठियों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीय

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा आयोजित ''अधिगम पूर्व'', पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, इंडिया हैबिटेट सेंटर, 30 जून, 2012

तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भारत में संकल्पना, परिभाषा और प्रौढ़ शिक्षा पर नीति, भारत के तुलनात्मक एजुकेशन सोसायटी का 12वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित। दो सत्र के अध्यक्ष के रूप में भाग लिया और 26–30 अक्टूबर, 2012, आलेख प्रस्तुत

36वें भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया, और प्रौढ़ शिक्षा भारत के पाठ्यक्रम और सामग्री: ग्लोबल रुझानों के साथ वैचारिक विकास और पत्राचार पर एक पेपर प्रस्तुत किया, आईआईटी, भुवनेश्वर, 27–31 दिसम्बर, 2012

डीईओएस और तिरुवनंतपुरम में केरल राज्य के बीइओएस, के सम्मेलन में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया, 6–7 फरवरी, 2013

एसआरसी, जामिया मिलिया इस्लामिया, द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया और प्रौढ़ शिक्षा पर विधान का निर्माण पर एक प्रस्तुति, 27 फरवरी, 2013

एनएलएमए द्वारा महिपालपुरम में हितधारक परामर्श बैठक आयोजित, भारत में प्रौढ़ शिक्षा की नई दृष्टि और विधायी ढांचे को सक्षम बनाना, पर आलेख प्रस्तुत, मार्च 24–25 2013

मार्च, 12–14, 2013 को शिक्षा में अंतर अनुशासनात्मक अध्ययन : अवधारणा, सिद्धांत और दृष्टिकोण पर आयोजित जेडएचसीईएस ग्रेजुएट स्टूडेंट्स सेमिनार में भाग लिया

शिक्षा दस्तावेजों का डिजीटल भंडार

उपयोगकर्ताओं का एक समुदाय बनाने के उद्देश्य से न्यूपा की एक विस्तारित कार्यक्रम के रूप में शिक्षा दस्तावेज के डिजिटल भंडार के विकास की देखरेख. डिजिटल रिपोजिटरी वर्गीकृत और डिजिटल डाटा बैंक में शामिल स्कैन 1000 से अधिक शिक्षा नीति से संबंधित दस्तावेज, शामिल हैं. इन दस्तावेजों में विभिन्न क्षेत्रों और शिक्षा प्रणाली के क्षेत्रों को कवर किया गया है, और इसे उपयोगकर्ता के लिए सुलभ किया जाना है।

अन्य गतिविधियां

डिजीटल भंडार के लिए विवरणिका तैयार करना,

न्यूपा विवरणिका

विमला रामचंद्रन

प्रकाशन

प्रकाशित

''कारटोग्राफिज आफ इम्पावरमेंट: द स्टोरी आफ महिला समाख्या'' (कामेश्वरी जन्ध्याला के साथ), जुबान बुक्स, दिसंबर, 2012

''इवाल्यूटिंग जेन्डर एंड इक्विटी इन एलिमेंट्री एजुकेशन- रिफ्लेक्शन ऑन मैथोडोलाजी, प्रोसेस एंड आउटकम्स'', वाल्यूम 19, नं. 2 (जून 2012) इंडियन जर्नल आफ जेन्डर स्ट्डीज, जून, 2012

''कैन राईट्स गो रोंग? द आरटीई कॉननड्रम इन इंडिया'', इंडिया इंटरनेशनल सैन्टर क्वार्टरली, जुलाई, 2012

''द सरप्राईजिंगली डायर सिचुएशन आफ चिल्ड्रेन एजुकेशन इन रूरल वैस्ट अफ्रीका: रिजल्ट फ्रॉम द सीआरईओ स्टडी इन गुयाना-बिसाऊ'' (सह-लेखक पेटर बून, इला फजीओ)

(http://papers.nber.org/papers/w18971?utm_campaign=ntw&utm_medium=email&utm_source=ntw), नेशनल ब्यूरो आफ इकोनमिक रिसर्च, कैम्ब्रीज एमए, यूएसए, मार्च 2013 (वर्किंग पेपर)

अप्रकाशित

''इंक्लूज़न एंड एक्सक्लूजन आफ स्टूडेंट्स इन स्कूल एंड क्लासरूम्स इन प्राइमरी एंड अपर प्राइमरी स्कूल्स आफ इंडिया - अ सिन्थेसिस आफ ए सिक्स-स्टेट स्ट्डी'' (तारामनी नवोरम), एसएसए, टीएसजी, एडसिल, सितंबर 2012 (आगामी रिपोर्ट)

शोध परियोजना

पूर्ण

सबके लिए शिक्षा : अधूरा एजेंडा, अधूरा एजेंडा का मसौदा तैयार करने के लिए नरेश कुमार के साथ काम किया और समय पर प्रस्तुत, यूनिसेफ रोजा और न्यूपा के साथ अनुबंध

सर्व शिक्षा अभियान : स्कूलों और क्लास रूमों में बच्चों का समावेशन और बहिष्करण, शोध का डिजाइन, उपकरण विकसित किए, राज्य की रिपोर्टों की समीक्षा की और राष्ट्रीय संश्लेषित रिपोर्ट तैयार की। एडसिल द्वारा प्रायोजित सर्व शिक्षा अभियान परियोजना में तारा नौरम के साथ कार्य किया।

परिशिष्ट

परिशिष्ट

न्यूपा परिषद् के सदस्य (31 मार्च, 2013 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. डा. एम.एम. पल्लम राजू
   माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री,
   भारत सरकार
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001

उपाध्यक्ष

2. प्रो. आर. गोविंदा
   कुलपति
   राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय
   नई दिल्ली-110016

पदेन सदस्य

3. सचिव
   भारत सरकार
   उच्च शिक्षा विभाग
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   नई दिल्ली-110001

4. सचिव
   भारत सरकार
   स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   नई दिल्ली-110001

5. अध्यक्ष
   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
   नई दिल्ली-110002

6. निदेशक
   राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
   नई दिल्ली-110016

7. वित्त सलाहकार
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   भारत सरकार
   नई दिल्ली-110001

(न्यूपा परिषद के अध्यक्ष द्वारा परिक्रमवार राज्य प्रतिनिधि मनोनीत, पांच क्षेत्रों से एक-एक सदस्य)

8. सचिव, (विद्यालय शिक्षा)
   तमिलनाडु सरकार
   सचिवालय
   फोर्ट स्टेफन जॉर्ज, गिन्डी
   चेन्नई-600009

9. सचिव (उच्च शिक्षा)
   गुजरात सरकार
   ब्लॉक नं. 5, सातवीं मंजिल
   न्यू सचिवालय कॉम्प्लेक्स
   गांधीनगर-382010, गुजरात

10. सचिव (उच्च एवं तकनीकी शिक्षा)
दिल्ली सरकार
मुनि माया राम मार्ग, पीतमपुरा
दिल्ली-110034

11. आयुक्त एवं सचिव (शिक्षा)
नागालैंड सरकार
सिविल सचिवालय, कोहिमा-797001
नागालैंड

12 सचिव (स्कूल शिक्षा)
छत्तीसगढ़ सरकार
डी के एस भवन, मंत्रालय
रायपुर-469001
छत्तीसगढ़

प्रख्यात शिक्षाविद्

(अध्यक्ष, न्यूपा परिषद द्वारा नामित)

13. श्री राजेन्द्र एस. पवार
निदेशक, एनआईआईटी लि.
सैक्टर 32, प्लाट नं. 85
गुडगांव (हरियाणा)

14. प्रो. दीपक नैय्यर
पूर्व कुलपति
दिल्ली विश्वविद्यालय
एफ-5, फ्रैण्ड्स कॉलोनी (पश्चिम)
नई दिल्ली-110065

15. प्रो. पंकज चन्द्रा
निदेशक
भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलुरू
बनेरघाटा रोड
बेंगलुरू-560076

न्यूपा संकाय

(अध्यक्ष, न्यूपा परिषद द्वारा नामित)

16. प्रो. जांध्याला बी.जी. तिलक
अध्यक्ष, शैक्षिक वित्त विभाग
न्यूपा, नई दिल्ली-110016

17. डा. बिनोद कुमार सिंह *सचिव*
कुलसचिव
न्यूपा, नई दिल्ली-110016

II

परिशिष्ट

प्रबंधन बोर्ड के सदस्य (31 मार्च, 2013 के अनुसार)

1. प्रो. आर. गोविंदा, *अध्यक्ष*
   कुलपति
   न्यूपा, नई दिल्ली

सदस्य

(अध्यक्ष, न्यूपा परिषद द्वारा नामित)

2. प्रो. फरीदा खान, अध्यक्ष
   शिक्षा विभाग
   जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय
   जामिया नगर, नई दिल्ली–110025

3. प्रो. एम. आनन्दकृष्णन
   अध्यक्ष, आईआईटी कानपुर
   नं. 8/15, पांचवा मेन रोड,
   मदन अपार्टमेंट,
   कस्तूरबा नगर, अदयार, चेन्नई–600 020

4. प्रो. पीटर रोनॉल्ड डीसूजा
   निदेशक
   इंडियन इस्टीट्यूट आफ एडवांस स्टडीज़
   राष्ट्रपति निवास
   शिमला –171 005

अन्य सदस्य

5. श्री अमित खरे, आई ए एस
   संयुक्त सचिव (योजना)
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110 001

6. प्रो. जांध्याल्या बी.जी. तिलक, अध्यक्ष
   शैक्षिक वित्त विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली–110016

7. प्रो. के. सुजाता, अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रशासन विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली–110016

8. डा. वाई. जोसेफिन, सह–प्रोफेसर
   शैक्षिक वित्त विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली–110016

9. डा. बिनोद कुमार सिंह, *सचिव*
   कुलसचिव
   न्यूपा, नई दिल्ली–110016

III

परिशिष्ट

वित्त समिति के सदस्य (31 मार्च, 2013 के अनुसार)

1. प्रो. आर. गोविंदा, *अध्यक्ष*
कुलपति (पदेन)
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय
नई दिल्ली-110016

अध्यक्ष, न्यूपा परिषद द्वारा नामित सदस्य

2. डा. बी.के. महापात्रा
कुलसचिव
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ
नई महरौली रोड
नई दिल्ली-110 067

3. श्री. एन.यू. सिद्दिकी
भूतपूर्व वित्त अधिकारी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, जामिया नगर
नई दिल्ली-110025

मा.सं.वि. मंत्रालय के प्रतिनिधि

4. वित्तीय सलाहकार
मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001

अन्य सदस्य

5. प्रो. एन.डी. माथुर
अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग
केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान
किशनगढ़, अजमेर
राजस्थान

6. डा. बिनोद कुमार सिंह, *विशेष आमंत्रिती*
कुलसचिव
न्यूपा
नई दिल्ली-110 016

7. श्रीमती उषा त्यागराजन, *सचिव*
वित्त अधिकारी
न्यूपा
नई दिल्ली-110 016

IV

परिशिष्ट

अकादमिक परिषद् के सदस्य (31 मार्च, 2013 के अनुसार)

1. प्रो. आर. गोविंदा *अध्यक्ष*
   कुलपति
   राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय
   नई दिल्ली–110016

विभागाध्यक्ष, न्यूपा

2. प्रो. जे.बी.जी. तिलक
   प्रोफेसर और अध्यक्ष
   शैक्षिक वित्त विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली–110016

3. प्रो. के. सुजाता
   प्रोफेसर और अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रशासन विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली–110 016

4. प्रो. (श्रीमती) नज़मा अख्तर
   प्रोफेसर और अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली 110 016

5. प्रो. सुधांशु भूषण
   प्रोफेसर और अध्यक्ष
   उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली 110 016

6. प्रो. अरुण सी. मेहता
   प्रोफेसर और अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली 110 016

7. प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी
   प्रोफेसर और अध्यक्ष
   शैक्षिक योजना विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली 110 016

8. प्रो. (श्रीमती) प्रमिला मेनन
   प्रोफेसर और अध्यक्ष
   शैक्षिक नीति विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली 110 016

9. प्रो. नीलम सूद
   प्रोफेसर और अध्यक्ष
   विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा विभाग
   न्यूपा, नई दिल्ली–110016

विख्यात शिक्षाविद्

(अध्यक्ष, न्यूपा परिषद द्वारा नामित)

10. प्रो. एन. जयराम
    टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंस
    पी.ओ. बॉक्स 8313, देवनार
    मुम्बई–400 088

11. प्रो. एन.जे. कुरियन
मानद प्रोफेसर
समाज विकास परिषद, संघ रचना
53, लोधी एस्टेट
नई दिल्ली–100 003

12. प्रो. गीता सेन
भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलुरू
बनेरघाटा रोड,
बेंगलुरू–560076

(कुलपति, न्यूपा द्वारा नामित)

13. प्रो. सतीश देशपाण्डे
समाजशास्त्र विभाग
दिल्ली स्कूल आफ इकानमिक्स
दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली – 110007

14. प्रो. एच. रामचन्द्रन
आई.सी.एस.एस.आर., राष्ट्रीय अध्येता
ई–1675, पालम विहार
गुड़गांव – 122017

15. प्रो. पी. बालकृष्णन, निदेशक
विकास अध्ययन केन्द्र
प्रशान्त नगर के पास,
उल्लूर, त्रिवेन्द्रम–695011

(न्यूपा संकाय)

16. डा. रश्मि दीवान
सह–प्रोफेसर
न्यूपा, नई दिल्ली–110016

17. डा. आर.एस. त्यागी
सहायक–प्रोफेसर
न्यूपा, नई दिल्ली–110016

18. डा. बिनोद कुमार सिंह *सचिव*
कुलसचिव
न्यूपा, नई दिल्ली–110 016

V

परिशिष्ट

अध्ययन बोर्ड के सदस्य (31 मार्च, 2013 के अनुसार)

1. प्रो. आर. गोविंदा, *अध्यक्ष*
कुलपति
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय
नई दिल्ली – 110016

2. डीन
न्यूपा, नई दिल्ली – 110 016

विभागाध्यक्ष, न्यूपा

3. प्रो. जांध्याला बी.जी. तिलक
शैक्षिक वित्त विभाग
न्यूपा, नई दिल्ली 110 016

4. प्रो. के. सुजाता
शैक्षिक प्रशासन विभाग
न्यूपा, नई दिल्ली 110 016

5. प्रो. (श्रीमती) नजमा अख्तर
शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग
न्यूपा, नई दिल्ली–110016

6. प्रो. सुधांशु भूषण
उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग
न्यूपा, नई दिल्ली 110 016

7. प्रो. अरुण सी. मेहता
शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग
न्यूपा, नई दिल्ली 110 016

8. प्रो. एस.एम.आई.ए. जैदी
शैक्षिक योजना विभाग
न्यूपा, नई दिल्ली 110 016

9. प्रो. नीलम सूद
विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा विभाग
न्यूपा, नई दिल्ली 110 016

10. प्रो. प्रमिला मेनन
शैक्षिक नीति विभाग
न्यूपा, नई दिल्ली–110 016

अन्य न्यूपा संकाय

(कुलपति, न्यूपा द्वारा नामित)

11. डा. (श्रीमती) वीरा गुप्ता
सह–प्रोफेसर
न्यूपा, नई दिल्ली 110 016

12. डा. आर.एस. त्यागी
सहायक–प्रोफेसर
न्यूपा, नई दिल्ली–110 016

कुलपति, न्यूपा द्वारा सहयोजित विशेषज्ञ

13. प्रो. एम. आनन्दकृष्णन
नं. 8, पांचवा मेन रोड,
मदन अपार्टमेंट, द्वितीय तल
कस्तूरबा नगर, चेन्नई-600 020

14. प्रो. सतेन्द्र कुमार
विभागाध्यक्ष
शिक्षा संकाय
एम एस विश्वविद्यालय, बड़ौदा
बड़ोदरा

15. डा. बिनोद कुमार सिंह, *सचिव*
कुलसचिव, न्यूपा,
नई दिल्ली 110 016

VI

परिशिष्ट

संकाय तथा प्रशासनिक स्टाफ (31 मार्च, 2013 के अनुसार)

कुलपति

प्रोफेसर आर. गोविंदा

शैक्षिक योजना विभाग

डा. एस.एम.आई.ए. जैदी, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष
डा. मोना खरे, प्रोफेसर
डा. के. बिस्वाल, सह-प्रोफेसर
डा. एन.के. मोहंती, सहायक प्रोफेसर
डा. सुमन नेगी, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक प्रशासन विभाग

डा. के. सुजाता, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष
डा. कुमार सुरेश, प्रोफेसर
डा. विनीता सिरोही, सह-प्रोफेसर
डा. आर.एस. त्यागी, सहायक प्रोफेसर
डा. मंजू नरूला, सहायक प्रोफेसर
डा. वी. सुचरिता, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक वित्त विभाग

डा. जांध्याला बी.जी. तिलक, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष
डा. वाई. जोसेफिन, सह-प्रोफेसर
डा. पी. गीता रानी, सह-प्रोफेसर
डा. वेटुकुरी पी.एस. राजू, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक नीति विभाग

डा. प्रमिला मेनन, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष
डा. अविनाश के. सिंह, प्रोफेसर
डा. वीरा गुप्ता, सह-प्रोफेसर
डा. एस.के. मलिक, सहायक प्रोफेसर
डा. नरेश कुमार, सहायक प्रोफेसर

विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा विभाग

डा. नलिनी जुनेजा, प्रोफेसर (विश्राम अवकाश पर)
डा. नीलम सूद, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष
डा. प्रणती पांडा, प्रोफेसर
डा. रश्मि दिवान, सह-प्रोफेसर
डा. मधुमिता बंद्योपाध्याय, सह-प्रोफेसर
डा. सुनीता चुग, सहायक प्रोफेसर
डा. कश्यपी अवस्थी, सहायक प्रोफेसर

उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा विभाग

डा. सुधांशु भूषण, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष
डा. आरती श्रीवास्तव, सह-प्रोफेसर
डा. नीरू स्नेही, सहायक प्रोफेसर
डा. कौसर विजारत, सहायक प्रोफेसर
डा. संगीता अंगोम, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग

डा. अरुण सी. मेहता, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष
डा. वाई. श्रीकांत, सह-प्रोफेसर
श्री ए.एन. रेड्डी, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग

डा. नज़मा अखतर, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष
डा. बी.के. पांडा, सह-प्रोफेसर
डा. सविता कौशल, सहायक प्रोफेसर
डा. मोना सेदवाल, सहायक प्रोफेसर

राष्ट्रीय स्कूल नेतृत्व केंद्र

डा. रश्मि दीवान, सह-प्रोफेसर तथा समन्वयक
डा. सुनीता चुग, सह-प्रोफेसर
डा. सीमा सिंह, सहायक प्रोफेसर
डा. सुभिता जी.वी., सहायक प्रोफेसर
डा. मैथिली एन., सहायक प्रोफेसर
डा. श्रेया तिवारी, सहायक प्रोफेसर

राष्ट्रीय उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठ
प्रो. एस. इरफान हबीब

राष्ट्रीय अध्येता
प्रो. ए. मैथ्यू
प्रो. विमला रामचंद्रन

सलाहकार (आई.ए.आई.ई.पी.ए. परियोजना)
प्रो. के. रामचन्द्रन

कुलसचिव
डा. बिनोद कुमार सिंह

पुस्तकालय / प्रलेखन केंद्र
श्रीमती पूजा सिंह, पुस्तकालयाध्यक्ष
डा. डी.एस. ठाकुर, प्रलेखन अधिकारी

प्रकाशन एकक
श्री प्रमोद रावत, उप-प्रकाशन अधिकारी

हिंदी कक्ष
डा. सुभाष सी. शर्मा, हिंदी संपादक और सहायक हॉस्टल वार्डन

कंप्यूटर केंद्र
श्री नवीन भाटिया, कंप्यूटर प्रोग्रामर

प्रशिक्षण और मानचित्रण कक्ष
श्री पी.एन. त्यागी, मानचित्रकार (संगणक अनुप्रयोग) और प्रभारी (प्रशिक्षण)

लेखा
श्रीमती उषा त्यागराजन, वित्त अधिकारी
श्री चंद्र प्रकाश, अनुभाग अधिकारी

प्रशासन (सामान्य तथा कार्मिक)
श्री ए.के. खण्डूड़ी, प्रशासनिक अधिकारी

कार्मिक प्रशासन
सुश्री उज्जवल भट्टाचार्य, अनुभाग अधिकारी

अकादमिक प्रशासन
श्री पी.पी. सक्सेना, अनुभाग अधिकारी

सामान्य प्रशासन
श्री जय प्रकाश सिंह धामी, अनुभाग अधिकारी

वार्षिक लेखा VII

2012-13

31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष का तुलन पत्र

समग्र और पूंजीगत निधि तथा देयताएं	अनुसूची	31-03-2013 के अनुसार	31-03-2012 के अनुसार
पूंजीकृत निधि	1	16,56,76,185	15,78,80,399
पूंजीकृत जमा	2	3,81,110	3,74,886
चिन्हित/कल्याण निधि (जी.पी.एफ.)	3	-	-
विशिष्ट अनुदान (परियोजना)	4	2,05,37,975	3,95,78,837
वर्तमान देयताएं और प्रावधान	5	5,26,09,553	4,65,57,471
योग		**23,92,04,823**	**24,43,91,593**
परिसंपत्तियां			
अचल संपत्तियां	6	14,30,37,082	10,82,02,478
सी.पी.डब्ल्यू.डी– को अग्रिम	7	4,36,48,999	4,64,30,015
भविष्य निधि में निवेश	8	-	-
वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण तथा पेशगियां	9	5,25,18,742	8,97,59,100
योग		**23,92,04,823**	**24,43,91,593**
लेखा की महत्वपूर्ण नीतियां और लेखा पर टिप्पणियां	19	-	-
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियां	20	-	-

ह./-
(उषा त्यागराजन)
वित्त अधिकारी

ह./-
(बी.के. सिंह)
कुलसचिव

ह./-
(आर. गोविंदा)
कुलपति

31 मार्च 2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष का आय और व्यय लेखा

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
अनुदान / उपादान	10	17,66,99,431	19,13,16,663
निवेश से आय	11	-	-
रायल्टी, प्रकाशन से आय	12	2,89,660	2,47,865
ब्याज से आय	13	19,58,580	18,44,274
अन्य आय	14	2,18,22,321	1,19,35,333
योग (अ)		**20,07,69,992**	**20,53,44,135**
व्यय			
स्थापना व्यय	15	12,67,57,280	14,00,48,911
अन्य प्रशासनिक व्यय	16	9,83,30,603	6,56,00,566
प्रकाशन व्यय	17	16,31,289	10,61,544
परिसंपत्तियों की बिक्री मे हानि	18	25,22,936	32,68,387
अवमूल्यन	6	70,56,667	46,75,082
योग (ब)		**23,62,98,775**	**21,46,54,490**
जोड़कर : अतिरिक्त आय / व्यय		(3,55,28,783)	(93,10,355)

ह./-	ह./-	ह./-
(उषा त्यागराजन)	**(बी.के. सिंह)**	**(आर. गोविंदा)**
वित्त अधिकारी	**कुलसचिव**	**कुलपति**

31 मार्च 2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष के तुलन पत्र का अनुसूचीबद्ध विवरण

अनुसूची 1
पूंजीकृत निधि

विवरण	31-03-2013 के अनुसार		31-03-2012 के अनुसार	
वर्ष के प्रारंभ में शेष	15,78,80,399		12,87,32,245	
वर्ष के दौरान जमा	2,10,62,059		1,67,45,839	
जमा: वर्ष के दौरान पूंजीकृत निर्माण	2,22,62,510		1,50,52,498	
जमा: पिछले वर्ष 2010-11 के पूंजीकृत को जोड़कर	-		56,49,229	
योग		**20,12,04,968**		**16,61,79,811**
जमा: व्यय से अधिक आय	-		-	
घटाकर: आये से अधिक व्यय	3,55,28,783	3,55,28,783	82,99,412	82,99,412
वर्ष के अंत में शेष		**16,56,76,185**		**15,78,80,399**

अनुसूची 2
पूंजीकृत आरक्षित निधि

विवरण	31-03-2013 के अनुसार		31-03-2012 के अनुसार	
पूंजीकृत दान निधि	-		-	
पिछले तुलन पत्र के अनुसार	3,74,886		3,65,728	
वर्ष में नई वृद्धि	6,224		9,158	
योग		**3,81,110**		**3,74,886**

अनुसूची 3
चिन्हित/विन्यास निधि

विवरण	31-03-2013 के अनुसार		31-03-2012 के अनुसार	
(क) जी.पी.एफ.	-		-	
अ) अर्थ शेष	-		-	
ब) निधि (जी.पी.एफ. + सी.पी.एफ.) में वृद्धि	-		-	
योग (अ) + (ब)		**-**		**-**
स) निधि का उद्देश्यों हेतु प्रयोग (निकासी)	-		-	
निवल शेष		**-**		**-**

31 मार्च 2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष के तुलन पत्र का अनुसूचीबद्ध विवरण

अनुसूची 4

विशिष्ट परियोजनाएं

विवरण	31-03-2013 के अनुसार	31-03-2012 के अनुसार
परियोजना के लिये विशिष्ट अनुदान		
(अ) निधि का रोकड़ जमा	3,95,78,837	2,25,16,434
(ब) निधि/ब्याज/विविध प्राप्तियों में वर्ष के दौरान वृद्धि	2,25,98,830	3,73,71,952
योग (अ) + (ब)	**6,21,77,667**	**5,98,88,386**
(स) निधि के उद्देश्यों हेतु प्रयोग (निकासी)	4,16,39,692.05	2,03,09,549
निवल शेष	**2,05,37,975**	**3,95,78,837**

अनुसूची 5

वर्तमान देयताएं तथा प्रावधान

विवरण	31-03-2013 के अनुसार	31-03-2012 के अनुसार
वर्तमान देयताएं	-	-
सुरक्षा जमा	4,54,993	4,12,268
जर्नल शुल्क (अग्रिम)	1,54,560	1,29,230
डा. डी.एस. ठाकुर सी.पी.एफ. (देय) 2007-08	-	15,973
प्रावधान : - ग्रेच्यूटी	80,00,000	75,00,000
- अवकाश वेतन	40,00,000	35,00,000
- पेंशन	4,00,00,000	3,50,00,000
योग	**5,26,09,553**	**4,65,57,471**

31 मार्च 2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष के तुलन पत्र का अनुसूचीबद्ध विवरण

अनुसूची 6

अचल संपत्तियां

		परिसंपत्तियों का ब्लॉक						अवमूल्यन	परिसंपत्तियों को ब्लॉक
	विवरण	अवमूल्यन दर	रोकड़ जमा	वर्ष 2012-13 के दौरान जमा		वर्ष 2012-13 के दौरान अवमूल्यन	लागत/मूल्य निर्धारण (31.3.2013 के अनुसार)	वर्ष 2012-13 के दौरान अवमूल्यन	31 मार्च 2013 को शेष राशि
अ.	**अचल संपत्तियां**			**योजनेतर**	**योजना**				
1	भूमि	0%	2,17,215	-	-	-	2,17,215	-	2,17,215
2	भवन	2%	7,56,76,962	-	2,22,62,510	-	9,79,39,472	19,58,789	9,59,80,683
3	गाड़ियां	10%	13,87,309	-	-	24,551	13,62,758	1,36,276	12,26,482
4	कार्यालय उपकरण	7.5%	74,48,801	-	67,59,980	21,32,321	1,20,76,460	9,05,735	1,11,70,726
5	कम्प्यूटर	20%	26,37,798	-	5,63,454	-	32,01,252	6,40,250	25,61,002
6	फर्नीचर/फिक्चर/ फिटिंग्स	7.5%	33,27,031	-	34,84,980	3,66,064	64,45,947	4,83,446	59,62,501
7	पुस्तकालय पुस्तकें	10%	23,27,745	-	10,43,889	-	33,71,634	3,37,163	30,34,472
8	जर्नल	10%	86,02,084	36,04,791	33,58,354	-	1,55,65,229	15,56,523	1,40,08,706
9	ई-जर्नल	40%	3,43,376	-	22,52,835	-	25,96,211	10,38,485	15,57,727
	योग		**10,19,68,321**	**36,04,791**	**3,97,26,002**	**25,22,936**	**14,27,76,178**	**70,56,667**	**13,57,19,513**
10	जारी कार्य (सिविल)		45,41,601		10,83,412	-	56,25,013	-	56,25,013
11	जारी कार्य (इलैक्ट्रिकल)		16,92,556		-	-	16,92,556	-	16,92,556
	योग		**10,82,02,478**	**36,04,791**	**4,08,09,414**	**25,22,936**	**15,00,93,747**	**70,56,667**	**14,30,37,082**

31 मार्च 2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष के तुलन पत्र का अनुसूचीबद्ध विवरण

अनुसूची 7
सी.पी.डब्ल्यू.डी– को अग्रिम

विवरण	31-03-2013 के अनुसार		31-03-2012 के अनुसार	
पिछले तुलन पत्र के अनुसार	4,64,30,015		3,36,30,973	
वर्ष के दौरान जमा (सिविल/इलैक्ट्रिकल विभाग)	2,83,53,512		4,03,19,854	
वर्ष के दौरान निर्माण पूंजीकृत को जोड़कर	(2,22,62,510)		(1,50,52,498)	
वर्ष के दौरान ए.आर.एम.ओ. प्रभार (सिविल)	(50,71, 692)		(45,41,601)	
वर्ष के दौरान ए.आर.एम.ओ. प्रभार (इलैक्ट्रिकल)	(27,16,914)		(16,92,556)	
वर्ष के दौरान जारी कार्य	(10,83,412)	4,36,48,999	(62,34,157)	4,64,30,015
योग		**4,36,48,999**		**4,64,30,015**

अनुसूची 8
चिन्हित / संरक्षित निधि में निवेश

विवरण	31-03-2013 के अनुसार	31-03-2012 के अनुसार
जी.पी.एफ. से		
1. एफ.डी.आर./राष्ट्रीयकृत बैंकों के विशेष निवेश/ डाकखाना सावधि जमा / आर.बी.आई. बॉण्ड	-	-
योग	**-**	**-**

अनुसूची 9
वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण तथा अग्रिम

विवरण	31-03-2013 के अनुसार		31-03-2012 के अनुसार	
(अ). वर्तमान परिसंपत्तियां				
1. स्टेट बैंक आफ इंडिया (10137881320)	58,75,225		2,04,48,288	
2. सिंडीकेट बैंक (योजना) 91392010001112	95,76,067		2,81,14,570	
3. सिंडीकेट बैंक (परियोजना) 91392010001092	2,05,37,975		3,95,78,837	
4. सिंडीकेट बैंक (हॉस्टल) 91392015365	3,04,243		2,93,953	
5. कैनरा बैंक 25536	1,51,74,304		12,977	
6. डाक टिकट हस्तगत	98,562	5,15,66,376	7,624	
योग (अ)		**5,15,66,376**		**8,84,56,249**

विवरण	31-03-2013 के अनुसार		31-03-2012 के अनुसार	
(ब). ऋण, अग्रिम तथा अन्य परिसंपत्तियां				
1. ऋण / स्टाफ				
त्योहार अग्रिम	88,500		1,15,425	
स्कूटर अग्रिम	36,845		30,175	
भवन निर्माण अग्रिम	86,550		1,56,350	
कंप्यूटर अग्रिम	54,000		88,000	
मोटर कार अग्रिम	1,56,000		11,980	
जी.एस.एल.आई.एस.	440		-	
मेडिकल अग्रिम	-		8,000	
अन्य (विविध) अग्रिम	-	**4,22,335**	12,026	**4,93,956**
2. नकद या वस्तु के रूप में वसूली योगय पेशगियां और अन्य धनराशि				
क). सुरक्षा जमा	98,298		98,298	
ख). हॉस्टल से प्राप्त आय	-		3,700	
ग). ऋण और अग्रिम पर ब्याज	1,65,340		4,53,421	
घ). प्रकाशन हस्तगत	2,66,393	5,30,031	2,53,476	8,08,895
योग (ब)		**9,52,366**		**13,02,851**
योग (अ) + (ब)		**5,25,18,742**		**8,97,59,100**

31 मार्च 2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष के आय और व्यय का अनुसूचीबद्ध विवरण

अनुसूची 10

अनुदान / सब्सिडी (अटल अनुदान तथा सहायता)

	विवरण	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	मा.सं.वि– मंत्रालय भारत सरकार से प्राप्त अनुदान				
1)	**योजनेतर**	10,70,44,000		10,33,55,000	
	घटाकर: पूंजीकृत	(36,04,791)			
	योग	10,34,39,209	10,34,39,209	10,33,55,000	10,33,55,000
2)	**योजना**	11,29,80,000		11,97,60,000	
	पूंजीकृत घटाकर	(1,74,57,268)		(1,67,45,839)	
	वर्ष 2012–13 का भवन पूंजीकृत घटाकर	(2,22,62,510)		(1,50,52,498)	
	योग	7,32,60,222	**7,32,60,222**	8,79,61,663	**8,79,61,663**
	योग		**17,66,99,431**		**19,13,16,663**

अनुसूची 11

निवेश से आय

	विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1)	ब्याज प्राप्ति	-	-
2)	पी.एफ. जमा खाते पर ब्याज	-	-
3)	वास्तविक (वर्ष के दौरान)	-	-
4)	घटाकर: पिछले वर्ष का ब्याज	-	-
	योग	-	-

अनुसूची 12

रायल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय

	विवरण	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
1)	रायल्टी से आय	-	61,022	-	32,625
2)	प्रकाशन से आय	2,53,968		2,03,370	
3)	पिछले वर्ष की सदस्यता शुल्क	1,29,230		1,41,100	
4)	घटाकर: जर्नल सदस्यता शुल्क अग्रिम	(1,54,560)	**2,28,638**	(1,29,230)	**2,15,240**
	योग		**2,89,660**		**2,47,865**

31 मार्च 2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष के आय और व्यय का अनुसूचीबद्ध विवरण

अनुसूची 13
ब्याज से आय

	विवरण	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
1)	बचत बैंक खाते पर ब्याज (योजनेतर)	7,70,613		-	16,61,566
	बचत बैंक खाते पर ब्याज (योजना)	10,42,825		-	
	बचत बैंक खाते पर ब्याज (हॉस्टल)	10,290	18,23,728	-	
2)	कर्मचारी ऋण पर ब्याज	4,22,933		89,424	
3)	वास्तविक ब्याज	1,65,340		4,53,421	
4)	घटाकर: पिछले वर्ष का वास्तविक ब्याज	(4,53,421)	(1,34,852)	(3,60,137)	1,82,708
	योग		**19,58,580**		**18,44,274**

अनुसूची 14
विविध आय

	विवरण	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
1)	विविध आय				
	अनुपयोगी वस्तुओं की बिक्री, लाइसेंस शुल्क, जल प्रभार, विवरणिका की बिक्री, टेंडर फार्म, विविध प्राप्तियां	11,14,490		10,81,524	
2)	हॉस्टल किराया प्राप्तियां	46,57,171		24,96,174	
3)	अवकाश वेतन तथा पेंशन योगदान	7,75,033		37,56,405	
4)	विद्यार्थी शुल्क	1,14,300		1,66,500	
5)	प्रो-राटा पेंशनरी लाभ (सुधार) पिछला वर्ष	-		44,29,457	
6)	हॉस्टल टेलीफोन बूथ	-		5,273	
7)	विविध परियोजनाओं से प्राप्त उपरी प्रभार	1,51,61,327	**2,18,22,321**	-	**1,19,35,333**
	योग		**2,18,22,321**		**1,19,35,333**

31 मार्च 2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष के आय और व्यय का अनुसूचीबद्ध विवरण

अनुसूची 15
स्थापना व्यय

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजनेतर	योजना	योग	योजनेतर	योजना	योग
वेतन	4,17,59,888	25,70,587	4,43,30,475	3,39,46,189	32,96,328	3,72,42,517
बोनस और भत्ते तथा ओ.टी.ए.	4,27,45,981	26,27,088	4,53,73,069	3,06,25,361	27,21,988	3,33,47,349
चिकित्सा भत्ता	28,92,739	-	28,92,739	33,46,813	-	33,46,813
वर्दी	14,443	28,672	43,115	40,774	42,937	83,711
अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी)	14,28,664	-	14,28,664	8,00,676	-	8,00,676
पेंशन	2,30,60,348	-	2,30,60,348	4,99,37,029	-	4,99,37,029
ग्रेच्युटी	46,03,853	-	46,03,853	95,27,148	-	95,27,148
अवकाश वेतन	33,11,690	-	33,11,690	39,43,152	-	39,43,152
नई पेंशन योजना	8,60,697	-	8,60,697	3,63,341	-	3,63,341
भविष्य निधि/सी.पी.एस./एन.पी.एस. पर ब्याज	-	-	-	4,54,754	-	4,54,754
यात्रा भत्ता	1,20,221	-	1,20,221	50,100	-	50,100
शिक्षा प्रभार	7,32,409	-	7,32,409	9,52,321	-	9,52,321
योग	**12,15,30,933**	**52,26,347**	**12,67,57,280**	**13,39,87,658**	**60,61,253**	**14,00,48,911**

अनुसूची 15अ
प्रावधानों का आकलन

विवरण	पेंशन	ग्रेच्युटी	अवकाश वेतन
रोकड़ बाकी	3,50,00,000	75,00,000	35,00,000
घटाकर: वर्ष 2012-13 के दौरान वास्तविक भुगतान	1,80,60,348	41,03,853	28,11,690
31.3.2013 को उपलब्ध शेष	1,69,39,652	33,96,147	6,88,310
31.3.2013 को प्रावधान	4,00,00,000	80,00,000	40,00,000
वर्ष 2012-13 के लिये प्रावधान	**2,30,60,348**	**46,03,853**	**33,11,690**

31 मार्च 2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष के आय और व्यय का अनुसूचीबद्ध विवरण

अनुसूची 16

अन्य प्रशासनिक व्यय

विवरण		चालू वर्ष			विगत वर्ष		
		योजनेतर	योजना	योग	योजनेतर	योजना	योग
अ	*आधार संरचना*						
1	किराया/दर/टैक्स	3,87,289	4,21,470	8,08,759	4,67,405	-	4,67,405
2	बिजली/जल प्रभार	64,62,668	6,94,620	71,57,288	89,13,135	21,18,029	1,10,31,164
3	सुरक्षा प्रभार	6,39,487	1,23,845	7,63,332	-	10,86,795	10,86,795
4	बीमा	60,527	-	60,527	67,559	38,099	1,05,658
ब	*संचार*						
1	डाक तथा तार	-	3,12,247	3,12,247	-	5,21,705	5,21,705
2	टेलीफोन तथा फैक्स	9,55,717	1,03,997	10,59,714	6,96,642	2,28,512	9,25,154
स	*अकादमिक संस्थानों को अंशदान*	-	84,511	84,511	-	1,27,835	1,27,835
द	*विज्ञापन प्रभार*	-	22,67,311	22,67,311	-	23,08,631	23,08,631
य	*कानूनी व्यय*	2,66,000	17,400	2,83,400	1,21,560	2,68,010	3,89,570
र	*अन्य*						
1	अखबार प्रभार	1,01,836	22,165	1,24,001	88,848	33,645	1,22,493
2	मनोरंजन प्रभार	-	27,84,041	27,84,041	-	25,24,247	25,24,247
3	अन्य विविध कार्यक्रम प्रभार	-	38,14,000	38,14,000	-	23,38,368	23,38,368
4	पेट्रोल/तेल/ल्यूब्रीकैन्ट प्रभार	4,68,396	-	4,68,396	3,30,421	21,478	3,51,899
5	स्टेशनरी प्रभार	-	11,74,026	11,74,026	-	10,21,737	10,21,737
6	लेखा शुल्क	1,37,385	-	1,37,385	21,567	-	21,567
7	बागवानी प्रभार	-	24,985	24,985	-	26,160	26,160
8	फोटोकॉपी प्रभार	-	4,60,835	4,60,835	-	3,77,631	3,77,631
9	संविदा लेबर/डी.ई.ओ	-	8,81,513	8,81,513	-	7,93,433	7,93,433
10	हाऊस कीपिंग प्रभार	9,59,636	9,81,034	19,40,670	-	10,45,019	10,45,019
11	विविध भुगतान	1,78,301	7,14,796	8,93,097	3,80,170	24,02,910	27,83,080
12	बैंक प्रभार (केनरा बैंक)	-	-	-	-	33	33
13	बट्टा खाता	-	15,726	15,726	-	-	-
ल	*मरम्मत तथा रख-रखाव*						
1	वाहनों का रख-रखाव	1,19,974	-	1,19,974	2,17,197	-	2,17,197
2	उपकरणों का रख-रखाव	-	18,74,665	18,74,665	-	17,83,884	17,83,884

	विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
		योजनेतर	योजना	योग	योजनेतर	योजना	योग
3	फर्नीचर तथा फिक्चर का रख-रखाव	-	51,113	51,113	-	5,98,535	5,98,535
4	भवन रख-रखाव	-	34,59,333	34,59,333	-	3,01,919	3,01,919
5	सिविल प्रभार (एआरएमओ)	-	50,71,692	50,71,692	-	45,41,601	45,41,601
6	विद्युत प्रभार (एआरएमओ)	-	27,16,914	27,16,914	-	16,92,556	16,92,556
	योग (1)	**1,07,37,216**	**2,80,72,239**	**3,88,09,455**	**1,13,04,504**	**2,62,00,772**	**3,75,05,276**

	अकादमिक/ अनुसंधान व्यय	योजनेतर	योजना	योग	योजनेतर	योजना	योग
1	छात्रवृत्ति/किताब और योजना अनुदान	-	2,76,817	2,76,817	-	2,53,300	2,53,300
2	संकाय/स्टाफ को यात्रा भत्ता	-	31,22,169	31,22,169	-	16,73,527	16,73,527
3	भागीदारों को यात्रा भत्ता	-	63,36,637	63,36,637	-	43,83,393	43,83,393
4	संसाधन व्यक्तियों को मानदेय	-	4,55,876	4,55,876	-	4,37,275	4,37,275
	योग (2)	**-**	**1,01,91,499**	**1,01,91,499**	**-**	**67,47,495**	**67,47,495**

	विश्वविद्यालय अध्ययन/विद्यार्थी प्रकोष्ठ/एन.जी.ओ.	योजनेतर	योजना	योग	योजनेतर	योजना	योग
1	विश्वविद्यालय अनुसंधान अध्ययन	-	2,59,60,526	2,59,60,526	-	41,01,766	41,01,766
2	एम.फिल./पी-एच.डी. विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति	-	75,47,308	75,47,308	-	73,06,793	73,06,793
3	गैर-सरकारी संगठनों को अनुदान	-	1,24,35,937	1,24,35,937	-	91,15,273	91,15,273
4	पूर्वोत्तर क्षेत्र	-	33,85,878	33,85,878	-	8,23,963	8,23,963
	योग (3)	**-**	**4,93,29,649**	**4,93,29,649**	**-**	**2,13,47,795**	**2,13,47,795**
	योग (1+2+3)			**9,83,30,603**			**6,56,00,566**

31 मार्च 2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष के आय और व्यय का अनुसूचीबद्ध विवरण

अनुसूची 17
प्रकाशन व्यय

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
प्रकाशन पर व्यय (मुद्रण/जिल्द पर खर्च)	16,44,207	10,72,192
पिछले वर्ष के स्टाक को जोड़कर	2,53,475	2,42,827
हस्तगत किताबों का भंडार घटाकर	(2,66,393)	(2,53,475)
योग	**16,31,289**	**10,61,544**

अनुसूची 18
परिसंपत्तियों की बिक्री पर हानि

विवरण	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
लैजर के अनुसार मूल्य (मोटर साईकिल)	29,151		9,21,618	
वास्तविक मूल्य घटाकर	(4,600)	24,551	4,35,472	4,86,146
कार्यालय उपकरण (कंप्यूटर, अन्य बिजली के उपकरण जैसे ए.सी., वाटर कूलर इत्यादि) 01.04.2011 के मूल्य	26,84,720		32,70,834	
वास्तविक मूल्य घटाकर	(5,52,399)	21,32,321	6,54,532	26,16,302
फर्नीचर, फिक्सर और फिटिंग, आदि के 01.04.2011 का मूल्य	3,91,524		1,93,789	
वास्तविक मूल्य घटाकर	(25,460)	3,66,064	27,850	1,65,939
योग		**25,22,936**		**32,68,387**

ह./-
(उषा त्यागराजन)
वित्त अधिकारी

ह./-
(बी.के. सिंह)
कुलसचिव

ह./-
(आर. गोविंदा)
कुलपति

31 मार्च 2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष के आय और व्यय का अनुसूचीबद्ध विवरण

अनुसूची 19
लेखा की महत्वपूर्ण नीतियां

लेखा निर्माण के आधार

1. ऐतिहासिक लागत परिपाटी के अंतर्गत लेखा तैयार किए जाते हैं जब तक कि अन्य पद्धति के बारे में उल्लेख न हो और आमतौर पर लेखा की विधि वास्तविक गणना पर आधारित है।

2. राजस्व की मान्यता

2.1 स्टाफ के भवन निर्माण पेशगी, कार खरीद पेशगी, स्कूटर और कंप्यूटर खरीद पेशगी पर प्रतिभोद् ब्याज गणना वास्तविक आधार पर की जाती है और मूल धन की पूरी अदायगी के बाद वास्तविक ब्याज की वसूली की जाती है।

2.2 विद्यार्थियों की फीस, टेंडर प्रपत्रों तथा प्रवेश प्रपत्रों की बिक्री, प्रकाशन बिक्री, रायल्टी तथा बचत बैंक खाता और अर्जित आय की वास्तविक आधार पर गणना की जाती है।

2.3 छात्रावास किराया से आय की वास्तविक आधार पर लेखा गणना की जाती है

3. अचल परिसंपत्तियां और अवमूल्यन

3.1 अचल परिसंपत्तियों को प्राप्ति लागत जैसे ढुलाई भाड़ा, शुल्क और कम प्राप्ति संबंधी आकस्मिक और प्रत्यक्ष व्ययों की लागत, स्थापित करने तथा उसे प्रयोग करने में आने वाली लागत के साथ लेखा में वर्णित किया जाता है।

3.2 उपहार में प्राप्त पुस्तकों की कीमत का पुस्तक में मुद्रित मूल्य के आधार पर निर्धारित किया जाता है। उपहार में प्राप्त जिन पुस्तकों मे मूल्य पुस्तक में मुद्रित नहीं होते, उनका मूल्यांकन के आधार पर मूल्य निर्धारित किया जाता है।

3.3 इलेक्ट्रॉनिक जर्नल्स (ई-जर्नल) को पुस्तकालय की पुस्तकों से अलग रखा जाता है। क्योंकि ऑन-लाईन सुविधा होने के कारण सीमित लाभ की संभावना होती है। यद्यपि ई-जर्नल ठोस रूप में नहीं हैं। व्यय की लागत शैक्षणिक ओर शोध कार्य से जुड़े स्टाफ द्वारा स्थाई एवं सतत ज्ञान के रूपों में प्राप्त लाभों के आधार पर पूंजीकृत किया जाता है। ई-जर्नल के अवमूल्यन की दर 40 प्रतिशत उच्च की जाती है जबकि पुस्तकालय से पुस्तकों का अवमूल्यन दर 10 प्रतिशत होती है

3.4 अचल परिसंपत्तियों का मूल्यांकन समुचित अवमूल्यन को घटाकर किया जाता है। अचल परिसंपत्तियों का अवमूल्यन निम्नलिखित दरों के अनुसार सीधे तौर पर किया जाता है।

1.	भूमि	0%
2.	भवन	2%
3.	कार्यालय उपकरण	7.5%
4.	कंप्यूटर और बाह्य उपकरण	20 %
5.	फर्नीचर फिक्चर और फिटिंग्स	7.5%
6.	वाहन	10%
7.	पुस्तकालय पुस्तकें और जर्नल	10%
8.	ई-जर्नल	40%

3.5 अवमूल्यन प्राप्ति की तिथि के बजाए कुल परिसंपत्तियों (वर्ष के दौरान शामिल की गई सभी परिसंपत्तियों सहित) के आधार पर अवमूल्यन प्रदर्शित किया जाता है।

3.6 जब कोई परिसंपित्त पूर्णत: अवमूल्यित कर दी जाती है तब तुलन पत्र में उसका अपक्षय मूल्य रु. 1.00 रखा जाता है। उसके बाद उसका पुन: अवमूल्यन नहीं किया जाता है। इसके बाद प्रत्येक वर्ष शामिल परिसंपत्तियों की मान्य अवमूल्यन दर के आधार पर परिसंपत्ति शीर्ष के अंतर्गत उसकी गणना की जाती है

4. स्टॉक

स्टेशनरी, रसायनों तथा स्टोर के अन्य सामान की खरीद पर व्यय को राजस्व व्यय के रूप में प्रस्तुत किया जाता है

5. सेवानिवृत्त लाभ

विश्वविद्यालय के जिन कर्मचारियों की सेवाओं को विश्वविद्यालय सेवा में समाविष्ट कर लिया जाता है, उनके पूर्व नियोक्ताओं से प्राप्त पेंशन तथा उपदान के पूंजीकृत मूल्य को संबंधित अवधान लेखा में जमा कर दिया जाता है। प्रतिनियुक्त पर कार्यरत कर्मचारियों से प्राप्त पेंशन योगदान को भी पेंशन लेखा प्रावधान के अंतर्गत जमा कर दिया जाता है।

सेवानिवृत्त लाभों के प्रावधान, जैसे- पेंशन, उपदान और अवकाश नगदी को अनुमान के आधार पर प्रस्तुत किया जाता है न कि वास्तविक गणना के आधार पर प्रस्तुत किया जाता है।

अन्य सेवानिवृत्त लाभ, जैसे- सेवा निवृत्त के बाद गृहनगर की यात्रा की गणना वास्तविक मूल्य के आधार, वास्तविक भुगतान और वर्ष के अंत में बकाए बिलों पर की जाती है।

भवन निर्माण पेशगी

अधिकारियों और कर्मचारियों के भवन निर्माण हेतु व्यय सहित पेशगियों के उद्देश्यों से एक परिक्रामी निधि का प्रावधान है।

परिवहन निधि

अधिकारियों और कर्मचारियों के मोटर कार, दुपहिया तथा कंप्यूटरों की खरीद हेतु व्यय सहित पेशगियों क लिए परिक्रामी निधि का प्रावधान है।

एम.फिल. और पी.एच.डी. के विद्यार्थियों को अध्येतावृत्ति हेतु मानव संसाधन विकास मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) से निधि प्राप्त होती है। विश्वविद्यालय स्वयं भी अध्येतावृत्तियां और छात्रवृत्तियां प्रदान करता है जिसे विश्वविद्यालय के शैक्षणिक व्यय में हिसाब रखा जाता है।

गैर सरकारी संगठनों को अनुदान

मानव संसाधन विकास मंत्रालय उच्चतर शिक्षा विभाग गैर सरकारी संगठनों के अनुदान हेतु धनराशि प्रदान करता है।

6. सरकारी अनुदान

6.1 मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार से वर्ष 2012-13 के दौरान कुल अनुदान राशि रु. 2200.24 लाख (योजना 1129.80 लाख रुपए और गैर योजना मद में 1070.44 लाख रुपए प्राप्त हुए)

6.2 पूंजीगत व्यय (वास्तविक आधार पर) में अधिकतम उपयोग के लिए सरकारी अनुदान को पूंजीगत निधि में स्थानांतरित किया गया।

6.3 राजस्व व्यय (वास्तविक आधार पर) को पूरा करने के लिए सरकारी अनुदान को वर्ष की आय का अधिकतम उपयोग के रूप में माना गया।

6.4 अनुप्रयुक्त अनुदान को आगामी वर्ष के लिए ले जाया गया और उसे तुलनपत्र में देयताएं के रूप में प्रस्तुत किया गया।

7. प्रायोजित परियोजनाएं

पहले से जारी प्रायोजित परियोजनाओं के संदर्भ में, प्रायोजनों से प्राप्त धनराशि 'चालू देयताएं और प्रावधान–चालू देयताएं–अन्य देयताएं, शीर्ष के अंतर्गत जमा कर दिया जाता है। ऐसे परियोजनाओं पर होने वाले व्यय को आवंटित शीर्ष प्रभार/प्रशासनिक प्रभार और देयताएं लेखा से निकाल लिया जाता है। परियोजनाओं के ऊपरी प्रभार को परियोजना प्राप्ति शीर्ष में जमा किया जाता है। परियोजनाओं से वसूले अतिरिक्त प्रशासनिक प्रभार केनरा बैंक बचत खाता सं. 25536 में जमा करा दिया जाता है।

चूँकि प्रायोजित परियोजनाओं में शेष धनराशि के रिफण्ड का कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए यह निर्णय लिया गया कि अव्ययित धनराशि को प्रशासनिक निधि लेखा में संतुलित कर दिया जाये। यह दिनांक 5 मार्च 2013 को आयोजित 16वीं वित्त समिति की बैठक के अनुमोदन द्वारा किया गया।

31 मार्च 2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष के आय और व्यय का अनुसूचीबद्ध विवरण

अनुसूची 20
लेखा की महत्वपूर्ण नीतियां और लेखा पर टिप्पणियां

1. अनुदान

विभिन्न गतिविधियों से प्राप्त आय जैसे- सहायता अनुदान, छात्रावास किराया, ऋण पर ब्याज और कर्मचारियों के भविष्य निधि निवेश को वास्तविक आधार पर खातों में दिखाया गया है।

वर्ष 2011-12 के लिए तदर्थ बोनस 2,55,902/- अर्हता प्राप्त कर्मचारियों को भुगतान किया गया।

2. चालू परिसंपत्तियां, ऋण और पेशगियां

प्रबंधन की राय के अनुसार चालू परिसंपत्तियां, ऋण और पेशगियां वास्तविक मूल्य के आधार पर प्रदर्शित हैं जिन्हें तुलनपत्र में कुलराशि के रूप में दिखाया गया है। बचत बैंक खाताओं में शेष राशि का विवरण अनुसूची में प्रस्तुत किया गया है।

आवश्यकतानुसार पिछले वर्ष के अंक साथ-साथ दिखाए गए हैं।

अंतिक योग के अंकों को निकटवर्ती पूर्णांक रुपये में दिखाया गयाहै।

वर्ष 2012-13 में उपहार स्वरूप प्राप्त पुस्तकों का मूल्य रु. 3,81,110/- (पूर्व में रु. 3,74,886/-) था। उपहार में प्राप्त पुस्तकों का अवमूल्यन मूल्य भी दिखाया गया है।

भविष्य निधि खाते और नई पेंशन योजना खाते सदस्यों के हैं न कि विश्वविद्यालय के, इसलिए इन खातों को विश्वविद्यालय के लेखे से अलग रखा गया है। यद्यपि वर्ष 2012-13 की प्राप्ति और भुगतान लेखा, आय और व्यय लेखा (वास्तविक आधार पर) और भविष्य निधि लेखा के साथ-साथ नई पेंशन योजना का तुलन पत्र विश्वविद्यालय लेखे के साथ संलग्न किए गए हैं।

ह./-	ह./-	ह./-
(उषा त्यागराजन)	**(बी.के. सिंह)**	**(आर. गोविंदा)**
वित्त अधिकारी	**कुलसचिव**	**कुलपति**

विशिष्ट परियोजनाओं के लिए अनुदान उपयोगिता प्रमाण पत्र
(योजना एवं योजनेत्तर)
मा.सं.वि– मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त (वर्ष 2012–13 के लिए)

प्राप्तियां	योजना	योजनेतर	भुगतान	योजना	योजनेतर
अर्थशेष	2,81,14,570	2,04,48,288	राजस्व व्यय	8,67,58,172	12,62,84,122
मा.सं.वि. मंत्रालय से प्राप्त अनुदान	11,29,80,000	10,70,44,000	पूंजीगत व्यय/सी.पी. डब्ल्यू.डी. में जमा	4,58,10,780	36,04,791
बैंक से बचत खातों पर प्राप्त ब्याज	10,42,825	7,70,613	सुरक्षा जमा/चिकित्सा अग्रिम/वसूली योग्य अग्रिम/जी.एस.एल. आई.सी	-	8,65,240
विविध प्राप्तियां (छात्रावास किराया, लाइसेंस शुल्क जल प्रभार, वसूली योग्य अग्रिम)	-	83,66,477	कुल व्यय	13,25,68,953	13,07,54,153
डाक शुल्क	7,624	-	अंतशेष	95,76,067	58,75,225
योग	**14,21,45,019**	**13,66,29,378**	**योग**	**14,21,45,019**	**13,66,29,378**

ह./-
(उषा त्यागराजन)
वित्त अधिकारी

ह./-
(बी.के. सिंह)
कुलसचिव

ह./-
(आर. गोविंदा)
कुलपति

31 मार्च 2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष का जी.पी.एफ./सी.पी.एफ. तुलन पत्र

अक्षय निधि/पूंजीगत निधि तथा देयताएं	31-03-2013 के अनुसार	31-03-2012 के अनुसार
चिन्हित / स्थायी निधि (सी.पी.एफ./जी.पी.एफ.)	10,54,73,629	8,71,53,705
योग	**10,54,73,629**	**8,71,53,705**
परिसंपत्तियां		
भविष्य निधि निवेश	10,21,18,728	8,44,24,264
वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम इत्यादि	22,56,312	22,57,982
निवेश पर ब्याज प्रोद्भूत पर देय नहीं	10,98,589	4,71,459
योग	**10,54,73,629**	**8,71,53,705**

ह./-
(उषा त्यागराजन)
वित्त अधिकारी

ह./-
(बी.के. सिंह)
कुलसचिव

ह./-
(आर. गोविंदा)
कुलपति

1.4.2012 से 31.3.2013 तक के वित्तीय वर्ष का जी.पी.एफ./सी.पी.एफ. की आय तथा व्यय लेखा

आय	2012-13	2011-12	व्यय	2012-13	2011-12
जी.पी.एफ. खाते में हस्तांतरण	87,61,767	79,65,359	जी.पी.एफ. पर अदा किया गया ब्याज	71,32,603	54,47,946
सरकारी अंशदान प्राप्त (श्री जे.के. त्रिपाठी)	-	8,880	सी.पी.एफ. पर अदा किया गया ब्याज	4,11,631	3,56,703
प्रोद्भूत ब्याज	61,39,422	55,12,292	नियोक्ता अंशदान सी.पी.एफ. अभिदाता को देय	1,45,482	1,48,936
घटाकर: पिछले वर्ष का प्रोद्भूत बयाज	(55,12,292)	(50,40,833)	नियोक्ता अंशदान पर ब्याज सी.पी. एफ. अभिदाता को देय	1,46,681	1,26,067
	-	-	व्यय से अधिक आय (ब्याज जमा में स्थानांतरित)	15,52,500	23,66,046
योग	**93,88,897**	**84,45,698**	**योग**	**93,88,897**	**84,45,698**

ह./-
(उषा त्यागराजन)
वित्त अधिकारी

ह./-
(बी.के. सिंह)
कुलसचिव

ह./-
(आर. गोविंदा)
कुलपति

1.4.2012 से 31.3.2013 तक के वित्तीय वर्ष का जी.पी.एफ./सी.पी.एफ– अनुसूची

जी.पी.एफ./सी.पी.एफ.	31-03-2013 के अनुसार		31-03-2012 के अनुसार	
रोकड़ बाकी	8,71,53,705		7,37,28,135	
अंशदान (जी.पी.एफ./सी.पी.एफ.)	1,96,47,140		1,56,65,054	
नियोक्ता अभिदाता को देय ब्याज	75,44,234		58,04,649	
नियोक्ता अंशदान अभिदाता को देय	1,45,482		1,48,936	
सी.पी.एफ. पर नियोक्ता के अंशदान पर ब्याज	1,46,681		1,26,067	
ब्याज जमा (व्यय से अधिक आय)	15,52,500		23,66,046	
	11,61,89,742		**9,78,38,887**	
घटाकर: निकासी	1,07,16,113	10,54,73,629	1,06,85,182	8,71,53,705
योग		**10,54,73,629**		**8,71,53,705**
भविष्य निधि में निवेश		10,21,18,728		8,44,24,264
चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम इत्यादि		22,56,312		22,57,982
निवेश पर ब्याज प्रोद्भूत पर देय नहीं		10,98,589		4,71,459
योग		**10,54,73,629**		**8,71,53,705**

ह./-
(उषा त्यागराजन)
वित्त अधिकारी

ह./-
(बी.के. सिंह)
कुलसचिव

ह./-
(आर. गोविंदा)
कुलपति

1.4.2012 से 31.3.2013 तक के वित्तीय वर्ष का जी.पी.एफ./सी.पी.एफ. की प्राप्ति तथा भुगतान

प्राप्तियां	2012-13	2011-12	भुगतान	2012-13	2011-12
अर्थ शेष	22,57,982	68,03,871	जी.पी.एफ. अग्रिम/निकासी	98,08,971	1,06,85,182
जी.पी.एफ. अंशदान और प्राप्तियां	1,92,88,640	1,52,87,054	सी.पी.एफ. निकासी	9,07,142	-
जी.पी.एफ. अंशदान और प्राप्तियां	3,58,500	3,78,000	निवेश	5,11,94,464	2,40,00,000
एफ.डी. नकदीकरण	3,35,00,000	65,00,000			
निवेश पर ब्याज जी.पी.एफ./सी. पी.एफ. पर बैंक ब्याज	87,61,767	79,65,359			
श्री जे.के. त्रिपाठी के संबंध में सरकारी अंशदान (जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय से प्राप्त)		8,880	अंतशेष	22,56,312	22,57,982
योग	**6,41,66,889**	**3,69,43,164**	**योग**	**6,41,66,889**	**3,69,43,164**

ह./-
(उषा त्यागराजन)
वित्त अधिकारी

ह./-
(बी.के. सिंह)
कुलसचिव

ह./-
(आर. गोविंदा)
कुलपति

नई पेंशन स्कीम लेखा
31 मार्च 2013 के अनुसार तुलन-पत्र

देयताएं	31-03-2013 के अनुसार	31-03-2012 के अनुसार
चिन्हित/अक्षय निधि (एन.पी.एस.)	51,03,026	32,51,791
योग	**51,03,026**	**32,51,791**
परिसंपत्तियां		
निवेश	33,50,000	26,50,000
वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम इत्यादि	17,53,026	5,16,031
निवेश पर ब्याज, प्रोद्भूत पर देय नहीं	-	85,705
न्यूपा लेखा से देय राशि	-	55
योग	**51,03,026**	**32,51,791**

ह./-
(उषा त्यागराजन)
वित्त अधिकारी

ह./-
(बी.के. सिंह)
कुलसचिव

ह./-
(आर. गोविंदा)
कुलपति

नई पेंशन स्कीम लेखा

1.4.2012 से 31.3.2013 तक के वित्तीय वर्ष का आय तथा व्यय का लेखा

आय	31-03-2013 के अनुसार	31-03-2012 के अनुसार
योजनेत्तर लेखा से प्राप्त ब्याज	-	4,54,754
एन.पी.एस. बचत खाते से प्राप्त ब्याज	39,009	87,984
एन.पी.एस. निधि निवेश से प्राप्त ब्याज	53,265	-
प्रोद्भूत ब्याज	-	85,705
योग	**92,275**	**6,28,443**
व्यय		
एन.पी.एस. अंशदाता के खाते में जमा ब्याज	-	4,54,754
व्यय से अधिक आय जमा ब्याज में स्थानांतरित	92,275	1,73,689
योग	**92,275**	**6,28,443**

ह./-
(उषा त्यागराजन)
वित्त अधिकारी

ह./-
(बी.के. सिंह)
कुलसचिव

ह./-
(आर. गोविंदा)
कुलपति

नई पेंशन स्कीम लेखा

अनुसूची	31-03-2013 के अनुसार	31-03-2012 के अनुसार
अर्थशेष	32,51,791	17,15,018
कर्मचारी अंशदान	9,39,195	4,54,165
नियोक्ता अंशदान	9,39,195	4,54,165
अंशदान पर ब्याज (कर्मचारी + नियोक्ता)	-	4,54,754
एन.पी.एस. निधि निवेश पर ब्याज	53,265	-
घटाकर: पिछले वर्ष का प्रोद्भूत ब्याज	(85,705)	-
बचत खाते पर प्राप्त ब्याज	39,009	1,73,689
घटाकर: बैंक प्रभार	(55)	-
घटाकर: निकासी	(33,670)	-
योग	**51,03,026**	**32,51,791**
निवेश	33,50,000	26,50,000
वर्तमान परिसंपत्तियां ऋण, अग्रिम इत्यादि	17,53,026	5,16,031
निवेश पर ब्याज प्रोद्भूत पर देय नहीं	-	85,705
बैंक प्रभार	-	55
योग	**51,03,026**	**32,51,791**

ह./-
(उषा त्यागराजन)
वित्त अधिकारी

ह./-
(बी.के. सिंह)
कुलसचिव

ह./-
(आर. गोविंदा)
कुलपति

1.4.2012 से 31.3.2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए
नई पेंशन स्कीम का प्राप्ति तथा भुगतान लेखा

प्राप्तियां	2012-13	2011-12	भुगतान	2012-13	2011-12
अर्थशेष	5,16,031	17,15,018	एन.पी.एस. निकासी	33,670	-
कर्मचारी अंशदान	9,39,195	4,54,165	निवेश 2012–13	12,50,000	26,50,000
नियोक्ता अंशदान	9,39,195	4,54,165	बैंक प्रभार	-	55
एफ.डी. नकदीकरण	5,50,000	-		-	-
गैर योजना लेखाओं से प्राप्त ब्याज	-	4,54,754		-	-
एन.पी.एस. निधि निवेश से प्राप्त ब्याज	53,265	-		-	-
एन.पी.एस. निधि बचत खाते से प्राप्त ब्याज	39,009	87,984	अंत शेष	17,53,026	5,16,031
योग	**30,36,696**	**31,66,086**	**योग**	**30,36,696**	**31,66,086**

ह./-
(उषा त्यागराजन)
वित्त अधिकारी

ह./-
(बी.के. सिंह)
कुलसचिव

ह./-
(आर. गोविंदा)
कुलपति

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय

31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष के अनुसार प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

प्राप्तियां	चालू वर्ष 2012-2013		विगत वर्ष 2011-2012	
अर्थशेष				
बैंक रोकड़ बाकी (बचत खाता बैंक) डाक टिकट	8,81,62,296.09		5,35,86,120.42	
छात्रावास खाता	2,93,953.12		2,88,680.25	
भारत सरकार, मा.सं.वि. मंत्रालय से प्राप्त अनुदान (योजना)	11,29,80,000.00		11,97,60,000.00	
भारत सरकार, मा.सं.वि. मंत्रालय से प्राप्त अनुदान (योजनेत्तर)	10,70,44,000		10,33,55,000.00	
अन्य स्रोतों से विशिष्ट अनुदान	2,25,98,830.21		3,73,71,952.64	
केनरा बैंक- प्रशासनिक ऊपरी प्रभार	1,51,61,327.05		-	
योग	**34,62,40,406.47**	**34,62,40,406.47**	**31,43,61,753.31**	**31,43,61,753.31**
आय बचत खाता				
बचत खाता ब्याज (योजना)	10,42,824.80		-	
बचत खाता ब्याज (योजनेत्तर)	7,70,613.00		16,61,566.52	
बचत खाता ब्याज (हॉस्टल)	10,289.74		-	
योग	**18,23,727.54**	**18,23,727.54**	**16,61,566.52**	**16,61,566.52**
ब्याज प्राप्त				
प्रोद्भूत अग्रिम पर ब्याज	4,22,933.00		89,424.00	
योग	**4,22,933.00**	**4,22,933.00**	**89,424.00**	**89,424.00**
अन्य आय				
रायल्टी	61,021.71		32,625.00	
प्रकाशनों की बिक्री	2,53,968.00		2,03,370.00	
अनुपयोगी वस्तुओं की बिक्री	5,82,399.00		11,17,854.00	
हॉस्टल किराया	46,57,171.00		24,96,174.00	
हॉस्टल टेलीफोन बूथ	-		5,272.87	
योग	**55,54,559.71**	**55,54,559.71**	**38,55,295.87**	**38,55,295.87**

31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष के अनुसार प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

भुगतान	चालू वर्ष 2012-2013			विगत वर्ष 2011-2012		
1. व्यय						
अ. स्थापना व्यय						
	योजनेत्तर	**योजना**	**योग**	**योजनेत्तर**	**योजना**	**योग**
वेतन तथा भत्ते						
अधिकारियों का वेतन	2,78,34,680.00	24,35,387.00		2,17,83,943.00	24,32,240.00	
स्थापना व्यय	1,39,25,208.00	1,35,200.00		1,21,62,246.00	8,64,088.00	
योग	**4,17,59,888.00**	**25,70,587.00**	**4,43,30,475.00**	**3,39,46,189.00**	**32,96,328.00**	**3,72,42,517.00**
ब. भत्ते तथा बोनस						
भत्ते तथा मानदेय	4,24,11,175.00	26,27,088.00		3,02,88,318.00	27,21,988.00	
समयोपरि भत्ता	78,904.00	-		68,495.00	-	
बोनस	2,55,902.00	-		2,68,548.00	-	
चिकित्सा प्रतिपूर्ति	28,92,739.00	-		33,46,813.00	-	
योग	**4,56,38,720.00**	**26,27,088.00**	**4,82,65,808.00**	**3,39,72,174.00**	**27,21,988.00**	**3,66,94,162.00**
2. अन्य भुतान						
अवकाश यात्रा वेतन	14,28,664.00	-		8,00,676.00		
नई पेंशन स्कीम (सरकारी अंशदान)	8,60,697.00	-		3,63,341.00		
पी.एफ./एन.पी.एस. पर ब्याज कर्मचारियों को भुगतान	-	-		4,54,754.00		
पेंशन तथा डीसीआरजी	2,21,64,201.00	-		2,01,14,177.00		
अवकाश वेतन	28,11,690.00	-		18,93,152.00		
ट्यूशन फीस	7,32,409.00	-		9,52,321.00		
यात्रा भत्ता	1,20,221.00	-		50,100.00		
वर्दी	14,443.00	28,672.00		40,774.00	42,937.00	
योग	**2,81,32,325.00**	**28,672.00**	**2,81,60,997.00**	**2,46,69,295.00**	**42,937.00**	**2,47,12,232.00**

प्राप्तियां	चालू वर्ष 2012-2013		विगत वर्ष 2011-2012	
अन्य प्राप्तियां				
लाईसेन्स शुल्क	2,74,947.00		1,23,576.00	
अन्य प्रभार	5,079.00		5,547.00	
विद्यार्थी फीस	1,14,300.00		1,66,500.00	
विविध प्राप्तियां	2,16,665.00		9,52,401.00	
विवरणिका की बिक्री	8,900.00		-	
टेंडर फार्म की बिक्री	26,500.00		-	
योग	**6,46,391.00**	**6,46,391.00**	**12,48,024.00**	**12,48,024.00**
स्टाफ से प्राप्त ऋण अग्रिम				
त्यौहार पेशमी	1,50,675.00		1,38,525.00	
कार पेशगी	35,980.00		89,760.00	
स्कूटर पेशगी	23,330.00		4,380.00	
हाउस बिल्डिंग अग्रिम	69,800.00		62,575.00	
कम्प्यूटर अग्रिम	34,000.00		26,000.00	
चिकित्सा अग्रिम	80,000.00		-	
विविध प्राप्तियां	-		-	
अवकाश वेतर/पेंशन योगदान	7,75,033.00		37,56,405.00	
प्रतिभूति जमा	5,73,775.00		81,610.00	
योग	**17,42,593.00**	**17,42,593.00**	**41,59,255.00**	**41,59,255.00**

भुगतान	चालू वर्ष 2012-2013			विगत वर्ष 2011-2012		
अन्य प्रशासनिक व्यय						
विज्ञापन प्रभार	-	22,67,311.00		-	23,08,631.00	
मनांरंजन प्रभार	-	27,84,041.00		-	25,24,247.00	
मुद्रण लागत	-	16,44,207.00		-	10,72,192.00	
पोस्ट तथा टेलीग्राम प्रभार	-	3,12,247.00		-	5,21,705.00	
पेट्रोल ऑयल ल्यूब्रीकेन्ट प्रभार	4,68,396.00	-		3,30,421.00	21,478.00	
स्टेशनरी प्रभार	-	11,74,026.00		-	10,21,737.00	
लेखा शुल्क	1,37,385.00	-		21,567.00	-	
कानूनी व्यय	2,66,000.00	17,400.00		1,21,560.00	2,68,010.00	
स्टाफ कार का रख-रखाव	1,19,974.00	-		2,17,197.00	-	
उपकरणों का रख-रखाव	-	18,74,665.00		-	17,83,884.00	
फर्नीचर एवं साजो-सामान की मरम्मत	-	51,113.00		-	5,98,535.00	
सस्था भवन का रख-रखाव	-	34,59,333.00		-	3,01,919.00	
विविध व्यय (कार्यक्रम)	-	38,14,000.00		-	23,38,368.00	
टेलीफोन प्रभार	9,55,717.00	1,03,997.00		6,96,642.00	2,28,512.00	
जल/विद्युत प्रभार	64,62,668.00	6,94,620.00		89,13,135.00	21,18,029.00	
किराया/दर एवं कर	3,87,289.00	4,21,470.00		4,67,405.00	-	
बागवानी प्रभार	-	24,985.00		-	26,160.00	
समाचार पत्र प्रभार	1,01,836.00	22,165.00		8,88,48.00	33,645.00	
बीमा	60,527.00	-		67,559.00	38,099.00	
विविध व्यय	1,78,301.00	7,14,796.34		3,80,170.00	24,02,910.32	
सुरक्षा व्यय	6,39,487.00	1,23,845.00		-	10,86,795.00	
फोटोकॉपी प्रभार	-	4,60,835.00		-	3,77,631.00	
संविदा लेबर/सी.ई.ओ.	-	8,81,513.00		-	7,93,433.00	
हाउसकीपिंग प्रभार	9,59,636.00	9,81,034.00		-	10,45,019.00	
योग	**10,73,7216.00**	**2,18,27,603.34**	**3,25,64,819.34**	**1,13,04,504.00**	**2,09,10,939.32**	**3,22,15,443.32**

प्राप्तियां	चालू वर्ष 2012-2013	विगत वर्ष 2011-2012

भुगतान	चालू वर्ष 2012-2013			विगत वर्ष 2011-2012		
अन्य व्यय (अकादमिक)						
छात्रवृत्ति, पुस्तकें तथा परियोजना अनुदान	-	2,76,817.00		-	2,53,300.00	
संकाय को यात्रा भत्ता	-	31,22,169.00		-	16,73,527.00	
भागीदारों को यात्रा भत्ता	-	63,36,637.00		-	43,83,393.00	
संसाधन व्यक्ति को मानदेय	-	4,55,876.00		-	4,37,275.00	
अकादमिक संस्थानों की सदस्यता	-	84,511.00		-	1,27,835.00	
योग	**-**	**1,02,76,010.00**	**1,02,76,010.00**	**-**	**68,75,330.00**	**68,75,330.00**
अचल परिसंपत्ति पर निवेश तथा जारी पूंजीगत कार्य						
फर्नीचर एवं साज-सामान	-	34,84,980.00		-	16,28,967.00	
अन्य कार्यालय उपकरण	-	67,59,980.00		-	44,54,869.00	
जर्नल की खरीद	36,04,791.00	33,58,354.00		10,515.00	44,70,421.00	
ई-जर्नल की खरीद	-	22,52,835.39		-	-	
पुस्तकालय की पुस्तकें	-	10,37,665.00		-	13,11,123.00	
स्टाफ की खरीद	-	-		15,72,697.00	-	
कम्प्यूटर तथा साज-सामान	-	5,63,454.00		-	32,97,247.00	
योग	**36,04,791.00**	**1,74,57,268.39**	**2,10,62,059.39**	**15,83,212.00**	**1,51,62,627.00**	**1,67,45,839.00**
सी.पी.डब्ल्यू.डी. को अग्रिम						
भवन (सिविल/ इलैक्ट्रिकल) पूंजीगत/ ए.आर.एम.ओ.	-	-		-	4,03,19,854.00	
भवन (पूंजीगत) इलैक्ट्रीकल	-	2,83,53,512.00		-	-	
योग	**-**	**2,83,53,512.00**	**2,83,53,512.00**	**-**	**4,03,19,854.00**	**4,03,19,854.00**
विद्यार्थी प्रकोष्ठ						
एम.फिल. छात्रों की अध्येतता/वृत्ति	-	75,47,308.00			73,06,793.00	
एन.जी.ओ. को अनुदान	-	1,24,35,937.00			91,15,273.00	
संस्थान अनुसंधान अध्ययन	-	-			-	
व्यय	-	2,59,60,526.00			41,01,766.00	
योग	**-**	**4,59,43,771.00**	**4,59,43,771.00**		**2,05,23,832.00**	**2,05,23,832.00**

प्राप्तियां	चालू वर्ष 2012-2013	विगत वर्ष 2011-2012

भुगतान		चालू वर्ष 2012-2013			विगत वर्ष 2011-2012	
उत्तर-पूर्वी क्षेत्र	-	33,85,878.00		-	8,23,963.00	
योग	**-**	**33,85,878.00**	**33,85,878.00**	**-**	**8,23,963.00**	**8,23,963.00**
विभिन्न विशिष्ट परियोजनाओं के लिये निर्धारित निधि का भुगतान						
राजस्व व्यय	-	4,16,39,692.05		-	2,03,09,549.17	
योग		**4,16,39,692.05**	**4,16,39,692.05**		**2,03,09,549.17**	**2,03,09,549.17**
अन्य भुगतान						
त्यौहार अग्रिम	1,23,750.00	-		1,64,250.00	-	
स्कूटर अग्रिम	30,000.00	-		**-**	**-**	
कार अग्रिम	1,80,000.00	-		-	-	
भवन निर्माण अग्रिम	-	-		-	-	
कम्प्यूटर अग्रिम	-	-		60,000.00	-	
प्रतिभूति (वापिस)	-	-		86,241.00	-	
विभिन्न लेनदार	5,31,050.00	-		63,964.00	-	
चिकित्सा अग्रिम	-	-		80,000.00	-	
जी.पी.एफ. अग्रिम तथा निकासी	15,973.00	-		-	-	
योग	**8,80,773.00**	**-**	**8,80,773.00**	**4,54,455.00**	**-**	**4,54,455.00**

प्राप्तियां	चालू वर्ष 2012-2013		विगत वर्ष 2011-2012	
धन प्रेषित				
आयकर (वेतन से)	98,38,389.00		60,42,054.00	
अग्रिम से वसूली	1,71,81,240.00		1,51,18,700.00	
पी.एफ. अंशदान/प्रतिनियुक्ति स्टाफ की वसूली	2,25,000.00		-	
सामूहिक बीमा लिंक बचत योजना	96,344.00		87,680.00	
स्टाफ की एल.आई.सी.	3,20,294.00		3,61,085.00	
सोसायटी वसूली	19,38,597.00		18,33,860.00	
आयकर (पार्टी)	4,25,873.00		2,83,774.00	
नई पेंशन स्कीम (टीयर-1)	8,60,697.00		3,63,341.00	
स्टाफ की एल.आई.सी. (प्रतिनियुक्ति)	7,368.00		-	
योग	**3,08,93,802.00**	**3,08,93,802.00**	**2,40,90,494.00**	**2,40,90,494.00**

ह./-

(उषा त्यागराजन)

वित्त अधिकारी

भुगतान	चालू वर्ष 2012-2013		विगत वर्ष 2011-2012	
धन प्रेषित				
आयकर (वेतन)	98,38,389.00		60,42,054.00	
पी.एफ. अंशदान तथा अग्रिम की वापसी	1,71,81,240.00		1,51,18,700.00	
पी.एफ. अंशदान/प्रति नियुक्ति स्टाफ वसूली	2,25,000.00		-	
सामूहिक बचत लिंक बीमा योजना	96,784.00		89,540.00	
स्टाफ की एल.आई.सी.	3,20,294.00		3,61,085.00	
सोसायटी वसूली	19,38,597.00		18,33,860.00	
आयकर (पार्टी)	4,25,873.00		2,83,774.00	
नई पेंशन स्कीम (टीयर-1)	8,60,697.00		3,63,341.00	
स्वयं की एल.आई.सी. (प्रतिनियुक्ति)	7,368.00		-	
बैंक प्रभार (कैनरा बैंक)	-		33.00	
योग	**3,08,94,242.00**	**3,08,94,242.00**	**2,40,92,387.00**	**2,40,92,387.00**
अंतशेष				
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (10137881320)	58,75,224.93		2,04,48,288.22	
सिंडीकेट बैंक (91392010001112)	95,76,066.75		2,81,14,569.68	
सिंडीकेट बैंक (91392010001092)	2,05,37,975.35		3,95,78,837.19	
केनरा बैंक (25536)	1,51,74,304.05		12,977.00	
डाक टिकट हस्तगत	98,562.00		7,624.00	
हॉस्टल खाता (91392015365)	3,04,242.86		2,93,953.12	
योग	**5,15,66,375.74**	**5,15,66,375.74**	**8,84,56,249.21**	**8,84,56,249.21**
महायोग		**38,73,24,412.72**		**34,94,65,812.70**

ह./-
(बी.के- सिंह)
कुलसचिव

ह./-
(आर. गोविंदा)
कुलपति

31 मार्च 2013 के अनुसार सौंपे गये कार्यक्रमों का लेखा प्रपत्र

क्र. सं.	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थशेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
1	शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) 1 फरवरी से 30 अप्रैल 2012	-36,78,753.00	89,02,720.00	52,23,967.00	67,92,347.00	-15,68,380.00
2	डाईस की स्थापना और संचालन (यूनीसेफ़) डा. ए.सी. मेहता	13,43,206.00	24,61,096.00	38,04,302.00	30,03,216.00	8,01,086.00
3	सर्वशिक्षा अभियान पर परियोजना (मा.सं.वि. मंत्रालय)	11,60,272.00	6,78,000.00	18,38,272.00	7,73,910.00	10,64,362.00
4	ससेक्स विश्वविद्यालय के सहयोगात्मक परियोजना के संदर्भ में भारत में प्राथमिक शिक्षा (क्रिएट) (डा. आर. गोविंदा)	4,78,191.26.00	0.00	4,78,191.26	4,55,598.00	22,593.26
5	स्कूल प्राचार्यों का प्रशिक्षण कार्यक्रम, 2006 (डा. आर.एस. त्यागी)	15,05,624.00	5,40,000.00	20,45,624.00	7,897.00	20,37,727.00
6	प्रशासनिक ऊपरी प्रभार/बचत खाते पर ब्याज	1,74,41,887.93	20,44,402.21	1,94,86,290.14	1,51,62,901.05	43,23,389.09
7	14 राज्यों में सर्व शिक्षा अभियान के संदर्भ में स्कूल प्रबंधन तथा निरीक्षण के संबंध में वी.ई.सी./ डी.टी.ए./एस.एम.डी.सी./स्थानीय शहरी निकायों की भूमिका	12,89,292.00	0.00	12,89,292.00	93,867.00	11,95,425.00
8	माध्यमिक शिक्षा सूचना प्रणाली प्रबंधन (सेमिस) मा.सं.वि. मंत्रालय	43,75,515.00	0.00	43,75,515.00	4,84,392.00	38,91,123.00
9	यूनेस्को संविदा सं. 4500084591 माध्यमिक शिक्षा नीति तथा प्रबंधन (डा. प्रणति पांडा)	1,58,411.00	0.00	1,58,411.00	0.00	1,58,411.00
10	ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान (यू.जी.सी. सहयोग) भारतीय उच्च शिक्षा में गुणवत्ता तथा उत्कृष्टता का मुद्दा (डा. सुधांशु भूषण)	53,250.00	0.00	53,250.00	0.00	53,250.00
11	बुरूण्डी में भारत अफ्रीका शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (दक्षिण अफ्रीका)	27,49,998.00	0.00	27,49,998.00	1,85,340.00	25,64,658.00
12	एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र के चुनिंदा विकासशील देशों में कार्य सूचना आधार स्कूल (डा. विनीता सिरोही)	69,995.00	0.00	69,995.00	0.00	69,995.00
13	विश्व की सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्था में त्वरित उच्च शिक्षा विस्तार का संभावित आर्थिक तथा सामाजिक प्रभाव (डा. जे.बी.जी. तिलक)	5,31,948.00	0.00	5,31,948.00	16,667.00	5,15,281.00
14	प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक (एडसिल) डा. के सुजाता	31,00,000.00	0.00	31,00,000.00	27,37,601.00	3,62,399.00
15	शिक्षा-दक्षिण एशिया (डा. मोहन्ती/डा. जैदी)	0.00	5,27,650.00	5,27,650.00	4,53,003.00	74,647.00

क्र.सं.	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थशेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
16	शिक्षा–दक्षिण एशिया (डा. आरती / डा. मोना खरे)	0.00	5,27,648.00	5,27,648.00	5,27,648.00	0.00
17	शिक्षा–दक्षिण एशिया (डा. विनीता / डा. ए.के. सिंह)	0.00	5,27,648.00	5,27,648.00	5,27,648.00	0.00
18	महात्मा गांधी शान्ति शिक्षा संस्थान (मगीप)	65,00,000.00	0.00	65,00,000.00	53,70,837.00	11,29,163.00
19	नेतृत्व कार्यक्रम (मा.सं.वि. मंत्रालय) डा. रश्मि दीवान	25,00,000.00	49,00,000.00	74,00,000.00	47,36,186.00	26,63,814.00
20	आर.एम. तथा भारत में सैनिक स्कूल (डा. प्रमिला मेनन)	0.00	6,76,925.00	6,76,925.00	2,50,634.00	4,26,291.00
21	आई.एस.एस.टी. परियोजना – डा. वी. रामचंद्रन	0.00	2,73,240.00	2,73,240.00	60,000.00	2,13,240.00
22	दक्षिण एशिया 4 देश – भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश तथा पाकिस्तान (यूनिसेफ)	0.00	5,39,501.00	5,39,501.00	0.00	5,39,501.00
	महायोग	**3,95,78,837.19**	**2,25,98,830.21**	**6,21,77,667.40**	**4,16,39,692.05**	**2,05,37,975.35**

ह./-
(उषा त्यागराजन)
वित्त अधिकारी

ह./-
(बी.के. सिंह)
कुलसचिव

ह./-
(आर. गोविंदा)
कुलपति

2012-13 मुख्य लेखा

शेष परीक्षण (1 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2013 तक)

विवरण	अंत शेष	
	निकासी	जमा
पूंजीगत लेखा		**20,15,86,077.90**
शेष तथा अतिरिक्त		
जोड़कर / अधिक आय / व्यय		3,55,28,783.00
पूंजीगत निधि		16,56,76,184.56
परिसंपत्ति निधि दान		3,81,110.34
चिन्हित/अक्षय निधि – जी.पी.एफ.		
ऋण (देयताएं)		
बैंक ओ.डी. खाता		
सुरक्षित ऋण		
असुरक्षित ऋण		
चालू देयताएं	**5,38,67,666.00**	**12,70,14,754.35**
राशि लेनदार		
राशि लेनदार – सी.पी.एफ.		
राशि लेनदार – नई पेंशन स्कीम		
राशि लेनदार – पेंशन		
बिलों से कटौती		
ठेकेदार से आयकर – योजना		
ठेकेदार से आयकर – परियोजना		
ठेकेदार से आयकर – योजनेतर		
वेतन से कटौती	**440.00**	
सी.पी.एफ. अंशदान		
जी.पी.एफ– अंशदान (प्रतिनियोक्ता)		
जी.पी.एफ– अंशदान तथा वसूली		
सामूहिक बीमा योजना	440.00	
जी.एस.एल.आई.सी. (प्रतिनियोक्ता)		

क्रमशः...

विवरण	अंत शेष	
	निकासी	जमा
जारी...		
आयकर (वेतन) – योजनेत्तर		
आयकर (वेतर) – योजना		
आयकर (वेतर) – परियोजना		
योजना अध्ययन के अंतर्गत आयकर		
एल.आई.सी.		
नई पेंशन स्कीम की वसूली		
सोसायटी वसूली		
विशिष्ट परियोजना	**5,38,67,226.00**	**7,44,05,201.35**
ड्यूटी तथा टैक्स		
प्रावधान		**5,20,00,000.00**
प्रावधान – ग्रेच्युटी		80,00,000.00
प्रावधान – अवकाश वेतन		40,00,000.00
प्रावधान – पेंशन		4,00,00,000.00
विभिन्न लेनदार		
निवल देय		
भुगतान:		
वेतन देय		
प्रतिभूति जमा योजना		4,54,993.00
जर्नल की सदस्या (अग्रिम)		1,54,560.00
निधि हस्तांतरण – योजना		
निधि हस्तांतरण – योजनेत्तर		
परियोजना खाते से हस्तांतरण अनुदान		
अचल संपत्तियां	**14,30,37,080.70**	
1027 – जर्नल की खरीद	36,15,306.00	
2025 – फर्नीचर और साजो–सामान	59,62,501.24	
2026 – अन्य कार्यालय उपकरण	1,11,70,725.42	
2027 – पुस्तकालयों की पुस्तकें	30,34,471.15	

क्रमश:...

विवरण	अंत शेष	
	निकासी	जमा
जारी...		
2028 – कंप्यूटर तथा अन्य सामग्री	25,61,001.60	
2029 – जर्नल की खरीद	1,03,93,399.65	
2030 – ई–जर्नल की खरीद	15,57,726.79	
भूमि	2,17,215.03	
कार्यालय भवन	9,59,80,682.99	
स्टाफ कार खरीद	12,26,481.83	
कार्यायल भवन का जीर्णोद्धार		
कार्य जारी – सिविल	56.25,013.00	
कार्य जारी – इलैक्ट्रिकल	16,92,556.00	
निवेश		
निवेश – एन.पी.एस.		
निवेश – भविष्य निधि		
वर्तमान परिसंपत्तियां	**9,61,67,301**	
स्टाफ को अग्रिम		
2033 – विविध अग्रिम		
2034 – यात्रा अग्रिम		
अग्रदाय – योजना		
अवकाश यात्रा अग्रिम		
चिकित्सा अग्रिम		
यात्रा अग्रिम		
प्रोद्भूत ब्याज	**1,65,340.00**	
आय प्रोद्भूत – हॉस्टल		
ऋण तथा अग्रिम पर ब्याज प्रोद्भूत	1,65,340.00	
पी.एफ. निवेश पर ब्याज प्रोद्भूत		
वसूली योग्य – स्टाफ	**4,21,895.00**	
कार अग्रिम	1,56,000.00	
कंप्यूटर अग्रिम	54,000.00	

क्रमशः...

विवरण	अंत शेष	
	निकासी	जमा
जारी...		
त्योहार अग्रिम	88,500.00	
जी.एस.एल.आई.एस.		
भवन निर्माण अग्रिम	86,550.00	
स्कूटर अग्रिम	36,845.00	
ओपनिंग स्टॉक		
जमा (परिसंपत्तियां)	**4,36,48,999.00**	
सी.पी.डब्ल्यू.डी. को जमा – सिविल/इलैक्ट्रिकल		
ऋण तथा अग्रिम (परिसंपत्तियां)		
विविध देनदार	98,298.00	
हस्तगत रोकड़		
रोकड़		
बैंक खाते	**5,14,67,813.94**	
1000 – एस.बी.आई. – 10137881320 – योजनेतर	58,75,224.93	
2000 – सिंडीकेट बैंक – 91.1112 – योजना	95,76,066.75	
3000 – सिंडीकेट बैंक 91.1092 – परियोजना	2,05,37,975.35	
5000 – नेपाल परियोजना		
6000 – हॉस्टल खाता	3,04,242.86	
8000 – केनरा बैंक	1,51,74,304.05	
हस्तगत डाक टिकट	98,562.00	
हस्तगत – प्रकाशन	2,66,393.00	
शाखा/विभाग		
विविध व्यय (परिसंपत्तियां)		
निलंबित खाते		
बिक्री खाते		
क्रय खाते		
अप्रत्यक्ष आय		**20,07,69,991.30**
प्राप्तियां – योजनेत्तर		11,12,95,327.71

क्रमश:...

विवरण	अंत शेष	
	निकासी	जमा
मा.सं.वि. मंत्रालय से प्राप्त अनुदान-योजनेत्तरं		10,34,39,209.00
छात्रावास किराया		46,57,171.00
ब्याज वाली पेशगियों पर ब्याज		1,34,852.00
बचत खाता पर ब्याज		7,70,613.00
अवकाश वेतन तथा पेंशन योगदान		7,75,033.00
विविध प्राप्तियां		2,16,665.00
लाइसेंस शुल्क की वसूली		2,74,947.00
जल प्रभार की वसूली		5,079.00
रायल्टी		61,021.71
अनुपयोगी वस्तुओं की बिक्री		5,82,399.00
विवरणिका की बिक्री		8,900.00
प्रकाशन की बिक्री		2,28,638.00
टेंडर फार्म की बिक्री		26,500.00
छात्र शुल्क		1,14,300.00
स्टाफ़ कार का प्रयोग		
प्राप्तियां - एन.पी.सी.		
प्राप्तियां - योजना		7,43,03,046.80
मा.सं.वि. मंत्रालय से अनुदान - योजना		7,32,60,222.00
बचत खाता पर ब्याज - योजना		10,42,824.80
प्राप्तियां - भविष्य निधि		
8001 — प्राप्तियां प्रशासनिक ऊपरी निधि		1,51,61,327.05
प्राप्तियां - हॉस्टल टेलीफोन बूथ		10,289.74
अप्रत्यक्ष व्यय	**23,62,98,775.91**	
योजनेत्तर - व्यय	**13,22,68,149.00**	
स्थापना व्यय - योजनेत्तर	12,15,30,933.00	
1001 — अधिकारियों को वेतन	2,78,34,680.00	
1002 — स्थापना को वेतन	1,39,25,208.00	

विवरण	अंत शेष	
	निकासी	जमा
जारी...		
1003 – वेतन – भत्ता	4,24,11,175.00	
1004 – समयोपरि भत्ता	78,904.00	
1005 – चिकित्सा प्रतिपूर्ति	28,92,739.00	
1006 – अवकाश यात्रा रियायत	14,28,664.00	
1007 – बोनस	2,55,902.00	
1008 – अंशदाता के पी.एफ– पर ब्याज		
1009 – वर्दी	14,443.00	
1010 – नई पेंशन योजना (सरकारी अंश)	8,60,697.00	
1011 – ग्रेच्यूटी		
1012 – पेंशन		
1013 – अवकाश		
1014 – यात्रा भत्ता	1,20,221.00	
1015 – अवकाश वेतन/पेंशन योगदान		
1016 – ट्यूशन शुल्क	7,32,409.00	
1034 – अंशदाता के एन.पी.एस. पर ब्याज		
प्रावधानों के लिये व्यय – ग्रेच्युटी	46,03,853.00	
प्रावधानों के लिये व्यय – पेंशन	2,30,60,348.00	
प्रावधानों के लये व्यय – अवकाश वेतन	33,11,690.00	
कार्यालय व्यय – योजनेत्तर	**1,07,37,216.00**	
1021 – लेखा शुल्क	1,37,385.00	
1022 – कानूनी व्यय	2,66,000.00	
1023 – बीमा	60,527.00	
1024 – स्टाफ कार की मरम्मत	1,19,974.00	
1025 – समाचार पत्र प्रभार	1,01,836.00	
1026 – पेट्रोल ऑयल तथा ल्यूब्रीकेंट्स	4,68,396.00	
1028 – दर/किराया तथा टैक्स	3,87,289,.00	
1029 – टेलीफोन प्रभार	9,55,717.00	

क्रमशः...

विवरण	अंत शेष	
	निकासी	जमा
जारी...		
1030 – जल प्रभार	17,220.00	
1031 – विद्युत प्रभार	64,45,448.00	
1032 – विविध आकस्मिकताएं	1,78,301.00	
1033 – भवन का रख–रखाव (सिविल/इलैक्ट्रिकल)		
1035 – हाऊसकीपिंग प्रभार	9,59,636.00	
1036 – सुरक्षा प्रभार	6,39,487.00	
योजना – व्यय	**10,40,30,626.91**	
1. स्थापना व्यय-योजना	**52,26,347.00**	
2001 – अधिकारियों का वेतन	24,35,387.00	
2002 – स्थापना व्यय	1,35,200.00	
2003 – भत्ते तथा मानदेय	26,27,088.00	
2004 – वर्दी	28,672.00	
2. कार्यालय व्यय – योजना	**1,62,93,755.34**	
2011 – टेलीफोन / टेलीग्राम प्रभार	1,03,997.00	
2016 – बागवानी	24,985.00	
2017 — बीमा		
2018 – कानूनी व्यय	17,400.00	
2019 – उपकरणों का रख–रखाव	18,74,665.00	
2020 – भवन का रख–रखाव	34,59,333.00	
2021 – समाचार पत्र प्रभार	22,165.00	
2022 – जल तथा विद्युत प्रभार	6,94,620.00	
2023 – किराया, दर तथा कर	4,21,470.00	
2024 – अन्य विविध प्रशासनिक व्यय	7,14,796.34	
2031 – हाऊस कीपिंग सेवाएं	9,81,034..00	
2032 — भवन का निर्माण (इलैक्ट्रिकल)		
2035 – सुरक्षा व्यय	1,23,845.00	
2038 – स्थानीय यात्रा भत्ता/टैक्सी प्रभार		

क्रमशः...

विवरण	अंत शेष	
	निकासी	जमा
जारी...		
2040 – फर्नीचर तथा फिक्चर रख-रखाव	51,113.00	
2042 – सिविल रख-रखाव – ए.आर.एम.ओ.	50,71,692.00	
2043 – विद्युत रख-रखाव – ए.आर.एम.ओ.	27,16,914.00	
2053 – बट्टा खाता	15,726.00	
3. अकादमिक व्यय – योजना	**2,36,01,272.57**	
2005 – विज्ञापन	22,67,311.00	
2006 – मनोरंजन प्रभार	27,84,041.00	
2007 – मुद्रण प्रभार	16,31,289.57	
2008 – पोस्टेज तथा टेलीग्राम	3,12,247.00	
2009 – स्टेशनरी / स्टोर मद	11,74,026.00	
2010 – छात्रवृत्ति, पुस्तकें तथा परियोजना	2,76,817.00	
2012 – अकादमिक कार्यक्रम व्यय	38,14,000.00	
2013 – संकाय को यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता	31,22,169.00	
2014 – भागीदारों को यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता	63,36,637.00	
2015 – संसाधन व्यक्तियों को मानदेय	4,55,876.00	
2036 – फोटोकॉपी प्रभार	4,60,835.00	
2037 – दैनिक मजदूरी/संविदा मज़दूर/डी.ई.ओ.	8,81,513.00	
2039 – अकादमिक संस्थानों को अंशदान	84,511.00	
4. विश्वविद्यालय अध्ययन एन.जी.ओ. योजना	**4,56,43,362.00**	
2041 – एम.फिल./पी.एच.डी. छात्रों को अध्येतावृत्ति	75,47,308.00	
2051 – एन.जी.ओ. को अनुदान	1,24,35,937.00	
2061 – संभावित आर्थिक तथा सामाजिक प्रभाव		
2062 – भारत में निजी विश्वविद्यालयों का अध्ययन		
2063 – डाइस डाटा का पोस्ट एनुमरेटिव सर्वेक्षण		
2064 – स्कूल शिक्षा में पहुंच, भागीदारी तथा अधिगम	4,64,198.00	
2065 – मॉडल शिक्षा की तैयारी – कोड नियम	2,10,133.00	
2066 – प्रारंभिक शिक्षा के संक्रमण का अध्ययन		

क्रमशः...

विवरण	अंत शेष	
	निकासी	जमा
जारी...		
2067 – युवा विद्यालय पर विश्व सम्मेलन		
2068 – बहुआयामी शिक्षा कार्यक्रम	29,000.00	
2069 – योजना के विकास हेतु प्रस्ताव		
2070 – शिक्षा के सामाजिक आयाम का केस अध्ययन	8,89,741.00	
2071 – अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण	1,83,87,744.00	
2072 – स्कूल प्रबंधन के लिए प्रशासन प्रशिक्षण		
2073 – मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठ		
2074 – छोटे प्राथमिक स्कूलों का अध्ययन	48,333.00	
2075 – पारिवारिक प्रशिक्षण स्कूल - डा. रश्मि	3,92,668.00	
2076 – राजस्थान के अनुसूचित जाति के बच्चे - डा. पांडा	1,38,000.00	
2077 – व्यावसायिक मार्गदर्शन - डा. विनिता	6,91,305.00	
2078 – 6वां स्थापना दिवस		
2979 – हू गोस् टू स्कूल? एन अनालिसिस ऑफ एम्पिरिकल	3,81,389.00	
2080 – विद्यालय गुणवत्ता का पुनरीक्षण - डा. मधुमिता	2,27,223.00	
2081 – अनुसंधान अध्ययन	2,68,634.00	
2082 – महात्मा गांधी अध्ययन संस्थान शिक्षा	21,00,000.00	
2083 – डी.ई.ओ. तथा बी.ई.ओ. क्षमता निर्माण सम्मेलन	14,31,749.00	
2084 – शैक्षिक दस्तावेजों का डिज़िटल भंडारण (डा. मैथ्यू)		
2085 – प्रकाशन एकक की योजनाएं (पी. रावत)		
5. उत्तर-पूर्वी क्षेत्र	**33,85,878.00**	
2052 – उत्तर-पूर्वी क्षेत्र	33,85,878.00	
6. एस.सी.एस.पी.	**3,00,409.00**	
एस.सी.एस.पी. जर्नल - शीर्ष 31	3,00,409.00	
एस.सी.एस.पी– ओबजेक्ट - शीर्ष 35		
7. टी.एस.पी.		
टी.एस.पी. जर्नल - शीर्ष 31		
टी.एस.पी. ओबजेक्ट - शीर्ष 35		

क्रमशः...

विवरण	अंत शेष	
	निकासी	जमा
जारी...		
8. अवमूल्यन	**70,56,667.00**	
अवमूल्यन – भवन	19,58,789.00	
अवमूल्यन – कंप्यूटर	6,40,250.00	
अवमूल्यन – ई–जर्नल	10,38,485.00	
अवमूल्यन – फर्नीचर	4,83,446.00	
अवमूल्यन – जर्नल	15,56,523.00	
अवमूल्यन – पुस्तकालय की पुस्तकें	3,37,163.00	
अवमूल्यन – कार्यालय उपकरण	9,05,735.00	
अवमूल्यन – गाड़ियां	1,36,276.00	
9. घाटा : परिसंपत्तियों की बिक्री	**25,22,936.00**	
घाटा – फर्नीचर की बिक्री	3,66,064.00	
घाटा – कार्यालय उपकरण की बिक्री	21,32,321.00	
घाटा – स्टाफ कार की बिक्री	24,551.00	
8002 – बैंक प्रभार		
लाभ तथा हानि लेखा		
महायोग	**52,93,70,823.55**	**52,93,70,823.55**

ह./-
(उषा त्यागराजन)
वित्त अधिकारी

ह./-
(बी.के. सिंह)
कुलसचिव

ह./-
(आर. गोविंदा)
कुलपति

लेखा परीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय के लेखे पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय के 31 मार्च 2013 के तुलन-पत्र की एवं 31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखाओं, प्राप्ति और भुगतान लेखाओं की नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, अधिकार और सेवा शर्तों) के अधिनियम 1971 की धारा 20(1) के अधीन लेखापरीक्षा कर ली है। हमें वर्ष 2015-16 तक की लेखा परीक्षा का कार्य सौंपा गया है। इस वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय के प्रबंधन की है। हमारी जिम्मेदारी इन वित्तीय विवरणों पर लेखापरीक्षा के आधार पर अपने विचार व्यक्त करने की है।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण के व्यवहार्य से एकरूपता, लेखाकरण के मानदंडों और पारदर्शिता के मानकों इत्यादि के संबंध में लेखाकरण व्यवहार पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां शामिल हैं। निरीक्षण रिपोर्टों/नि.म.ले. की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के द्वारा विधि, नियमों और विनियमों (स्वामित्व और नियामक) के अनुसार वित्तीय संचालन और कार्य निष्पादन सहित कार्यदक्षता संबंधी पक्षों इत्यादि पर लेखा परीक्षा की टिप्पणियां प्रस्तुत की जाती है।

3. हमने आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखापरीक्षा के मानदंडों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि वित्तीय विवरणों के अधिक यथार्थ विवरणों से युक्त होने के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम योजना तथा लेखा परीक्षा का निष्पादन करें। लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखाकरण के सिद्धांतों, महत्वपूर्ण आकलनों की समीक्षा के साथ-साथ प्रस्तुत किए गए संपूर्ण वित्तीय विवरणों का मूल्यांकन शामिल है। हमें विश्वास है कि लेखापरीक्षा हमारे विचारों को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हम अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर प्रतिवेदन करते हैं कि -

(i) लेखापरीक्षा उद्देश्य के लिए हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार हमने समस्त सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

(ii) तुलन-पत्र और आय एवं व्यय लेखे/प्राप्तियां एवं भुगतान लेखे वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रपत्र में सही प्रकार से तैयार किए गए हैं तथा लेखा बहियों के अनुसार हैं।

(iii) हमारी राय के अनुसार राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय ने समुचित रूप से लेखा पुस्तिकाओं और संबंधित दस्तावेजों का रखरखाव किया है जो कि ऐसी पुस्तिकाओं की जांच-पड़ताल से पता चलता है।

(iv) हम पुन: प्रतिवेदन करते हैं कि:

अ. आय और व्यय लेखा

अ.1 व्यय

अ.1.1 स्थापना व्यय (अनुसूची 15) - रु. 12.62 करोड़

विश्वविद्यालय के जी. पी. एफ / सी. पी. एफ. लेखा में रु. 1.45 लाख की राशि सदस्य के खाते में नियोक्ता योगदान के रूप में दिखायी गई है परंतु विश्वविद्यालय के मुख्य लेखा में यह राशि व्यय के रूप में नहीं दिखाई गई है। इसके परिणाम स्वरूप व्यय का अवमूल्यन हुआ है और पूंजीगत निधि में समान राशि का अधिमूल्यन हुआ है। तदनुसार चालू देयताएं लेखा में भी रु. 1.45 लाख का अवमूल्यन हुआ है।

ब. नई पेंशन योजना लेखा

ब.1 आय और व्यय लेखा

ब.1.1 आय - वास्तविक ब्याज - रु. शून्य

निवेश के रु. 33.50 लाख पर वास्तविक ब्याज रु. 1.61 लाख आय के रूप में नहीं दिखाया गया है। इसके कारण आय में रु. 1.61 लाख का अवमूल्यन हुआ है और साथ ही इतनी राशि का रा.पें.यो. की परिसंपत्ति और देयताएं में भी अवमूल्यन हुआ है।

स. सहायता अनुदान

विश्वविद्यालय ने रु. 2200.24 लाख (योजना में रु. 1129.80 लाख और योजनेतर में रु. 1074.40 लाख) का सहायता अनुदान प्राप्त किया। इसमें से रु. 168.67 योजनेतर लाख मार्च 2013 में प्राप्त हुए। विश्वविद्यालय ने रु. 101.87 लाख की प्राप्तियां (योजना में रु. 10.50 लाख और योजनेतर में रु. 91.37 लाख) अर्जित की। विश्वविद्यालय ने रु. 2633.23 लाख (योजना में रु. 1325.69 लाख और योजनेतर में रु. 1307.54 लाख) का उपयोग किया। अतिरिक्त व्यय की पूर्ति पूर्व वर्ष की शेष अनुदान राशि से की गई।

विश्वविद्यालय ने वर्ष के दौरान मा.सं.वि. मंत्रालय से विशिष्ट परियोजनाओं के लिए रु. 55.78 लाख का अनुदान प्राप्त किया और इन परियोजनाओं में रु. 145.36 लाख रोकड़ जमा था। कुल राशि रु. 201.14 लाख में से रु. 113.65 लाख रुपये वर्ष के दौरान व्यय किए गए और 31 मार्च, 2013 को रु. 87.49 लाख शेष पाया गया।

द. **प्रबंधन पत्र :** लेखा से संबंधित जो कमियां लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं की गई हैं, उन्हें दूर करने हेतु पृथक रूप से प्रबंधन पत्र के द्वारा कुलपति, न्यूपा के संज्ञान में लाया गया है।

(v) पिछले अनुच्छेद में टिप्पणी के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि इस लेखा रिपोर्ट में तुलन-पत्र तथा आय एवं व्यय/प्राप्तियां तथा भुगतान लेखा के विवरण लेखा पुस्तिका के अनुसार है।

(vi) हमारे विचार से और हमारी जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार कथित वित्तीय विवरण जो लेखाकरण की नीतियां और लेखों पर टिप्पणियां के अधीन माने गये हैं, उपर्युक्त महत्वपूर्ण विवरणों तथा इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट में अनुलग्नित भाग में प्रस्तुत अन्य दूसरी सामग्री आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखाकरण के सिद्धांतों के अनुसार सही और उचित रूप प्रस्तुत करते हैं:

(अ) जहाँ तक यह 31 मार्च 2013 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय के तुलन पत्र की स्थिति से संबंधित हैं।

(ब) जहाँ तक यह इसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अतिरिक्त आय तथा व्यय लेखे से संबंधित हैं।

भारत के नियंत्रक तथा महानिदेशक, लेखापरीक्षा की ओर से और कृते

ह./-

महानिदेशक, लेखापरीक्षा
केन्द्रीय व्यय

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 21.10.13

लेखा परीक्षा के लिये अनुलग्नक

1. आंतरिक लेखा परीक्षा व्यवस्था की पर्याप्तता

- न्यूपा द्वारा आंतरिक लेखा परीक्षा नहीं की गई।

2. आंतरिक नियंत्रण व्यवस्था की पर्याप्ता

अनुश्रवण

- लेखा टिप्पणियों पर प्रबंधन का उत्तर संतोषजनक नहीं था क्योंकि 2000-01 तथा 2011-12 की अवधि के दौरान 31 मार्च 2013 तक 33 अनुच्छेदों को उत्तर प्राप्त नहीं हुए।
- परिसंपत्ति रजिस्टर नहीं रखे जाते हैं।

3. संपत्तियों का भौतिक निरीक्षण

- 2011-12 वर्ष के लिये भूमि तथा भवन का भौतिक निरीक्षण नहीं किया गया था
- पुस्तकालय की पुस्तकों का भौतिक निरीक्षण पांच वर्ष में एक बार किया जाता है और वर्ष 2011-12 तक किया गया है।

4. इन्वेन्टरी की भौतिक जांच

- स्टेशनरी, प्रकाशन तथा उपभोग वस्तुओं की भौतिक जांच वर्ष 2011-12 तक कर ली गई है।

5. सांविधिक भुगतान में नियमितता

- लेखा के अनुसार, दिनांक 31 मार्च 2013 तक पिछले छः महीने से कोई भी सांविधिक देयता का भुगतान बाकी नहीं था।

अस्वीकरण : प्रस्तुत प्रतिवेदन (रिपोर्ट) मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।